विवरण	अनुक्रमाणिका	पृष्ठ क्र

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

कोड़ – 101 MVS

शैक्षणिक सत्र 2017–18

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए.

मुख्य विषय (अनिवार्य) – कोर्स 1,

संगीत शास्त्र

गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद)

सेमेस्टर 1

क्रेडिट 06

पूर्णांक 100

(बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –

- विद्यार्थियों को संगीतशास्त्र की प्रारम्भिक जानकारी उपलब्ध कराना।
- संगीत के पारिभाषिक शब्दों से अवगत कराना।
- अलंकारों एवं तालों का प्रारम्भिक परिचय।
- संगीतज्ञों का परिचय।

इकाई – 1 संगीत, नाद, श्रुति, स्वर (शुद्ध, विकृत, चल, अचल), सप्तक (मंद्र, मध्य, तार), वर्ण, अलंकार (पल्टा),, बोल (मिज़राब/जवा के बोल) प्रहार (आकर्ष, अपकर्ष) की जानकारी। दस थाटों के नाम व स्वर, लय (विलम्बित, मध्य, द्रुत), ठाह,, मात्रा, ताल, विभाग, सम, ताली, खाली, ठेका, आवर्तन की जानकारी।

इकाई – 2 पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे स्वरलिपि व ताल–लिपि का ज्ञान। शास्त्रीय संगीत, सुगम संगीत, चित्रपट संगीत, और लोक संगीत की संक्षिप्त जानकारी। गायन के परीक्षार्थियों के लिए तानपूरा तथा वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए अपने–अपने वाद्य का सामान्य परिचय तथा उनके विभिन्न अवयवों का सचित्र ज्ञान। साथ ही उनके तारों को विभिन्न स्वरों में मिलाने की जानकारी।

इकाई – 3 पंडित विष्णु दिगम्बर पलुस्कर, पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे, अमीर खुसरो, मानसिंह तोमर, स्वामी हरिदास एवं तानसेन का जीवन परिचय तथा संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान।

इकाई – 4 बिलावल एवं कल्याण थाट में अलंकारों का लेखन। त्रिताल, एकताल, दादरा एवं कहरवा तालों का परिचय एवं ठाह सहित ताल–लिपि में लेखन।

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 1

2 राग परिचय भाग 1

3 सुबोध संगीत शास्त्र

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन / स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

कोड़ – 102 MVS

शैक्षणिक सत्र 2017–18

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए.

मुख्य विषय (अनिवार्य) – कोर्स 2,
तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग– I
गायन / स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद)

सेमेस्टर 1

क्रेडिट 04

पूर्णांक 100

(बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –

- गायन अथवा वादन के माध्यम से स्वरों का प्रारम्भिक अभ्यास।
- सरल अलंकारों का गायन एवं वादन ।
- लय का प्रारम्भिक अभ्यास।

A अलंकारों का अभ्यास

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–

- बिलावल एवं कल्याण थाटों में 15–15 अलंकारों का गायन।

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- बिलावल एवं कल्याण थाटों में 15–15 अलंकारों का वादन।

B पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का ताली देकर प्रदर्शन –

- त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा ।

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 1

2 राग परिचय भाग 1

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

कोड़ – 103MVS | शैक्षणिक सत्र 2017–18

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए.

मुख्य विषय (अनिवार्य) – कोर्स 3, | क्रेडिट 04

सेमेस्टर 1 | तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग– II | पूर्णांक 100

गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद) | (बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –

- राष्ट्रगान का गायन एवं वादन ।
- गीत एवं धुन की प्रस्तृति।
- दा दिर दा रा बोलों एवं आधे व पूर्ण गज के आधार अंलकारों का वादन ।

A गायन एवं वादन –

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–

- राष्ट्रगान गायन
- दो भजनों की प्रस्तुति
- एक देशभक्ति पूर्ण गीत तथा एक लोकगीत का गायन

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- राष्ट्रगान का वादन
- एक धुन

B

- विभिन्न बोलों के आधार पर अलंकारों का वादन एव गज वाद्य हेतु विभिन्न प्रकार से गज संचालन कर अलंकारों का वादन

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 1

2 राग परिचय भाग 1

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

कोड़ – 201MVS

शैक्षणिक सत्र 2017–18

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए.

मुख्य विषय (अनिवार्य) – कोर्स 1,

संगीत शास्त्र

गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद)

सेमेस्टर 2

क्रेडिट 06

पूर्णांक 100

(बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –

- विद्यार्थियों को थाट एवं राग की जानकारी।
- गीत प्रकारों का अध्ययन।
- गायक/वादक के गुण–दोषों की जानकारी।

इकाई – 1 बाईस श्रुतियों में वर्तमान सप्तक की स्वर स्थापना। अष्टक, पूर्वांग, उत्तरांग,, आलाप, तान, की जानकारी। स्थायी, अन्तरा, संचारी, आभोग की परिभाषा। राग एवं थाट की परिभाषा तथा उनका तुलनात्मक अध्ययन। आश्रयराग, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, वर्जित स्वर, आरोह–अवरोह, रागस्वरूप (पकड़), राग की जाति (औडव, षाड़व व सम्पूर्ण) का अध्ययन।

इकाई – 2 ख्याल, लक्षणगीत, स्वरमालिका व रज़ाखानी गत का परिचय। गायक/वादक के गुण–दोष। झपताल, चौताल और रूपक तालों का परिचय एवं ठाह सहित ताल–लिपि में लेखन।

इकाई – 3 पाठ्यक्रम के राग यमन, बिलावल/अल्हैया बिलावल एवं भूपाली का शास्त्रीय परिचय।

इकाई – 4 निम्न अ एवं ब को भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास –

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–

- भैरव एवं काफी थाट में अंलकारों का लेखन
- यमन, बिलावल/अल्हैया बिलावल एवं भूपाली में स्वर–मालिका एवं लक्षणगीत।
- यमन, बिलावल/अल्हैया बिलावल एवं भूपाली राग में तीन–तीन तानों सहित एक–एक मध्यलय ख्याल।

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- भैरव एवं काफी थाट में अंलकारों का लेखन
- यमन, बिलावल/अल्हैया बिलावल एवं भूपाली राग में मध्यलय अथवा रज़ाखानी गत अथवा द्रुतलय की रचना। (तीन–तीन तानों/तोड़ों सहित)

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 2

2 राग परिचय भाग 2

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

कोड़ – 202MVS

शैक्षणिक सत्र 2017–18

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए.

मुख्य विषय (अनिवार्य) – कोर्स 2,
तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग – III
गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद)

सेमेस्टर 2

क्रेडिट 04
पूर्णांक 100
(बाह्य मूल्यांकन – 70)
(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –

- मध्यलय ख्याल का गायन।
- रज़ाखानी गत का वादन।
- तालों की जानकारी एवं उनका दुगुन की लय में प्रदर्शन।

A अलंकार एवं राग प्रस्तुति

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–

- राग यमन, बिलावल/अल्हैया बिलावल एवं भूपाली रागों में स्वरमालिका एवं लक्षणगीत।
- राग यमन, बिलावल/अल्हैया बिलावल एवं भूपाली राग में एक–एक मध्यलय ख्याल। (तीन आलाप एवं तीन तानों सहित)

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- राग यमन, बिलावल/अल्हैया बिलावल एवं भूपाली रागों में एक–एक मध्यलय/द्रुतलय की रचना अथवा रजाखानी गत (तीन तानों/तोड़ों सहित)

B पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का ताली देकर प्रदर्शन –

- झपताल, चौताल और रूपक तालों को ताली देकर ठाह लय में प्रदर्शन तथा त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा तालों को ठाह एवं दुगुन में ताली देकर प्रदर्शन।

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 2

2 राग परिचय भाग 2

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

कोड़ – 203MVS

शैक्षणिक सत्र 2017–18

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए.

मुख्य विषय (अनिवार्य) – कोर्स 3,

तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग – IV

गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद)

सेमेस्टर 2

क्रेडिट 04

पूर्णांक 100

(बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –

- क्लिष्ट अलंकारों का गायन एवं वादन ।
- विश्वविद्यालय कुलगीत की प्रस्तुति।
- धुन एवं झाला का वादन ।

A गायन एवं वादन –

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–

- भैरव एवं काफी थाट में अलंकारों का गायन
- राष्ट्रगीत (वन्देमातरम) का गायन
- विश्वविद्यालय का कुलगीत

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- भैरव एवं काफी थाट में सरल एवं क्लिष्ट अलंकारों का वादन
- एक धुन

B
- झाला वादन का अभ्यास

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 2

2 राग परिचय भाग 2

———————

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

कोड़ – 301MVS

शैक्षणिक सत्र 2017–18

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए.

मुख्य विषय (अनिवार्य) – कोर्स 1,

क्रेडिट 06

सेमेस्टर 3

संगीत शास्त्र

पूर्णांक 100

गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद)

(बाह्य मूल्यांकन – 70)
(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –

- कर्नाटक संगीत का प्रारम्भिक ज्ञान।
- समय सिद्धान्त से अवगत कराना।
- शास्त्रीय संगीत की महान विभूतियों से परिचित करवाना।

इकाई – 1 हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक संगीत पद्धति के शुद्ध विकृत स्वरों का तुलनात्मक अध्ययन। पूर्वांग वादी–उत्तरांगवादी राग। वादी स्वर से राग गायन के समय का संबंध। संधि प्रकाश राग, अध्वदर्शक स्वर, परमेल प्रवेशक राग की जानकारी। मसीतखानी गत एवं तराना का परिचय।

इकाई – 2 (अ) सदारंग–अदारंग, बैजु–बख्शू, गोपाल नायक, हद्दू–हस्सूखाँ उ. अब्दुलकरीम खॉ, बाबा अलाउद्दीन खाँ, पं. पन्नालाल घोष का संक्षिप्त जीवन परिचय तथा संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान।

(ब) त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, रूपक, तीव्रा, झपताल, सूलताल तथा चौताल के ठेकों का ज्ञान एवं ठाह तथा दुगुन में लिखने का अभ्यास।

इकाई – 3 पाठ्यक्रम के राग यमन, भैरव, बिहाग, बागेश्री, भीमपलासी और वृन्दावनी सारंग का शास्त्रीय परिचय।

इकाई – 4 निम्न अ एवं ब को भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास –

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए –

- पाठ्यक्रम के सभी रागों में स्वर–मालिका एवं लक्षणगीत।
- पाठ्यक्रम के राग यमन एवं भैरव में आलाप तथा तानों सहित विलम्बित ख्याल।
- पाठ्यक्रम के सभी रागों में आलाप एवं तानों सहित एक–एक मध्यलय ख्याल।

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- पाठ्यक्रम के राग यमन एवं भैरव में विलम्बित अथवा मसीतखानी गत।
- पाठ्यक्रम के सभी रागों मध्यलय/द्रुतलय की रचना अथवा रजाखानी गत । (तानों/तोड़ों सहित)

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 3

2 राग परिचय भाग 3

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

कोड़ – 302MVS

शैक्षणिक सत्र 2017–18

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए.

मुख्य विषय (अनिवार्य) – कार्स 2,
तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग – V
गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद)

क्रेडिट 04

सेमेस्टर 3

पूर्णांक 100
(बाह्य मूल्यांकन – 70)
(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –

- विलम्बित ख्याल का प्रारम्भिक परिचय।
- मसीतखानी गत का वादन।
- तराना गीत प्रकार की जानकारी।

A पाठ्यक्रम के राग – राग यमन एवं भैरव का विस्तृत प्रायोगिक ज्ञान

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–

- पाठ्यक्रम के रागों में स्वर–मालिका एवं लक्षणगीत
- पाठ्यक्रम के राग यमन एवं भैरव में एक–एक विलम्बित ख्याल तथा एक–एक मध्यलय ख्याल आलाप तथा तानों सहित
- पाठ्यक्रम के किसी एक राग में तराना

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए –

- पाठ्यक्रम के राग यमन एवं भैरव में एक–एक विलम्बित/मसीतखानी गत तथा एक–एक मध्यलय/द्रुतलय की रचना अथवा रज़ाखानी गत तानों/तोड़ों सहित
- एक धुन

B पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का ताली देकर ठाह एवं दुगुन में प्रदर्शन –

- त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, रूपक, तीव्रा, झपताल, सूलताल तथा चौताल के ठेकों का ज्ञान एवं ठाह/दुगुन में हाथ से ताली देकर प्रदर्शन

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 2
2 राग परिचय भाग 2

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

कोड़ – 303MVS

शैक्षणिक सत्र 2017–18

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए.

मुख्य विषय (अनिवार्य) – कोर्स 3,

तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग– VI

गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद)

सेमेस्टर 3

क्रेडिट 04

पूर्णांक 100

(बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –

- अलंकारों का अभ्यास।
- रागों का अध्ययन।

पाठ्यक्रम के राग – बिहाग, बागेश्री, भीमपलासी एवं वृन्दावनी सारंग

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए –

- भैरवी एवं आसावरी थाट में सरल एवं क्लिष्ट अलंकारों का गायन
- बिहाग, बागेश्री, भीमपलासी एवं वृन्दावनी सारंग में स्वरमालिका, लक्षणगीत
- बिहाग, बागेश्री, भीमपलासी एवं वृन्दावनी सारंग में मध्यलय ख्याल आलाप तान सहित।

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- भैरवी एवं आसावरी थाट में सरल एवं क्लिष्ट अलंकारों का वादन
- बिहाग, बागेश्री, भीमपलासी एवं वृन्दावनी सारंग में मध्यलय/द्रुतलय/रज़ाखानी गत तान तोड़ों सहित

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 2

2 राग परिचय भाग 2

———————

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

कोड़ – 401MVS

शैक्षणिक सत्र 2017–18

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए.

मुख्य विषय (अनिवार्य) – कोर्स 1,

क्रेडिट 06

सेमेस्टर 4

संगीत शास्त्र

पूर्णांक 100

गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद)

(बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –

- विभिन्न स्केल का अध्ययन।
- ध्वनि की विशेषताओं का जानकारी।
- तिहाई के प्रकार एवं लय के संदर्भ में ताल का प्रारम्भिक अध्ययन।

इकाई – 1 स्वर अंतराल (Interval), टोन, मेजर टोन, माइनर टोन, सेमीटोन), स्केल – नेचरल स्केल, डायटोनिक स्केल, टेम्पर्ड स्केल। अनुनाद (Resonance) डोल, (Beat) प्रतिध्वनि (Echo) एवं उपस्वर (स्वयंभू स्वर, Overtone) प्रमुख स्वर संवादों का अध्ययन। तार की लम्बाई और ध्वनि की आवृत्ति का पारस्परिक सम्बन्ध। भारतीय एवं पाश्चात्य वाद्य वर्गीकरण का अध्ययन। वितत् वाद्य का स्पष्टीकरण।

इकाई – 2 मींड, कण, खटका मुर्की, आलाप, तान, सूत, घसीट, ज़मज़मा और तोड़ा की जानकारी। बोल–आलाप, बोलतान, कृन्तन, जोड़, झाला, की परिभाषा। तिहाई की परिभाषा एवं प्रकार अतीत–अनागत की जानकारी। ध्रुपद एवं धमार गीत प्रकारों का परिचय त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा झपताल, सूलताल तथा चौताल के ठेकों का ज्ञान एवं ठाह, दुगुन एवं चौगुन में लेखन।

इकाई – 3 भूपाली, बिहाग, बागेश्री रागों का विस्तृत अध्ययन। केदार, आसावरी, दुर्गा, मालकौन्स रागों का सामान्य शास्त्रीय परिचय।

इकाई – 4 निम्न अ एवं ब को भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास –

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए –

- भूपाली, बिहाग, बागेश्री रागों में आलाप तथा तानों सहित एक–एक विलम्बित ख्याल
- भूपाली, बिहाग, बागेश्री, केदार, आसावरी, दुर्गा, मालकौन्स रागों में स्वर–मालिका एवं लक्षणगीत तथा एक–एक मध्यलय ख्याल आलाप तान सहित

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- भूपाली, बिहाग, बागेश्री रागों में एक–एक विलम्बित/मसीतखानी गत
- भूपाली, बिहाग, बागेश्री, केदार, आसावरी, दुर्गा, मालकौन्स में एक–एक मध्यलय/द्रुतलय की रचना अथवा रज़ाखानी गत तानों/तोड़ों सहित

मूल्यांकन

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 4

2 राग परिचय भाग 3एवं 4

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

कोड़ – 402MVS | शैक्षणिक सत्र 2017–18

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए.

मुख्य विषय (अनिवार्य) – कोर्स 2, | क्रेडिट 04

सेमेस्टर 4

तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग–VII | पूर्णांक 100

गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद) | (बाह्य मूल्यांकन – 70) (आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –

- रागों का प्रायोगिक प्रदर्शन।
- ध्रुपद शैली से परिचय।
- रागों का तन्त्रकारी के साथ प्रस्तुति।

A पाठ्यक्रम के राग – राग भूपाली, बिहाग एवं बागेश्री रागों का विस्तृत प्रायोगिक ज्ञान

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–

- पाठ्यक्रम के सभी रागों में स्वर–मालिका एवं लक्षणगीत
- पाठ्यक्रम के भूपाली, बिहाग एवं बागेश्री रागों में एक–एक विलम्बित ख्याल तथा एक–एक मध्यलय ख्याल आलाप तथा तानों सहित
- पाठ्यक्रम के किसी एक राग में ध्रुपद गायन दुगुन सहित

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- पाठ्यक्रम के भूपाली, बिहाग एवं बागेश्री रागों में एक–एक विलम्बित/मसीतखानी गत तथा एक–एक मध्यलय/द्रुतलय की रचना अथवा रज़ाखानी गत तानों/तोड़ों सहित
- तीनताल के अतिरिक्त अन्य ताल में रचना।

B पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का ताली देकर ठाह एवं दुगुन में प्रदर्शन –

- त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, झपताल, सूलताल तथा चौताल के ठेकों का ज्ञान एवं ठाह, दुगुन एवं चौगुन में हाथ से ताली देकर प्रदर्शन ।

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 2

2 राग परिचय भाग 2

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

कोड़ – 403MVS

शैक्षणिक सत्र 2017–18

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए.

मुख्य विषय (अनिवार्य) – कोर्स 3,

तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग– VIII

गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद)

सेमेस्टर 4

क्रेडिट 04

पूर्णांक 100

(बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –

- रागों का सामान्य परिचय।
- रागों की सामान्य प्रस्तुति।
- धुन का प्रदर्शन

पाठ्यक्रम के राग – दुर्गा, आसावरी, केदार और मालकौन्स

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–

- दुर्गा, आसावरी, केदार और मालकौन्स में स्वरमालिका, लक्षणगीत
- दुर्गा, आसावरी, केदार और मालकौन्स में मध्यलय ख्याल आलाप तान सहित।

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- दुर्गा, आसावरी, केदार और मालकौन्स में मध्यलय/द्रुतलय/रजाखानी गत तान तोड़ों सहित
- एक धुन

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 2

2 राग परिचय भाग 2–4

––––––––––

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

कोड़ – 501MVS | स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए. | शैक्षणिक सत्र 2017–18

मुख्य विषय (अनिवार्य) – कोर्स 1, | क्रेडिट 05

सेमेस्टर 5 | संगीत शास्त्र | पूर्णांक 100

गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद)

(बाह्य मूल्यांकन – 70)
(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –
- राग वर्गीकरण का अध्ययन।
- थाट एवं राग की निर्मिति सिद्धान्तों का अध्ययन।
- कलाकारों के सांगीतिक योगदान की जानकारी।

इकाई – 1 राग–रागिनी, थाट–राग तथा शुद्ध, छायालग और संकीर्ण राग वर्गीकरण का अध्ययन। पं. व्यंकटमखी के 72 मेल, उत्तर भारतीय संगीत में एक सप्तक से 32 थाटों की निर्माण विधि एवं एक थाट से 484 रागों की उत्पत्ति।

इकाई – 2 (अ) उ. फैयाज खाँ, उ. बड़े गुलामअली खा, पं. रविशंकर, उ. अलीअकबर खाँ, उ. विलायत खाँ, पं. वी. जी. जोग, उ. बिस्मिल्ला खा, पं. हरिप्रसाद चौरसिया, का संक्षिप्त जीवन परिचय एवं संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान।

(ब) रूपक, तीव्रा, तिलवाड़ा, धमार, आडाचौताल, दीपचन्दी एवं झूमरा ठेकों का ज्ञान एवं दुगुन में लिखने का अभ्यास।

इकाई – 3 पाठ्यक्रम के राग वृन्दावनी सारंग, भीमपलासी एवं केदार रागों का विस्तृत अध्ययन। काफी, शंकरा, तोड़ी एवं पूरिया धनाश्री रागों का सामान्य शास्त्रीय परिचय।

इकाई – 4 निम्न अ एवं ब को भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास –

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए –
- वृन्दावनी सारंग, भीमपलासी एवं केदार में आलाप तथा तानों सहित एक–एक विलम्बित ख्याल
- वृन्दावनी सारंग, भीमपलासी, केदार, काफी, शंकरा, तोडी एवं पूरिया धनाश्री में स्वरमालिका, एवं लक्षणगीत
- वृन्दावनी सारंग, भीमपलासी, केदार, काफी, शंकरा, तोड़ी एवं पूरियाधनाश्री रागों में एक–एक मध्यलय ख्याल आलाप तान सहित

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–
- वृन्दावनी सारंग, भीमपलासी एवं केदार में रागों में एक–एक विलम्बित/मसीतखानी गत आलाप तान सहित
- वृन्दावनी सारंग, भीमपलासी, केदार, काफी, शंकरा, तोड़ी एवं पूरियाधनाश्री रागों में एक–एक मध्यलय/द्रुतलय की रचना अथवा रज़ाखानी गत तानों/तोड़ों सहित

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 4
2 राग परिचय भाग 3एवं 4

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

कोड़ – 502MVS

शैक्षणिक सत्र 2017–18

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए.

मुख्य विषय (अनिवार्य) – कोर्स 2,

क्रेडिट 05

सेमेस्टर 5

तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग– IX

पूर्णांक 100

गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद)

(बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –

- रागों का विस्तृत प्रायोगिक प्रदर्शन
- धमार शैली से परिचय।
- रागों का तीनताल के अतिरिक्त अन्य तालों में वादन।

A पाठ्यक्रम के राग – वृन्दावनी सारंग, भीमपलासी, केदार रागों का विस्तृत प्रायोगिक ज्ञान

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–

- पाठ्यक्रम के वृन्दावनी सारंग, भीमपलासी, केदार रागों में एक–एक विलम्बित ख्याल तथा एक–एक मध्यलय ख्याल आलाप तथा तानों सहित
- पाठ्यक्रम के किसी एक राग में धमार गायन दुगुन सहित।

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- पाठ्यक्रम के वृन्दावनी सारंग, भीमपलासी, केदार रागों में एक–एक विलम्बित/मसीतखानी गत तथा एक–एक मध्यलय/द्रुतलय की रचना अथवा रज़ाखानी गत आलाप एवं तानों/तोड़ों सहित
- पाठ्यक्रम के किसी एक राग में तीनताल से भिन्न अन्य ताल में एक रचना का तानों/तोड़ों सहित प्रदर्शन

B पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का ताली देकर ठाह एवं दुगुन में प्रदर्शन –

- रूपक, तीव्रा, तिलवाडा, धमार, आड़ाचौताल, दीपचन्दी एवं झूमरा ठेकों का ठाह एवं दुगुन में हाथ से ताली देकर प्रदर्शन ।

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 4

2 राग परिचय भाग 2–4

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन / स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

कोड़ – 503MVS | शैक्षणिक सत्र 2017–18

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए.

मुख्य विषय (अनिवार्य) – कोर्स 3, | क्रेडिट 05

सेमेस्टर 5 | तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग– X | पूर्णांक 100

गायन / स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद) | (बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –

- रागों का सामान्य परिचय।
- रागों की सामान्य प्रस्तृति।
- धुन का प्रदर्शन

पाठ्यक्रम के राग – काफी, शंकरा, तोड़ी एवं पूरियाधनाश्री

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–

- काफी, शंकरा, तोड़ी एवं पूरियाधनाश्री में स्वरमालिका एवं लक्षणगीत
- काफी, शंकरा, तोड़ी एवं पूरियाधनाश्री में मध्यलय ख्याल आलाप तान सहित

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- काफी, शंकरा, तोड़ी एवं पूरियाधनाश्री में मध्यलय / द्रुतलय / रज़ाखानी गत तान / तोड़ों सहित
- एक धुन

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 2

2 राग परिचय भाग 2–4

———————

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

कोड़ – 601MVS | स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए. | शैक्षणिक सत्र 2017–18

मुख्य विषय (अनिवार्य) – कोर्स 1 | क्रेडिट 05

सेमेस्टर 6 | संगीत शास्त्र | पूर्णांक 100

गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद) | (बाह्य मूल्यांकन – 70) (आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –
- विभिन्न घरानों का अध्ययन।
- तानों के प्रकार की जानकारी।
- लयकारी का परिचय।

इकाई – 1 घराने की परिभाषा एवं स्पष्टीकरण। ख्याल के ग्वालियर, आगरा, दिल्ली, पटियाला, किराना और जयपुर घरानों का सामान्य परिचय तथा सेनिया घराने की सामान्य जानकारी।

इकाई – 2 आविर्भाव, तिरोभाव, नायकी, गायकी, तारपरन तथा लागडाट की परिभाषा। तान के प्रकार। आड़, कुआड़, बिआड़ लयों की जानकारी। त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, झपताल, चौताल, धमार, तिलवाड़ा, रूपक, तीव्रा, सूलताल, आड़ाचौताल, दीपचंदी तथा झूमरा तालों का परिचय एवं उन्हें तिगुन, चौगुन में लिखने का अभ्यास।

इकाई – 3 पाठ्यक्रम के राग अल्हैया बिलावल, तोड़ी एवं मालकौन्स रागों का विस्तृत अध्ययन। देस, तिलककामोद, मारवा, पूरिया एवं पूर्वी रागों का सामान्य शास्त्रीय परिचय।

इकाई – 4 निम्न अ एवं ब को भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास –

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए –
- राग अल्हैया बिलावल, तोड़ी एवं मालकौन्स रागों में आलाप तथा तानों सहित एक–एक विलम्बित ख्याल।
- राग अल्हैया बिलावल, तोड़ी, मालकौन्स देस, तिलककामोद, मारवा, पूरिया एवं पूर्वी में स्वरमालिका एवं लक्षणगीत
- राग बिलावल, तोड़ी मालकौन्स देस, तिलककामोद, मारवा, पूरिया एवं पूर्वी रागों में एक–एक मध्यलय ख्याल आलाप तान सहित

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–
- राग अल्हैया बिलावल, तोड़ी एवं मालकौन्स रागों में एक–एक विलम्बित/मसीतखानी गत आलाप तान सहित।
- राग बिलावल, तोड़ी मालकौन्स देस, तिलककामोद, मारवा, पूरिया एवं पूर्वी रागों में एक–एक मध्यलय/द्रुतलय की रचना अथवा रज़ाखानी गत तानों/तोड़ों सहित

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 4

2 राग परिचय भाग 3एवं 4

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

कोड़ – 602MVS

शैक्षणिक सत्र 2017–18

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए.

मुख्य विषय (अनिवार्य) – कोर्स 2,

तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग–XI

गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद)

सेमेस्टर 6

क्रेडिट 05

पूर्णांक 100

(बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –

- रागों का विस्तृत प्रायोगिक प्रदर्शन।

। पाठ्यक्रम के राग – राग अल्हैया बिलावल, तोड़ी और मालकौन्स रागों का विस्तृत प्रायोगिक ज्ञान

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–

- पाठ्यक्रम के राग अल्हैया बिलावल, तोड़ी, मालकौन्स रागों में एक–एक विलम्बित ख्याल तथा एक–एक मध्यलय ख्याल आलाप तथा तानों सहित

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- पाठ्यक्रम के राग अल्हैया बिलावल, तोड़ी एवं मालकौन्स रागों में एक–एक विलम्बित/मसीतखानी गत तथा एक–एक मध्यलय/द्रुललय की रचना अथवा रज़ाखानी गत आलाप एवं तानों/तोड़ों सहित

ठ पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का ताली देकर ठाह एवं दुगुन में प्रदर्शन –

- दादरा, कहरवा, रूपक, झपताल, एकताल एवं तीनताल ठेकों का ठाह एवं तिगुन एवं चौगुन में हाथ से ताली देकर प्रदर्शन ।

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 4

2 राग परिचय भाग 2–4

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

कोड़ – 603MVS

शैक्षणिक सत्र 2017–18

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए.

मुख्य विषय (अनिवार्य) – कोर्स 3,

तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग– XII

गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद)

सेमेस्टर 6

क्रेडिट 05

पूर्णांक 100

(बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –

- रागों का सामान्य परिचय।
- गायन की चतुरंग शैली की सामान्य प्रस्तुति।
- धुन का प्रदर्शन।

पाठ्यक्रम के राग काफी, शंकरा, तोड़ी एवं पूरियाधनाश्री

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–

- देस, तिलककामोद, मारवा, पूरिया एवं पूर्वी रागों में स्वरमालिका, एवं लक्षणगीत
- देस, तिलककामोद, मारवा, पूरिया एवं पूर्वी रागों में मध्यलय ख्याल आलाप तान सहित
- पाठ्यक्रम के किसी राग में एक चतुरंग का प्रदर्शन

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- देस, तिलककामोद, मारवा, पूरिया एवं पूर्वी रागों में मध्यलय/द्रुतलय/रज़ाखानी गत तान तोड़ों सहित
- एक धुन

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 2

2 राग परिचय भाग 2–4

––––––––––

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

कोड़ – 701MVS

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए.

शैक्षणिक सत्र 2017–18

मुख्य विषय (अनिवार्य) – कोर्स 1,

संगीत शास्त्र

गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद)

सेमेस्टर 7

क्रेडिट 05

पूर्णांक 100

(बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –

- श्रुति का विस्तृत अध्ययन।
- कलाकारों के सांगीतिक योगदान से परिचय।
- लयकारी में ताल लेखन ।

इकाई – 1 गांधर्व गान, मार्ग–देशी एवं ग्राम–मूर्च्छना का प्रारंभिक परिचय। भरत का श्रुति–निदर्शन एवं शारंगदेव द्वारा उल्लिखित चतुःसारणा का परिचय। गमक की परिभाषा और प्रकार (संगीतरत्नाकर के अनुसार)।

इकाई – 2 (अ) पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर स्वरलिपि वताललिपि पद्धति का परिचय। स्टाफ नोटेशन (स्वरलिपि) पद्धति का सामान्य परिचय। पाठ्यक्रम के रागों के आरोह–अवरोह व पकड़ का इस पद्धति में लेखन।

(ब) पाठ्यक्रम के ताल– तीनताल, एकताल, धमार, झपताल और रूपक ताल के ठेकों को आड़ (दो मात्रा में तीन मात्रा) की लयकारी को भातखण्डे ताल लिपि में लिखने का अभ्यास।

इकाई – 3 पाठ्यक्रम के राग जौनपुरी, पूरिया, दरबारी कान्हड़ा एवं छायानट रागों का आलाप सहित विस्तृत अध्ययन। मुल्तानी, कामोद, हमीर, पटदीप, सोहनी और खमाज रागों का सामान्य शास्त्रीय परिचय। पूर्व पाठ्यक्रम के रागों से तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई – 4 निम्न अ एवं ब को भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास –

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए –

- राग जौनपुरी, पूरिया, दरबारी कान्हड़ा, छायानट रागों में आलाप तथा तानों सहित एक–एक विलम्बित ख्याल।
- राग जौनपुरी, पूरिया, दरबारी कान्हड़ा, छायानट, मुल्तानी, कामोद, हमीर, पटदीप, सोहनी और खमाज रागों में एक–एक मध्यलय ख्याल आलाप तान सहित

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- राग जौनपुरी, पूरिया, दरबारी कान्हड़ा एवं छायानट रागों में एक–एक विलम्बित/मसीतखानी गत आलाप तान सहित।
- राग जौनपुरी, पूरिया, दरबारी कान्हड़ा, छायानट मुल्तानी, कामोद, हमीर, पटदीप, सोहनी और खमाज रागों एक–एक मध्यलय/द्रुतलय की रचना अथवा रज़ाखानी गत तान/तोड़ों सहित

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 4–6

2 राग परिचय भाग 3–4

3 राग विज्ञान

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

कोड़ – 702MVS

शैक्षणिक सत्र 2017–18

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए.

मुख्य विषय (अनिवार्य) – कोर्स 2, तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग– XIII गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद)

सेमेस्टर 7

क्रेडिट 05

पूर्णांक 100

(बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –

- रागों का विस्तृत प्रायोगिक प्रदर्शन।

पाठ्यक्रम के राग – जौनपुरी, पूरिया, दरबारी कान्हड़ा, छायानट रागों का विस्तृत प्रायोगिक ज्ञान

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–

- पाठ्यक्रम के राग जौनपुरी, पूरिया, दरबारी कान्हड़ा, छायानट रागों में एक–एक विलम्बित ख्याल तथा एक–एक मध्यलय ख्याल आलाप तथा तानों सहित
- पाठ्यक्रम के एक राग में एक ध्रुपद एवं धमार दुगुन, तिगुन एवं चौगुन सहित

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- पाठ्यक्रम के जौनपुरी, पूरिया, दरबारी कान्हड़ा, छायानट रागों एक–एक विलम्बित/मसीतखानी गत तथा एक–एक मध्यलय/द्रुतलय की रचना अथवा रज़ाखानी गत आलाप एवं तानों/तोड़ों सहित
- तीन ताल के अतिरिक्त अन्य ताल में एक गत आलाप तान सहित

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 4

2 राग परिचय भाग 2–4

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन / स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

कोड़ – 703MVS

शैक्षणिक सत्र 2017–18

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए.

मुख्य विषय (अनिवार्य) – कोर्स 3,

तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग– XIV

गायन / स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद)

सेमेस्टर 7

क्रेडिट 05

पूर्णांक 100

(बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –

- रागों का सामान्य परिचय एवं प्रदर्शन।

पाठ्यक्रम के राग खमाज, कामोद, पटदीप, हमीर और सोहनी

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–

- मुल्तानी, कामोद, हमीर, पटदीप, सोहनी और खमाज रागों में मध्यलय ख्याल आलाप तान सहित।

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- मुल्तानी, कामोद, हमीर, पटदीप, सोहनी और खमाज रागों में मध्यलय / द्रुतलय / रज़ाखानी गत तान / तोड़ों सहित

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 2

2 राग परिचय भाग 2–4

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

कोड़ – 704MVS | शैक्षणिक सत्र 2017–18

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए.

मुख्य विषय (अनिवार्य) – कोर्स 4 | क्रेडिट 05

सेमेस्टर 7 | तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग– XV | पूर्णांक 100

गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद) | (बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –
- रागों का प्रदर्शन।

चयनित राग का विशेष अध्ययन एव मंचीय प्रदर्शन –

गायन एवं वादन के परीक्षार्थियों के लिए –

- पाठ्यक्रम में किसी एक राग में विलम्बित ख्याल/मसीतखानी गत, मध्यलय/रज़ाखानी गत/द्रुत लय की रचना का विस्तृत आलाप, तान/तोड़ों सहित सहित पद्रर्शन।

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 2–5

2 राग परिचय भाग 2–4

———————

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

कोड़ – 801MVS | स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए. | शैक्षणिक सत्र 2017–18

मुख्य विषय (अनिवार्य) – कोर्स 1,
संगीत शास्त्र
गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद)

क्रेडिट 05

सेमेस्टर 8

पूर्णांक 100

(बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –

- निबद्ध एवं अनिबद्ध का अध्ययन।
- स्वर–प्रस्तार की जानकारी।
- तान एवं तिहाइयों की रचना करना ।

इकाई – 1 ग्राम राग आदि दशविध राग वर्गीकरण का अध्ययन। राग के ग्रह आदि दस लक्षण। वाग्गेयकार की परिभाषा, लक्षण एवं प्रकार। निबद्ध और अनिबद्ध गान का सामान्य परिचय। अनिबद्ध के अंतर्गत रागालप्ति एवं रूपकालप्ति के भेद–प्रभेदों का अध्ययन।

इकाई – 2 स्वर प्रस्तार, खण्डमेरु, नष्ट और उद्दिष्ट का परिचय। पाठ्यक्रम के रागों में तान व तिहाई की रचना।

इकाई – 3 पाठ्यक्रम के राग मियां मल्हार, जयजयवंती, हंसध्वनि, शुद्धकल्याण रागों का आलाप सहित विस्तृत अध्ययन। रामकली, भैरवी, बहार, गौड़ मल्हार, बसंत और ललित, रागों का सामान्य शास्त्रीय परिचय । पूर्व पाठ्यक्रम के रागों से तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई – 4 निम्न अ एवं ब को भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास –

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए –

- पाठ्यक्रम के राग मियां मल्हार, जयजयवंती, हंसध्वनि, शुद्धकल्याण में आलाप तथा तानों सहित एक–एक विलम्बित ख्याल
- पाठ्यक्रम के राग मियां मल्हार, जयजयवंती, हंसध्वनि, शुद्धकल्याण, रामकली, बहार, गौड़ मल्हार, ललित, बसंत और भैरवी रागों में एक–एक मध्यलय ख्याल आलाप तान सहित

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- पाठ्यक्रम के राग मियां मल्हार, जयजयवंती, हंसध्वनि, शुद्धकल्याण, रागों में एक–एक विलम्बित/मसीतखानी गत आलाप तान सहित
- पाठ्यक्रम के राग मियां मल्हार, जयजयवंती, हंसध्वनि, शुद्धकल्याण, रामकली, बहार, गौड़ मल्हार, ललित, बसंत और भैरवी रागों में एक–एक मध्यलय/द्रुतलय की रचना अथवा रज़ाखानी गत तानों/तोड़ों सहित

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 4–6

2 राग परिचय भाग 3–4

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

कोड़ – 802MV

शैक्षणिक सत्र 2017–18

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए.

मुख्य विषय (अनिवार्य) – कोर्स 2,
तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग–XVI
गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद)

सेमेस्टर 8

क्रेडिट 05
पूर्णांक 100
(बाह्य मूल्यांकन – 70)
(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –
- रागों का विस्तृत प्रायोगिक प्रदर्शन।

पाठ्यक्रम के राग – राग मियां मल्हार, जयजयवंती, हंसध्वनि, शुद्धकल्याण का विस्तृत प्रायोगिक ज्ञान

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–

- पाठ्यक्रम के राग राग मियां मल्हार, जयजयवंती, हंसध्वनि, शुद्धकल्याण में एक–एक विलम्बित ख्याल तथा एक–एक मध्यलय ख्याल आलाप तथा तानों सहित
- पाठ्यक्रम के एक राग में एक ध्रुपद और किसी अन्य राग में धमार दुगुन, तिगुन एवं चौगुन सहित

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- राग मियां मल्हार, जयजयवंती, हंसध्वनि, शुद्धकल्याण रागों एक–एक विलम्बित/मसीतखानी गत तथा एक–एक मध्यलय/द्रुललय की रचना अथवा रज़ाखानी गत आलाप एवं तानों/तोड़ों सहित
- तीन ताल के अतिरिक्त अन्य ताल में एक गत आलाप तान सहित

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 4
2 राग परिचय भाग 2–4

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

कोड़ – 803MVS

शैक्षणिक सत्र 2017–18

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए.

मुख्य विषय (अनिवार्य) – कोर्स 3,

तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग– XVII

गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद)

सेमीस्टर 8

क्रेडिट 05

पूर्णांक 100

(बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –

- रागों का सामान्य परिचय एवं प्रदर्शन।

पाठ्यक्रम के राग – रामकली, बहार, गौड़ मल्हार, ललित, बसंत और भैरवी

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–

- रामकली, बहार, गौड़ मल्हार, ललित, बसंत और भैरवी रागों में मध्यलय ख्याल आलाप तान सहित।

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- रामकली, बहार, गौड़ मल्हार, ललित, बसंत और भैरवी रागों में मध्यलय/द्रुतलय/रज़ाखानी गत तान/तोड़ों सहित

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 2

2 राग परिचय भाग 2–4

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

कोड़ – 804MVS

शैक्षणिक सत्र 2017–18

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए.

मुख्य विषय (अनिवार्य) – कोर्स 4,

तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग– XVIII

गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद)

सेमेस्टर 8

क्रेडिट 05

पूर्णांक 100

(बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –

- रागों का प्रदर्शन।

मंच प्रदर्शन

गायन एवं वादन के परीक्षार्थियों के लिए–

- पाठ्यक्रम में किसी एक राग में विलम्बित ख्याल/मसीतखानी गत, मध्यलय/रज़ाखानी गत/द्रुत लय की रचना का विस्तृत आलाप, तान/तोड़ों सहित प्रदर्शन।

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 2–5

2 राग परिचय भाग 2–4

—————————

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/तन्त्रीवाद्य विभाग, संगीत संकाय

स्नातक पाठ्यक्रम बी. पी. ए. शैक्षणिक सत्र 2017–18

सहायक विषय– शोध प्रविधि क्रेडिट 03

सेमेस्टर 7 पूर्णांक 100

(बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –
- अनुसंधान के महत्त्व की जानकारी।
- शोध प्रविधि से परिचय।
- ग्रन्थालय एवं इन्टरनेट आर्काइव्ज का प्रयोग।

इकाई – 1 (अ) अनुसंधान की परिभाष एवं व्याख्या, शोध के सोपान।

(ब) शोधकर्त्ता के आवश्यक गुण।

इकाई – 2 समस्या का चयन, शोध प्रस्ताव बनाना।

इकाई – 3 (अ) दत्त संकलन के स्रोत, संग्रहण और पुनर्प्राप्ति।

(ब) दत्त संकलन के उपकरण।

(स) ग्रन्थालय तथा इंटरनेट आर्काइव्ज का उपयोग।

इकाई – 4 (अ) शोध प्रतिवेदन लेखन पद्धति।

(ब) प्रामाणिक संदर्भ पद्धतियों का अध्ययन।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1 सांगीतिक की अनुसंधान प्रक्रिया – डॉ. मनोरमा शर्मा।
2 शोध प्रविधि – डॉ. गणेश पाण्डेय और अरूणा पाण्डेय।
3 अनुसंधान प्रविधि सिद्धांत और प्रक्रिया – श्री एस. एन. गणेशन।
4 Research Methodology – C.R.Kothari

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/तन्त्रीवाद्य विभाग, संगीत संकाय

स्नातक पाठ्यक्रम बी. पी. ए. शैक्षणिक सत्र 2017–18

विषय – क्रेडिट 01

सेमेस्टर 8 सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रबन्धन पूर्णांक 100

(बाहय मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –
- कार्यक्रम के प्रबन्धन और नियोजन की जानकारी।
- वित्तीय संसाधन एवं लेखा सम्बन्धी सामान्य ज्ञान।
- संप्रेषण कला का विकास।

इकाई – 1 (अ) सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रबन्धन का सामान्य परिचय और सिद्धान्त।

(ब) सांस्कृतिक कार्यक्रम नियोजन का प्रस्ताव तैयार करना।

इकाई – 2 (अ) वित्तीय संसाधन व्यवस्था के उपाय।

(ब) लेखा संबंधी प्रारम्भिक ज्ञान।

इकाई – 3 प्रस्तावित परियोजना का प्रस्तुति कौशल। संप्रेषण क्षमता (लिखित तथा मौखिक) का विकास।

इकाई – 4 (अ) कार्यक्रमों के प्रचार–प्रसार की योजना।

(ब) बौद्धिक सम्पदा अधिकार का सामान्य अध्ययन।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1 Event Markting by C.A. Preston

2 Evene Manager's By D.G. Conway

3 Event Planning: The Ultimate Guide to Seccesful Meetings, Corporate Events, fundraising Galas, Conferences, Conventions, Incentives and othe Special Events By Judy Allen

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/तन्त्रीवाद्य विभाग, संगीत संकाय

स्नातक पाठ्यक्रम बी. पी. ए. शैक्षणिक सत्र 2017–18

सहायक विषय– शोध प्रविधि क्रेडिट 03

सेमेस्टर 7 पूर्णांक 100

(बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –
- अनुसंधान के महत्त्व की जानकारी।
- शोध प्रविधि से परिचय।
- ग्रन्थालय एवं इन्टरनेट आर्काइव्ज का प्रयोग।

इकाई – 1 (अ) अनुसंधान की परिभाष एवं व्याख्या, शोध के सोपान।

(ब) शोधकर्त्ता के आवश्यक गुण।

इकाई – 2 समस्या का चयन, शोध प्रस्ताव बनाना।

इकाई – 3 (अ) दत्त संकलन के स्रोत, संग्रहण और पुनर्प्राप्ति।

(ब) दत्त संकलन के उपकरण।

(स) ग्रन्थालय तथा इंटरनेट आर्काइव्ज का उपयोग।

इकाई – 4 (अ) शोध प्रतिवेदन लेखन पद्धति।

(ब) प्रामाणिक संदर्भ पद्धतियों का अध्ययन।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1– सांगीतिक की अनुसंधान प्रक्रिया – डॉ. मनोरमा शर्मा।

2– शोध प्रविधि – डॉ. गणेश पाण्डेय और अरूणा पाण्डेय।

3– अनुसंधान प्रविधि सिद्धांत और प्रक्रिया – श्री एस. एन. गणेशन।

4. Research Methodology – C.R.Kothari

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/तन्त्रीवाद्य विभाग, संगीत संकाय

स्नातक पाठ्यक्रम बी. पी. ए. — शैक्षणिक सत्र 2017–18

विषय – — क्रेडिट 01

सेमेस्टर 8 — सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रबन्धन — पूर्णांक 100

(बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –
- कार्यक्रम के प्रबन्धन और नियोजन की जानकारी।
- वित्तीय संसाधन एवं लेखा सम्बन्धी सामान्य ज्ञान।
- संप्रेषण कला का विकास।

इकाई – 1 (अ) सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रबन्धन का सामान्य परिचय और सिद्धान्त।
(ब) सांस्कृतिक कार्यक्रम नियोजन का प्रस्ताव तैयार करना।

इकाई – 2 (अ) वित्तीय संसाधन व्यवस्था के उपाय।
(ब) लेखा संबंधी प्रारम्भिक ज्ञान।

इकाई – 3 प्रस्तावित परियोजना का प्रस्तुति कौशल। संप्रेषण क्षमता (लिखित तथा मौखिक) का विकास।

इकाई – 4 (अ) कार्यक्रमों के प्रचार–प्रसार की योजना।
(ब) बौद्धिक सम्पदा अधिकार का सामान्य अध्ययन।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. Event Markting by C.A. Preston
2. Evene Manager’s By D.G. Conway
3. Event Planning: The Ultimate Guide to Seccesful Meetings, Corporate Events, fundraising Galas, Conferences, Conventions, Incentives and othe Special Events By Judy Allen

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़
गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय
स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए. शैक्षणिक सत्र 2017–18
सहायक विषय 'ब' – कोर्स 1, क्रेडिट 03
सेमेस्टर 1 संगीत शास्त्र पूर्णांक 100
गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद) (बाह्य मूल्यांकन – 70)
(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –
- विद्यार्थियों को संगीतशास्त्र की प्रारम्भिक जानकारी उपलब्ध कराना।
- संगीत के पारिभाषिक शब्दों से अवगत कराना।
- अलंकारों एवं तालों का प्रारम्भिक परिचय ।

इकाई – 1 संगीत, नाद, श्रुति, स्वर (शुद्ध, विकृत, चल, अचल), सप्तक (मंद्र, मध्य, तार), वर्ण, अलंकार (पल्टा), बोल (मिज़राब/जवा के बोल) प्रहार (आकर्ष, अपकर्ष) की जानकारी। दस थाटों के नाम व स्वर, लय (विलम्बित, मध्य, द्रुत), ठाह, मात्रा, ताल, विभाग, सम, ताली, खाली, ठेका, आवर्तन की जानकारी।

इकाई – 2 पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे स्वरलिपि व ताल–लिपि का ज्ञान। शास्त्रीय संगीत, सुगम संगीत, चित्रपट संगीत, और लोक संगीत की संक्षिप्त जानकारी। गायन के परीक्षार्थियों के लिए तानपूरा तथा वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए अपने–अपने वाद्य का सामान्य परिचय तथा उनके विभिन्न अवयवों का सचित्र ज्ञान। साथ ही उनके तारों को विभिन्न स्वरों में मिलाने की जानकारी।

इकाई – 3 पंडित विष्णु दिगम्बर पलुस्कर, पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे,, स्वामी हरिदास एवं तानसेन का जीवन परिचय तथा संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान।

इकाई – 4 बिलावल एवं कल्याण थाट में अलंकारों का लेखन। त्रिताल,, दादरा एवं कहरवा तालों का परिचय एवं ठाह सहित ताल–लिपि में लेखन।

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 1
2 राग परिचय भाग 1

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए. — शैक्षणिक सत्र 2017–18

सहायक विषय 'ब' – कोर्स 2, — क्रेडिट 03

सेमेस्टर 1 — तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग . I — पूर्णांक 100

गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद) — (बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –

- स्वरों का प्रारम्भिक अभ्यास।
- अलंकारों का गायन एवं वादन ।

A अलंकारों का अभ्यास

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–

- बिलावल एवं कल्याण थाटों में 10–10 अलंकारों का गायन।

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- बिलावल एवं कल्याण थाट में 10–10 अलंकारों का वादन।

B पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का ताली देकर प्रदर्शन –

- त्रिताल, दादरा, कहरवा ।

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 1

2 राग परिचय भाग 1

————————

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए.

सहायक विषय 'ब' – कोर्स 1,

संगीत शास्त्र

गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद)

शैक्षणिक सत्र 2017–18

क्रेडिट 03

सेमेस्टर 2

पूर्णांक 100

(बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –
- विद्यार्थियों को थाट एवं राग की जानकारी उपलब्ध कराना।
- गीत प्रकारों से अवगत कराना।

इकाई – 1 बाईस श्रुतियों में वर्तमान सप्तक की स्वर स्थापना। अष्टक, पूर्वांग, उत्तरांग, आलाप, तान, की जानकारी। स्थायी, अन्तरा, संचारी, आभोग की परिभाषा। राग एवं थाट की परिभाषा तथा उनका तुलनात्मक अध्ययन। आश्रयराग, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, वर्जित स्वर, आरोह–अवरोह, रागस्वरूप (पकड़), राग की जाति (औडव, षाड़व व सम्पूर्ण) का अध्ययन।

इकाई – 2 ख्याल, लक्षणगीत, स्वरमालिका व रज़ाखानी गत का परिचय। झपताल, चौताल और रूपक तालों का परिचय एवं ठाह सहित ताल–लिपि में लेखन।

इकाई – 3 पाठ्यक्रम के राग यमन, बिलावल/अल्हैया बिलावल एवं भूपाली का शास्त्रीय परिचय।

इकाई – 4 निम्न अ एवं ब को भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास –

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–
- यमन, बिलावल/अल्हैया बिलावल एवं भूपाली राग में तीन–तीन तानों सहित एक–एक मध्यलय ख्याल।

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–
- यमन, बिलावल/अल्हैया बिलावल एवं भूपाली राग में मध्यलय अथवा रज़ाखानी गत अथवा द्रुतलय की रचना। (तीन–तीन तान/तोड़ों सहित)

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 2

2 राग परिचय भाग 2

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए.

सहायक विषय 'ब' – कोर्स 2,

तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग – II

गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद)

शैक्षणिक सत्र 2017–18

क्रेडिट 03

सेमेस्टर 2

पूर्णांक 100

(बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –

- मध्यलय ख्याल का गायन।
- रज़ाखानी गत का वादन।
- तालों की जानकारी एवं उनका दुगुन की लय में प्रदर्शन।

A अलंकार एवं राग प्रस्तुति

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–

- राग यमन, बिलावल/अल्हैया बिलावल एवं भूपाली राग में एक–एक मध्यलय ख्याल। (तीन आलाप एवं तीन तानों सहित)

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- राग यमन, बिलावल/अल्हैया बिलावल एवं भूपाली रागों में एक–एक मध्यलय/द्रुतलय की रचना अथवा रज़ाखानी गत (तीन तानों/तोड़ों सहित)

B पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का ताली देकर प्रदर्शन –

- झपताल, एकताल और रूपक तालों को ताली देकर ठाह लय में प्रदर्शन तथा त्रिताल, दादरा, कहरवा तालों को ठाह एवं दुगुन में ताली देकर प्रदर्शन।

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 2

2 राग परिचय भाग 2

————————

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए. — शैक्षणिक सत्र 2017–18

सहायक विषय 'ब' समूह – कोर्स 1, — क्रेडिट 03

सेमेस्टर 3 — संगीत शास्त्र — पूर्णांक 100

गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद) — (बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

- समय सिद्धान्त से अवगत कराना।
- शास्त्रीय संगीत की महान विभूतियों से परिचित करवाना।

इकाई – 1 पूर्वांग वादी–उत्तरांगवादी राग। वादी स्वर से राग गायन के समय का संबंध। संधि प्रकाश राग, अध्वदर्शक स्वर, परमेल प्रवेशक राग की जानकारी। मसीतखानी गत एवं तराना का परिचय।

इकाई – 2 (अ) सदारंग–अदारंग, बैजु–बख्शू, गोपाल नायक, उ. अब्दुलकरीम खॉ, बाबा अलाउद्दीन खाँ का संक्षिप्त जीवन परिचय तथा संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान।

(ब) त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, रूपक, तीव्रा, झपताल, सूलताल तथा चौताल के ठेकों का ज्ञान एवं ठाह तथा दुगुन में लिखने का अभ्यास।

इकाई – 3 पाठ्यक्रम के राग भैरव, बिहाग, बागेश्री, भीमपलासी और वृन्दावनी सारंग का शास्त्रीय परिचय।

इकाई – 4 निम्न अ एवं ब को भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास –

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए –

- पाठ्यक्रम के राग भैरव अथवा बिहाग में आलाप तथा तानों सहित विलम्बित ख्याल।
- पाठ्यक्रम के भैरव, बिहाग, बागेश्री, भीमपलासी और वृन्दावनी सारंग रागों में आलाप एवं तानों सहित एक–एक मध्यलय ख्याल।

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- पाठ्यक्रम के राग भैरव एवं बिहाग में विलम्बित अथवा मसीतखानी गत।
- पाठ्यक्रम के भैरव, बिहाग, बागेश्री, भीमपलासी और वृन्दावनी सारंग रागों में मध्यलय/द्रुतलय की रचना अथवा रज़ाखानी गत । (तान/तोड़ों सहित)

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 3

2 राग परिचय भाग 3

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए. — शैक्षणिक सत्र 2017–18

सहायक विषय 'ब' – कोर्स 2, — क्रेडिट 03

सेमेस्टर 3 — तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग - III — पूर्णांक 100

गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद) — (बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

समय ––

उद्देश्य –

- विलम्बित ख्याल का प्रारम्भिक परिचय।
- मसीतखानी गत का प्रारम्भिक परिचय।
- तराना गीत प्रकार का परिचय ।

A पाठ्यक्रम के राग – राग यमन एवं भैरव का विस्तृत प्रायोगिक ज्ञान

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–

- पाठ्यक्रम के राग भैरव अथवा बिहाग में आलाप तथा तानों सहित विलम्बित ख्याल।
- पाठ्यक्रम के भैरव, बिहाग, बागेश्री, भीमपलासी और वृन्दावनी सारंग रागों में आलाप एवं तानों सहित एक–एक मध्यलय ख्याल।

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए –

- पाठ्यक्रम के राग भैरव अथवा बिहाग में विलम्बित अथवा मसीतखानी गत।
- पाठ्यक्रम के भैरव, बिहाग, बागेश्री, भीमपलासी और वृन्दावनी सारंग रागों में मध्यलय/द्रुतलय की रचना अथवा रज़ाखानी गत । (तान/तोड़ों सहित)

B पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का ताली देकर ठाह एवं दुगुन में प्रदर्शन –

- त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, रूपक, तीव्रा, झपताल, सूलताल तथा चौताल के ठेकों का ज्ञान एवं ठाह/दुगुन में हाथ से ताली देकर प्रदर्शन

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 2

2 राग परिचय भाग 2

————————

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए. — शैक्षणिक सत्र 2017–18

सहायक विषय – कोर्स 1, — क्रेडिट 03

सेमेस्टर 4 — संगीत शास्त्र — पूर्णांक 100

गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद) — (बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

- ध्वनि की विशेषताओं की जानकारी।
- तिहाई के प्रकार एवं लय के संदर्भ में ताल का प्रारम्भिक अध्ययन।

इकाई – 1 स्वर अंतराल (Interval), टोन, मेजर टोन, माइनर टोन, सेमीटोन, अनुनाद (Resonance) डोल, (Beat), प्रतिध्वनि (Echo) एवं उपस्वर (स्वयंभू स्वर, Overtone) प्रमुख स्वर संवादों का अध्ययन। भारतीय एवं पाश्चात्य वाद्य वर्गीकरण का अध्ययन। वितत् वाद्य का स्पष्टीकरण।

इकाई – 2 मींड, कण, खटका मुर्की, आलाप, तान, सूत, घसीट, ज़मज़मा और तोड़ा की जानकारी। बोलआलाप, बोलतान, कृन्तन, जोड़, झाला की परिभाषा। तिहाई की परिभाषा एवं प्रकार अतीत–अनागत की जानकारी। ध्रुपद एवं धमार गीत प्रकारों का परिचय। त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा झपताल, सूलताल तथा चौताल के ठेकों का ज्ञान एवं ठाह, दुगुन एवं चौगुन में लेखन।

इकाई – 3 भूपाली, बिहाग, बागेश्री, दुर्गा, मालकौन्स रागों का सामान्य शास्त्रीय परिचय।

इकाई – 4 निम्न अ एवं ब को भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास –

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए –

- भूपाली, बिहाग, बागेश्री रागों में आलाप तथा तानों सहित किन्हीं दो रागों में विलम्बित ख्याल
- भूपाली, बिहाग, बागेश्री, दुर्गा, मालकौन्स रागों में स्वर–मालिका एवं लक्षणगीत तथा एक–एक मध्यलय ख्याल आलाप तान सहित

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- भूपाली, बिहाग, बागेश्री रागों में किन्हीं दो रागों में विलम्बित/मसीतखानी गत
- भूपाली, बिहाग, बागेश्री, दुर्गा, मालकौन्स में एक–एक मध्यलय/द्रुललय की रचना अथवा रज़ाखानी गत तानों/तोड़ों सहित

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 4

2 राग परिचय भाग 3एवं 4

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए. — शैक्षणिक सत्र 2017–18

सहायक विषय 'ब' – कोर्स 2, — क्रेडिट 03

सेमेस्टर 4 — तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग– IV — पूर्णांक 100

गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद) — (बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –
- रागों का प्रायोगिक प्रदर्शन।
- ध्रुपद शैली से परिचय।
- रागों का तन्त्रकारी के साथ प्रस्तुति।

A पाठ्यक्रम के राग – राग भूपाली, बिहाग एवं बागेश्री रागों का विस्तृत प्रायोगिक ज्ञान

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–
- भूपाली, बिहाग, बागेश्री रागों में से किन्हीं दो रागों में आलाप तथा तानों सहित एक–एक विलम्बित ख्याल
- भूपाली, बिहाग, बागेश्री, दुर्गा, मालकौन्स रागों में स्वर–मालिका एवं लक्षणगीत तथा एक–एक मध्यलय ख्याल आलाप तान सहित
- पाठ्यक्रम के किसी एक राग में ध्रुपद गायन दुगुन सहित

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–
- भूपाली, बिहाग, बागेश्री रागों में से किन्हीं दो रागों में विलम्बित/मसीतखानी गत
- भूपाली, बिहाग, बागेश्री, दुर्गा, मालकौन्स में एक–एक मध्यलय/द्रुललय की रचना अथवा रज़ाखानी गत तान/तोड़ों सहित
- तीनताल के अतिरिक्त अन्य ताल में रचना।

B पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का ताली देकर ठाह एवं दुगुन में प्रदर्शन –
- त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, झपताल, सूलताल तथा चौताल के ठेकों का ज्ञान एवं ठाह, दुगुन एवं चौगुन में हाथ से ताली देकर प्रदर्शन ।

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 2

2 राग परिचय भाग 2

––––––––––

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए. | शैक्षणिक सत्र 2017–18

सहायक विषय 'ब' – कोर्स 1, | क्रेडिट 03

सेमेस्टर 5 | संगीत शास्त्र | पूर्णांक 100

गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद) | (बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

- थाट एवं राग की निर्मिति सिद्धान्तों का अध्ययन।
- कलाकारों के सांगीतिक योगदान की जानकारी।

इकाई – 1 पं. व्यंकटमखी के 72 मेल, उत्तर भारतीय संगीत में एक सप्तक से 32 थाटों की निर्माण विधि एवं एक थाट से 484 रागों की उत्पत्ति।

इकाई – 2 (अ) उ. फैयाज खाँ, उ. बड़े गुलामअली खा, पं. रविशंकर, उ. अलीअकबर खाँ, उ. विलायत खाँ, पं. वी. जी. जोग, उ. बिस्मिल्ला खाँ का संक्षिप्त जीवन परिचय एवं संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान।
(ब) रूपक, तीव्रा, तिलवाड़ा, धमार, आडाचौताल, दीपचन्दी एवं झूमरा ठेकों का ज्ञान एवं दुगुन में लिखने का अभ्यास।

इकाई – 3 पाठ्यक्रम के राग वृन्दावनी सारंग, भीमपलासी एवं केदार रागों का विस्तृत अध्ययन। काफी तथा शंकरा रागों का सामान्य शास्त्रीय परिचय।

इकाई – 4 निम्न अ एवं ब को भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास –

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए –

- वृन्दावनी सारंग, भीमपलासी एवं केदार में आलाप तथा तानों सहित किन्हीं दो रागों में विलम्बित ख्याल
- वृन्दावनी सारंग, भीमपलासी, केदार, काफी तथा शंकरा रागों में एक–एक मध्यलय ख्याल आलाप तान सहित

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- वृन्दावनी सारंग, भीमपलासी एवं केदार रागों में किन्हीं दो रागों में विलम्बित/मसीतखानी गत आलाप तान सहित
- वृन्दावनी सारंग, भीमपलासी, केदार, काफी तथा शंकरा रागों में एक–एक मध्यलय/द्रुतलय की रचना अथवा रज़ाखानी गत तानों/तोड़ों सहित

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 4

2 राग परिचय भाग 3एवं 4

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए.

मुख्य विषय (अनिवार्य) – कोर्स 2,

तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग– V

गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद)

शैक्षणिक सत्र 2017–18

क्रेडिट 03

सेमेस्टर 5

पूर्णांक 100

(बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

समय ––

उद्देश्य –

- रागों का विस्तृत प्रायोगिक प्रदर्शन
- धमार शैली से परिचय।
- रागों का तीनताल के अतिरिक्त अन्य तालों में वादन।

A पाठ्यक्रम के राग – वृन्दावनी सारंग, भीमपलासी, केदार रागों का विस्तृत प्रायोगिक ज्ञान

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–

- पाठ्यक्रम के वृन्दावनी सारंग, भीमपलासी, केदार रागों में से किन्हीं दो रागों में विलम्बित ख्याल तथा एक–एक मध्यलय ख्याल आलाप तथा तानों सहित
- काफी, शंकरा में मध्यलय ख्याल आलाप तान सहित
- पाठ्यक्रम के किसी एक राग में धमार गायन दुगुन सहित।

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- पाठ्यक्रम के वृन्दावनी सारंग, भीमपलासी, केदार रागों में से किन्हीं दो रागों में विलम्बित/मसीतखानी गत तथा एक–एक मध्यलय/द्रुललय की रचना अथवा रज़ाखानी गत आलाप एवं तानों/तोड़ों सहित
- काफी, शंकरा में मध्यलय/द्रुतलय/रज़ाखानी गत तान/तोड़ों सहित
- पाठ्यक्रम के किसी एक राग में तीनताल से भिन्न अन्य ताल में एक रचना का तानों/तोड़ों सहित प्रदर्शन

B पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का ताली देकर ठाह एवं दुगुन में प्रदर्शन –

- रूपक, तीव्रा, तिलवाडा, धमार, आडाचौताल, दीपचन्दी एवं झूमरा ठेकों का ठाह एवं दुगुन में हाथ से ताली देकर प्रदर्शन ।

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 4

2 राग परिचय भाग 2–4

––––––––––

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए.

सहायक विषय 'ब' – कोर्स 1,

संगीत शास्त्र

गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद)

सेमेस्टर 6

शैक्षणिक सत्र 2017–18

क्रेडिट 03

पूर्णांक 100

(बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –
- विभिन्न घरानों का अध्ययन।
- तानों के प्रकार की जानकारी।
- लयकारी का परिचय।

इकाई – 1 घराने की परिभाषा एवं स्पष्टीकरण। ख्याल के ग्वालियर, आगरा, दिल्ली, पटियाला, किराना और जयपुर घरानों का सामान्य परिचय तथा सेनिया घराने की सामान्य जानकारी।

इकाई – 2 आविर्भाव, तिरोभाव, नायकी, गायकी, तारपरन तथा लागडाट की परिभाषा। तान के प्रकार। आड़, कुआड़, बिआड़ लयों की जानकारी। त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, झपताल, चौताल, धमार, तिलवाड़ा, रूपक, तीव्रा, सूलताल, आड़ाचौताल, दीपचंदी तथा झूमरा तालों का परिचय एवं उन्हें तिगुन, चौगुन में लिखने का अभ्यास।

इकाई – 3 पाठ्यक्रम के राग अल्हैया बिलावल एवं मालकौन्स रागों का विस्तृत अध्ययन। देस, तिलककामोद, एवं पूरिया रागों का सामान्य शास्त्रीय परिचय।

इकाई – 4 निम्न अ एवं ब को भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास –

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए –
- राग अल्हैया बिलावल एवं मालकौन्स रागों में आलाप तथा तानों सहित एक–एक विलम्बित ख्याल।
- राग बिलावल, मालकौन्स, देस, तिलककामोद, एवं पूरिया रागों में एक–एक मध्यलय ख्याल आलाप तान सहित

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–
- राग अल्हैया बिलावल, एवं मालकौन्स रागों में एक–एक विलम्बित/मसीतखानी गत आलाप तान सहित।
- राग बिलावल, मालकौन्स देस, तिलककामोद एवं पूरिया रागों में एक–एक मध्यलय/द्रुतलय की रचना अथवा रज़ाखानी गत तानों/तोड़ों सहित

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 4

2 राग परिचय भाग 3एवं 4

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

गायन/स्वरवाद्य विभाग, संगीत संकाय

स्नातक पाठ्यक्रम बी.पी.ए. — शैक्षणिक सत्र 2017–18

सहायक विषय 'ब' – कोर्स 2, — क्रेडिट 03

सेमेस्टर 6 — तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग– टᐩ — पूर्णांक 100

गायन/स्वरवाद्य (वायलिन, सितार, सरोद) — (बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

समय ––

उद्देश्य –
- रागों का विस्तृत प्रायोगिक प्रदर्शन।

। पाठ्यक्रम के राग – राग अल्हैया बिलावल, तोड़ी और मालकौन्स रागों का विस्तृत प्रायोगिक ज्ञान

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए–

- पाठ्यक्रम के राग अल्हैया बिलावल, मालकौन्स रागों में एक–एक विलम्बित ख्याल तथा एक–एक मध्यलय ख्याल आलाप तथा तानों सहित
- राग अल्हैया बिलावल, मालकौन्स, देस, तिलककामोद, पूरिया एवं रागों में एक–एक मध्यलय ख्याल आलाप तान सहित

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए–

- पाठ्यक्रम के राग अल्हैया बिलावल एवं मालकौन्स रागों में एक–एक विलम्बित/मसीतखानी गत तथा एक–एक मध्यलय/द्रुतलय की रचना अथवा रज़ाखानी गत आलाप एवं तान/तोड़ों सहित
- राग बिलावल, मालकौन्स देस, तिलककामोद, पूरिया एवं रागों में एक–एक मध्यलय/द्रुतलय की रचना अथवा रज़ाखानी गत तानों/तोड़ों सहित

ठ पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का ताली देकर ठाह एवं दुगुन में प्रदर्शन –

- दादरा, कहरवा, रूपक, झपताल, एकताल एवं तीनताल ठेकों का ठाह एवं तिगुन एवं चौगुन में ˙ हाथ से ताली देकर प्रदर्शन ।

संन्दर्भ ग्रन्थ

1 संगीताजलि भाग 4

2 राग परिचय भाग 2–4

––––––––––

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

पाठ्यक्रम

<u>उद्देश्य</u> - इलेक्टिव पाठ्यक्रम (बी) सुगम संगीत का पाठ्यक्रम इस उद्देश्य से बनाया गया है जिससे विद्यार्थियों को सुगम शास्त्रीय और सुगम संगीत विधाओं के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराया जा सके | यह पाठ्यक्रम शिक्षार्थियों में इन विधाओं के विषयगत सैद्धांतिक और प्रायोगिक पक्ष के विभिन्न घटक तत्वों की संतुलित रूप से समझ पैदा करने की दिशा में सहायता करने के लिए रखा गया है |

बी.पी.ए. इलेक्टिव ग्रुप (बी) – सुगम संगीत

सेमेस्टर I (कोर्स 1)

क्रेडिट – 3

कुल अंक – 100 (बाह्य मूल्याँकन – 70 आंतरिक मूल्याँकन – 30)

सैद्धांतिक –

1. (अ) भारत में प्रचलित दो संगीत पद्धतियों (हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक) का अध्ययन | उनकी समानताएँ और असमानताएँ |
   (ब) निम्नलिखित का संक्षिप्त अध्ययन – संगीत, नाद, श्रुति,स्वर, वर्ण |
2. (अ) गीत तथा भजन गीत विधाओं का सामान्य परिचय |
   (ब) पाठ्यक्रम के गीत, भजन तथा ग़ज़ल का भावार्थ लिखने का अभ्यास|
   (स) निम्नलिखित तालों को भातखंडेताललिपि में लिखने का अभ्यास - त्रिताल, दादरा और कहरवा [केवल ठाह]
3. निम्नलिखित संगीत वाद्यों का सचित्र वर्णन – हारमोनियम, तबला और ढोलक |
4. निम्नलिखित के जीवन परिचय का अध्ययन –मिर्ज़ा ग़ालिब, महादेवी वर्मा और मीरा बाई |
5. लगभग 200 शब्दों में सुगम संगीत सम्बन्धी विभिन्न विषयों पर निबंध लेखन |

बी.पी.ए. इलेक्टिव ग्रुप (बी) – सुगम संगीत

सेमेस्टर I (कोर्स 2)

क्रेडिट – 3

कुल अंक – 100 (बाह्य मूल्याँकन – 70 आंतरिक मूल्याँकन – 30)

प्रायोगिक -

1. आकाशवाणी द्वारा अनुमोदित रचनाकारों के गीत, ग़ज़ल और भजन में से प्रत्येक विधा की दो-दो रचनाओं (कुल छः) का अभ्यास |
2. थाट बिलावल और कल्याण में अलंकारों का अभ्यास |
3. भारत के किसी एक क्षेत्र के एक लोकगीत का अभ्यास |
4. राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत (आकाशवाणी द्वारा अनुमोदित राग देस पर आधारित) के गायन का अभ्यास |
5. हाथ से ताली-ख़ाली देकर निम्नलिखित तालों का ठाह में अभ्यास – त्रिताल. दादरा और कहरवा |

बी.पी.ए. इलेक्टिव ग्रुप (बी) – सुगम संगीत

सेमेस्टर II (कोर्स 1)

क्रेडिट – 3

कुल अंक – 100 (बाह्य मूल्याँकन – 70 आंतरिक मूल्याँकन – 30)

सैद्धांतिक –

1. (अ) निम्नलिखित का संक्षिप्त अध्ययन – अलंकार, आरोह, अवरोह, पकड़, आलाप और तान |

   (ब) भातखंडे स्वरलिपि पद्धति का अध्ययन |

2. (अ) ग़ज़ल विधा का सामान्य अध्ययन |

   (ब) पाठ्यक्रम में सिखाये गए गीत, ग़ज़ल और भजन को साहित्य सहित लिखकर उनका भावार्थ लिखने का अभ्यास |

   (स) निम्नलिखित तालों को ठाह दुगुन में लिखने का अभ्यास – त्रिताल, दादरा, कहरवा, रूपक और एकताल |

3. निम्नलिखित सागीतिक वाद्यों का सचित्र वर्णन – डफ़, बेन्जो (बुलबुल तरंग), मंजीरा |

4. निम्नलिखित रचनाकारों के जीवन परिचय का अध्ययन – बहादुरशाह ज़फ़र, पं. गोपालदास नीरज और सूरदास |

5. लगभग 300 शब्दों में सुगम संगीत विषयक निबन्ध का लेखन |

बी.पी.ए. इलेक्टिव ग्रुप (बी) – सुगम संगीत

सेमेस्टर II (कोर्स 2)

क्रेडिट – 3

कुल अंक – 100 (बाह्य मूल्याँकन – 70 आंतरिक मूल्याँकन – 30)

प्रायोगिक –

1. आकाशवाणी द्वारा अनुमोदित रचनाकारों के गीत, ग़ज़ल और भजन में से प्रत्येक विधा की दो-दो रचनाओं (कुल छः) का अभ्यास |
2. निम्नलिखित रागों में तानों सहित मध्यलय ख्याल का गायन – भैरव, काफी, भूपाली, खमाज, भैरवी |
3. भारत के किसी एक क्षेत्र के एक लोकगीत का गायन |
4. विश्वविद्यालय कुलगीत के गायन का अभ्यास |
5. एक स्वागत गीत के गायन का अभ्यास |
6. हाथ से लय और ताल देकर सीखे हुए गीत, ग़ज़ल और भजन के गायन का प्रदर्शन |
7. हारमोनियम पर अलंकारों का वादन और गायन |
8. हाथ से ताली-ख़ाली देकर निम्नलिखित तालों का ठाह एवं दुगुन में अभ्यास – त्रिताल. दादरा, कहरवा और एकताल |

बी.पी.ए. इलेक्टिव ग्रुप (बी) – सुगम संगीत

सेमेस्टर III (कोर्स 1)

क्रेडिट – 3

कुल अंक – 100 (बाह्य मूल्याँकन – 70 आंतरिक मूल्याँकन – 30)

सैद्धांतिक –

1. (अ) शास्त्रीय संगीत, उपशास्त्रीय संगीत और सुगम संगीत का विशेषताओं सहित संक्षिप्त अध्ययन |

   (ब) भारतीय संगीत के धृपद, धमार और ख्याल गीत प्रकारों का सामान्य परिचय |

   (स) निम्नलिखित की परिभाषाओं का अध्ययन – लय, ताल, मात्रा, सम, ख़ाली, भरी, आवर्तन और ठेका |
2. (अ) पाठ्यक्रम में सिखाये गए गीत, ग़ज़ल और भजन को साहित्य सहित लिखकर उनका भावार्थ लिखने का अभ्यास |

   (ब) निम्नलिखित तालों काताललिपि में ठाह, दुगुन और चौगुन में लेखन – त्रिताल, रूपक, एकताल, झपताल, चौताल और दीपचन्दी|
3. निम्नलिखित संगीत वाद्यों का सचित्र वर्णन – सितार और बाँसुरी |
4. निम्नलिखित रचनाकारों के जीवन परिचय का अध्ययन – फैज़ अहमद ‘फैज़’, कबीरदास और पं. सूर्यकांत त्रिपाठी ‘निराला’ |
5. लगभग 400 शब्दों में सुगम संगीत विषयक निबन्ध का लेखन |

बी.पी.ए. इलेक्टिव ग्रुप (बी) – सुगम संगीत

सेमेस्टर III (कोर्स 2)

क्रेडिट – 3

कुल अंक – 100 (बाह्य मूल्यांकन – 70 आंतरिक मूल्यांकन – 30)

प्रायोगिक –

1. आकाशवाणी द्वारा अनुमोदित रचनाकारों के गीत, ग़ज़ल और भजन में से प्रत्येक विधा की तीन-तीन रचनाओं (कुल नौ) का अभ्यास |
2. निम्नलिखित रागों में आलाप तान सहित मध्यलय ख्याल का अभ्यास – आसावरी, तोड़ी, बिलावल |
3. भारत के किसी भी क्षेत्र के दो लोकगीतों का अभ्यास |
4. एक देशभक्ति गीत का अभ्यास (ध्वन्यांकित स्वर रचना नहीं होनी चाहिए)
5. सीखे हुए गीत, ग़ज़ल और भजन को हाथ से ले ताल देकर प्रस्तुत करने की अभ्यास |
6. हारमोनियम बजाकर प्रस्तुतिकरण का अभ्यास |
7. हाथ से ताली-ख़ाली देकर निम्नलिखित तालों का ठाह, दुगुन एवं चौगुन में अभ्यास – त्रिताल. एकताल, चौताल, झपताल और रूपक |

बी.पी.ए. इलेक्टिव ग्रुप (बी) – सुगम संगीत

सेमेस्टर IV (कोर्स 1)

क्रेडिट – 3

कुल अंक – 100 (बाह्य मूल्याँकन – 70 आंतरिक मूल्याँकन – 30)

सैद्धांतिक –

1. (अ) ठाट और राग का उनकी विशेषताओं सहित अध्ययन |
   (ब) विशेषताओं के साथ सुगम संगीत, लोक संगीत और चित्रपट संगीत का अध्ययन |
   (स) हिन्दुस्तानी संगीत के निम्नलिखित गीत प्रकारों का सामान्य अध्ययन – ठुमरी, टप्पा, तराना और क़व्वाली |
2. (अ) हार्मनी और मैलोडी का सामान्य परिचय |
   (ब) निम्नलिखित का संक्षिप्त अध्ययन – मींड, खटका, कण, गमक, आलाप और तान |
   (स) गीत, ग़ज़ल और भजन का भावार्थ सहित अध्ययन (प्रत्येक में से एक)
   (द) निम्नलिखित तालों काताललिपि में ठाह, दुगुन और चौगुन में लेखन – त्रिताल, रूपक, एकताल, झपताल, चौताल और दीपचन्दी |
3. निम्नलिखित संगीत वाद्यों का सचित्र वर्णन – बेला (वॉयलिन), नाल और तानपूरा |
4. निम्नलिखित रचनाकारों के जीवन चरित्र का अध्ययन –जिगर मुरादाबादी, मीर तक़ी मीर, गुरु नानक, तुलसीदास, सुमित्रा नंदन पन्त और जयशंकर प्रसाद |
5. लगभग 400 शब्दों में सुगम संगीत विषयक निबन्ध का लेखन |

बी.पी.ए. इलेक्टिव ग्रुप (बी) – सुगम संगीत
सेमेस्टर IV (कोर्स 2)
क्रेडिट – 3
कुल अंक – 100 (बाह्य मूल्याँकन – 70 आंतरिक मूल्याँकन – 30)

प्रायोगिक –

1. आकाशवाणी द्वारा अनुमोदित रचनाकारों के गीत, ग़ज़ल और भजन में से प्रत्येक विधा की तीन-तीन रचनाओं (कुल नौ) का अभ्यास |
2. निम्नलिखित रागों में आलाप तान सहित मध्यलय ख्याल का अभ्यास – भूपाली, वृन्दावनी सारंग, भीमपलासी |
3. भारत के किसी भी क्षेत्र के दो लोकगीतों का अभ्यास |
4. एक देशभक्ति गीत का अभ्यास (ध्वन्यांकित स्वर रचना नहीं होनी चाहिए)
5. स्वर रचनाओं को विस्तृत गायकी सहित प्रस्तुत करने का अभ्यास |
6. हारमोनियम बजाकर प्रस्तुतिकरण का अभ्यास |
7. हाथ से ताली-ख़ाली देकर निम्नलिखित तालों का ठाह, दुगुन एवं चौगुन में अभ्यास – दादरा, कहरवा, एकताल, झपताल, रूपक और दीपचन्दी |

बी.पी.ए. इलेक्टिव ग्रुप (बी) – सुगम संगीत

सेमेस्टर V (कोर्स 1)

क्रेडिट – 3

कुल अंक – 100 (बाह्य मूल्याँकन – 70 आंतरिक मूल्याँकन – 30)

सैद्धांतिक –

1. (अ) रस सिद्धांत का सामन्य परिचय और उसका संगीत से सम्बन्ध |
   (ब) सभागार का सामन्य ध्वनिशास्त्रीय अध्ययन |
   (स) कन्ठ संस्कार का अध्ययन |
   (द) अभंग गीत शैली का सामान्य परिचय |
   (इ) आड़, बिआड़ और कुआड़ लयकारियों का अध्ययन | तिहाई का अध्ययन |
2. (अ) गीत, ग़ज़ल और भजन का भावार्थ सहित अध्ययन |
   (ब) निम्नलिखित तालों काताललिपि में ठाह, दुगुन, तिगुन और चौगुन में लेखन – त्रिताल, रूपक, एकताल, झपताल, चौताल और दीपचन्दी |
   (स) निम्नलिखित क्षेत्रों के लोकगीतों और लोकबाद्यों का सामान्य परिचय – महाराष्ट्र, बंगाल, बिहार, पंजाब और मध्यप्रदेश |
3. निम्नलिखित संगीत वाद्यों का सचित्र वर्णन – स्पेनिश गिटार, एकोर्डियन, माउथ ऑर्गन (हार्मोनिका) |
4. निम्नलिखित ध्वनि उपकरणों का सचित्र अध्ययन – माइक्रोफोन, मिक्सर और एम्प्लीफ़ायर |
5. लगभग 400 शब्दों में सुगम संगीत विषयक निबन्ध का लेखन |

बी.पी.ए. इलेक्टिव ग्रुप (बी) – सुगम संगीत

सेमेस्टर V (कोर्स 2)

क्रेडिट – 3

कुल अंक – 100 (बाह्य मूल्याँकन – 70 आंतरिक मूल्याँकन – 30)

प्रायोगिक –

1. आकाशवाणी द्वारा अनुमोदित रचनाकारों के गीत, ग़ज़ल और भजन में से प्रत्येक विधा की चार-चार रचनाओं (कुल बारह) का अभ्यास | [विशेषतः विलंबित लय की स्वर रचनाओं का अभ्यास]
2. निम्नलिखित रागों में राग विस्तार, बोल आलाप, छोटी और बड़ी तानें, बोल तान और विभिन्न तिहाइयों सहित मध्यलय ख्याल का अभ्यास – मालकौंस, बागेश्री, देस |
3. उपरोक्त रागों में एक तराना |
4. भारत के किसी भी क्षेत्र के दो लोकगीतों का अभ्यास |
5. एक देशभक्ति गीत का अभ्यास (ध्वन्यांकित स्वर रचना नहीं होनी चाहिए)
6. गीत, ग़ज़ल और भजन में से प्रत्येक की स्वर रचना कर उसके गायन का अभ्यास |
7. भाव और अर्थ को समझते हुए उसके अनुसार रचनाओं की सांगीतिक प्रस्तुति का अभ्यास |
8. हाथ से ताली-ख़ाली देकर निम्नलिखित तालों का ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन में अभ्यास – दादरा, कहरवा, रूपक, एकताल, त्रिताल और झपताल |

बी.पी.ए. इलेक्टिव ग्रुप (बी) – सुगम संगीत
सेमेस्टर VI (कोर्स 1)
क्रेडिट – 3

कुल अंक – 100 (बाह्य मूल्याँकन – 70 आंतरिक मूल्याँकन – 30)

सैद्धांतिक –

1. (अ) दिए गए गीत, ग़ज़ल और भजन की उपयुक्त स्वरों में रचना कर उसे स्वरलिपिबद्ध करने का अभ्यास |

   (ब) निम्नलिखित तकनीकी उपकरणों की कार्यविधि का ज्ञान – माइक्रोफ़ोन, ऑडियो मिक्सर (कन्सोल), रिवर्ब यूनिट, एम्प्लीफ़ायर, स्पीकर |
2. (अ) रवीन्द्र संगीत और नज़रुल गीति का सामी परिचय |

   (ब) संगीत और काव्य के अंतर्संबंध का अध्ययन |
3. निम्नलिखित संगीत वाद्यों का सचित्र वर्णन – जेज़ ड्रम, क्लेरीनेट, बैग पाइप, जलतरंग, पखावज |
4. निम्नलिखित क्षेत्रों के लोकगीतों और लोकबाद्यों का सामान्य परिचय – राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हिमांचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ |
5. लगभग 400 शब्दों में सुगम संगीत विषयक निबन्ध का लेखन |

बी.पी.ए. इलेक्टिव ग्रुप (बी) – सुगम संगीत
सेमेस्टर VI (कोर्स 2)
क्रेडिट – 3

कुल अंक – 100 (बाह्य मूल्याँकन – 70 आंतरिक मूल्याँकन – 30)

प्रायोगिक –

1. आकाशवाणी द्वारा अनुमोदित रचनाकारों के गीत, ग़ज़ल और भजन में से प्रत्येक विधा की चार-चार रचनाओं (कुल बारह) का अभ्यास | [विशेषतः विलंबित लय की स्वर रचनाओं का अभ्यास]
2. निम्नलिखित रागों में राग विस्तार, बोल आलाप, छोटी और बड़ी तानें, बोल तान और विभिन्न तिहाइयों सहित मध्यलय ख्याल का अभ्यास – जोग, बैरागी भैरव, बिहाग, दुर्गा |
3. भारत के किसी भी क्षेत्र के दो लोकगीतों का अभ्यास |
4. एक देशभक्ति गीत का अभ्यास (ध्वन्यांकित स्वर रचना नहीं होनी चाहिए)
5. गीत, ग़ज़ल और भजन में से प्रत्येक की स्वर रचना कर उसके गायन का अभ्यास |
6. भाव और अर्थ को समझते हुए उसके अनुसार रचनाओं की सांगीतिक प्रस्तुति का अभ्यास |
7. सिखाई गई स्वर रचनाओं को सांगीतिक विस्तार के साथ गाने का अभ्यास |
8. हाथ से ताली-ख़ाली देकर निम्नलिखित तालों का ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन में अभ्यास – दादरा, कहरवा, रूपक, झपताल,एकताल, दीपचन्दी, त्रिताल और चौताल |

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

पाठ्यक्रम

उद्देश्य - यह सुगम संगीत का प्रारम्भिक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को सुगम संगीत के विभिन्न लोकप्रिय स्वरूपों की संतुलित रूप से समझ पैदा करने की दिशा में सहायता करने के लिए बनाया गया है |

बी.पी.ए.– सुगम संगीत

क्रेडिट – 1

कुल अंक – 100 (बाह्य मूल्याँकन – 70 आंतरिक मूल्याँकन – 30)

प्रायोगिक –

1. आकाशवाणी द्वारा अनुमोदित रचाकारों के गीत, ग़ज़ल और भजन की एक एक रचना (कुल तीन) के गायन का अभ्यास |
2. प्रारम्भिक स्वर ज्ञान का अभ्यास |
3. राष्ट्रगान, विश्वविद्यालय कुलगीत और आकशवाणी द्वारा देस राग पर आधारित राष्ट्रगीत की स्वर रचना के गायन का अभ्यास |
4. निम्नलिखित तालों का प्रारम्भिक अध्ययन – त्रिताल, दादरा और कहरवा |

इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़
नृत्य संकाय, कथक विभाग

बी.पी.ए. प्रथम सेमेस्टर
कोर्स– 1 (शास्त्र)
कथक नृत्य का सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक शास्त्र

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य – 70)
क्रेडिट– 06

इकाई 1

1. प्राचीन काल से भरत काल तक भारतीय नृत्य का संक्षिप्त इतिहास।
2. कथक नृत्य की उत्पत्ति एवं विकास।

इकाई 2

1. मंगलाचरण गुरूवंदना एवं भूमिवंदना का कथक नृत्य में महत्व।
2. अभिनय दर्पण में वर्णित ग्रीवा भेद के लक्षण एवं विनियोग का श्लोक सहित अध्ययन।

इकाई 3

1. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों का ज्ञान – तत्कार, हस्तक, ताल, मात्रा, ताली, खाली, सम, आर्वतन, ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन।
2. अभिनय की परिभाषा एवं प्रकारों का परिचयात्मक ज्ञान।

इकाई 4

1. अभिनय दर्पण के अनुसार प्रारभिंक 15 असंयुक्त हस्त मुद्राओं के लक्षण एवं विनियोग का श्लोक सहित ज्ञान।

इकाई 5

1. ताल त्रिताल के ठेके को ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन में लिपिबद्ध करना।
2. ताल त्रिताल में आमद, तोड़े, टुकड़े, परन, कवित्त, लिपिबद्ध करने की क्षमता।

बी.पी.ए. प्रथम सेमेस्टर
कोर्स– 2 ए
(प्रायोगिक)कथक नृत्य प्रदर्शन –1

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य – 70)
क्रेडिट– 04

1 ततकार के साथ विभिन्न हस्तकों का अभ्यास।
2 ताल त्रिताल में निम्नानुसार नृत्य करने का अभ्यास – एक आमद ,दो तोड़े ,दो टुकड़े , एक सादा परन, एक चक्करदार परन, एक चक्करदार तोड़ा दो तिहाई एवं ततकार का प्रारंभिक अभ्यास।
3 निम्नलिखित गत निकासों का प्रदर्शन – छूट की गत एवं मटकी की गत।
4 पनघट गतभाव का प्रदर्शन।
5 अभिनय दर्पण के अनुसार ग्रीवा भेदों का प्रायोगिक प्रदर्शन

बी.पी.ए.प्रथम सेमस्टर
कोर्स –2 बी (प्रायोगिक)
मौखिक –1

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य – 70)
क्रेडिट– 04

1. शरीर को सुडौल बनाने के लिए नृत्य से संबंधित प्रारम्भिक अभ्यास ।
2. अभिनय दर्पण के अनुसार प्रारम्भिक 15 असंयुक्त हस्त मुद्राओं का प्रायोगिक प्रदर्शन ।
3. ताल दादरा एवं कहरवा तालों के ठेके का ठाह, दुगुन तिगुन एवं चौगुन में पढ़न्त करने का अभ्यास।
4. ताल त्रिताल में ठाह, दुगुन एवं, चौगुन में हस्तक का प्रदर्शन एवं ततकार।

बी.पी.ए.द्वितीय सेमस्टर

कोर्स –3 (शास्त्र)

कथक नृत्य का सैद्वांतिक एवं प्रायोगिक सिद्धांत–2

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य – 70)
क्रेडिट– 06

इकाई –1

1 अभिनय दर्पण के अनुसार शिरोभेद के लक्षण एवं विनियोग का श्लोक सहित अध्ययन।
2 अभिनय दर्पण में वर्णित पिछले पाठ्यक्रम के शेष 13 असंयुक्त हस्त मुद्राओं का लक्षण सहित ज्ञान।

इकाई –2

1. अभिनय दर्पण में वर्णित विषय वस्तु का संक्षिप्त अध्ययन।
2. ताण्डव एवं लास्य का अध्ययन।

इकाई–3

1 निम्नलिखित शब्दों का ज्ञान – आमद, सलामी, तोड़ा, परन चक्करदार, तिहाई, कवित्त।
2 प्रायोगिक में सीखे गए ताल एकताल में आमद, तोड़े, टुकड़े, साधारण परन, चक्करदार परन लिपिबद्ध करनें का अभ्यास।

इकाई –4

1 प्रायोगिक में सीखे गए परन, चक्करदार तोड़े एवं कवित्त को ताल त्रिताल में लिपिबद्ध करने का अभ्यास।

इकाई –5

1 स्व. पं. कालिका प्रसाद महाराज एवं स्व. पं. बिन्दादीन महाराज की जीवनी एवं कथक में उनके योगदान का अध्ययन।
2 पं. सुन्दर प्रसाद जी एवं पं. जयलाल महाराज जी की जीवनी एवं कथक नृत्य में उनके योगदान का अध्ययन।

बी.पी.ए.द्वितीय सेमस्टर

कोर्स –4 ए (प्रायोगिक)

कथक नृत्य प्रदर्शन–2

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य – 70)
क्रेडिट– 04

1. गुरू वंदना से संबंधित श्लोक में भाव प्रदर्शन।
2. त्रिताल में निम्नानुसार नृत्य प्रर्दशन की क्षमता – पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति – एक आमद, एक परन, एक चक्करदार तोड़ा और परन, एक कवित्त, एवं ततकार के प्रारंभिक प्रकार।
3. मुकुट एवं मुरली के गत निकास का प्रदर्शन।
4. पूजा गत भाव का अभ्यास।
5. ताल एकताल के ठेके को ठाह, दुगुन,तिगुन एवं चौगुन में पढन्त करने का अभ्यास ।
6. अभिनय दर्पण के अनुसार शिरोभेद का प्रायोगिक प्रदर्शन।

बी. पी. ए. – 2 सेमेस्टर

कोर्स 4–बी (प्रायोगिक)

मौखिक –2

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य – 70)
क्रेडिट– 04

1. प्रथम सेमेस्टर के ताल त्रिताल की पुनरावृत्ति ।
2. ताल एकताल में ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन में ततकार का अभ्यास।
3. ताल एक ताल में निम्नानुसार नृत्य प्रदर्शन की क्षमता –एक आमद, दो तोडें, एक परन, एक चक्करदार तोड़ा, एक कवित्त तिहाई एवं ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन में तत्कार ।
4. अभिनय दर्पण के अनुसार शेष 13 असंयुक्त हस्त मुद्राओं का प्रायोगिक प्रदर्शन ।

बी. पी. ए. तृतीय सेमेस्टर

कोर्स 5 (शास्त्र)

कथक नृत्य का सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक शास्त्र –3

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य – 70)
क्रेडिट– 06

इकाई –1

1. भरत काल से मध्यकाल तक भारतीय नृत्य का विस्तृत इतिहास।
2. कथक नृत्य का इतिहास।

इकाई –2

1. निम्नलिखित भारतीय शास्त्रीय नृत्यों का संक्षिप्त ज्ञान – ओडिसी भरतनाट्यम, कथकली, मणिपुरी।
2. नृत्य में वेशभूषा, रूपसज्जा एवं वृन्दवादन का महत्व।

इकाई – 3

1. निम्नलिखित विषयों की जानकारी – धिलांग, थर्र, कसक, मसक, कटाक्ष, गतनिकास, भ्रमरी।
2. स्व. पं. लच्छू महाराज तथा स्व. पं. अच्छन महाराज जी की जीवनी एवं कत्थक नृत्य में उनका योगदान।

इकाई – 4

1. अभिनय दर्पण के अनुसार संयुक्त हस्त मुद्राओं का लक्षण एवं विनियोग का श्लोक सहित ज्ञान।

इकाई –5

1 ताल झपताल के ठेके को ठाह, दुगुन, तिगुन, एवं चौगुन में लिपिबद्ध करने की क्षमता तथा प्रायोगिक में सीखे गये बोलों को लिपिबद्ध करने की क्षमता।

2 प्रायोगिक में सीखे गए आमद, तोड़ा, कवित्त, चक्करदार तोड़ा को ताल त्रिताल में लिपिबद्ध करनें की क्षमता।

बी. पी. ए. तृतीय सेमेस्टर

कोर्स –6 ए (प्रायोगिक)

कथक नृत्य प्रदर्शन–3

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य – 70)
क्रेडिट– 04

1. गुरू वंदना से संबंधित श्लोक में भाव प्रदर्शन।
2. थाट का प्रारंभिक प्रदर्शन।
3. पूर्व कक्षा में सीखें गए बोलों के अतिरिक्त ताल त्रिताल में निम्नानुसार नृत्य प्रदर्शन की क्षमता – एक आमद, तीन तोड़े, दो सादे परन, दो चक्करदार तोड़ा और चक्करदार परन एवं तिहाईयाँ ।
4. निम्नलिखित गत निकास का प्रदर्शन – घूंघट एवं मुरली।
5. माखन चोरी गतभाव का प्रदर्शन।
6. किसी एक भजन में भाव प्रदर्शन की क्षमता।

<u>बी. पी. ए. – तृतीय सेमेस्टर</u>

कोर्स 6–बी (प्रायोगिक)

मौखिक –3

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य – 70)
क्रेडिट– 04

1. द्वितीय सेमेस्टर के ताल त्रिताल की पुनरावृत्ति ।
2. ताल झपताल में निम्नानुसार नृत्य प्रदर्शन की क्षमता– एक आमद, दो तोडें, दो परन,एक चक्करदार तोड़ा,एक चक्करदार परन,कवित्त, तिहाईयाँ एवं ठेके का ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन में तत्कार ।
3. अभिनय दर्पण के अनुसार 11 संयुक्त हस्त मुद्राओं का प्रायोगिक प्रदर्शन ।

बी. पी. ए. – चतुर्थ सेमेस्टर

कोर्स 7 (शास्त्र)

कत्थक नृत्य का सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक शास्त्र –4

पूर्णांक – 100

(आंतरिक – 30 बाह्य – 70)

क्रेडिट– 06

इकाई – 1

1. रस की परिभाषा एवं उसके प्रकारों का परिचयात्मक ज्ञान।
2. भाव की परिभाषा एवं उसके प्रकारों का परिचयात्मक ज्ञान।

इकाई – 2

1. कथक नृत्य प्रशिक्षण में गुरू शिष्य परंपरा एवं शिक्षण पद्धति का ज्ञान।
2. स्व. श्रीमती सितारा देवी जी एवं सुश्री रोशन कुमारी की जीवनी एवं कत्थक नृत्य में उनके योगदान का अध्ययन।

इकाई –3

1. नाट्य शास्त्र के अनुसार भृकुटी भेदों के लक्षण एवं विनियोग का श्लोक सहित अध्ययन।
2. अभिनय दर्पण के अनुसार जाति भेदों के लक्षण एवं विनियोग का श्लोक सहित अध्ययन।

इकाई – 4

1. अभिनय दर्पण के अनुसार दृष्टि भेद का अध्ययन।
2. कथक नृत्य प्रस्तुति के वस्तुक्रम का विवरण।

इकाई – 5

1. ताल धमार में प्रायोगिक में सीखें गए बोलों कों लिपिबद्ध करनें की क्षमता ।
2. ताल त्रिताल में प्रायोगिक में सीखें गये बोलों को लिपिबद्ध करनें की क्षमता तथा एक तिस्त्र जाति परन या तोड़ा, एक कवित्त, तिहाईयां लिपिबद्ध करने की क्षमता ।

बी. पी. ए. – चतुर्थ सेमेस्टर

कोर्स–8 ए

कथक नृत्य प्रदर्शन–4

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य – 70)
क्रेडिट– 04

1. गणेश वंदना से संबंधित श्लोक में भाव प्रदर्शन।
2. थाट का विस्तृत प्रदर्शन।
3. ताल त्रिताल में पूर्व में सीखें गए बोलों के अतिरिक्त निम्नानुसार नृत्य प्रदर्शन की क्षमता – 1 आमद, 2 तोड़े, 2 सादा परन, 2 चक्करदार तोड़ा, या परन, 1 तिस्त्र जाति परन या तोड़ा, एक कवित्त, तिहाईयां एवं ततकार के प्रकार।
4. पूर्व में सीखें गए गतनिकासों की पुनरावृत्ति।
5. होली गतभाव का प्रदर्शन।
6. ताल धमार के ठेके को ठाह,दुगुन तिगुन एवं चौगुन में पढ़न्त करने का अभ्यास।
7. किसी एक ठुमरी या एक भजन में भाव प्रदर्शन की क्षमता।

बी. पी. ए. – चतुर्थ सेमेस्टर

कोर्स 8–बी (प्रायोगिक)

मौखिक –4

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य – 70)
क्रेडिट– 04

1. तृतीय सेमेस्टर के ताल त्रिताल की पुनरावृत्ति ।
2. ताल धमार में निम्नानुसार नृत्य प्रदर्शन की क्षमता – एक आमद, दो तोड़े, दो चक्करदार तोड़ा या एक परन एक चक्करदार परन, एक कवित्त, तिहाईयाँ एवं ताल धमार के ठेके का ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन में तत्कार।
3. अभिनय दर्पण के अनुसार शेष 12 संयुक्त हस्त मुद्राओं का प्रायोगिक प्रदर्शन ।
4. अभिनय दर्पण के अनुसार दृष्टिभेद का प्रायोगिक प्रदर्शन ।

बी. पी. ए.–पंचम सेमेस्टर

कोर्स 9 (शास्त्र)

कथक नृत्य का सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक शास्त्र–5

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य – 70)
क्रेडिट– 05

इकाई – 1

1. किन्हीं 4 क्षेत्रीय लोकनृत्यों का संक्षिप्त अध्ययन।
2. मोहिनी अट्टम एवं कुचिपुड़ी नृत्य शैली की सामान्य जानकारी ।

इकाई – 2

1. कथक नृत्य के विभिन्न घरानों का परिचय एवं उनकी शैलीगत विशेषताओं का ज्ञान।
2. स्व. पं. शम्भू महाराज जी एवं पं. बिरजू महाराज की जीवनी एवं कथक नृत्य को उनका योगदान।

इकाई – 3

1. रास नृत्य की उत्पत्ति एवं विकास।
2. बैले (नृत्य नाटिका) का उद्भव एवं विकास तथा कथक नृत्य में उसका योगदान ।

इकाई – 4

1. लोकधर्मी नाट्यधर्मी एवं पूर्वरंग की जानकारी।
2. नाट्य, नृत्त एवं नृत्य का अध्ययन।

इकाई – 5

1. नाट्यशास्त्र के अनुसार अष्टनायिकाओं का अध्ययन।
2. नाट्यशास्त्र के अनुसार नायक भेदों का अध्ययन।

बी. पी. ए.– पंचम सेमेस्टर

कोर्स – 10 ए

प्रायोगिक–5

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य – 70)
क्रेडिट– 05

1. विष्णु वंदना से संबंधित श्लोक में भाव प्रर्दशन।
2. थाट का विशिष्ट प्रदर्शन।
3. ताल त्रिताल में निम्नानुसार नृत्य करने का अभ्यास – एक आमद, दो तोड़ा, दो चक्करदार परन एवं एक प्रिमलू एक मिश्र जाति परन या तोड़ा एवं तिहाईयाँ।
4. ततकार के विविध प्रकार।
5. पूर्व में सीखे गये गतनिकासों के अतिरिक्त बिंदिया गतनिकास का प्रदर्शन।
6. कालिया दमन गतभाव का प्रदर्शन।
7. ताल सवारी केठेके को ठाह, दुगुन, तिगुन,और चौगुन में पढन्त का अभ्यास।
8. किसी एक ठुमरी और भजन में भाव प्रदर्शन।

बी. पी. ए. – पंचम सेमेस्टर

कोर्स 10–बी (प्रायोगिक)

मौखिक –5

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य – 70)
क्रेडिट– 04

1. चतुर्थ सेमेस्टर के ताल त्रिताल की पुनरावृत्ति ।
2. ताल सवारी में निम्नानुसार नृत्य प्रदर्शन की क्षमता – एक आमद, दो परन, दो तोडें, दो चक्करदार तोड़ा, एक चक्करदार परन,एक कवित्त, तिहाईयाँ एवं सवारी ताल के ठेके का ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन में तत्कार ।
3. अभिनय दर्पण के अनुसार संयुक्त हस्त प्रदर्शन की पुनरावृत्ति ।

बी. पी. ए. षष्ठम सेमेस्टर

कोर्स– 11 (शास्त्र)

कथक नृत्य का सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक शास्त्र–6

पूर्णांक – 100

(आंतरिक – 30 बाह्य – 70)

क्रेडिट– 05

इकाई – 1

1. उत्तर भारतीय एवं दक्षिण भारतीय ताल पद्धति का ज्ञान।
2. ताल के दस प्राण का ज्ञान।

इकाई – 2

1. कथक नृत्य में प्रयुक्त होने वाले गीति प्रकारों का अध्ययन।
2. कथक में भाव प्रदर्शन की विविधताओं का अध्ययन।

इकाई – 3

1. देवदासी प्रथा का इतिहास एवं भारतीय नृत्यों के विकास में उसका योगदान।
2. भारत में लोकनृत्य की उत्पत्ति एवं विकास तथा किन्हीं चार लोकनृत्यों का अध्ययन।

इकाई – 4

1. आचार्य भरत के नाट्यशास्त्र का परिचयात्मक ज्ञान।
2. नाट्यशास्त्र के अनुसार नाट्योत्पत्ति का वर्णन ।

इकाई – 5

1. ताल बसंत के ठेके को ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन में एवं प्रायोगिक में सीखे गये बोलों को लिपिबद्ध करनें की क्षमता।
2. ताल त्रिताल में प्रायोगिक में सीखें गये बोलों को लिपिबद्ध करने की क्षमता ।

बी. पी. ए.–षष्ठम सेमेस्टर

कोर्स – 12 ए (प्रायोगिक)

कथक नृत्य प्रदर्शन

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य – 70)
क्रेडिट– 05

1. शिव वंदना से संबंधित श्लोक में भाव प्रदर्शन।
2. थाट का विशिष्ट प्रदर्शन।
3. पूर्व कक्षा में सीखे गये बोलों के अतिरिक्त निम्नानुसार नृत्य करनें अभ्यास – एक चक्करदार परन और तोड़ा, एक तिस्त्र एवं मिश्र जाति के तोड़े एवं परन एक प्रिमलू एक कवित्त एवं तिहाईया।
4. ततकार के प्रकार के साथ लय बांट का अभ्यास।
5. पूर्व में सीखे गये गतनिकास के अतिरिक्त रूखसार गतनिकास का प्रदर्शन
6. गोवर्धन पूजा गत भाव का प्रदर्शन ।
7. ताल बसंत के ठेके को ठाह, दुगुन, तिगुन, एवं चौगुन में पढ़न्त करने का अभ्यास ।
8. किसी एक ठुमरी और भजन में भाव प्रदर्शन ।

बी. पी. ए. – षष्टम् सेमेस्टर

कार्स 12–बी (प्रायोगिक)

मौखिक –6

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य – 70)
क्रेडिट– 05

1. पंचम सेमेस्टर के ताल त्रिताल की पुनरावृत्ति।
2. ताल बसंत में थाट के साथ नृत्य प्रदर्शन की क्षमता– एक आमद ,दो तोडें, दो चक्करदार तोड़ा , दो परन, एक चक्करदार परन, कवित्त, एक तिस्र जाति तोड़ा या परन तिहाईयाँ एवं ठेके का ठाह, दुगुन तिगुन एवं चौगुन का तत्कार ।
3. एक तराना में नृत्य प्रदर्शन की क्षमता ।

बी. पी. ए. – सप्तम सेमेस्टर

कोर्स 13– शास्त्र

कथक नृत्य का सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक शास्त्र –7

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य – 70)
क्रेडिट– 05

ईकाई –1

1. पुराणों में नृत्य प्रसंग । (विशेष रूप से भागवत पुराण के संदर्भ में)।
2. भारत सरकार द्वारा कथक नृत्य को लोकप्रिय बनाने के प्रयास ।

ईकाई –2

1. अभिनय दर्पण के अनुसार नवग्रह हस्तों का अध्ययन ।
2. अभिनय दर्पण के अनुसार देव हस्तों का अध्ययन ।

ईकाई –3

1. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये – मुखराग, सौष्ठव, वृत्ति।
2. अभिनय दर्पण के अनुसार पादभेद, पात्र लक्षण एवं किंकणी लक्षण, नृत्त हस्त ।

ईकाई –4

1. नृत्य संबंधित सामान्य विषयों पर निबन्ध ।

ईकाई –5

1. प्रायोगिक में उल्लेखित तालों में आमद, तोड़ें, परन, कवित्त तिहाईयाँ, लिपिबद्ध करने एवं ठेके को ठाह, दुगुन,तिगुन,चौगुन में लिपिबद्ध करने की क्षमता ।

बी. पी. ए. – सप्तम सेमेस्टर
कोर्स 14 ए – (प्रायोगिक)
नृत्य प्रदर्शन – 7

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य – 70)
क्रेडिट– 05

1. कृष्ण वंदना से संबंधित श्लोक में भाव प्रदर्शन ।
2. थाट का विशिष्ट प्रदर्शन ।
3. पूर्व कक्षा में सीखे गये बोलो के अतिरिक्त निम्नानुसार नृत्य करने का अभ्यास फरमाईशी परन, दर्जा, त्रिपल्ली, राजा चक्रधर सिंह रचित दो छंद, एक तिस्र जाति परन, एक मिस्र जाति परन एवं तिहाइयाँ ।
4. क्रम लय में तत्कार ।
5. पूर्व में सीखे गये गतभाव की पुनरावृत्ति ।
6. ठुमरी, भजन एवं दादरा में भाव प्रदर्शन (कोई दो) ।

बी. पी. ए. – सप्तम सेमेस्टर
कोर्स 14 बी – (प्रायोगिक)
मौखिक – 7

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य – 70)
क्रेडिट– 05

1. षष्ठम सेमेस्टर के ताल की पुनरावृत्ति ।
2. ताल शिखर (17 मात्रा) में थाट के साथ नृत्य प्रदर्शन की क्षमता– एक आमद,दो तोडें, दो परन, एक चक्करदार परन, एक चक्करदार ताड़े, एक कवित्त एवं तिहाईयाँ एवं ठेके का ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन में तत्कार एवं पढ़न्त ।
3. सीखे गये तराने की पुनरावृत्ति

बी. पी. ए. – सप्तम सेमेस्टर
कोर्स 15 – (प्रायोगिक)
मंच प्रदर्शन

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य – 70)
क्रेडिट– 05

सीखे गये किसी भी ताल में दर्शकों के समस्त मंच प्रदर्शन करने की क्षमता ।

बी. पी. ए. – अष्टम् सेमेस्टर
कोर्स 16– (शास्त्र)

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य – 70)
क्रेडिट– 05

ईकाई –1

1. कथक नृत्य का क्रमिक विकास एवं उसके पुनर्विकास में लखनऊ के नवाब वाजिद अलीशाह एवं रायगढ़ के राजा चक्रधर सिंह के कार्यकालों का विशेष उल्लेख करते हुए मुस्लिम एवं हिन्दू राजाओं के दरबारों में कथक नृत्य के योगदान का वर्णन ।

ईकाई –2

1. कथक नृत्य में भाव प्रदर्शन की विविधताओं के साथ साथ हाव–भाव हेला का अध्ययन ।
2. नृत्य में सोलह श्रृंगार एवं बारह आभूषण का महत्व ।

ईकाई – 3

1. अभिनय दर्पण के अनुसार दशावतार हस्तों का अध्ययन।

ईकाई –4

1. डेढ़ गुन, सवा गुन, और पौन गुन, अतीत, अनागत का अध्ययन ।
2. कथक नृत्य प्रदर्शन को सुंदर बनाने हेतु आवश्यक उपकरण– 1. वेशभूषा एवं रूप सज्जा 2. मंच सज्जा 3. ध्वनि एवं प्रकाश व्यवस्था 4. वाद्य वृन्द (पार्श्व संगीत) एवं सहकलाकारों की भूमिका ।

ईकाई –5

प्रायोगिक में उल्लेखित तालों में थाट के साथ एक आमद, दो तोड़े, दो परन, एक चक्करदार परन, एक चक्करदार तोड़ा, एक कवित्त, तिहाईयाँ, लिपिबिद्ध करने एवं ठेके का ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन में तत्कार ।

बी. पी. ए. – अष्टम् सेमेस्टर
कोर्स 17 ए – (प्रायोगिक)
कथक नृत्य प्रदर्शन –8

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य – 70)
क्रेडिट– 05

1. सरस्वती वंदना से संबंधित श्लोक में भाव प्रदर्शन ।
2. थाट का विशिष्ट प्रदर्शन।
3. पूर्व कक्षा में सीखे गये ताल त्रिताल के बोलों की पुनरावृत्ति एवं निम्नानुसार नृत्य की क्षमता प्रिमलू, दर्जा, अतीत, अनागत, तिहाइयां तत्कार के प्रकार एवं राजा चक्रधर सिंह द्वारा रचित दो परन ।
4. ठुमरी, भजन एवं जयदेव कवि द्वारा रचित एक अष्टपदी ।
5. अभिसारिका एवं खण्डिता नायिका में भाव प्रदर्शन ।

बी. पी. ए. – अष्टम् सेमेस्टर
कोर्स 17 बी – (प्रायोगिक)
कथक नृत्य प्रदर्शन –8

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य – 70)
क्रेडिट– 05

1. सप्तम सेमेस्टर के ताल की पुनरावृत्ति।
2. ताल धमार एवं सवारी में थाट के साथ नृत्य प्रदर्शन की क्षमता– एक आमद, दो तोड़े, दो परन, एक चक्करदार परन, एक चक्करदार तोड़ा, कवित्त एवं तिहाईयाँ एवं ठेके का ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन में तत्कार एवं पढ़न्त।
3. तराना की पुनरावृत्ति।

बी. पी. ए. – अष्टम् सेमेस्टर
कोर्स 18 – (प्रायोगिक)
मंच प्रदर्शन –2

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य – 70)
क्रेडिट– 05

सीखे गये किसी भी ताल में दर्शकों के समक्ष मंच प्रदर्शन करने की क्षमता ।

बी.पी.ए. सप्तम सेमेस्टर (अनिवार्य विषय)
कला समीक्षा (**Porforming Art**)
(नाट्य, नृत्य व संगीत)

पूर्णांक – 100
आंतरिक – 30
बाह्य – 70
क्रेडिट– 01

1. प्रयोगात्मक प्रदर्शनात्मक कलाओं के श्रव्य और दृश्य आयामों का अध्ययन ।
2. ध्वनि के दो रूप नादात्मक और वर्णनात्मक का विस्तार क्षेत्र ।
3. नाट्य नृत्य व संगीत के सामान्य स्वरूप का अध्ययन ।
4. किसी एक कार्यक्रम को देखकर उसकी समीक्षा करना ।

इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

कथक नृत्य बी.पी.ए. प्रथम सेमेस्टर (सहायक)

शास्त्र– पेपर –1

कोड– 101 BDK

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य – 70)
क्रेडिट– 03

ईकाई–1

1. कथक नृत्य के इतिहास का संक्षिप्त अध्ययन।
2. अंग प्रत्यंग उपांग की जानकारी।

ईकाई–2

1. अभिनय दर्पण के अनुसार ग्रीवा भेदों का श्लोक सहित परिचयात्मक ज्ञान।
2. अभिनय दर्पण के अनुसार प्रथम 15 अंसयुक्त हस्त मुद्राओं का श्लोक एवं विनियोग सहित अध्ययन।

ईकाई–3

1. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों की जानकारी – मात्रा,ताली, खाली,सम, ठेका, ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन।
2. लय की परिभाषा एवं उसके मूल प्रकारों का अध्ययन।

ईकाई–4

स्व. पं. बिंदादीन महाराज, स्व. पं. जयलाल जी की जीवनी एवं कथक नृत्य में उनके योगदान का अध्ययन।

ईकाई–5

ताल, दादरा कहरवा, एवं त्रिताल को ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन में लिपिबद्ध करने का अभ्यास एवं प्रायोगिक में सीखे गये आमद एवं तोड़े को लिपिबद्ध करने का अभ्यास।

कथक नृत्य बी.पी.ए. प्रथम सेमेस्टर (सहायक)

पेपर – 2 (प्रायोगिक) मौखिक एवं नृत्य प्रदर्शन

कोड– 102 BDK

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य –70)
क्रेडिट– 03

1. हस्त संचालन के साथ तत्कार का ठाह, दुगुन एवं चौगुन में अभ्यास तथा कथक नृत्य में तोड़े या परन आदि में अधिकांशतः प्रयोग होने वाले समूहों का समुचित अभ्यास जैसे – तिगधा, तिगधा थेई, तिगधा, दिगदिगथेई, कडान धा, तिटकतगदिगन आदि।
2. ताल त्रिताल में निम्नानुसार नृत्य प्रदर्शन की क्षमता – एक आमद, पांच तोड़े, एक सादा परण, एक कवित्त, एवं तत्कार के प्रारम्भिक प्रकार।
3. छूट की गत, मटकी के गतनिकासों का प्रदर्शन।
4. अभिनय दर्पण के अनुसार प्रारम्भिक 15 असंयुक्त हस्त भेदों का प्रायोगिक प्रदर्शन।
5. अभिनय दर्पण के अनुसार ग्रीवा भेदों का प्रायोगिक प्रदर्शन ।

कथक नृत्य बी.पी.ए. द्वितीय सेमेस्टर (सहायक)

पेपर – 3 शास्त्र

कोड– 201 BDK

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य – 70)
क्रेडिट– 03

ईकाई–1

1. भारतीय नृत्य का संक्षिप्त इतिहास।
2. अभिनय की परिभाषा एवं उसके प्रकारों का संक्षिप्त अध्ययन।

ईकाई–2

1. अभिनय दर्पण के अनुसार शिरोभेद का लक्षण एवं विनियोग सहित परिचायात्मक ज्ञान।
2. अभिनय दर्पण के अनुसार शेष 13 असंयुक्त हस्त मुद्राओं का श्लोक एवं विनियोग सहित अध्ययन।

ईकाई–3

1. स्व. पं. कालिका प्रसाद जी , पं. सुंदर प्रसाद जी की जीवनी एवं कथक नृत्य में उनके योगदान का अध्ययन ।

ईकाई–4

1. निम्नलिखित शब्दों की परिभाषा : तत्कार, हस्तक, ताल, लय, आवर्तन।
2. किन्हीं दो क्षेत्रीय लोक नृत्यों का संक्षिप्त अध्ययन।

ईकाई–5

1. ताल झपताल के ठेके को ठाह, दुगुन, तिगुन,चौगुन में लिपिबद्ध करने की क्षमता तथा प्रायोगिक में सीखे गये बोलो को (आमद, तोड़े) लिपिबद्ध करने की क्षमता।

कथक नृत्य बी.पी.ए. द्वितीय सेमेस्टर (सहायक)

पेपर – 4 (प्रायोगिक) मौखिक एवं नृत्य प्रदर्शन

कोड– 202 BDK

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य – 70)
क्रेडिट– 03

1. गुरूवंदना पर भाव प्रदर्शन।
2. प्रथम वर्ष के अतिरिक्त ताल त्रिताल में निम्नानुसार नृत्य प्रदर्शन की क्षमता एक आमद, दो तोड़े, दो परन, दो चक्करदार तोड़े, एक कवित्त एवं ततकार के कुछ प्रकार।
3. मुरली एवं मुकुट के गतनिकासों का प्रदर्शन।
4. माखन चोरी गतभाव का प्रदर्शन।
5. ताल झपताल में निम्नानुसार नृत्य प्रदर्शन का अभ्यास :– एक आमद,दो तोड़े, दो परन, एक चक्करदार तोड़ा या परण एवं कवित्त।
6. अभिनय दर्पण के अनुसार शेष 13 असंयुक्त हस्तों का मूल श्लोक सहित प्रायोगिक प्रदर्शन।
7. ताल कहरवा, दादरा का हाथों से ताली देकर ठाह, दुगुन एवं चौगुन में अभ्यास करना।
8. अभिनय दर्पण के अनुसार शिरोभेद का प्रायोगिक प्रदर्शन ।

कथक नृत्य बी.पी.ए. तृतीय सेमेस्टर (सहायक)

पेपर – 5 शास्त्र

कोड– 301 BDK

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य –70)
क्रेडिट– 03

ईकाई–1

भारतीय शास्त्रीय नृत्य शैलियों का परिचयात्मक ज्ञान :– कथक, भरतनाट्यम, कथकली, ओड़िसी।

ईकाई–2

1. अभिनय दर्पण में वर्णित प्रारम्भिक 11 संयुक्त हस्त भेदों का लक्षण एवं विनियोग सहित अध्ययन।
2. नाट्य शास्त्र के अनुसार भृकुटि भेदों का अध्ययन ।

ईकाई–3

1. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों का ज्ञान :– थाट, आमद, सलामी, तोड़ा, परन, कवित्त, गतनिकास।
2. तांडव एवं लास्य का परिचयात्मक ज्ञान ।

ईकाई–4

1. अभिनय दर्पण के अनुसार नायक भेदों का ज्ञान।
2. कथक नृत्य में मंगलाचरण, गुरूवंदना एवं भूमिवंदना के महत्त्व का ज्ञान ।

ईकाई–5

ताल एक ताल के ठेके को ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन में लिपिबद्ध करने की क्षमता एवं प्रायोगिक में सीखे गये आमद, तोड़े, परन को लिपिबद्ध करने का अभ्यास ।

कथक नृत्य बी.पी.ए. तृतीय सेमेस्टर (सहायक)

पेपर – 6 (प्रायोगिक) मौखिक एवं नृत्य प्रदर्शन

कोड–
302 BDK

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य –70)
क्रेडिट– 03

1. विष्णु वंदना से संबंधित श्लोक पर भाव प्रदर्शन।
2. थाट का सामान्य ज्ञान।
3. पूर्व कक्षाओं के अतिरिक्त एक आमद, दो तोड़े एवं चक्करदार तोड़े, दो परन एवं एक चक्करदार परन, एक कवित्त तिहाई एवं तत्कार के विभिन्न प्रकार।
4. पूर्व में सीखे गये गत निकासों के अतिरिक्त बिंदिया गत निकास का प्रदर्शन।
5. ताल एकताल या चौताल में निम्नानुसार नृत्य प्रदर्शन का अभ्यास –एक आमद, दो परन, दो तोड़ा, एक चक्करदार परन, एक चक्करदार तोड़ा एवं एक कवित्त।
6. नाट्य शास्त्र के अनुसार भृकुटि भेदों का प्रायोगिक प्रदर्शन।
7. अभिनय दर्पण के अनुसार प्रथम 12 संयुक्त हस्तों का प्रायोगिक प्रदर्शन।
8. किसी एक भजन पर भाव प्रदर्शन ।

कथक नृत्य बी.पी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर (सहायक)
पेपर – 7 शास्त्र

कोड–
401 BDK

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य – 70)
क्रेडिट– 03

ईकाई–1

1. कथक नृत्य का क्रमिक विकास एवं उसके विभिन्न घरानों का परिचयात्मक ज्ञान

ईकाई–2

1. रस की परिभाषा एवं उसके प्रकारों का परिचयात्मक ज्ञान।
2. भाव की परिभाषा एवं उसके प्रकारों का परिचयात्मक ज्ञान।

ईकाई–3

1. अभिनय दर्पण में वर्णित दृष्टि भेदों का अध्ययन।
2. नृत्य की उत्पत्ति संबंधी विभिन्न कथाओं का अध्ययन।

ईकाई–4

1. भारत के लोक नृत्य का संक्षिप्त ज्ञान एवं किसी दो लोक नृत्यों का विस्तृत अध्ययन।
2. भारतीय नृत्य का विस्तृत इतिहास।

ईकाई–5

प्रायोगिक पाठ्यक्रम में उल्लेखित तालों में तोड़े, परन,कवित्त, आदि लिपिबद्ध करने की क्षमता।

कथक नृत्य बी.पी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर (सहायक)
पेपर – 8 (प्रायोगिक) मौखिक एवं नृत्य प्रदर्शन

कोड–
402 BDK

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य –70)
क्रेडिट–03

1. पिछले विष्णु वंदना के श्लोक की पुनरावृत्ति।
2. पूर्व कक्षाओं के आंतरिक्त ताल त्रिताल में निम्नानुसार नृत्य करने का अभ्यास– एक आमद, दो चक्करदार तोड़े, दो चक्करदार परन, कवित्त, तत्कार आदि।
3. पूर्व में सीखे गये गतनिकासों के अतिरिक्त रूखसार गतनिकासों का प्रदर्शन।
4. होली गत भाव का प्रदर्शन।
5. ताल धमार में निम्नानुसार नृत्य प्रदर्शन करने की क्षमता– एक आमद, दो तोड़े, दो परन, एक चक्करदार तोड़ा,एक चक्करदार परन एवं एक तिहाई करने का अभ्यास।
6. अभिनय दर्पण के अनुसार दृष्टि भेदों का प्रायोगिक प्रदर्शन।
7. किसी एक भजन पर भाव प्रदर्शन

<u>कथक नृत्य बी.पी.ए. पंचम सेमेस्टर (सहायक)</u>
पेपर – 9 शास्त्र

कोड– 501 BDK

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य –70)
क्रेडिट– 03

ईकाई–1

1. अभिनय दर्पण के अनुसार नायिका भेदों का अध्ययन।
2. अभिनय दर्पण के अनुसार जाति हस्त के लक्षण एवं विनियोग का श्लोक सहित अध्ययन।

ईकाई–2

1. ताल के दस प्राण का विस्तृत अध्ययन।
2. नाट्यशास्त्र के अनुसार पूर्व रंग का वर्णन।

ईकाई–3

1. लोकधर्मी नाट्यधर्मी की जानकारी।
2. नृत्त, नाट्य एवं नृत्य का अध्ययन।

ईकाई–4

1. अभिनय दर्पण के अनुसार गति भेदों का अध्ययन।
2. रामायण महाभारत में वर्णित नृत्य प्रयोगों का अध्ययन।

ईकाई–5

प्रायोगिक पाठ्यक्रम में उल्लेखित तालों में तोड़े, आमद, परन, कवित्त, तिहाइयाँ आदि लिपिबद्ध करने का अभ्यास।

<u>कथक नृत्य बी.पी.ए. पंचम सेमेस्टर (सहायक)</u>
पेपर – 10 (प्रायोगिक) मौखिक एवं नृत्य प्रदर्शन

कोड– 502 BDK

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य –70)
क्रेडिट– 03

1. गणेश वंदना से संबंधित श्लोक में भाव।
2. थाट का सामान्य प्रदर्शन ।
3. पूर्व कक्षाओं में सीखे गये बोलो के अतिरिक्त ताल, त्रिताल में निम्नानुसार नृत्य करने का अभ्यास – एक आमद, दो तोड़े, दो परन, दो चक्करदार, तोड़े, दो चक्करदार परन, एक तिस्र जाति तोड़ा या परन, दो कवित्त, दो प्रिमलू एवं तिहाईयाँ।
4. तत्कार के प्रकार एवं लय बाँट आदि का उच्च प्रदर्शन।
5. कालियादमन गतभाव का प्रदर्शन।
6. ताल सवारी में निम्नानुसार नृत्य प्रदर्शन करने की क्षमता एक आमद, दो तोड़ें, दो परन एवं एक चक्करदार परन, दो चक्करदार तोड़े, कवित्त, तिहाईयाँ।
7. किसी एक ठुमरी पर भाव प्रदर्शन करने की क्षमता।
8. असंयुक्त एवं संयुक्त हस्तों का प्रायोगिक प्रदर्शन।

कथक नृत्य बी.पी.ए. षष्ठम सेमेस्टर (सहायक)
पेपर – 11 शास्त्र

कोड–
601 BDK

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य –70)
क्रेडिट– 03

ईकाई–1

1. रास नृत्य की उत्पत्ति एवं विकास।
2. भारतीय चित्रकला एवं मूर्तिकला में नृत्य ।

ईकाई–2

1. मार्गी एवं देशी नृत्यों का ज्ञान।
2. निम्नलिखित विषयों का अध्ययन – पात्र लक्षण, किंकिणी लक्षण, पादभेद।

ईकाई–3

1. अभिनय दर्पण के अनुसार देवहस्तों का श्लोक सहित अध्ययन।
2. पांच जाति एवं पांच यति के प्रकारों का अध्ययन।

ईकाई–4

1. निम्न विषयो की जानकारी – स्थानक , चारी, मंडल।
2. अभिनय दर्पण के अनुसार बांधव हस्तों का अध्ययन।

ईकाई–5

1. अभिनय दर्पण के अनुसार नवग्रह हस्तों का अध्ययन।
2. देवदासी प्रथा का इतिहास एवं भारतीय नृत्यो के विकास में उसका योगदान।

कथक नृत्य बी.पी.ए. षष्ठम सेमेस्टर (सहायक)
पेपर – 12 (प्रायोगिक) मौखिक एवं नृत्य प्रदर्शन

कोड–
602 BDK

पूर्णांक – 100
(आंतरिक – 30 बाह्य – 70)
क्रेडिट– 03

1. शिव वंदना से संबंधित श्लोक में भाव प्रदर्शन।
2. कसक मसक कटाक्ष के साथ थाट प्रदर्शन का अभ्यास।
3. ताल त्रिताल मे निम्नांकित विषयों के साथ नृत्य प्रदर्शन – एक आमद, तीन तोड़े, दो परन, दो चक्करदार तोड़े, दो कवित्त एक मिश्र जाति तोड़ा या परन, एक तिस्र जाति तोड़ा एक प्रिमलू एवं तत्कार का प्रदर्शन।
4. गोवर्धन पूजा गतभाव का प्रदर्शन।
5. ताल बंसत में निम्ननानुसार नृत्य प्रदर्शन करने की क्षमता– एक आमद,दो तोड़े, दो परन, एक चक्करदार तोड़ा, एक चक्करदार परन, एक कवित्त एवं तिहाईयों का प्रदर्शन।
6. भजन एवं ठुमरी में भाव प्रदर्शन की क्षमता।
7. अभिनय दर्पण के अनुसार दृष्टि भेदों का प्रायोगिक प्रदर्शन।

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya
Bharatnatyam Dance
BPA First Semester
Course 1 (Theory)

Code-
BDB 101

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 06

An Introduction of Bharatanatyam – 1

Unit – 1

a) A general introduction of Bharatanatyam.
b) Study of Technical terms – Aramandi, Muzhumandi, Sama, Adavu.
c) A general introduction to four Classical Dances of India – Kathak, Odissi, Manipuri, Kathakali.

Unit – 2

a) Introduction of Tala and knowledge of the Sapta Tala (7 basic Tala) of South Indian Tala system with their Angas and Symbols.
b) Study of the technical terms of Tala: Laya, Jaati, Gati, Graha, Aavartan.

Unit – 3

Life sketches: Mylapore Gauri Amma, Rukmini Devi Arundale, Bala Saraswati.

Unit – 4

Shlokas from Abhinaya Darpan: Dhyan Shloka/ Namaskriya and main Shlokas of Shiro Bheda, Drishti Bheda, Asamyuta Hasta.

Unit – 5

Notation of the following Adavus in Vilambita and Madhya Laya (two speeds): Tatta Adavus, Natta Adavu, Paraval Adavu (Ta Tai Tai Tat Adavu), Kudittumetti Adavu.

BPA First Semester
Course 2 A (Practical)
Presentation - 1

Code-
BDB 102

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 04

1. All Adavus (around 55 basic steps) in Vilambita and Madhya Laya (two speeds/ Kaalas).
2. Demonstration of the Dhyan Shloka/ Namaskriya and the main Shlokas of Shiro Bheda and Drishti Bheda according to Abhinaya Darpan.
3. Demonstration of the main Shloka of Asamyuta Hasta according to Abhinaya Darpan.

BPA First Semester
Paper 2 B (Practical)
Viva – 1

Code-
BDB 103

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 04

1. Basic Exercises.
2. Rendering the Sapta Tala of South Indian Tala system in Chaturasra Jaati (Vilambita & Madhya Laya).
3. Rendering the following Adavus with Tala in Vilambita and Madhya Laya (two speeds/ Kaalas) – Tatta Adavu, Natta Adavu, Paraval Adavu (Ta Tai Tai Tat), Kudittumetti Adavu.

BPA Second Semester
Course 3 (Theory)
An Introduction of Bharatnatyam – 2

Code-
BDB 201

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 06

Unit – 1

a) Study of Technical terms – Korvai, Jathi, Swara, Sangeet.
b) Knowledge of Arrangetram and its importance in Bharatnatyam.
c) General introduction of the term Nattuvanar and their role in Bharatnatyam recital.

Unit – 2

Study of:

a) Tandava and its varieties.
b) Lasyanga and its varieties.
c) Natya, Nritta, Nritya.

Unit – 3

Life sketches: Pandanallur Sri. Meenakshi Sundaram Pillai, Sri. Muthukumar Pillai, Vazhuvoor Ramaiyya Pillai.

Unit – 4

Shlokas from Abhinaya Darpan: Main Shlokas of Greeva Bheda, Pada Bheda, Nritta Hasta, Samyuta Hasta.

Unit – 5

Notation of Alaripu learnt in syllabus and of the following Adavus in Vilambita, Madhya and Druta Laya (three speeds/ Kaalas): Tatta Adavus, Natta Adavu, Paraval Adavu (Ta Tai Tai Tat Adavu), Kudittumetti Adavu, Tat Tai Ta Ha Adavu, Sarikka (Taiya Tai Yit) Adavu, Mandi Adavu, Teermanam Adavu.

BPA Second Semester
Course 4 A (Practical)
Presentation – 2

Code-
BDB 202

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 04

1. All Adavus (around 55 basic steps) in three speeds/ Kalas – Vilambita, Madhya, Druta Laya.
2. Alaripu – one.
3. Demonstration of the main Shlokas of Greeva Bheda, Pada Bheda and Nritta Hasta according to Abhinaya Darpan.
4. Demonstration of Samyuta Hasta with main Shloka according to Abhinaya Darpan.

BPA Second Semester
Course 4 B (Practical)
Viva - 2

Code-
BDB 203

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 04

1. Revision of First Semester.
2. Rendering Alaripu in Tala.
3. Rendering the following Adavus with Tala in Vilambita, Madhya and Druta Laya (three speeds/ Kaalas) – Tatta Adavu, Natta Adavu, Paraval Adavu (Ta Tai Tai Tat), Kudittumetti Adavu, Tat Tai Ta Ha Adavu, Sarikka (Taiya Tai Yit) Adavu, Mandi Adavu, Teermanm Adavu.

BPA Third Semester
Course 5 (Theory)
A Study of Bharatanatyam – 1

Code-
BDB 301

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 06

Unit – 1

a) Origin, History and Development of Bharatanatyam.
b) Margam (repertoire) of Bharatanatyam.
c) Aharya of Bharatanatyam and knowledge of two main instruments of Bharatanatyam the Talam (Manjire) and Mridangam.

Unit – 2

Detailed Study of:

a) South Indian Tala System with Jaati & Gati Bhedas.
b) Natyotpatti Katha according to Abhinaya Darpan with Shlokas.
c) Guru Shishya Parampara.

Unit – 3

Religious stories related to or presented in dance:

a) Maharasa of Krishna.
b) Vishnu as Mohini in Amrit Manthan.
c) Krishna as Makhan Chor & Govardhan Giridhar.
d) Draupadi Swayamvara.

Unit – 4

Shlokas from Abhinaya Darpan: Viniyogas with Shloka from Patak to Shukatunda Asamyuta Hastas.

Unit – 5

Notation of Pushpanjali & Jatiswaram (jathis/ teermanams, korvais and songs) learnt in syllabus.

BPA Third Semester
Course 6 A (Practical)
Presentation - 3

Code-
BDB 302

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 04

1. Pushpanjali – one
2. Jatiswaram – one
3. Demonstration of the Viniyogas of Asamyuta Hastas from Patak to Kartarimukha with Shlokas according to Abhinaya Darpan.
4. Demonstration of the Viniyogas of Asamyuta Hastas from Mayur to Shukatunda with Shlokas according to Abhinaya Darpan.

BPA Third Semester

Course 6 B (Practical)

Viva - 3

Code-
BDB 303

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 04

1. Revision of Second Semester.
2. Rendering Pushpanjali & Jatiswaram (jathis/ teermanams, korvais and songs) learnt in syllabus with Tala.
3. Ability to play Tattadavu & Nattadavu with Tattakazhi (stick).

BPA Fourth Semester

Course 7 (Theory)

A Study of Bharatanatyam – 2

Code-
BDB 401

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 06

Unit – 1

Detailed Study of:

a) Banis (schools) of Bharatanatyam – Tanjore, Mysore, Pandanallur, Vazhuvur, Kalakshetra.
b) Devadasi tradition in Bharatnatyam.
c) Acharya Nandikeshwara & contents (subject matter) of Abhinaya Darpan.

Unit – 2

Life sketches: Tanjore Quartette Brothers (Chinnaiyya, Ponnaiyya, Shivanandam, Vadivelu), Purandara Das.

Unit – 3

Religious Stories related to or presented in Dance:

a) Vishnu as Mohini in Mohini – Bhasmasura.
b) Krishna in Kaliya Mardan.
c) Rukmini Kalyanam.
d) Sita Haran and Jatayu Moksham.

Unit – 4

Shlokas from Abhinaya Darpan: Viniyogas with Shloka from Mushti to Simhamukha Asamyuta Hastas.

Unit – 5

Notation of Shabdam & Tillana (jathis/teermanam, korvais and songs) learnt in syllabus.

BPA Fourth Semester

Course 8 A (Practical)

Presentation – 4

Code-
BDB 402

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 04

1. Shabdam – one.
2. Tillana – one.
3. Demonstration of the Viniyogas of Asamyuta Hastas from Mushti to Soochi with Shlokas from Abhinaya Darpan.
4. Demonstration of the Viniyogas of Asamyuta Hastas from Chandrakala to Simhamukha with Shlokas from Abhinaya Darpan.

BPA Fourth Semester

Paper 8 B (Practical)

Viva – 4

Code-
BDB 403

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 04

1. Revision of Third Semester.
2. Rendering Shabdam & Tillana (jathis/ teermanams, korvais and songs) learnt in syllabus with Tala.
3. Ability to explain the meanings of the songs learnt in syllabus with clarity.
4. Ability to play Paraval (Ta Tai Tai Tat) Adavu, Kudittumetti Adavu & Teermanam Adavu in Panchajaati with Tattakazhi (stick).

BPA Fifth Semester

Course 9 (Theory)

Different Aspects of Dance – 1

Code-
BDB 501

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 05

Unit – 1

Study of Abhinaya and its four varieties (Angika, Vachika, Aharya, Satwika) – according to Natyashastra.

Unit – 2

Life sketches: Musical Trinities (Tyagaraja, Shyama Shastri, Muthuswamy Dixitar), Swati Tirunal.

Unit – 3

Study of the following from Natyashastra:

a) Lokadharmi & Natyadharmi.
b) Natyotpatti Katha.
c) Vritti & Pravritti.

Unit – 4

Shlokas from Abhinaya Darpan: Viniyogas from Kangula to Trishula Asamyuta Hasta with Shlokas.

Unit – 5

Notation of Kautuvam, Padam & Keertanam (jathis/ teermanams, korvais and songs) learnt in syllabus.

BPA Fifth Semester

Course 10 A (Practical)

Presentation – 5

Code-
BDB 502

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 05

1. Kautuvam – one.
2. Padam – one.
3. Keertanam – one.
4. Demonstration of the Viniyogas from Kangula to Trishula Asamyuta Hastas with Shlokas according to Abhinaya Darpan.

BPA Fifth Semester
Course 10 B (Practical)
Viva – 5

Code-
BDB 503

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 05

1. Revision of Fourth Semester.
2. Complete presentation of any one item of own choice (10 mins).
3. Rendering Kautuvam, Padam & Keertanam (jathis/teermanams, korvais and songs) learnt in syllabus with Tala.
4. Ability to explain the meanings of the songs learnt in syllabus with clarity.
5. Ability to render Alaripu with Tattakazhi (stick).

BPA Sixth Semester
Course 11 (Theory)
Different Aspects of Dance – 2

Code-
BDB 601

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 05

Unit – 1
Detailed study of: Bhava and Rasa, with their varieties.

Unit – 2
Study of the following:
a) North Indian Tala System
b) Tala Dasha Prana.
c) General introduction of 72 Melakarta Ragas of South Indian Music System.

Unit – 3
Study of the following:
a) Acharya Bharat and his Granth Natyashastra.
b) Jayadeva and Geet Govind.
c) Prekshagriha (auditorium) according to Natyashastra.

Unit – 4
Shlokas from Abhinaya Darpan: Viniyogas of Samyuta Hastas from Anjali to Kartariswastika Hasta and the main Shlokas of Mandala Bheda, Sthanak Bheda, Utplavana Bheda, Bhramari Bheda and Chari Bheda.

Unit – 5
Notation of Jatiswaram, Bhajan, Ashtapadi (jathis/ teermanams, korvais and songs) learnt in syllabus.

BPA Sixth Semester

Course 12 A (Prctical)

Presentation – 6

Code-
BDB 602

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 05

1. Jatiswaram – one
2. Bhajan – one
3. Ashtapadi – one
4. Demonstration of the Viniyogas of Samyuta Hastas from Anjali to Kartariswastika Hasta with Shlokas according to Abhinaya Darpan.
5. Demonstration of the main Shlokas of Mandala Bheda, Sthanak Bheda, Utplavana Bheda, Bhramari Bheda and Chari Bheda with Shlokas according to Abhinaya Darpan.

BPA Sixth Semester

Course 12 B (Prctical)

Viva – 6

Code-
BDB 603

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 05

1. Revision of Fifth Semester.
2. Complete presentation of any one item of own choice (10 mins).
3. Rendering Jatiswaram, Bhajan & Ashtapadi (jathis/ teermanams, korvais and songs) learnt in syllabus with Tala.
4. Ability to explain the meanings of the songs learnt in syllabus with clarity.
5. Ability to render Jatiswaram with Tattakazhi.

BPA Seventh Semester

Course 13 (Theory)

Classical & Folk Traditions of India – 1

Code-
BDB 701

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 05

Unit – 1

Detailed study of: Nayak and Nayika Bhedas, with their varieties.

Unit – 2

Detailed Study of Classical Dances: Kathakali, Mohiniattam, Kuchipudi.

Unit – 3

Study of Folk Dances of India: Bhangra, Kolattam, Bihu, Garba, Lavani.

Unit – 4

Shlokas from Abhinaya Darpan: Viniyogas of Samyuta Hastas from Shakatam to Bherunda Hasta and all the Shlokas of Mandal Bhedas.

Unit – 5

Notation of Varnam (jathis/ teermanams, korvais and songs) learnt in syllabus.

BPA Seventh Semester
Course 14 A (Prctical)
Presentation – 7

Code-
BDB 702

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 05

1. Varnam – one
2. Ability to choreograph two Korvais in Adi Tala (4 Avartanams each).
3. Demonstration of the Viniyogas of Samyuta Hastas from Shakatam to Bherunda Hasta wih Shlokas according to Abhinaya Darapn.
4. Demonstration of all the Mandal Pada Bheda with Shlokas according to Abhinaya Darapn.
5. Ability to render Shabdam with Tattakazhi.

BPA Seventh Semester
Course 14 B (Prctical)
Viva – 7

Code-
BDB 703

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 05

1. Revision of Sixth Semester.
2. Ability to explain the meaning of the Varnam learnt in syllabus with clarity.
3. Complete presentation of any one item of own choice (10 mins).
4. Rendering Varnam (jathis, korvais and songs) learnt in syllabus with Tala.

BPA Seventh Semester
Course 15 (Prctical)
Stage Performance – 1

Code-
BDB 704

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 05

Choice of any three items/ Varnam learnt in all the previous semesters to be performed on stage by the students in front of the audiences. Minimum duration of performance must be of at least 30 min.

BPA Eighth Semester
Course 16 (Theory)
Classical and Folk Traditions of India – 2

Code-
BDB 801

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 05

Unit – 1

Study of the following:

a) Relation of Dance with other Fine Arts.
b) Contribution of Kings and Temples in promotion of Bharatanatyam.
c) A general introduction of history and development of Indian Dance.

Unit – 2

Detailed Study of Classical Dances: Kathak, Odissi, Manipuri.

Unit – 3

Study of Folk Theatre traditions of India: Ramaleela, Rasaleela, Yakshagana, Kuruvanji.

Unit – 4

Shlokas from Abhinaya Darpan: All Viniyogas of Shiro Bheda, Drishti Bheda and Greeva Bheda.

Unit – 5

Notation of Javali/Padam, Keertanam/Ashtapadi & Tillana (jathis, korvais and songs) learnt in syllabus.

BPA Eighth Semester
Course 17 A (Prctical)
Presentation – 8

Code-
BDB 802

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 05

1. Javali/Padam – one.
2. Keertanam/Ashtapadi – one.
3. Tillana – one.
4. Demonstration of the Viniyogas of Shiro Bhedas according to Abhinaya Darpan.
5. Demonstration of the Viniyogas of Drishti Bhedas according to Abhinaya Darpan.
6. Demonstration of the Viniyogas of Greeva Bhedas according to Abhinaya Darpan.

BPA Eighth Semester
Course 17 B (Practical)
Presentation – 8

Code-
BDB 803

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 05

1. Revision of Seventh Semester.
2. Ability to choreograph two Korvais in Rupak Tala.
3. Rendering Javali/Padam, Keertanam/Ashtapadi and Tillana (jathis/teermanams, korvais and songs) learnt in syllabus with Tala.
4. Ability to explain the meanings of the songs learnt in syllabus with clarity.
5. Complete presentation of any one item of own choice (10 mins).
6. Ability to render Varnam with Tattakazhi.

BPA Eighth Semester
Course 18 (Practical)
Stage Performance – 2

Code-
BDB 804

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 05

Choice of any three items/ Varnam learnt in all the previous semesters to be performed on stage by the students in front of the audiences. Minimum duration of performance must be of at least 30 min.

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya
Bharatnatyam Dance
BPA First Semester Optional Subject
Course 1 (Theory)

Code-
BDB 101

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 03

An Introduction of Bharatanatyam – 1

Unit – 1

a) A general introduction of Bharatanatyam.
b) Study of Technical terms – Aramandi, Muzhumandi, Sama, Adavu.

Unit – 2

c) Introduction of Tala and knowledge of the Sapta Tala (7 basic Tala) of South Indian Tala system with their Angas and Symbols.
d) Study of the technical terms of Tala: Laya, Jaati, Gati, Graha, Aavartan.

Unit – 3

Life sketches: Bala Saraswati, Rukmini Devi Arundale.

Unit – 4

Shlokas from Abhinaya Darpan: Dhyan Shloka/ Namaskriya and main Shlokas of Shiro Bheda, Drishti Bheda, Asamyuta Hasta.

Unit – 5

Notation of the following Adavus in Vilambita and Madhya Laya (two speeds): Tatta Adavus, Natta Adavu, Paraval Adavu (Ta Tai Tai Tat Adavu), Kudittumetti Adavu.

BPA First Semester Optional Subject
Course 2 (Practical)
Viva and Presentation 1

Code-
BDB 102

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 03

1. Basic Exercises of Bharatnatyam.
2. All Adavus in Vilambita and Madhya Layas (kalas).
3. Demonstration of Dhyan Shloka/ Namaskriya, Shiro Bheda and Drishti Bheda with main Shlokas according to Abhinaya Darpan.
4. Demonstration of Asamyuta Hasta with Shloka according to Abhinaya Darpan.

BPA Second Semester Optional Subject
Course 3 (Theory)
An Introduction of Bharatnatyam – 2

Code-
BDB 201

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 03

Unit – 1

a) Study of Technical terms – Korvai, Jathi, Swara, Sangeet.
b) Knowledge of Arrangetram and its importance in Bharatnatyam.
c) Natya, Nritta, Nritya.

Unit – 2

Study of:

a) Significance of Nataraj
b) Tandava and its varieties.
c) Lasyanga and its varieties.

Unit – 3

Life sketches: Mylapore Gauri Amma, Pandanallur Sri. Meenakshi Sundaram Pillai.

Unit – 4

Shlokas from Abhinaya Darpan: Main Shlokas of Greeva Bheda, Pada Bheda, Mandal Bheda, Sthanak Bheda and Samyuta Hasta.

Unit – 5

Notation of Alaripu learnt in syllabus and of the following Adavus in Vilambita, Madhya and Druta Laya (three speeds/ Kaalas): Tatta Adavus, Natta Adavu, Paraval Adavu (Ta Tai Tai Tat Adavu), Kudittumetti Adavu.

BPA Second Semester Optional Subject

Course 4 (Practical)

Viva and Presentation 2

Code-
BDB 202

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 03

1. Revision of First Semester.
2. All Adavus in Vilambita, Madhya and Druta Laya (three speeds/Kalas).
3. Alaripu – one
4. Demonstration of Greeva Bheda, Pada Bheda, Mandal Bheda and Sthanak Bheda with main Shlokas according to Abhinaya Darpan.
5. Demonstration of Samyuta Hasta with Shloka according to Abhinaya Darpan.
6. Ability to render Alaripu with Tala.

BPA Third Semester Optional Subject

Course 5 (Theory)

A Study of Bharatanatyam – 1

Code-
BDB 301

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 03

Unit – 1

a) Origin, History and Development of Bharatanatyam.
b) Margam (repertoire) of Bharatanatyam.

Unit – 2

Detailed Study of:

a) South Indian Tala System.
b) Natyotpatti Katha according to Abhinaya Darpan.
c) Guru Shishya Parampara.

Unit – 3

Study of:

a) Contents (subject matter) of Abhinaya Darpan.
b) Life sketches of Tanjore Quartette Brothers (Chinnaiyya, Ponnaiyya, Shivanandam, Vadivelu).

Unit – 4

Shlokas from Abhinaya Darpan: Viniyogas with Shloka from Patak to Shikhar Asamyuta Hastas.

Unit – 5

Notation of Pushpanjali & Jatiswaram (jathis/ teermanams, korvais and songs) learnt in syllabus.

BPA Third Semester Optional Subject

Course 6 (Practical)

Viva and Presentation 3

Code-
BDB 302

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 03

1. Revision of Second Semester.
2. Pushpanjali – one
3. Jatiswaram – one
4. Demonstration of the Viniyogas of Asamyuta Hastas from Patak to Ardhachandra with Shlokas according to Abhinaya Darpan.
5. Demonstration of the Viniyogas of Asamyuta Hastas from Aral to Shikhar with Shlokas according to Abhinaya Darpan.
6. Ability to render Pushpanjali and Jatiswaram (jathis/teermanams, korvais & songs) in Tala.

BPA Fourth Semester Optional Subject

Course 7 (Theory)

A Study of Bharatanatyam – 2

Code-
BDB 401

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 03

Unit – 1

Detailed Study of:

a) Banis (schools) of Bharatanatyam – Tanjore, Mysore, Pandanallur, Vazhuvur, Kalakshetra.
b) Devadasi tradition in Bharatnatyam.

Unit – 2

Religious stories related to or presented in dance:

a) Maharasa of Krishna.
b) Vishnu as Mohini in Amrit Manthan.
c) Krishna in Kaliya Mardan.
d) Vishnu as Mohini in Mohini – Bhasmasura.

Unit – 3

Study of the following from Natyashastra:

a) Lokadharmi & Natyadharmi.
b) Natyotpatti Katha.

Unit – 4

Shlokas from Abhinaya Darpan: Viniyogas with Shloka from Kapittha to Alapadma Asamyuta Hastas.

Unit – 5

Notation of Shabdam & Tillana (jathis/teermanam, korvais and songs) learnt in syllabus.

BPA Fourth Semester Optional Subject

Course 8 (Practical)

Viva and Presentation 4

Code-
BDB 402

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 03

1. Revision of Third Semester.
2. Shabdam – one
3. Tillana – one
4. Demonstration of Viniyogas with Shlokas from Kapittha to Alapadma Asamyuta Hastas.
5. Ability to render Shabdam & Tillana (jathis/teermanams, korvais & songs) in Tala.

BPA Fifth Semester Optional Subject

Course 9 (Theory)

Different Aspects of Dance – 1

Code-
BDB 501

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 03

Unit – 1

Study of Abhinaya and its four varieties (Angika, Vachika, Aharya, Satwika) – according to Natyashastra.

Unit – 2

Study of Classical Dances: Kathakali, Mohiniattam, Kuchipudi.

Unit – 3

Study of the following:

a) Acharya Bharat and his Granth Natyashastra.
b) Prekshagriha (auditorium) according to Natyashastra.

Unit – 4

Shlokas from Abhinaya Darpan: Viniyogas from Chatura to Trishula Asamyuta Hastas and Anjali to Kartariswastika Samyuta Hastas with Shlokas.

Unit – 5

Notation of Varnam (jathis/ teermanams, korvais and songs) learnt in syllabus.

BPA Fifth Semester Optional Subject

Course 10 (Practical)

Viva and Presentation 5

Code-
BDB 502

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 03

1. Revision of Fourth Semester.
2. Varnam – one.
3. Demonstration of the Viniyogas from Chatura to Trishula Asamyuta Hastas with Shlokas according to Abhinaya Darpan.
4. Demonstration of the Viniyogas from Anjali to Kartariswastika Samyuta Hastas with SHlokas according to Abhinaya Darpan.
5. Rendering Varnam (jathis/teermanams, korvais and songs) learnt in syllabus with Tala.

BPA Sixth Semester Optional Subject

Course 11 (Theory)

Different Aspects of Dance – 2

Code-
BDB 601

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 03

Unit – 1

Detailed study of: Bhava and Rasa, with their varieties.

Unit – 2

Study of: Nayak and Nayika Bhedas, with their varieties.

Unit – 3

Study of Classical Dances: Kathak, Odissi, Manipuri.

Unit – 4

Shlokas from Abhinaya Darpan: Viniyogas of Samyuta Hastas from Shakatam to Bherunda Hasta and the main Shlokas of Utplavana Bheda, Bhramari Bheda and Chari Bheda.

Unit – 5

Notation of Bhajan/Keertanam, Padam, Ashtapadi (jathis/ teermanams, korvais and songs) learnt in syllabus.

BPA Sixth Semester Optional Subject
Course 12 (Practical)
Viva and Presentation 6

Code-
BDB 602

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 03

1. Revision of Fifth Semester.
2. Bhajan/ Keertanam – one
3. Padam / Ashtapadi – one
4. Shlokam – one
5. Demonstration of the Viniyogas of Samyuta Hastas from Shakatam to Bherunda Hasta with Shlokas according to Abhinaya Darpan.
6. Demonstration of the main Shlokas of Utplavana Bheda, Bhramari Bheda and Chari Bheda with Shlokas according to Abhinaya Darpan.
7. Rendering Bhajan/Keertanam, Padam/ Ashtapadi, Shloka (jathis/ teermanams, korvais and songs) learnt in syllabus with Tala.

इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय
भरतनाट्यम् नृत्य
बी.पी.ए. प्रथम सेमेस्टर
कोर्स 1 (लिखित) बीडीबी – 101

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिट : 06

भरतनाट्यम् का परिचय – 1

ईकाई – 1

अ) भरतनाट्यम् का सामान्य परिचय।
ब) तकनीकी शब्दों का अध्ययन – अरमण्डी, मुरुमण्डी, सम, अडवु।

ईकाई – 2

अ) ताल का परिचय और दक्षिण भारतीय ताल पद्धति के सप्त तालों (सात आधारभूत ताल) का उनके अंगों व चिन्हों सहित ज्ञान।
ब) ताल के तकनीकी शब्दों का अध्ययन : लय, जाति, गति, ग्रह, आवर्तन।

ईकाई – 3

जीवन परिचय : मइलापुर गौरी अम्मां, रुक्मिणी देवी अरुण्डेल, बाल सरस्वती।

ईकाई – 4

अभिनय दर्पण से श्लोक : ध्यान श्लोक/नमस्क्रिया तथा शिरोभेद, दृष्टिभेद एवं असंयुत हस्त के मुख्य श्लोक।

ईकाई – 5

निम्नलिखित अडवुओं को विलम्बित, मध्य और द्रुत लयों में लिपिबद्ध करना : तट्ट अडवु, नाट्ट अडवु, परवल अडवु (ता तई तई तत् अडवु), कुदित्तुमेट्टि अडवु एवं पक्क अडवु (तत् तई ताहा अडवु)।

बी.पी.ए. प्रथम सेमेस्टर
कोर्स 2 (प्रायोगिक) बीडीबी – 102
प्रस्तुति – 1

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिट : 04

1. प्रथम 25 अडवु (आधारभूत क्रम) विलम्बित, मध्य और द्रुत लयों (तीन गतियों/काल) में प्रदर्शन।
2. अभिनय दर्पण के अनुसार ध्यान श्लोक/नमस्क्रिया तथा शिरोभेद एवं दृष्टिभेद के मुख्य श्लोकों का प्रदर्शन।
3. अभिनय दर्पण के अनुसार असंयुत हस्त के मुख्य श्लोक का प्रदर्शन।

बी.पी.ए. प्रथम सेमेस्टर
कोर्स 3 (प्रायोगिक) बीडीबी – 103
मौखिक – 1

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिट : 04

1. प्रारम्भिक व्यायाम।
2. दक्षिण भारतीय ताल पद्धति के सप्त तालों को चतुरश्र जाति (विलम्बित व मध्य लय) में प्रदर्शित करना।
3. विलम्बित, मध्य और द्रुत लयों (तीन गतियों/काल) में निम्नलिखित अडवुओं के ताल प्रदर्शित करना : तट्ट अडवु, नाट्ट अडवु, परवल अडवु (ता तई तई तत् अडवु), कुदित्तुमेट्टि अडवु एवं पक्क अडवु (तत् तई ताहा अडवु)।

बी.पी.ए. द्वितीय सेमेस्टर
कोर्स 1 (लिखित) बीडीबी – 201

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिट : 06

भरतनाट्यम् का परिचय – 2

ईकाई – 1

अ) तकनीकी शब्दों का अध्ययन – कोरवै, जति, स्वर, संगीत।
ब) अरंगेट्रम् और भरतनाट्यम् में उसके महत्व का ज्ञान।
स) पारिभाषिक शब्द नट्टुवनार तथा भरतनाट्यम् कार्यक्रम में उनके महत्व का सामान्य परिचय।

ईकाई – 2

अध्ययन :
अ) ताण्डव एवं उसके भेद।
ब) लास्य एवं उसके भेद।
स) नाट्य, नृत्त नृत्य।

ईकाई – 3

जीवन परिचय : पन्दनल्लूर श्री मीनाक्षी सुन्दरम् पिल्लै, श्री मुत्तुकुमार पिल्लै, वळवूर रामैय्या पिल्लै।

ईकाई – 4

अभिनय दर्पण से श्लोक : ग्रीवा भेद, पाद भेद, नृत्त हस्त व संयुत हस्त के मुख्य श्लोक।

ईकाई – 5

पाठ्यक्रम में सीखे गये अलारिपु को लिपिबद्ध करना तथा विलम्बित, मध्य एवं द्रुत लयों (तीन गतियों/ कालों) में निम्नलिखित अडवुओं को लिपिबद्ध करना : सरिक्क (तईया तई यित्) अडवु, मण्डी अडवु, ता हत झम तरि ता अडवु, पंचजाति अडवु, पयक्कल अडवु एवं तीर्मानम् अडवु।

बी.पी.ए. द्वितीय सेमेस्टर
कोर्स 2 (प्रायोगिक) बीडीबी – 202
प्रस्तुति – 2

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिट : 04

1. शेष 30 अडवु (आधारभूत क्रम) विलम्बित, मध्य, द्रुत लयों – तीन गतियों/कालों में प्रदर्शन।
2. अलारिपु – एक।
3. ग्रीवा भेद, पाद भेद एवं नृत्त हस्त के मुख्य श्लोकों का अभिनय दर्पण के अनुसार प्रदर्शन।
4. संयुत हस्त के मुख्य श्लोक का अभिनय दर्पण के अनुसार प्रदर्शन।

बी.पी.ए. द्वितीय सेमेस्टर
कोर्स 3 (प्रायोगिक) बीडीबी – 203
मौखिक – 2

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिट : 04

1. प्रथम सेमेस्टर की पुनरावृत्ति।
2. अलारिपु का ताल सहित प्रदर्शन।
3. विलम्बित, मध्य और द्रुत लयों (तीन गतियों/कालों) में निम्नलिखित अडवुओं के ताल का प्रदर्शन – तट्ट अडवु, नाट्ट अडवु, परवल अडवु (ता तई तई तत् अडवु), कुदित्तुमेट्टि अडवु, तत् तई ता हा अडवु, सरिक्क (तईया तई यित्) अडवु, मण्डी अडवु, तीर्मानम् अडवु।

बी.पी.ए. तृतीय सेमेस्टर
कोर्स 1 (लिखित) बीडीबी – 301

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिट : 06

भरतनाट्यम् का अध्ययन – 1

ईकाई – 1

अ) भरतनाट्यम् की उत्पत्ति, इतिहास और विकास।
ब) भरतनाट्यम् का मार्गम्।

ईकाई – 2

विस्तृत अध्ययन :
अ) जाति व गतिभेदों सहित दक्षिण भारतीय ताल पद्धति।
ब) श्लोकों सहित अभिनय दर्पण के अनुसार नाट्योत्पत्ति कथा।

ईकाई – 3

नृत्य से सम्बन्धित अथवा नृत्य में प्रस्तुत धार्मिक कथाएँ :
अ) कृष्ण का महारास।
ब) अमृत मन्थन में माहिनी स्वरूप में विष्णु।

ईकाई – 4

अभिनय दर्पण से श्लोक : पताक से शुकतुण्ड तक के विनियोग श्लोक एवं अर्थ सहित।

ईकाई – 5

पाठ्यक्रम में सीखे पुष्पांजलि तथा जतिस्वरम् (जति/तीर्मानम्, कोरवै व गीत) को लिपिबद्ध करना।

बी.पी.ए. तृतीय सेमेस्टर
कोर्स 2 (प्रायोगिक) बीडीबी – 302
प्रस्तुति – 3

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिट : 04

1. पुष्पांजलि – एक।
2. जतिस्वरम् – एक।
3. अभिनय दर्पण के अनुसार पताक से कर्तरीमुख तक के असंयुत हस्त विनियोगों का श्लोक एवं अर्थ सहित प्रदर्शन।
4. अभिनय दर्पण के अनुसार मयूर से शुकतुण्ड तक के असंयुत हस्त विनियोगों का श्लोक एवं अर्थ सहित प्रदर्शन।

बी.पी.ए. तृतीय सेमेस्टर
कोर्स 3 (प्रायोगिक) बीडीबी – 303
मौखिक – 3

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिट : 04

1. द्वितीय सेमेस्टर की पुनरावृत्ति।
2. पाठ्यक्रम में सीखे पुष्पांजलि एवं जतिस्वरम् (जति/तीर्मानम्, कोरवै व गीत) को ताल सहित प्रदर्शित करना।
3. तट्ट अडवु तथा नाट्ट अडवु को तट्टकलि बजा कर प्रदर्शित करना।

बी.पी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
कोर्स 1 (लिखित) बीडीबी – 401

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिट : 06

भरतनाट्यम् का अध्ययन – 2

ईकाई – 1

विस्तृत अध्ययन :
अ) भरतनाट्यम् की बानियाँ (घराने) – तंजौर, मैसूर, पन्दनल्लूर, वळवूर, कलाक्षेत्र।
ब) भरतनाट्यम् में देवदासी परम्परा।

ईकाई – 2

जीवन परिचय : तंजौर चतुष्टय भाई (चिन्नैय्या, पोन्नैय्या, शिवानंदम्, वडिवेलु), पुरन्दर दास।

ईकाई – 3

नृत्य से सम्बन्धित अथवा नृत्य में प्रस्तुत धार्मिक कथाएँ :
अ) माहिनी – भस्मासुर में मोहिनी रूप में विष्णु।
ब) कालिया मर्दन में कृष्ण।
स) रुक्मिणी कल्याणम्।

ईकाई – 4

अभिनय दर्पण से श्लोक : मुष्टि से सिंहमुख तक के असंयुत हस्त विनियोग श्लोक एवं अर्थ सहित।

ईकाई – 5

पाठ्यक्रम में सीखे कौतुवम् एवं शब्दम् (जति/तीर्मानम्, कोरवै व गीत) को लिपिबद्ध करना।

बी.पी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
कोर्स 2 (प्रायोगिक) बीडीबी – 402
प्रस्तुति – 4

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिट : 04

1. कौतुवम् – एक।
2. शब्दम् – एक।
3. अभिनय दर्पण के अनुसार मुष्टि से सूची तक के असंयुत हस्त विनियोगों का श्लोक एवं अर्थ सहित प्रदर्शन।
4. अभिनय दर्पण के अनुसार चन्द्रकला से सिंहमुख तक के असंयुत हस्त विनियोगों का श्लोक एवं अर्थ सहित प्रदर्शन।

बी.पी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
कोर्स 3 (प्रायोगिक) बीडीबी – 403
मौखिक – 4

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिट : 04

1. तृतीय सेमेस्टर की पुनरावृत्ति।
2. पाठ्यक्रम में सीखे कौतुवम् एवं शब्दम् (जति/तीर्मानम्, कोरवै व गीत) को ताल सहित प्रदर्शित करना।
3. पाठ्यक्रम में सीखे गीतों के अर्थों का स्पष्टता से वर्णन करना।
4. परवल (ता तई तई तत्) अडवु, कुदित्तुमेट्टि अडवु तथा तीर्मानम् अडवु को तट्टकलि बजा कर प्रदर्शित करना।

बी.पी.ए. पंचम् सेमेस्टर
कोर्स 1 (लिखित) बीडीबी – 501

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिट : 05

नृत्य के विभिन्न आयाम – 1

ईकाई – 1

नाट्यशास्त्र के अनुसार अभिनय एवं उसके चार प्रकारों (आंगिक, वाचिक, आहार्य, सात्विक) का अध्ययन।

ईकाई – 2

अ) भरतनाट्यम् में गुरु शिष्य परम्परा का महत्व।
ब) भरतनाट्यम् के किन्हीं दो समकालीन गुरुओं की जीवनी और योगदान – गुरु सी. वी. चन्द्रशेखर, गुरु धनंजय शान्ता, गुरु सरोजा वैद्यनाथन।

ईकाई – 3

निम्नलिखित का नाट्यशास्त्र से अध्ययन :
अ) लोकधर्मी एवं नाट्यधर्मी।
ब) नाट्योत्पत्ति कथा।
स) वृत्ति एवं प्रवृत्ति।

ईकाई – 4

अभिनय दर्पण से श्लोक : कांगुल से त्रिशूल तक के असंयुत हस्त विनियोग श्लोक एवं अर्थ सहित।

ईकाई – 5

पाठ्यक्रम में सीखे पदम् एवं कीर्तनम् (जति/तीर्मानम्, कोरवै व गीत) को लिपिबद्ध करना।

बी.पी.ए. पंचम् सेमेस्टर
कोर्स 2 (प्रायोगिक) बीडीबी – 502
प्रस्तुति – 5

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिट : 05

1. पदम् – एक।
2. कीर्तनम् – एक।
3. अभिनय दर्पण के अनुसार कांगुल से त्रिशूल तक के असंयुत हस्त विनियोगों का श्लोक एवं अर्थ सहित प्रदर्शन।

बी.पी.ए. पंचम् सेमेस्टर
कोर्स 3 (प्रायोगिक) बीडीबी – 503
मौखिक – 5

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिट : 05

1. चतुर्थ सेमेस्टर की पुनरावृत्ति।
2. अपनी रुचि के किसी एक आइटम की पूर्ण प्रस्तुति (10 मिनिट)।
3. पाठ्यक्रम में सीखे पदम् एवं कीर्तनम् (जति/तीर्मानम्, कोरवै व गीत) को ताल सहित प्रदर्शित करना।
4. पाठ्यक्रम में सीखे गीतों के अर्थों का स्पष्टता से वर्णन करना।
5. तट्टकलि बजा कर अलारिपु को प्रस्तुत करना।

बी.पी.ए. षष्ठम् सेमेस्टर
कोर्स 1 (लिखित) बीडीबी – 601

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिट : 05

नृत्य के विभिन्न आयाम – 2

ईकाई – 1

भाव और रस का प्रकारों सहित विस्तृत अध्ययन।

ईकाई – 2

निम्नलिखित का अध्ययन :
अ) उत्तर भारतीय ताल पद्धति।
ब) तालदशप्राण।
स) दक्षिण भारतीय संगीत पद्धति के 72 मेलकर्ता रागों का सामान्य परिचय।

ईकाई – 3

निम्नलिखित का अध्ययन :
अ) आचार्य भरत एवं उनका ग्रन्थ नाट्यशास्त्र।
ब) जयदेव एवं गीत गाविन्द।
स) आचार्य नन्दिकेश्वर एवं उनका ग्रन्थ अभिनय दर्पण।

ईकाई – 4

अभिनय दर्पण से श्लोक : अंजलि से कर्तरीस्वस्तिक तक के संयुत हस्त विनियोगों के श्लोक अर्थ सहित तथा मण्डल भेद, स्थानक भेद, उत्प्लवन भेद, भ्रमरी भेद एवं चारी भेद के मुख्य श्लोक।

ईकाई – 5

पाठ्यक्रम में सीखे भजन एवं तिल्लाणा (जति/तीर्मानम्, कोरवै व गीत) को लिपिबद्ध करना।

बी.पी.ए. षष्ठम् सेमेस्टर
कोर्स 2 (प्रायोगिक) बीडीबी – 602
प्रस्तुति – 6

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिट : 05

1. भजन – एक।
2. तिल्लाणा – एक।
3. अभिनय दर्पण के अनुसार अंजलि से कर्तरीस्वस्तिक हस्त तक के संयुत हस्त विनियोगों का श्लोक एवं अर्थ सहित प्रदर्शन।
4. अभिनय दर्पण के अनुसार मण्डल भेद, स्थानक भेद, उत्प्लवन भेद, भ्रमरी भेद एवं चारि भेद का मुख्य श्लोकों सहित प्रदर्शन।

बी.पी.ए. षष्ठम् सेमेस्टर
कोर्स 3 (प्रायोगिक) बीडीबी – 603
मौखिक – 6

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिट : 05

1. पंचम् सेमेस्टर की पुनरावृत्ति।
2. अपनी रुचि के किसी एक आइटम की पूर्ण प्रस्तुति (10 मिनिट)।
3. पाठ्यक्रम में सीखे भजन एवं तिल्लाणा (जति/तीर्मानम्, कोरवै व गीत) को ताल सहित प्रदर्शित करना।
4. पाठ्यक्रम में सीखे गीतों के अर्थों का स्पष्टता से वर्णन करना।
5. तट्टकलि बजा कर जतिस्वरम् को प्रस्तुत करना।

बी.पी.ए. सप्तम् सेमेस्टर
कोर्स 1 (लिखित) बीडीबी – 701

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिट : 05

भारत की शास्त्रीय व लोक परम्पराएँ – 1

ईकाई – 1

नायक और नायिका भेदों का प्रकारों सहित विस्तृत अध्ययन।

ईकाई – 2

शास्त्रीय नृत्यों का विस्तृत अध्ययन : कथकलि, मोहिनीआट्टम्, कुचिपुड़ी।

ईकाई – 3

भारत के लोक नृत्यों का अध्ययन : भांगड़ा, कोलाट्टम्, बिहू, गरबा, लावणी।

ईकाई – 4

अभिनय दर्पण से श्लोक : शकटम् से भेरुण्ड तक के संयुत हस्त विनियोगों के श्लोक अर्थ सहित तथा मण्डल भेदों के सभी श्लोक।

ईकाई – 5

पाठ्यक्रम में सीखे वर्णम् एवं जावली (जति/तीर्मानम्, कोरवै व गीत) को लिपिबद्ध करना।

बी.पी.ए. सप्तम् सेमेस्टर
कोर्स 2 (प्रायोगिक) बीडीबी – 702
प्रस्तुति – 7

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिट : 05

1. वर्णम् – एक।
2. जावली – एक।
3. आदि ताल में दो कोरवै की स्वरचना करना (प्रत्येक चार आवर्तनों के)।
4. अभिनय दर्पण के अनुसार शकटम् से भेरुण्ड तक के संयुत हस्त विनियोगों का श्लोक एवं अर्थ सहित प्रदर्शन।
5. अभिनय दर्पण के अनुसार मण्डल पादभेदों का श्लोक सहित प्रदर्शन।
6. तट्टकलि बजा कर शब्दम् को प्रस्तुत करना।

बी.पी.ए. सप्तम् सेमेस्टर
कोर्स 3 (प्रायोगिक) बीडीबी – 703
मौखिक – 7

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिट : 05

1. षष्ठम् सेमेस्टर की पुनरावृत्ति।
2. पाठ्यक्रम में सीखे वर्णम् एवं जावली के अर्थ को स्पष्टता से वर्णन करना।
3. अपनी रुचि के किसी एक आइटम की पूर्ण प्रस्तुति (10 मिनिट)।
4. पाठ्यक्रम में सीखे वर्णम् एवं जावली (जति/तीर्मानम्, कोरवै व गीत) को ताल सहित प्रदर्शित करना।

बी.पी.ए. सप्तम् सेमेस्टर
कोर्स 4 (प्रायोगिक) बीडीबी – 704
मंच प्रदर्शन – 1

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिट : 05

पूर्व के सेमेस्टरों में सीखे हुए अपनी रुचि के कोई तीन आइटम/वर्णम् की विद्यार्थी द्वारा दर्शकों के समक्ष मंच पर प्रस्तुति। कार्यक्रम की अवधि कम से कम 30 मिनिट होनी चाहिये।

बी.पी.ए. अष्टम् सेमेस्टर
कोर्स 1 (लिखित) बीडीबी – 801

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिट : 05

भारत की शास्त्रीय व लोक परम्पराएँ – 2

ईकाई – 1

निम्नलिखित का अध्ययन :
अ) नृत्य का अन्य ललित कलाओं से सम्बन्ध।
ब) भरतनाट्यम् के उत्थान में राजाओं और मन्दिरों का योगदान।
स) भारतीय नृत्य के इतिहास और विकास का सामान्य परिचय।

ईकाई – 2

शास्त्रीय नृत्यों का विस्तृत अध्ययन : कथक, ओडिसी, मणिपुरी।

ईकाई – 3

भारत की लोकनाट्य परम्पराओं का अध्ययन : रामलीला, रासलीला, यक्षगान, कुरुवंजी।

ईकाई – 4

अभिनय दर्पण से श्लोक : शिरोभेद, दृष्टिभेद एवं ग्रीवाभेद के सभी विनियोग श्लोक एवं अर्थ सहित।

ईकाई – 5

पाठ्यक्रम में सीखे कीर्तनम्/पदम्, अष्टपदि तथा तिल्लाणा (जति/तीर्मानम्, कोरवै एवं गीत) को लिपिबद्ध करना।

बी.पी.ए. अष्टम् सेमेस्टर
कोर्स 2 (प्रायोगिक) बीडीबी – 802
प्रस्तुति – 8

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिट : 05

1. कीर्तनम्/पदम् – एक।
2. अष्टपदि – एक।
3. तिल्लाणा – एक।
4. अभिनय दर्पण के अनुसार शिरोभेद के विनियोगों का श्लोक एवं अर्थ सहित सहित प्रदर्शन।
5. अभिनय दर्पण के अनुसार दृष्टिभेद के विनियोगों का श्लोक एवं अर्थ सहित सहित प्रदर्शन।
6. अभिनय दर्पण के अनुसार ग्रीवाभेद के विनियोगों का श्लोक एवं अर्थ सहित सहित प्रदर्शन।

बी.पी.ए. अष्टम् सेमेस्टर
कोर्स 3 (प्रायोगिक) बीडीबी – 803
मौखिक – 8

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिट : 05

1. सप्तम् सेमेस्टर की पुनरावृत्ति।
2. रूपक ताल में दो कोरवै की स्वरचना करना।
3. पाठ्यक्रम में सीखे कीर्तनम्/पदम्, अष्टपदि तथा तिल्लाणा (जति/तीर्मानम्, कोरवै एवं गीत) का ताल सहित प्रदर्शन।
4. पाठ्यक्रम में सीखे गीतों के अर्थों का स्पष्टता से वर्णन करना।
5. अपनी रुचि के किसी आइटम की पूर्ण प्रस्तुति (10 मिनिट)।
6. तट्टकलि बजा कर वर्णम् के सम्पूर्ण गीत, तीर्मानम् (जति) और कोरवै प्रस्तुत करना।

बी.पी.ए. अष्टम् सेमेस्टर
कोर्स 4 (प्रायोगिक) बीडीबी – 804
मंच प्रदर्शन – 2

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिट : 05

पूर्व के सेमेस्टरों में सीखे हुए अपनी रुचि के कोई तीन आइटम/वर्णम् की विद्यार्थी द्वारा दर्शकों के समक्ष मंच पर प्रस्तुति। कार्यक्रम की अवधि कम से कम 30 मिनिट होनी चाहिये।

<u>भरतनाट्यम नृत्य</u>

<u>बी. पी. ए. प्रथम सेमेस्टर ऐच्छिक विषय</u>

कोर्स 1 (लिखित)

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिटः 03

भरतनाट्यम का परिचय– 1

इकाई – 1

अ– भरतनाट्यम का सामान्य परिचय।
ब– तकनीकी शब्दों का अध्ययन – अरमण्डी, मुरूमण्डी, सम, अडवु।

इकाई – 2

अ– ताल का परिचय और दक्षिण भारतीय ताल पद्धति के सप्त तालों (सात आधारभूत ताल) का उनके अंगों व चिन्हों सहित ज्ञान।
ब– ताल के तकनीकी शबें का अध्ययन : लय, जाति, गति, ग्रह, आवर्तन।

इकाई – 3

जीवन परिचय : रूक्मिणी देवी अरूण्डेल, बाल सरस्वती।

इकाई – 4

अभिनय दर्पण से श्लोक : ध्यान श्लोक/नमस्क्रिया तथा शिरोभेद, दृष्टिभेद एवं असंयुत हस्त के मुख्य श्लोक।

इकाई – 5

निम्नलिखित अडवुओं को विलम्बित और मध्य लय (दो गतियो/कोलों) में लिपिबद्ध करना : तट्ट अडवु, परवल अडवु (ता तई तई तत् अडवु), कुदित्तुमेट्टि अडवु।

<u>बी. पी. ए. प्रथम सेमेस्टर ऐच्छिक विषय</u>
<u>कोर्स 2 (प्रायोगिक)</u>
<u>मौखिक एवं प्रस्तुति – 1</u>

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिट : 03

1– भरतनाट्यम के आधारभूत व्यायाम।
2– विलम्बित एवं मध्य लयों (कालों) सभी अडवु।
3– अभिनय दर्पण के अनुसार ध्यान श्लोक/नस्क्रिया, शिरोभेद एवं दृष्टिभेद का मुख्य श्लोक सहित प्रदर्शन।
4– अभिनय दर्पण के अनुसार असंयुत हस्त का श्लोक सहित प्रदर्शन।

बी. पी. ए. द्वितीय सेमेस्टर ऐच्छिक विषय

कोर्स 1 (लिखित)

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिटः 03

भरतनाट्यम का परिचय– 2

इकाई – 1

अ– तकनीकी शब्दों का अध्ययन – कोरवै, जति, स्वर, संगीत।
ब– अरंगेट्रम का तथा भरतनाट्यम् में उसकी प्रमुखता का ज्ञान।
स– नाट्य, नृत्त, नृत्य।

इकाई – 2

अध्ययन :
अ– नटराज का महत्व।
ब– ताण्डव और उसके प्रकार।
स– लास्यांग एवं उसके प्रकार।

इकाई – 3

जीवन परिचय : मइलापुर गौरी अम्मां, पन्दनल्लूर श्री मीनाक्षी सुन्दरम् पिल्लै।

इकाई – 4

अभिनय दर्पण से श्लोक : ग्रीवाभेद, पादभेद, मण्डलभेद, स्थानकभेद एवं संयुत हस्त के मुख्य श्लोक।

इकाई – 5

पाठ्यक्रम में सीखे अलारिपु तथा निम्नलिखित अडवुओं को विलम्बित, मध्य एवं द्रुत लय (दो गतियों/कालों) में लिपिबद्ध करना : तट्ट अडवु, नाट्ट अडवु, परवल अडवु (ता तई तई तत् अडवु), कुदित्तुमेट्टि अडवु।

बी. पी. ए. द्वितीय सेमेस्टर ऐच्छिक विषय
कोर्स 2 (प्रायोगिक)
मौखिक एवं प्रस्तुति – 2

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिट : 03

1– प्रथम सेमेस्टर की पुनरावृत्ति।
2– विलम्बित, मध्य एवं द्रुत लयों (तीन गतियों/कालों) में सभी अडवु।
3– अलारिपु – एक ।
4– अभिनय दर्पण के अनुसार ग्रीवाभेद, पादभेद, मण्डलभेद एवं स्थानकभेद का मुख्य श्लोकों सहित प्रदर्शन।

5– अभिनय दर्पण के अनुसार संयुतहस्त का मुख्य श्लोकों सहित प्रदर्शन।

6. ताल सहित अलारिपु को प्रस्तुत करने की क्षमता।

बी. पी. ए. तृतीय सेमेस्टर ऐच्छिक विषय

कोर्स 1 (लिखित)

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिटः 03

भरतनाट्यम का अध्ययन – 1

इकाई – 1

अ– भरतनाट्यम की उत्पत्ति, इतिहास एवं विकास।

ब– भरतनाट्यम का मार्गम् ।

इकाई – 2

विस्तृत अध्ययन :

अ– दक्षिण भारतीय ताल पद्धति।

ब– अभिनय दर्पण के अनुसार नाट्योत्पत्ति कथा।

स– गुरू शिष्य परम्परा।

इकाई – 3

अध्ययनः

अ– अभिनय दर्पण की विषयवस्तु।

ब– तंजौर चतुष्टय भाइयों (चिन्नैय्या, पोन्नैय्या, शिवानन्दम्, वडिवेलु) का जीवन परिचय।

इकाई – 4

अभिनय दर्पण से श्लोक : पताक से शिखर तक के असंयुत हस्तों के विनियोग श्लोक सहित।

इकाई – 5

पाठ्यक्रम में सीखे पुष्पांजलि एवं जतिस्वरम (जति/तीर्मानम्, कोरवै एवं गीत) को लिपिबद्ध करना।

बी. पी. ए. तृतीय सेमेस्टर ऐच्छिक विषय
कोर्स 2 (प्रायोगिक)
मौखिक एवं प्रस्तुति – 3

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिट : 03

1– द्वितीय सेमेस्टर की पुनरावृत्ति।
2– पुष्पांजलि – एक।
3– जतिस्वरम् – एक ।
4– अभिनय दर्पण के अनुसार पताक से अर्धचन्द्र तक के असंयुत हस्त विनियोगों का श्लोक सहित प्रदर्शन।

5– अभिनय दर्पण के अनुसार अराल से शिखर तक के असंयुत हस्त विनियोग का श्लोक सहित प्रदर्शन।
6– ताल सहित पुष्पांजलि एवं जतिस्वरम् (जति/तीर्मानम्, कोरवै एवं गीत) को प्रस्तुत करने की क्षमता।

बी. पी. ए. चतुर्थ सेमेस्टर ऐच्छिक विषय

कोर्स 1 (लिखित)

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिटः 03

भरतनाट्यम का अध्ययन – 2

इकाई – 1

विस्तृत अध्ययन :
अ– भरतनाट्यम की बानियॉ – तंजौर, मैसूर, पन्दनल्लूर, वलुवूर, कलाक्षेत्र।
ब– भरतनाट्यम् में देवदासी परम्परा।

इकाई – 2

नृत्य से संबंधित अथवा नृत्य में प्रस्तुत धार्मिक कथाऍ :
अ– कृष्ण का महारास।
ब– अमृत मंथन में मोहनी रूप में विष्णु।
स– कालियामर्दन में कृष्ण।
द– मोहिनी भस्मासुर में मोहिनी रूप में विष्णु।

इकाई – 3

नाट्यशास्त्र से निम्नलिखित का अध्ययन :

अ– लोकधर्मी एवं नाट्यधर्मी।

ब– नाट्योत्पत्ति कथा।

इकाई – 4

अभिनय दर्पण से श्लोक : कपित्थ से अलपद्म तक के असंयुत हस्त विनियोगों का श्लोक सहित अध्ययन।

इकाई – 5

पाठ्यक्रम में सीखे शब्दम् एवं तिल्लाणा (जति/तीर्मानम्, कोरवै एवं गीत) को लिपिबद्ध करना।

<u>बी. पी. ए. चतुर्थ सेमेस्टर ऐच्छिक विषय</u>

<u>कोर्स 2 (प्रायोगिक)</u>

<u>मौखिक एवं प्रस्तुति – 4</u>

पूर्णांक : 100

(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)

क्रेडिट : 03

1– तृतीय सेमेस्टर की पुनरावृत्ति।

2– शब्दम् – एक।

3– तिल्लाणा – एक ।

4– अभिनय दर्पण के अनुसार कपित्थ से अलपद्म तक के विनियोगों का श्लोक सहित प्रदर्शन।

5– ताल सहित शब्दम् एवं तिल्लाणा (जति/तीर्मानम्, कोरवै एवं गीत) को प्रस्तुत करने की क्षमता।

<u>बी. पी. ए. पंचम् सेमेस्टर ऐच्छिक विषय</u>

कोर्स 1 (लिखित)

पूर्णांक : 100

(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)

क्रेडिटः 03

नृत्य के विभिन्न आयाम– 1

इकाई – 1

नाट्यशास्त्र के अनुसार – अभिनय एवं उसके चार भेदों (आंगिक, वाचिक, आहार्य, सात्विक) का अध्ययनः

इकाई – 2

शास्त्रीय नृत्यों का अध्ययन : कथकलि, मोहिनीआट्टम, कुचिपुड़ी।

इकाई – 3

निम्नलिखित का अध्ययन :

अ– आचार्य भरत एवं उनका ग्रन्थ नाट्यशास्त्र।

ब– नाट्यशास्त्र के अनुसार प्रेक्षागृह (रंगमण्डप)

इकाई – 4

अभिनय दर्पण से श्लोक : चतुर से त्रिशुल तक के असंयुत हस्त तथा अंजलि से कर्तरीस्वस्तिक तक के संयुत हस्त विनियोगों का श्लोक सहित अध्ययन।

इकाई – 5

पाठ्यक्रम में सीखे वर्णम् (जति/तीर्मानम्, कोरवै एवं गीत) को लिपिबद्ध करना।

<u>बी. पी. ए. पंचम सेमेस्टर ऐच्छिक विषय</u>

<u>कोर्स 2 (प्रायोगिक)</u>

<u>मौखिक एवं प्रस्तुति – 5</u>

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिट : 03

1– चतुर्थ सेमेस्टर की पुनरावृत्ति।

2– वर्णम् – एक ।

3– तिल्लाणा – एक ।

4– अभिनय दर्पण के अनुसार अंजलि से कर्तरीस्वस्तिक तक के संयुत हस्तों के विनियोगों का श्लोक सहित प्रदर्शन।

5– ताल सहित वर्णम् (जति/तीर्मानम्, कोरवै एवं गीत) को प्रस्तुत करने की क्षमता।

बी. पी. ए. षष्ठम् सेमेस्टर ऐच्छिक विषय

कोर्स 1 (लिखित)

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिटः 03

नृत्य के विभिन्न आयाम– 2

इकाई – 1

अध्ययन : प्रकारों सहित भाव एवं रस।

इकाई – 2

अध्ययन : प्रकारों सहित नायक एवं नायिका भेद।

इकाई – 3

शास्त्रीय नृत्यों का अध्ययन : कथक, ओडिसी, मणिपुरी।

इकाई – 4

अभिनय दर्पण से श्लोक : शकटम् से भेरूण्ड तक के संयुत हस्तों के विनियोग श्लोक सहित तथा उत्पलवन भेद, भ्रमरी भेद एवं चारी भेद के मुख्य श्लोक।

इकाई – 5

पाठ्यक्रम में सीखे भजन/कीर्तनम् पदम्/अष्टपदि,श्लोकम (जति/तीर्मानम्, कोरवै एवं गीत) को लिपिबद्ध करना।

बी. पी. ए. षष्ठम् सेमेस्टर ऐच्छिक विषय
कोर्स 2 (प्रायोगिक)
मौखिक एवं प्रस्तुति – 6

पूर्णांक : 100
(आंतरिकः 30, बाह्यः 70)
क्रेडिट : 03

1– पंचम् सेमेस्टर की पुनरावृत्ति।

2– भजन/कीर्तनम् – एक ।

3– पदम् – एक ।

4– श्लोकम् – एक।

5– अभिनय दर्पण के अनुसार शकटम् से भेरूण्ड तक के संयुत हस्त विनियोगों का श्लोक सहित प्रदर्शन।

6– अभिनय दर्पण के अनुसार उत्पलवन भेद, भ्रमरी भेद एवं चारी भेद का मुख्य श्लोक सहित प्रदर्शन।

7– ताल सहित भजन/कीर्तनम्,पदम्/अष्टपदि, श्लोकम् (जति/तीर्मानम्, कोरवै एवं गीत) को प्रस्तुत करने की क्षमता।

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya
Odissi Dance
BPA First Semester
Course 1 (Theory)

Code-
101-BDO

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 06

An Introduction to Indian Classical Traditations and Classical Dance – 1

Unit – 1

- Preliminary Knowledge about the origin of Myth (Ramayan and Mahabharat) in Indian performing arts.

Unit – 2

- Study of classical dances – Bharatanatyam, Kathak, Manipuri.
- Brief Knowledge of Sareikala and Mayurbhanja Chhau.

Unit – 3

- Detailed study of different folk traditions of Odisha –Dalkhai, Sambalpuri, Gadaba, Karama, Danda, Kelakeluni, Chadheiya Chadheiyani and Ranapa.

Unit – 4

- History of dance in Vedic Era.
- History of dance in Bauddha Era.

Unit – 5

- Shlokas from Abhinay Darpan – Namaskriya and Shirobheda.
- Shlokas from Abhinay Darpan – Dristhibheda and Greevabhada.

BPA First Semester
Course 2 A (Practical)
Presentation – 1

Code-
102-BDO

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 04

1. Besic Exercises. (Sashabda & Nishabda)
2. Chest Movement (Bakhyachalana) and Padasadhana / Padasthiti on Ekatali in three layas.
3. Padasthiti (36) according to Odissi dance path finder-1.
4. Namaskriya, Shirobheda, Dristhibheda, Greevabhada with their appropriate usages according to Abhinaya Darpan.

BPA First Semester
Paper 2 B (Practical)
Viva – 1

Code-
103-BDO

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 04

1. One to Ten Chowk Stepping in Three Speeds (Vilambit, Madhya & Druta Laya).
2. Rendering the Following Tala in Vilambit, Madhya & Druta Laya – Tala – Ekatali, Rupak & Tripata.

BPA Second Semester
Course 3 (Theory)
An Introduction to Indian Classical Traditations and Classical Dance – 2

Code-
201-BDO

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 06

Unit – 1

- History of dance in Kavya of Mahakavi Kalidas.
- History of dance in Mughal Period.

Unit – 2

- Study of folk theatre of India – Ramalila, Rasalila, Bharatleela.
- Study of folk dance of India – Garava, Lavani, Bhangra.

Unit – 3

- Life sketches: - 1. Pandmashri Guru Sri pankaj charan das
  2. Padmavibhusan Guru Sri Kelu Charan Mohapatra.
  3. Guru Sri Deba Prasad Das.

Unit – 4

- Relation of the dancing postures of the temples with Odissi dance.
- Solo Dance, Group Dance and Dance Drama in their Distinct Styles in Odissi Dance Traditions.

Unit – 5

- Study of classical Dance – Kuchipudi, Kathakali, Satiya, Mohiniattam,

BPA Second Semester
Course 4 A (Practical)
Presentation – 2

Code-
202-BDO

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 04

1. Rendering Tala – Tripata and Jhampa in Vilambita, Madhya and Druta Laya.
2. Presentation – Mangalacharana (Guru Vandana)
3. Demonstration of Asamyuta Hasta, Samyuta Hasta and Nritta Hasta with their Shlokas according to Abhinaya Darpan.

BPA Second Semester
Course 4 B (Practical)
Viva - 2

Code-
203-BDO

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 04

1. Revision of First Semester.
2. Rendering Mangalacharana (Guru vandana) in Tala.
3. Practice of Trivangi Stepping one to ten in three speeds (Vilambita, Madhya and Druta Laya)

BPA Third Semester
Course 5 (Theory)
A Study of Odissi Dance – 1

Code-
301 -BDO

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 06

Unit – 1

* Origin, History and Development of Odissi Dance.
* Brief study of Abhinaya –Angika, Vachika, Aharya and Satwika Abhinaya.

Unit – 2

* Study of Dasha Prana of Tala.
* Costume, decoration and makeup of Gotipua, Debadasi and Odissi dance.

Unit – 3

- Life Sketches – a) Padmshri Sanjukta Pranigrahi.
  b) Padmshri Dr. Minati Mishra.
  c) Padmshri Priyambada Hejmadi.

Unit – 4

- Shlokas from Abhinaya darpan: Viniyogas with Shloka from Patak to Mushti Asamyuta Hastas.

Unit – 5

- Detailed study of Odissi Sangeet & Odissi Mardal.
- Reportoire or five sequential items of odissi dance – Mangala charana, Batu/Sthai Nrutya, Pallavi, Abhinaya and Moksha Nata

BPA Third Semester
Course 6 A (Practical)
Presentation – 3

Code-
302-BDO

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 04

1. Sthai Nritta
2. Pallavi – Basanta
3. Moksha Nata.
4. Demonstration of the Viniyogas of Asamyuta Hastas from Patak to Mushti with Shlokas according to Abhinaya Darpan.

BPA Third Semester
Course 6 B (Practical)

Code-
303-BDO

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 04

1. Revision of Second Semester.
2. Rendering Sthai Nritta, Pallavi and Moksha Nata learnt in syllabus with Tala.
3. Foot movements in Odissi Style (Padasanchar or charis)

BPA Fourth Semester
Course 7 (Theory)
A Study of Odissi Dance – 2

Code-
401-BDO

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 06

Unit – 1

- An overview of Abhinaya Darpan by Acharya Nandikeshwar and its importance in Odissi dance.

Unit – 2

- Devadasi system and Gotipua as integral part of the evolution of Odissi dance in its formative Phase.

Unit – 3

- Definitions of the basic techniques – Chouk, Tribhangi, Utplavan, Bhramari, Tali, Khaali, Matra, Arasaa, Muktai, Tihai, Avartan, Trikhandi Pranam.

Unit – 4

- Shlokas from Abhinaya Darpan: Viniyogas with Shloka from Shikhar to Simhamukha Asamyuta Hastas.

Unit – 5

- Notation of Basant Saveri Pallavi learnt in syllabus.
- Brief introduction of – Sangeet Narayan, Sngeet Muktavali, Sangeet Ratnakar, Abhinaya Chandrika.

BPA Fourth Semester
Course 8 A (Practical)
Presentation - 4

Code-
402-BDO

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 04

1. Mangalacharana – Shiva Vandana.
2. Pallavi – Saveri.
3. Rendering Tala – Aditala and Jhula in Vilambita, Madhya and Druta Laya.
4. Demonstration of the Viniyogas of Asamyuta Hastas from Shikhar to Simhamukha with Shlokas from Abhinaya Darpan.

BPA Fourth Semester

Paper 8 B (Practical)

Viva – 4

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 04

Code-
403-BDO

1. Revision of Third Semester.
2. Presentation – Odia Abhinaya.
3. Rendering Shiva Vandana & Pallavi Saveri learnt in syllabus with Tala.

BPA Fifth Semester

Course 9 (Theory)

The Evolution and Growth of odissi dance – 1

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 05

Code-
501-BDO

Unit – 1

- A Detailed Study of the growth of Odissi dance after Independence of India.
- Aesthetics of Odissi Dance.

Unit – 2

- Detailed study of: Rasa and Bhava.

Unit – 3

- Knowledge of the Contribution of the following exponents in Odissi dance –

a) Mr. Dhirendra Nath Pattnaik
b) Guru Sri Mayadhar Rout,
c) Smt. Laxmipriya Mohapatra,

Unit – 4

- Shlokas from Abhinaya Darpan: Viniyogas with shlokas from Kangula to Trishula Asamyuta Hasta.

Unit – 5

- Notation of Batu Nrutya learnt in syllabus.
- Notation of Saveri Pallavi.

BPA Fifth Semester
Course 10 A (Practical)
Presentation – 5

Code-
502-BDO

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 05

1. Batu Nrutya
2. Asthapadi
3. Presentation of Rasa
4. Demonstration of the Viniyogas from Kangula to Trishula Asamyuta Hastas with Shlokas according to Abhinaya Darpan.

BPA Fifth Semester
Course 10 B (Practical)
Viva – 5

Code-
503-BDO

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 05

1. Revision of Fourth Semester.
2. Complete presentation of any one item of own choice.
3. Rendering Batu Nrutya and Asthapadi learnt in syllabus with Tala.
4. Sthanak bheda and Mandal bheda according Abhinaya Darpan.
5. Ability to rendering Batu Nrutya with Manjira.

BPA Sixth Semester
Course 11 (Theory)
The Evolution and Growth of odissi dance – 2

Code-
601-BDO

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 05

Unit – 1

- Detailed study of: Nayak and Nayika Bheda.

Unit – 2

- A Detailed Study of the lives of the great poets in shaping the Abhinayas in Odissi dance – Kabi Sri Jaydev ,Kabi Samrat Upendra Bhanja.

Unit – 3

- Detailed Knowledge on “Shabda Swara Patta,”
- Detailed Knowledge on “Nabadha Bhakti,”

Unit – 4

- Knowledge on the Following Temple – Lingaraj Temple, Rajarani Temple, Surya Temple (Konark)

Unit – 5

- Shlokas from Abhinaya Darpan: Viniyogas of Samyuta Hastas from Anjali to Kartariswastika Hasta
- Shlokas from Abhinaya Darpan: Main Shlokas of Mandala Bheda, Sthanak Bheda, Utplavana Bheda, Bhramari Bheda and Chari Bheda.

BPA Sixth Semester
Course 12 A (Prctical)
Presentation – 6

Code- 602-BDO

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 05

1. Pallavi - Sankaravarana
2. Ashtapadi / Sanskrit Abhinaya – one
3. Demonstration of the Viniyogas of Samyuta Hastas from Anjali to Kartariswastika Hasta with Shlokas according to Abhinaya Darpan.
4. Demonstration of the Main Shlokas of Sthanak Bheda, Utplavana Bheda, and Chari Bheda with Shlokas according to Abhinaya Darpan.

BPA Sixth Semester
Course 12 B (Prctical)
Viva – 6

Code- 603-BDO

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 05

1. Revision of Fifth Semester.
2. Complete presentation of any one item of own choice.
3. Rendering Pallavi and Asthapadi/Sanskrit Abhinaya learnt in syllabus with Tala.
4. Ability to explain the meanings of the songs learnt in syllabus with clarity.
5. Demostration of Traditional Mudras and Traditional Bhangis.

BPA Seventh Semester
Course 13 (Theory)
Different Aspects Of Dance – 1

Code-
701-BDO

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 05

Unit – 1

- Knowledge of Contemporary Dance Choreography.
- Indian Concept of Ballet.

Unit – 2

Study of the Following:

- Tandav and Lasya.
- Margi and Deshi.
- Natyotpati Katha.

Unit – 3

- Life Sketches - Rabindra Nath Tagore, Smt. Rukmini Devi Arundale, Pt. Birju Maharaja.

Unit- 4

- Shlokas from Abhinaya Darpan: Viniyogas of Samyuta Hastas from Katakavardhan to Bherunda Hasta.

Unit-5

- Detailed study of the Prekshagriha (Auditorium) according to Natyashastra.
- Detailed study of the Lokadharmi natyadharmi according to Natyashastra.

BPA Seventh Semester
Course 14 A (Prctical)
Presentation – 7

Code-
702-BDO

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 05

1. Pallavi - Kirawani
2. Abhinaya –Chhanda/champu
3. Demonstration of the Viniyogas of Samyuta Hastas from Katakavardhan to Bherunda Hasta with Shlokas according to Abhinaya Darapn.
4. Practice of Gati bhedas –Kurangi, Turangi, Gaja, Mayura and Hansi According to Abhinaya Darpan
5. Demonstration of Bandhav Hasta and Jati Hasta According to Abhinaya Darpan .

BPA Seventh Semester
Course 14 B (Prctical)
Viva – 7

Code-
703-BDO

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 05

1. Revision of Sixth Semester.
2. Practice of Sapta Tala According to Matra and Jati
3. Complete presentation of any one item of own choice.
4. Rendering Pallavi Kirawani and Abhinay Chhanda/Champu learnt in syllabus with Tala.

BPA Seventh Semester
Course 15 (Prctical)
Stage Performance – 1

Code-
704-BDO

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 05

Choice of any three items learnt in all the previous semesters to be performed on stage by the students in front of the audiences. Minimum duration of performance must be of at least 30 min.

BPA Eighth Semester
Course 16 (Theory)
Different Aspects Of Dance – 2

Code-
801-BDO

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 05

Unit – 1
- Guru Shishya Parampara.
- Definition of Karana and Angahar and study of 15 Karanas and 10 Angaharas.

Unit – 2
- Study of Acharya Bharat and his Literature Natyashastra.
- Study of Natan Bheda – Natya, Nritta and Nritya.

Unit – 3
- Life Sketches –Kali charan Pattnaik, Guru Sri Gangadhar Pradhan, Gopal Krishna Pattnaik, Banamali Das.

Unit – 4
- Shlokas from Abhinaya Darpan: All Viniyogas of Shiro Bheda, Drishti Bheda and Greeva Bheda.

Unit – 5

- Knowledge of the following in dance presentations –Costume and Makeup, Background Music, Choreography, Light and Sound arrangement.

BPA Eighth Semester
Course 17 A (Prctical)
Presentation – 8

Code-
802-BDO

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 05

1. Mangalacharan – Saraswati Vandana/ Ganesh Vandana.
2. Asthapadi/Sanskrit Abhinaya -One
3. Devi Sthuti (Jaya Bhagabati Devi)
4. Demonstration of the Viniyogas of Shiro Bhedas, Greeva Bhedas and Drishti Bhedas according to Abhinaya Darpan.
5. Demonstration of the Deva Hasta and Dashavatar according to Abhinaya Darpan.

BPA Eighth Semester
Course 17 B (Practical)
Presentation – 8

Code-
803-BDO

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 05

1. Revision of Seventh Semester.
2. Ability to choreograph two Araas in Eka tala.
3. Rendering Mangalacharan, Ashtapadi and Devi Stuti learnt in syllabus with Tala.
4. Ability to explain the meanings of the songs learnt in syllabus with clarity.
5. Complete presentation of any one item of own choice.
6. Demonstration of the Main Shlokas of Mandala Bheda, Bhramari Bheda and Chari Bheda with Shlokas according to Abhinaya Darpan.

BPA Eighth Semester
Course 18 (Practical)
Stage Performance – 2

Code-
804-BDO

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 05

Choice of any three items learnt in all the previous semesters to be performed on stage by the students in front of the audiences. Minimum duration of performance must be of at least 30 min.

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya
Odissi Dance
BPA First Semester Optional Subject
Course 1 (Theory)

Code-
BDO 101

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 03

An Introduction of Odissi – 1

Unit – 1

- A general introduction of Odissi.
- Definitions of the basic techniques – Chouk, Tribhangi, Utplavan, Bhramari, Tali, Khaali, Matra, Arasaa, Muktai, Tihai, Avartan, Trikhandi Pranam.

Unit – 2

- Stories related to dance from the epics – Ramayana and Mahabharata.
- Costume, Decoration and makeup of Gotipua and Debadasi dance styles.

Unit – 3

- Life sketches: - 1. Pandmashri Guru Sri Pankaj Charan Das
  2. Padmavibhusan Guru Sri Kelu Charan Mohapatra.
  3. Guru Sri Deba Prasad Das.

Unit – 4

- Shlokas from Abhinaya Darpan: Dhyan Shloka/ Namaskriya and main Shlokas of Shiro Bheda, Drishti Bheda, Asamyuta Hasta.

Unit – 5

- Notation for Tala Ekatali and Rupak in Vilambita, Madhya and Druta Laya.

BPA First Semester Optional Subject

Course 2 (Practical)

Viva and Presentation 1

Code-
BDO 102

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 03

1. Besic Exercises. (Sashabda & Nishabda)
2. Rendering Tala – Ekatali and Rupak in Vilambita, Madhya and Druta Laya.
3. Demonstration of Dhyan Shloka/ Namaskriya, Shiro Bheda and Drishti Bheda with main Shlokas according to Abhinaya Darpan.
4. Demonstration of Asamyuta Hasta with Shloka according to Abhinaya Darpan.

BPA Second Semester Optional Subject

Course 3 (Theory)

An Introduction of Odissi – 2

Code-
BDO 201

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 03

Unit – 1

- Origin, History and Development of Odissi Dance.
- Brief study of Abhinaya – Angika, Vachika, Aharya and Satwika Abhinaya.

Unit – 2

- Study of the Following:
  a) Tandav and Lasya.
  b) Margi and Deshi.

Unit – 3

- Life Sketches – a) Padmshri Sanjukta Panigrahi.
  b) Padmshri Dr. Minati Mishra.
  c) Padmshri Priyambada Hejmadi.

Unit – 4

- Shlokas from Abhinaya Darpan: Main Shlokas of Greeva Bheda, Mandal Bheda, Sthanak Bheda and Samyuta Hasta.

Unit – 5

- Notation of Mangalacharan learnt in syllabus.

BPA Second Semester Optional Subject

Course 4 (Practical)

Viva and Presentation 2

Code-
BDO 202

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 03

1. Revision of First Semester
2. One to Ten Chowk Stepping in Three Speeds (Vilambit, Madhya & Druta Laya).
3. Demonstration of Greeva Bheda, Mandal Bheda and Sthanak Bheda with main Shlokas according to Abhinaya Darpan.
4. Demonstration of Samyuta Hasta with Shloka according to Abhinaya Darpan.
5. Ability to render Mangalacharan with Tala.

BPA Third Semester Optional Subject

Course 5 (Theory)

The Evolution and Growth of odissi dance – 1

Code-
BDO 301

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 03

Unit – 1

- A Detailed Study of the growth of Odissi dance after Independence of India.
- Costume, decoration & makeup of Odissi Dance.

Unit – 2

- Detailed study of: Rasa and Bhava.

Unit – 3

- Knowledge of the Contribution of the following exponents in Odissi dance –

a) Mr. Dhirendra Nath Pattnaik
b) Guru Sri Mayadhar Rout,
c) Smt. Laxmipriya Mohapatra,

Unit – 4

- Shlokas from Abhinaya Darpan: Viniyogas with Shloka from Patak to Shikhar Asamyuta Hastas.

Unit – 5

- Notation of Sthai Nritta & Pallavi Basanta learnt in syllabus.

BPA Third Semester Optional Subject

Course 6 (Practical)

Viva and Presentation 3

Code-
BDO 302

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 03

1. Revision of Second Semester.
2. Practice of Trivangi Stepping one to ten in three speeds (Vilambita, Madhya and Druta Laya)
3. Sthai Nritta & Pallavi -Basanta
4. Demonstration of the Viniyogas of Asamyuta Hastas from Patak to Sikhar with Shlokas according to Abhinaya Darpan.
5. Padasthiti (36) according to Odissi dance path finder-1.
6. Ability to render Sthai Nritta & Pallavi Basanta in Tala.

BPA Fourth Semester Optional Subject

Course 7 (Theory)

The Evolution and Growth of odissi dance – 2

Code-
BDO 401

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 03

Unit – 1

- Detailed study of: Nayak and Nayika Bheda.

Unit – 2

- A Detailed Study of the lives of the great poets in shaping the Abhinayas in Odissi dance – Kabi Sri Jaydeva ,Kabi Samrat Upendra Bhanja.

Unit – 3

- Detailed Knowledge on "Shabda Swara Patta,"
- Detailed Knowledge on "Nabadha Bhakti,"

Unit – 4

- Shlokas from Abhinaya Darpan: Viniyogas with Shloka from Kapittha to Alapadma Asamyuta Hastas.

Unit – 5

- Notation of Pallavi Saveri learnt in syllabus.
- Notation for Tala Tripata and Jhampa in Vilambita, Madhya and Druta Laya.

BPA Fourth Semester Optional Subject

Course 8 (Practical)

Viva and Presentation 4

Code-
BDO 402

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 03

1. Revision of Third Semester.
2. Pallavi – Saveri
3. Odia Abhinaya – one
4. Demonstration of Viniyogas with Shlokas from Kapittha to Alapadma Asamyuta Hastas.
5. Ability to render Pallavi Saveri in Tala.
6. Rendering Tala – Tripata and Jhampa in Vilambita, Madhya and Druta Laya.

BPA Fifth Semester Optional Subject

Course 9 (Theory)

Different Aspects of Dance – 1

Code-
BDO 501

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 03

Unit – 1

- Relation of the dancing postures of the temples with Odissi dance.
- Solo Dance, Group Dance and Dance Drama in their Distinct Styles in Odissi Dance Traditions.

Unit – 2

- Study of Classical Dances: Kathakali, Mohiniattam, Kuchipudi.

Unit – 3

- Study of the following:
  a) Acharya Bharat and his Granth Natyashastra.
  b) Prekshagriha (auditorium) according to Natyashastra.

Unit – 4

- Shlokas from Abhinaya Darpan: Viniyogas from Chatura to Trishula Asamyuta Hastas and Anjali to Kartariswastika Samyuta Hastas with Shlokas.

Unit – 5

- Notation of Pallavi Sankaravarana learnt in syllabus.
- Notation for Tala Jhula and Aditala in Vilambita, Madhya and Druta Laya.

BPA Fifth Semester Optional Subject

Course 10 (Practical)

Viva and Presentation 5

Code-
BDO 502

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 03

1. Revision of Fourth Semester.
2. Pallavi – Sankaravarana & Mangalacharan Shiv Vandana
3. Demonstration of the Viniyogas from Chatura to Trishula Asamyuta Hastas with Shlokas according to Abhinaya Darpan.
4. Demonstration of the Viniyogas from Anjali to Kartariswastika Samyuta Hastas with Shlokas according to Abhinaya Darpan.
5. Rendering Pallavi Sankaravarana learnt in syllabus with Tala.

BPA Sixth Semester Optional Subject

Course 11 (Theory)

Different Aspects of Dance – 2

Code-
BDO 601

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 03

Unit – 1

- Guru Shishya Parampara.
- Definition of Karana and Angahar and study of 10 Karanas and 05 Angaharas.

Unit – 2

- Study of Classical Dances: Kathak, Bharatanatyam, Manipuri.

Unit – 4

- Shlokas from Abhinaya Darpan: Viniyogas of Samyuta Hastas from Shakatam to Bherunda Hasta and the main Shlokas of Utplavana Bheda, Bhramari Bheda and Chari Bheda.

Unit – 5

- Notation of Bhajan/Odia Abhinaya, Moskhya, Ashtapadi learnt in syllabus.

BPA Sixth Semester Optional Subject
Course 12 (Practical)
Viva and Presentation 6

Code- BDO 602

Marks: 100
(Internal: 30, External: 70)
Credit: 03

1. Revision of Fifth Semester.
2. Bhajan/ Odia Abhinaya – one
3. Ashtapadi – one
4. Moksha Nata
5. Demonstration of the Viniyogas of Samyuta Hastas from Shakatam to Bherunda Hasta with Shlokas according to Abhinaya Darpan.
6. Demonstration of the Main Shlokas of Utplavana Bheda, Bhramari Bheda and Chari Bheda with Shlokas according to Abhinaya Darpan.
7. Rendering Bhajan/ Odia Abhinaya, Moskhya,Ashtapadi learnt in syllabus with Tala.

Topics taken from Utkal University of Culture Bhubaneswar, Odisha,

- Guru Shishya Parampara.
- Relation of the dancing postures of the temples with Odissi dance.
- Detailed Knowledge on "Shabda Swara Patta,"
- Detailed Knowledge on "Nabadha Bhakti,"
- History of dance in Kavya of Mahakavi Kalidas.
- History of dance in Mughal Period.
- Study of folk theatre of India – Ramalila, Rasalila, Bharatleela.
- Detailed study of Odissi Sangeet & Odissi Mardal.
- Brief introduction of – Sangeet Narayan, Sngeet Muktavali,
- Knowledge on the Following Temple – Lingaraj Temple, Rajarani Temple, Surya Temple (Konark)

Topics taken from Rabindra Bharati University ,Kolkota,West Bengal,

- Detailed study of the Prekshagriha (Auditorium) according to Natyashastra.
- Detailed study of the Lokadharmi natyadharmi according to Natyashastra.
- Natyotpati Katha.
- Study of folk dance of India – Garaba, Lavani, Bhangra.

Suggestion from Expert:-

- A Detailed Study of the growth of Odissi dance after Independence of India.
- Aesthetics of Odissi Dance.

<u>Topics removed from Syllabus:-</u>

- A Lecture- demonstration both in classical and folk dance style,taking up at least one classical dance and one folk dance
- The broad overview of the texts on Indian classical dance –Abhinaya Darpan Prakash, Natya Manorama, Sangeet Narayana & Sangeeta Kalpalatika.
- Life Sketches –Madam Menaka & Uday Shanker.
- History and development of western ballet.

INDRA KALA SANGEET VISHVIDYALYA KHAIRAGARH (C.G.)
SYLLABUS OF KARNATIC MUSIC VOCAL / INSTRUMENTAL
Faculty of Music

B.P.A. First Semester
Course 1 (Theory)

BKM-101 | Marks 100
(Internal:30,External:70)
Credit:06

'इकाई' 1

(अ) नीचे दिए गये शब्दों को परिभाषित एवं विस्तार कीजिए :
1. नाद : आहत एवं अनाहतनाद, आहत के प्रकार
2. श्रृति : प्रमाण, न्यूना एवं पूर्ण
3. स्वर : प्रकृति एवं विकृति
4. स्थाई : त्रिस्थाई एवं पंचास्थाई
5. आवर्ता : विस्तार
6. अन्यस्वर : स्वकीय एवं अन्यस्वर
7. आरोहण एवं अवरोहण
8. पूर्वान्ग एवं उत्तरांग
9. धातु, मातु :
10. ग्रह, अम्स एवं न्यसस्वराएं

(ब) स्वरस्यानाएँ : द्वादश स्वरस्थानाएँ (12) एवं शोड़स स्वरस्थानाएँ (16)।

'इकाई' 2

(अ) ताल पद्धति एवं उसके प्रकार।
1. ताल : तीन काल एवं आवर्ता।
2. लय : विलंभ, मध्य एवं धृत।
3. शाड़न्ग : अनुधृत, धृत, लघु, गुरूवु, प्लुतं, काकपाद।
4. जाति : चतुरर्स, त्रिर्स, मिश्र, खन्ड एवं संकीर्ण।
5. अ) सप्तताल : सुलादी, सप्ताले।
   ब) अन्यताले : दसादी, मध्यादी, खन्डाचापू, मिश्र्चापु ताले

'इकाई' 3

(अ) कनार्टक संगीत की स्वर लिपि चिन्हों का अध्ययन।
(ब) अलंकराम एवं गीतों का ताल संकेतो सहित (स्वरलिपिबद्ध)।
(स) निम्नांकित संगीत रचनओं की लक्षण :
गोतम्, लक्क्षणगीतम्, स्वरजति, जतिस्वरम, वर्णम्।

'इकाई' 4

(अ) निम्न रचनाकारों की आत्मकथा :
पड़ालागुरूमुर्तीशास्त्री, जयदेव, अन्नामाचार्य, पुरन्दरदासु।

B.P.A. First Semester
Course 2 (Practical)

BKM-102 | Marks 100
(Internal:30,External:70)
Credit:04

1. स्वरा अभ्यास : सरलीवरसा, जन्टावरसा, दाटुवरसा, मन्द्र– मध्य–थारस्थायीवरसा, सप्तताल अलंकारम्।
2. संचारी गीते : श्री गणनाद, कुन्दगौरा, केरायानोरनु, पदुमानाभा–मलहरी।
3. वरवीणा–मोहनम्, रेरे श्रीरामा–आरभी, कमलाजादला–कल्याणी।

B.P.A. First Semester
Course 3 (Practical)

BKM-103 | Marks 100
(Internal:30,External:70)
Credit:04

1. अभ्यासगान का रियाज– मंद्रास्थायीवरसा, मध्यस्थायी एवं थारस्थायीवरसा। (गति दो काल में)
2. सत्पताल अलंकारम। (गति दो काल में)
3. स्वरजति या जतिस्वरम् (एक)

B.P.A. Second Semester
Course 1 (Theory)

BKM-201 | Marks 100
(Internal:30,External:70)
Credit:06

'इकाई' 1

(अ) निम्न शब्दों को परिभाषित एवं विस्तार कीजिए :
वादी, विवादी, संवादी, अनुवादी, जाति, गति।

(ब) श्रृति एवं 22 श्रुतियों का संक्षिप्त विवरण : प्रमाण, न्यूना एवं पूर्ण श्रुतियां का अनुप्रयोग ।

'इकाई' 2

(अ) 72 मेलकर्ताओं का योजना : 12 चक्रों के नाम, 16 स्वर स्थानों का सम्मेलन।

(ब) कटप्यादी सुत्र एवं भूत संख्या : उपरोक्त सुत्र को उपयोग करते हुए मेलकर्ताओं की संख्या ज्ञात करना।

(स) भूत संख्या।

'इकाई' 3

(अ) संगीत वाद्यो का वर्गीकरण : तथ्, अवनद, सुशिरा ।

(ब) निम्न वाद्यों का विस्तार अध्ययन : तंबुरा, वीणा (चित्र सहित) ।

'इकाई' 4

(अ) द्वितीय सेमेस्टर में अध्ययन किये गये रागां का रागलक्षणः मायामालवगौला, हंसध्वनि, शुद्धसावरी।

(ब) पुरन्घरादास, बद्राचलारामदास की आत्मकथा।

B.P.A. Second Semester
Course 2 (Practical)

BKM-202 — Marks 100
(Internal:30,External:70)
Credit:04

(अ) आदिताल वर्णनम् (कोई 2) :
मोहनम्, हंसध्वनी, मायामालवगौला, शंकराभरणम्।
(ब) निम्न रागों का मध्यम कालकृतियाँ (कोई 02) :
हंसध्वनि, शुद्धसावेरी, कल्याणो, मायामालवागौला।

B.P.A. Second Semester
Course 3 (Practical)

BKM-203 — Marks 100
(Internal:30,External:70)
Credit:04

1. अभ्यासा गान रचनाएं। (सभी तीन काल में)
   सरलीवरसा, जन्टावरसा, मध्यमस्थायीवरसा, मंद्रस्थायीवरसा, तारस्थायीवरसा (सभी तीन या चार काल में)
2. सप्त (सात) ताल अलंकारम्। (सभी तीन और चार काल में)
3. निम्न समान्य गीते :
   लक्षणागीतम्–01
   शंकराभरनम–गोविन्दा, अच्युता।

B.P.A. Third Semester
Course 1 (Theory)

BKM-301 — Marks 100
(Internal:30,External:70)
Credit:06

'इकाई' 1

(अ) गमकों का अध्ययन दसविध गमकों का विस्तार।
(ब) जन्य रागाओं का अध्ययन :
1. औड़व
2. शड़व
3. वक्र
4. उपांग
5. भाषान्ग
6. निषादंत्य
7. दैवतंत्य
8. पंचमांत्य

'इकाई' 2

संगीत रचनाओं का अध्ययन :

(अ) 1. कृति 2. कीर्तनम् 3. पदम् 4. जावली

(ब) 1. अप्टपदी 2. तरन्गम 3. दिव्यानामकीर्तनम्

'इकाई' 3

(अ) लय वाद्यों का अध्ययन (चित्र सहित) :
मृदन्गम, कंजिरा, तविल घटमृ तबला, पखवाज्।

(ब) कोई दो महान् लयवाद्यकारों की जीवनी।

'इकाई' 4

(अ) सेमिस्टर 03 में अध्ययन किये गये रागों का रागलक्षण
आभोगी, श्रीरागम्, बेगड़ा, सावेरी, दरबार।

(ब) लकक्षण ग्रंथों का सामान्य ज्ञान।
नाट्यशास्त्र, बृहद्धशी।

B.P.A. Third Semester
Course 2 (Practical)

BKM-302

Marks 100
(Internal:30,External:70)
Credit:04

(1) निम्न में से काई 03 का आदि ताल वर्णम् :
कलयाणो, आभोगी, श्रीरागम्, बेगडा सावेरी, दरबार ।

(2) अटताल वर्णम, शंकराभरणम् ।

B.P.A. Third Semester
Course 3 (Practical)

BKM-303

Marks 100
(Internal:30,External:70)
Credit:04

1. जतिस्वरम–01
2. स्वरजति–01
3. तानवर्णम्–01 मोहन रागम् या शंकराभरनम् (गति दो काल में)

B.P.A. Fourth Semester
Course 1 (Theory)

BKM-401 Marks 100
(Internal:30,External:70)
Credit:06

'इकाई' 1

(अ) तालदस प्राणों का विस्तार अध्ययन। (10 प्राण)
(ब) 35 ताल योजनाएं एवं उनका नाम।

'इकाई' 2

(अ) निम्न तकनीकी शब्दों का विवरण :
सिम्पेथिटेक वाईब्रेषण, पिच, टिम्बर, संगीतध्वनी तीव्रता, नौईस (ध्वनी)।
(ब) निम्न संगीत रचनाओं का अध्ययन : रागमालिका, तिल्लाना, धरू, श्लोकम्।

'इकाई' 3

(अ) संगीत रचनाओं में दर्शाने वाले मुद्राएं :
1. वाग्गेयकार मुद्रा (स्वनमामुद्रा, पर्यायामुद्रा)
2. रागमुद्रा
3. क्षेत्रमुद्रा
4. राजांकितमुद्रा

(ब) संगीत रचनाओं को सुशोभित करने वाले अंग :
1. मध्यमकाल साहित्य।
2. चिट्टस्वर।
3. शोलकट्टु स्वर।
4. स्वर साहित्य।
5. मनिप्रवालम।

(स) कान्सर्ट संगीत में उपयोग होने वाले रचनाएं।

'इकाई' 4

(अ) सेमेस्टर 04 मे अध्ययन किये गये रागों की रागलकक्षणाएँ : अमृतवर्षिणी, शुद्धधन्यासी, आरभी, श्रीरंजनी।
(ब) निम्न रचनाकारों की आत्मकथा (संक्षिप्त में) :
श्यामशास्त्री, त्यागराज्, मुत्थुस्वामीदीक्षितार।

B.P.A. Fourth Semester
Course 2 (Practical)

BKM-402 Marks 100
(Internal:30,External:70)
Credit:04

1. निम्नरागों का मध्यमाकालकृतियाँ : अमृतावर्षिणी, शुद्धधन्यासी, आरभी, श्रीरंजनी। (कोई 03)
2. निम्न रागों के विलंब काल कृतियाँ : शंकराभरणम या कल्याणी। (कोई 01)
3. स्वरकल्पना की अध्ययन।

B.P.A. Fourth Semester
Course 3 (Practical)

BKM-403 Marks 100
(Internal:30,External:70)
Credit:04

1. अभ्यासगान रचनाएं :
   एक अट ताल वर्णम का दो काल गति में अभ्यास।
2. आदि ताल एवं रूपक ताल में सरल स्वर कल्पनाएं। (मध्यालया)
3. आलाप का अभ्यास सरल रागों में।
   औड्व, शाड्व।

B.P.A. Fifth Semester
Course 1 (Theory)

BKM-501 Marks 100
(Internal:30,External:70)
Credit:05

'इकाई' 1

(अ) भारतीय संगीत का संक्षिप्त अध्ययन एवं वर्गीकरण।
1. कर्नाटक, 2. हिन्दुस्तानी।

(ब) हिन्दुस्तानी संगीत के कार्यक्रम में बहुप्रचलित वाद्य।
तबला, पखवाज, सारंगी, वायलीन, हारमोनियम, सितार, शहनाई एवं फ्लूट।

'इकाई' 2

(अ) मंदिरों मे प्रयुक्त संगीत का अध्ययन।
1. नवसन्धी उत्सव, 2. रागे, 3. ताल, 4. मंदिरो में प्रयुक्त मुख्य वाद्यों का अध्ययन।

(ब) थाट पद्धति का अध्ययन हिन्दुस्तानी संगीत एवं कनार्टक मेल पद्धति।

'इकाई' 3

(अ) लक्षण ग्रन्थों का सामान्य अध्ययन : संगीतामकरंदम्, संगीतरतनाकरम्।

'इकाई' 4

(अ) सेमेस्टर 05 में अध्ययन किये गये रागों के रागलक्षणाएं :
पूर्वीकल्याणी, मध्यमावति, शन्मुखाप्रियं, नाटा।

(ब) जीवनी – 'पं. भत्खड़े' या 'पं. विष्णु दिगंबर पालुस्कर।

B.P.A. Fifth Semester
Course 2 (Practical)

BKM-502 — Marks 100
(Internal:30,External:70)
Credit:05

1. अट्ताल वर्णम् – कल्याणी/काम्बोजी/भैरवी। (कोई एक)
2. पंचरत्न कृति – श्रीरागम्म।
3. मध्यमाकालाकृति – (निम्न से कोई 03)
   पूर्वीकल्याणी, नाटा, मध्यमावति, शन्मुखप्रिया (आलापना, निरवल एवं कल्पना स्वरम्) मौखिक में अनिवार्य।

B.P.A. Fifth Semester
Course 3 (Practical)

BKM-503 — Marks 100
(Internal:30,External:70)
Credit:05

1. औड़व एवं सम्पूर्ण रागो में वर्णम् का अभ्यास। (दो काल)
2. नवरागमालिका वर्णम्। (दो काल)
3. एक अष्टापदि, एक तरंगम।

B.P.A. Sixth Semester
Course 1 (Theory)

BKM-601 — Marks 100
(Internal:30,External:70)
Credit:05

'इकाई' 1

(अ) लोक संगीत का अध्ययन (लोकगीतों का प्रसंग)।
लोक संगीत में उपयोग होने वाले रागे एवं ताले।
(ब) संगीत वाद्यों का वर्गीकरण (लोकसंगीत में प्रयोग करने वाल)।

'इकाई' 2

(अ) भरतनाट्यम में उपयोग होने वाले रचनाएं।
(ब) संगीत में मीडिया का प्रभाव।

'इकाई' 3

(अ) संगीत में हरिदास का योगदान।
(ब) हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक रागों की तुलनात्मक अध्ययन। (05 रागों का)

'इकाई' 4

(अ) श्री त्यागराज की सामूहिक कृति रचनाओं का रूपरेखा ज्ञान :
घनराग पंचरत्नम् , तिरूवय्युर पंचरत्नम्।
(ब) सेमेस्टर 06 अध्ययन में किये गये रागों की रागलक्षणाएं : खरहरप्रिया, मोहनम्, खांबोजी, थोड़ी।

B.P.A. Sixth Semester
Course 2 (Practical)

BKM-602 | Marks 100
(Internal:30,External:70)
Credit:05

1. विलम्ब काल कृति : (निम्न मे से कोई 04)
   खरहरप्रिया, मोहनम्, काम्बोजी, मध्यमावति, थोड़ी।
   (आलापना, निरवल एवं कल्पनास्वरम् की अभ्यास मौखिक रूप में) ।
2. रागम् तानम् पल्लवि (कोई 02 अलग–अलग ताल में) : कल्याणी, थोड़ी, मोहनम्, शंकराभरणम् ।
3. एक तिल्लाना एवं एक जावलि

B.P.A. Sixth Semester
Course 3 (Practical)

BKM-603 | Marks 100
(Internal:30,External:70)
Credit:05

1. आदिताल वर्णम का अभ्यास वक्र रागों, दरबार राग, नाटकुरंजी राग। (दो काल गति में)
2. खण्डचापु या मिश्रचापु में स्वर कल्पना।
3. आलापना की अध्ययन निम्न रागों में :
   बेगड़ा, सावेरी, श्रीरंजनी।

B.P.A. Seventh Semester
Course 1 (Theory)

BKM-701 | Marks 100
(Internal:30,External:70)
Credit:05

'इकाई' 1

मनोधर्म संगीत

(अ) मनोधर्म संगीत एवं उसकी शाखाएं।
आलापना, तानम्, पल्लवी, निरवल, स्वरकल्पना।

(ब) कचेहरीधर्म – प्रधान कलाकार का प्रधान संगतकार एवं उपसंगतकार।

'इकाई' 2

निम्न समुदाय कृतियों का रूपरेखा अध्ययन।

(अ) मुत्थुस्वामी दिक्षितार का नवग्रह कृतियां।

(ब) नववर्ण कृतियां।

(स) श्यामशास्त्री का नवरत्न मालिका कृतियां।

(द) स्वाती तिरूनाल का नवरात्री कृतियां।

'इकाई' 3

(अ) जीवनी : हरिकेश नल्लूर मुत्तय्या भागवतार, पापनाशम् शिवन्।

(ब) निम्न रागों के रागलक्षणाये :
भैरवि, भिलहरि, सारमति, कीरवाणी।

'इकाई' 4

(अ) निम्न वाद्यों का रचना एवं बजाने की तकनीक।
वायलिन, मृदंगम्, फ्लूट (चित्र सहित)।

B.P.A. Seventh Semester
Course 2 (Practical)

BKM-702 — Marks 100
(Internal:30,External:70)
Credit:05

1. श्यामशास्त्री का स्वरजति।
2. अट्ताल वर्णम् : कानड़ा।
3. तिल्लाना एक।

B.P.A. Seventh Semester
Course 3 (Practical)

BKM-703 — Marks 100
(Internal:30,External:70)
Credit:05

1. रागालाप एवं तानम् का अभ्यास औड़व् या शाड़व् रागों में। (कोई दो)
2. आदि ताल एवं रूपक ताल कृतियों में निरवल का अभ्यास।
3. क्षेत्रय्या का एक पदम्।

B.P.A. Seventh Semester
Course 4 (Practical)
Stage Performance

BKM-704 — Marks 100
(Internal:30,External:70)
Credit:05

विध्यार्थियों के द्वारा चयनित पिछले सेमेस्टर में अध्ययन किये गये, रचनाओं का मंच प्रदर्शन (कम से कम 30 मिनट प्रदर्शन अनिवार्य रूप में)

B.P.A. Eighth Semester
Course 1 (Theory)

BKM-801 — Marks 100
(Internal:30,External:70)
Credit:05

'इकाई' 1

(अ) निम्न चार दक्षिण प्रांतीय संगीत स्थानों का सक्षिप्त वर्णन।
चैन्नाई, विजयनगरम्, मैसूर, तिरूवनंतपुरम्।
(ब) संगीत त्रिमूर्तियों का शैलियां।

'इकाई' 2

(अ) ओपेरा का लक्षण एवं संक्षिप्त जानकारी।
1. प्रहलाद भक्तिविजयम्।
2. नौका चरितम्।
3. पल्लकी सेवाप्रबन्धम्।

(ब) कनार्टक संगीत के प्रचार में शैक्षणिक संस्थानों का महत्व।
विश्वविध्यालयों, महाविध्यालयों एवं प्राचीन गुरूकुल पद्धति, निजी संगीत सभाय।

'इकाई' 3

निम्न का संक्षिप्त अध्ययन।

1. ग्राम–मोर्चना–जाति पद्धिति।
2. ग्रहाबेद एवं उसकी संभावनाएं।
3. मूचनाकारकमेलयें।

'इकाई' 4

निम्न रागों का रागलक्षण।

खमास, नाटा, केदारगौला, हरिकाम्बोजी, रामाप्रिया, मुखारी।

B.P.A. Eighth Semester
Course 2 (Practical)

BKM-802

Marks 100
(Internal:30,External:70)
Credit:05

1. पंचरत्न कृति – नाटा
2. जावली – 01
3. अन्नमैया कीर्तना – 01
4. रामदास कीर्तना – 01

B.P.A. Eighth Semester
Course 3 (Practical)

BKM-803

Marks 100
(Internal:30,External:70)
Credit:05

1. निरवल एवं कल्पना स्वर का अभ्यास, किसी एक विलम्ब काल में।
2. पल्लवी का अभ्यास, किसी दो सरल तालों में। (तीन काल)
3. एक भजन, एक पुरन्दरदासु कीर्तना।

B.P.A. Eighth Semester
Course 4 (Practical)
Stage performance – 1

BKM-804

Marks 100
(Internal:30,External:70)
Credit:05

विध्यार्थियों के द्वारा चयनित पिछले सेमेस्टर में अध्ययन किये गये रचनाओं का मंच प्रदर्शन (कम से कम 30 मिनट प्रदर्शन अनिवार्य रूप में)

INDIRA KALA SANGEET VISHVIDYALYA KHAIRAGARH (C.G.)
SYLLABUS OF KARNATIC MUSIC VOCAL / INSTRUMENTAL
Faculty of Music

B.P.A. First Semester Optional Subject
Course 1 (Theory)

BKM-101 **Marks 100**
(Internal:30,External:70)
Credit: 03

'इकाई' 1

(अ) नीचे दिए गये शब्दों को परिभाषित एवं विस्तार कीजिए :
1. नाद : आहत एवं अनाहतनाद आहत के प्रकार
2. श्रृति : प्रमाण, न्यूना एवं पूर्ण
3. स्वर : प्रकृति एवं विकृति
4. स्थाई : त्रिस्थाई एवं पंचास्थाई
5. आवर्ता : विस्तार
6. अन्यस्वर : स्वकीय एवं अन्यस्वर
7. आरोहण एवं अवरोहण
8. पूर्वान्ग एवं उत्तरांग
9. धातु, मात् :
10. ग्रह, अम्स एवं न्यासस्वराएं

(ब) स्वरस्यानाएँ : द्वादश स्वरस्थानाएँ (12) एवं शोड़स स्वरस्थानाएँ (16)।

'इकाई' 2

ताल पद्धती एवं उसके प्रकार।
1. ताल : तीन काल एवं आवर्ता
2. लय : विलंभ, मध्य एवं धृत
3. शाड़न्ग : अनुधृत, धृत, लघु, गुरूवु, प्लुतं, काकपाद।
4. जति : चतुरर्स, त्रिर्स, मिश्र, खन्ड एवं संकीर्ण।

अ) सप्तताल : स‚लादी, सप्ताले।
ब) अन्य ताले : दसादी, मध्यादी, खन्डचापु, मिश्र्चापु ताले।

'इकाई' 3

(अ) अलंकराम एवं गीतों का ताल संकेतो सहित (स्वरलिपिबद्ध)।
(ब) निम्नांकित संगीत रचनओं की लक्षण :
गीतम्, लक्क्षणगीतम्, स्वरजति, जतिस्वरम, वर्णम्।

'इकाई' 4

(अ) निम्न रचनाकारों की आत्मकथा :
पड़ालगुरूमुर्तीशास्त्री, सदासिवब्रह्यमन्द्रसरस्वति ।

B.P.A. First Semester Optional Subject
Course 2 (Practical)

BKM-102 **Marks 100**
(Internal:30,External:70)
Credit: 03

1. स्वरा अभ्यास : सरलीवरसा, जन्टावरसा, दाटुवरसा, मन्द्र–मध्य–थारस्थायीवरसा, सप्तताल अलंकारम्।
2. संचारी गीते : श्री गणनाद, पदुमानाभा–मलहरी, वरवीणा–मोहना, कमलाजादला–कल्याणी।
3. स्वरजति या जतिस्वरम् (एक)।

B.P.A. Second Semester Optional Subject
Course 1 (Theory)

BKM-201 **Marks 100**
(Internal:30,External:70)
Credit: 03

'इकाई' 1

(अ) निम्न शब्दों को परिभाषित एवं विस्तार कीजिए :
वादी, विवादी, संवादी, अनुवादी, जाति, गति।
(ब) 35 ताले ।

'इकाई' 2

(अ) 12 चक्राओं का नाम भूत संख्या।
(ब) 16 स्वर स्थानों का सम्मेलन 12 चक्रों में ।

'इकाई' 3

(अ) संगीत वाद्यों का वर्गीकरण तथ्, अवनद, सुशिरा ।
(ब) निम्न वाद्यों का विस्तार अध्ययन : तंबुरा, वीणा (चित्र सहित) ।

'इकाई' 4

(अ) द्वितीय सेमेस्टर में अध्ययन किये गये रागां का रागलक्षणा : मायामालवगौला, हंसध्वनि, शुद्धसावरी।
(ब) पुरन्धरादास, बद्राचलरामदास की आत्मकथा।

B.P.A. Second Semester Optional Subject
Course 2 (Practical)

BKM-202 **Marks 100**

(Internal:30,External:70)

Credit: 03

(अ) आदिताल वर्णनम् (कोई 2) :
मोहनम्, हंसध्वनी, मायामालवगौला, शंकराभरणम्।

(ब) निम्न रागों का मध्यमाकालकृतियाँ (कोई 02) :
हंसध्वनि, शुद्धसावेरी, कल्याणो, मायामालवगौला।

B.P.A. Third Semester Optional Subject
Course 1 (Theory)

BKM-301 **Marks 100**

(Internal:30,External:70)

Credit: 03

'इकाई' 1

(अ) गमको का अध्ययन दसविध गमकों का विस्तार।

(ब) जन्य रागों का अध्ययन :

1. औड़व
2. शड़व
3. वक्र
4. उपांग
5. भाषान्ग
6. निषादंत्य
7. दैवतंत्य
8. पंचमांत्य

'इकाई' 2

संगीत रचनाओं का अध्ययन :

(अ) 1. कृति 2. कीर्तनम् 3. पदम् 4. जावली

(ब) 1. अप्टपदी 2. तरन्गम

'इकाई' 3

(अ) लय वाद्यों का अध्ययन (चित्र सहित) :
मृदन्गम, कंजिरा, तविल, घटम्, तबला, पखवाज्।

'इकाई' 4

(अ) सेमिस्टर 03 में अध्ययन किये गये रागों का रागलक्षण।
आभोगो श्रीरागम्, बेगड़ा सावेरी दरबार।

B.P.A. Third Semester Optional Subject
Course 2 (Practical)

BKM-302 **Marks 100**
(Internal:30,External:70)
Credit: 03

(1) निम्न (काई 02) का आदिताल वर्णम् :
कलयाणी, आभोगी, श्रीरागम्, बेगड़ा, सावेरी, दरबार।
(2) अटताल वर्णम शंकराभरणम् ।

B.P.A. Fourth Semester Optional Subject
Course 1 (Theory)

BKM-401 **Marks 100**
(Internal:30,External:70)
Credit: 03

'इकाई' 1

(अ) निम्न संगीत रचनाओं का अध्ययन :
1. रागमालिका 2. तिल्लाना 3. धरू
(ब) 1. दिव्यनामकीर्तना 2. उत्सवसांप्रदाय कीर्तना

'इकाई' 2

(अ) शुद्धमध्यम मेलाकर्ताओं के नाम।
(ब) प्रतिमध्यम मेलकर्ताओं के नाम।

'इकाई' 3

(अ) संगीत रचनाओं में दर्शाने वाले मुद्राएं :
1. वाग्गेयकार मुद्रा। (स्वनमामुद्रा, पर्ययामुद्रा)
2. रागमुद्रा।
3. क्षेत्रमुद्रा।
4. राजांकिता मुद्रा।

(ब) संगीत रचनाओं को सुशोभित करने वाले अंग :
1.मध्यमकाल साहित्य।
2.चिट्टस्वर।
3.शोलकट्टू स्वर।
4.स्वर साहित्य।
5.मनिप्रवालम।

'इकाई' 4

(अ) सेमेस्टर 4 मे अध्ययन किये गये रागों की रागलकक्षणाएँ : अमृतवर्षिणी, शुद्धधन्यासी, आरभी, श्ररंजनी।
(ब) निम्न रचनाकारों की आत्मकथा (संक्षिप्त में) :
श्यामाशास्त्री, त्यागराज्, मुत्थुस्वामीदीक्षित्र।

B.P.A. Fourth Semester Optional Subject
Course 2 (Practical)

BKM-402 **Marks 100**
(Internal:30,External:70)
Credit: 03

(1) निम्नरागों मध्यमाकालकृतियाँ : अमृता वर्षिणी, शुद्धधन्यासी, आरभी, श्रीरंजनी। (कोई 02)
(2) निम्न रागों के विलंब काल कृतियाँ : शंकराभराणम, कल्याणी। (कोई 01)
(3) स्वरकल्पना की अध्ययन।

B.P.A. Fifth Semester Optional Subject
Course 1 (Theory)

BKM-501 **Marks 100**
(Internal:30,External:70)
Credit: 03

'इकाई' 1

(अ) भारतीय संगीत का संक्षिप्त अध्ययन एवं वर्गीकरण।
(ब) हिन्दुस्तानी संगीत के कार्यक्रम में बहुप्रचलित वाद्य।

'इकाई' 2

(अ) मंदिरों मे प्रयुक्त संगीत का अध्ययन।
(ब) मंदिरो में प्रयुक्त मुख्य वाद्यों की अध्ययन।

'इकाई' 3

(अ) लक्षण ग्रन्थों का सामान्य अध्ययन–नाट्यशास्त्र।

'इकाई' 4

(अ) सेमेस्टर 05 में अध्ययन किये गये रागों की रागलक्षणाएं।
पूर्वीकल्याणी, मध्यमावति, शन्मुखाप्रिया, नाटा।
(ब) जीवनी – 'पं. भात्खड़े' या 'पं. विष्णु दिगंबर पालुस्कर।

B.P.A. Fifth Semester Optional Subject
Course 2 (Practical)

BKM-502 **Marks 100**
(Internal:30,External:70)
Credit: 03

1. अट्ताल वर्णम् – दो काल (कोई 01)
2. पंचरत्न कृति – श्रीरागम्म
3. मध्यमकालकृति – (निम्न से कोई 02)
   पूर्वी कल्याणी, नाटा, मध्यमावति, शन्मुखप्रिया (आलापना एवं कल्पना स्वरम्) मौखिक में अनिवार्य।

B.P.A. Sixth Semester Optional Subject
Course 1 (Theory)

BKM-601 **Marks 100**
(Internal:30,External:70)
Credit: 03

'इकाई' 1

(अ) लोक संगीत का अध्ययन (लोकगीतों का प्रसंग)।
(ब) लोक संगीत में प्रयोग करने वाले वाद्यों का वर्गीकरण।

'इकाई' 2

(अ) शैक्षिक संस्थानों की संगीत एवं गुरूकुल पद्धति संगीत।
(ब) संगीत में मीडिया का प्रभाव।

'इकाई' 3

(अ) संगीत में पुरंधरदास की योगदान।
(ब) हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक रागों की तुलनात्मक अध्ययन। (05 रागों का)

'इकाई' 4

(अ) श्री त्यागराज की सामूहिक कृति रचनाओं का रूपरेखा ज्ञान
घनराग पंचरत्नम्, तिरूवय्य्र पंचरत्नम्।
(ब) सेमेस्टर 06 अध्ययन किये गये स्वरों की रागलक्षणाएं : खरहरप्रिया, मोहनम्, खांबोजी, थोड़ी।

B.P.A. Sixth Semester Optional Subject
Course 2 (Practical)

BKM-602 **Marks 100**
(Internal:30,External:70)
Credit: 03

1. विलम्ब काल कृति : (निम्न मे से कोई 02)
   खरहरप्रिया, मोहनम्, काम्बोजी, मध्यमावति, थोड़ी।
   (आलापना, निरवल एवं कल्पनास्वरम् की अभ्यास मौखिक रूप में) ।
2. रागम्, तानम्, पल्लवि (कोई 01) : कल्याणी, थोड़ी, मोहनम् शंकराभरणम् ।
3. एक तिल्लाना एवं एक जावलि ।

इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय
खैरागढ़
बी.पी.ए. पाठ्यक्रम
वर्ष – 2017

अवनद्ध वाद्य विभाग
(मुख्य विषय तबला)
संगीत संकाय

पाठ्यक्रम की उपयोगिता–

अवनद्ध वाद्य विभाग द्वारा प्रस्तावित बी.पी.ए. पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के सांगीतिक विकास की दृष्टि से निर्मित किया गया है।

तबला एकल वादन के साथ ही गायन, वादन तथा नृत्य के साथ तबला संगति को समझने में यह पाठ्यक्रम उपयोगी होगा।

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से शिक्षित होने पर विद्यार्थी मंचीय प्रस्तुति (एकल तथा संगति) तथा शास्त्रीय एवं सुगम संगीत के ध्वन्यांकन हेतु प्रस्तुति देने में सक्षम हो सकेगा बशर्ते वह अपने गुरू के निर्देशानुसार उचित अध्ययन तथा रियाज़ करे ।

कम से कम चार तालों में स्वतंत्र वादन के साथ ही बड़ा ख्याल, छोटा ख्याल, तराना, ठुमरी, दादरा, भजन, ग़ज़ल तथा लोक संगीत के साथ संगति में पर्याप्त दक्षता प्राप्त करना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है।ण

पाठ्यक्रम में शास्त्र का अध्ययन भी पर्याप्त रूप में सम्मिलित किया गया है जो विद्यार्थी को उच्च कक्षाओं के साथ ही शोध कार्य हेतु उपयोगी होगा।

a. तकनीकी शब्दों के सन्दर्भ में विशेषकर जहाँ–जहाँ वादन के सन्दर्भ में लय की गति की बात आई है वहाँ इनका निर्धारण निम्नानुसार किया गया है:–
   - विलंबित लय का आशय लगभग 48 मात्रा प्रति मिनट।
   - मध्य लय लगभग 96 मात्रा प्रति मिनट।
   - द्रुत लय 4 मात्रा प्रति सेकेंड अथवा अधिक।

b. पाठ्यक्रम में ग्रन्थालय का तथा श्रवण कक्ष का प्रयोग विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यन्त उपयोगी है, फिर भी आवश्यक होने के बावजूद इनका मूल्यांकन आंतरिक स्तर पर ही किया जायेगा।

बी.पी.ए. प्रथम सेमेस्टर

तबला (मुख्य विषय)

BMT 101 शास्त्र क्रेडिट: 06

कुल प्राप्तांक: 100

समय : 3 घंटा

आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11
बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

- इकाई 1– तबले का सचित्र वर्णन और उसके विभिन्न अंगों की जानकारी। तबला वाद्य का संक्षिप्त इतिहास। वर्ण (पाटाक्षर) की परिभाषा, तबले के वर्णों की जानकारी एवं निकास विधि लिखने का अभ्यास।

- इकाई 2– ताल की परिभाषा, मात्रा, विभाग, ताली, खाली, ठेका, सम, आवर्तन की परिभाषा को लिखने का ज्ञान। लय एवं लय के प्रकारों की जानकारी। संगीत की परिभाषा। गायन, वादन तथा नृत्य का सामान्य परिचय लिखना। नाद, स्वर और सप्तक की परिभाषा का ज्ञान।

- इकाई 3– कायदा, रेला, टुकड़ा, चक्रदार व तिहाई की सोदाहरण परिभाषाओं का अध्ययन।

- इकाई 4–ताललिपि की उपयोगिता एवं महत्व। भातखण्डे ताललिपि पद्धति का ज्ञान। पाठ्यक्रम के सभी तालों को भातखण्डे ताललिपि पद्धति में लिखने की क्षमता।

नोटः– शिक्षक के निर्देशानुसार ग्रन्थालय में जाकर पुस्तकों का अध्ययन करना तथा उस पर टिप्पणी लिखना। (न्यूनतम– 3)
पाठ्यक्रम के निर्धारित ताल - त्रिताल, रूपक, दादरा, कहरवा।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

तबला शास्त्र	–	मधुकर गणेश गोडबोले
ताल परिचय भाग–1	–	पंडित गिरीशचंद्र श्रीवास्तव
ताल कोश	–	पंडित गिरीशचंद्र श्रीवास्तव
ताल सर्वांग	–	डॉ. विद्यानाथ सिंह

BMT 102 तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग **(Course 1)**

क्रेडिट: 04

कुल प्राप्तांक: 100

आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30

न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11

बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70

न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

- तबला वाद्य की बनावट, निर्माण सामग्री एवं निर्माण प्रक्रिया की जानकारी।
- तबले के वर्णों का निकास। मात्र दाहिने तबले पर बजाये जाने वाले वर्ण, मात्र बांये (डग्गे) पर बजाये जाने वाले वर्ण तथा संयुक्त रूप से बजाये जाने वाले वर्णों की जानकारी तथा इनकी निकास विधि जानना एवं उसका अभ्यास।
- तिट, तिरकिट, त्रक, धागे एवं विभिन्न वर्णों के संयोजन से बनने वाले वर्ण समूहों की निकास विधि।
- त्रिताल के ठेके के चार–चार प्रकार बजाने का अभ्यास।
- त्रिताल में तिट का एक कायदा, चार पल्टे, तिहाई सहित तबले पर बजाना।
- त्रिताल में तिरकिट का एक कायदा, चार पल्टे, तिहाई सहित तबले पर बजाना।
- त्रिताल में तिरकिट वर्ण युक्त रेले का प्रारंभिक अभ्यास।
- त्रिताल में सम से सम तक (न्यूनतम दो) दमदार तिहाइयाँ तबले पर बजाना एवं पढ़न्त करना। नोटः– पढ़न्त करने का अभिप्राय हाथ से ताली खाली देते हुए पढ़न्त करना है।

BMT 103 तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग **(Course 2)**

क्रेडिट: 04

कुल प्राप्तांक: 100

आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30

न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11

बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70

न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

- त्रिताल, रूपक, कहरवा और दादरा तालों का सम्पूर्ण परिचय।
- पाठ्यक्रम के सभी ताल ठेकों की ठाह–दुगुन में पढ़न्त करना तथा तबले पर बजाने का अभ्यास।
- त्रिताल में तिट का एक कायदा, (ब्वनतेम 1 से अतिरिक्त) चार पल्टे एवं तिहाई सहित हाथ से ताली देकर पढ़न्त करना।
- त्रिताल में तिरकिट का एक कायदा, (ब्वनतेम 1 से अतिरिक्त) चार पल्टे एवं तिहाई सहित हाथ से ताली देकर पढ़न्त करना।
- पाठ्यक्रम के सभी तालों में विभिन्न लयों में दमदार तिहाइयों को हाथ से ताल देकर पढ़न्त करना एवं बजाना।
- तबले के वर्णों तथा ताल ठेकों को सुनकर पहचानने की क्षमता का विकास।
- नगमा या लहरा के साथ त्रिताल में संक्षिप्त एकल वादन।
- शिक्षक के निर्देशानुसार Listening room में जाकर संगीत सुनना तथा उस पर टिप्पणी लिखना। (न्यूनतम– 3, आंतरिक मूल्यांकन)

बी.पी.ए. द्वितीय सेमेस्टर

तबला (मुख्य विषय)

BMT 201 शास्त्र क्रेडिट: 06

कुल प्राप्तांक: 100

समय : 3 घंटा

आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11
बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

- इकाई 1–त्रिताल :– ठेके के प्रकार, कायदा, रेला, मुखड़ा, टुकड़ा, चक्रदार व तिहाई की सोदाहरण परिभाषा। उपर्युक्त सभी को लिपिबद्ध करने का अभ्यास।
- इकाई 2– लयकारी की परिभाषा। पाठ्यक्रम के सभी तालों को ठाह एवं दुगुन में लिपिबद्ध करना। पाठ्यक्रम की निर्धारित रचनाओं को लिपिबद्ध करने की क्षमता।
- इकाई 3– निम्नलिखित बोलों की निकास विधि लिखने का ज्ञान – तिट, तिरकिट, त्रक, धागे, किटतक।
- इकाई 4– सरगम, लक्षण गीत, बड़ा ख्याल एवं छोटा ख्याल की परिभाषा एवं इसके साथ प्रयुक्त होने वाले ताल ठेकों की जानकारी। स्वर एवं उसके प्रकार, अलंकार तथा आरोह–अवरोह की व्याख्या।

नोटः– शिक्षक के निर्देशानुसार ग्रन्थालय में जाकर पुस्तकों का अध्ययन करना तथा उस पर टिप्पणी लिखना। (न्यूनतम– 3, आंतरिक मूल्यांकन)

पाठ्यक्रम के निर्धारित ताल - त्रिताल, एकताल, झपताल, रूपक, कहरवा, दादरा ।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

तबला शास्त्र	–	श्री मधुकर गणेश गोडबोले
ताल परिचय भाग–2	–	पंडित गिरीशचंद्र श्रीवास्तव
ताल कोश	–	पंडित गिरीशचंद्र श्रीवास्तव
ताल सर्वांग	–	डॉ. विद्यानाथ सिंह

BMT 202 तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग (Course 1)

क्रेडिट: 04
कुल प्राप्तांक: 100
आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11
बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

- पूर्व पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
- पूर्व में सीखे गए कायदे के अतिरिक्त त्रिताल में त्रक वर्ण युक्त एक कायदा, चार पल्टे, तिहाई सहित तबले पर बजाना एवं ताली देकर पढ़न्त करना।
- त्रिताल में तिरकिट वर्ण युक्त एक रेला तबले पर बजाना एवं ताली देकर पढ़न्त करना।
- झपताल के ठेके के दो–दो प्रकार बजाने का अभ्यास।
- त्रिताल एवं झपताल में सम से सम तक तिहाइयाँ दमदार तथा बेदम (दो–दो) तबले पर बजाना एवं पढ़न्त करना।
- नगमा या लहरा के साथ पाठ्यक्रम के सभी तालों के ठेके बजाने का अभ्यास।
- त्रिताल में एकल वादन की प्रस्तुति।

नोटः– पढ़न्त करने का अभिप्राय हाथ से ताली खाली देते हुए पढ़न्त करना है।

BMT 203 तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग (Course 2)

क्रेडिट: 04
कुल प्राप्तांक: 100
आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11
बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

- पूर्व तालों के अतिरिक्त झपताल एवं एकताल का सम्पूर्ण परिचय।
- पाठ्यक्रम के सभी ताल ठेकों की ठाह–दुगुन में पढ़न्त करना तथा तबले पर बजाने की क्षमता। (लयाभ्यास)
- त्रिताल में दो मुखड़े, दो टुकड़े, दो चक्रदार तबले पर बजाना एवं ताली देकर पढ़न्त करना।
- प्रथम सेमेस्टर के सीखे गए कायदों के पल्टों के अतिरिक्त दो–दो पल्टों की रचना करना।
- दादरा एवं कहरवा के ठेके के दो–दो प्रकार बजाने का अभ्यास।
- तबले के वर्णों तथा ताल ठेकों को सुनकर पहचानने की क्षमता का विकास।
- स्वराभ्यास–आरोह, अवरोह तथा चार अलंकारों को गाने का अभ्यास। (किसी एक राग में)
- शिक्षक के निर्देशानुसार Listening room में जाकर संगीत सुनना तथा उस पर टिप्पणी लिखना। (न्यूनतम– 3, आंतरिक मूल्यांकन)

बी.पी.ए. तृतीय सेमेस्टर

तबला (मुख्य विषय)

BMT 301 शास्त्र क्रेडिट**:** 06

कुल प्राप्तांकः 100

समय : 3 घंटा आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30

न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11

बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70

न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

- इकाई 1– वाद्य वर्गीकरण का सामान्य परिचय। अवनद्ध वाद्य की परिभाषा। तबला एवं पखावज वाद्य का संक्षिप्त इतिहास।
- इकाई 2– लय एवं लयकारी में अन्तर तथा पाठ्यक्रम के सभी तालों का सम्पूर्ण परिचय एवं उन्हें ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन में लिपिबद्ध करने का ज्ञान। पाठ्यक्रम के सीखे हुए रचनाओं को लिपिबद्ध करने की क्षमता।
- इकाई 3– तिहाई के विभिन्न प्रकार एवं उन्हें लिपिबद्ध करने की क्षमता। चक्रदार की सोदाहरण परिभाषा ।
- इकाई 4– निम्नलिखित गायन शैलियों का सामान्य ज्ञान – ठुमरी, दादरा, चैती एवं कजरी तथा इनके साथ प्रयुक्त होने वाले ताल ठेकों की जानकारी।

- नोटः– शिक्षक के निर्देशानुसार ग्रन्थालय में जाकर पुस्तकों का अध्ययन करना तथा उस पर टिप्पणी लिखना। (न्यूनतम– 3, आंतरिक मूल्यांकन)

  पाठ्यक्रम के निर्धारित ताल - त्रिताल, एकताल, झपताल, रूपक, कहरवा, दादरा ।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

तबला शास्त्र	–	मधुकर गणेश गोडबोले
ताल परिचय भाग–3	–	पंडित गिरीशचंद्र श्रीवास्तव

BMT 302 तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग (Course 1)

क्रेडिट: 04
कुल प्राप्तांक: 100
आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11
बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

- पूर्व पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
- त्रिताल में तिट शब्द युक्त आड़ लय का कायदा, न्यूनतम चार पल्टे एवं तिहाई सहित तबले पर बजाना एवं ताली देकर पढ़न्त करना।
- त्रिताल में धाति,धागेन तथा घेना शब्द से प्रारंभ होने वाला एक–एक कायदा, चार पल्टे, तिहाई सहित तबले पर बजाना एवं ताली देकर पढ़न्त करना।
- त्रिताल में तिरकिट वर्ण युक्त दो रेले तबले पर बजाना एवं ताली देकर पढ़न्त करना।
- त्रिताल में चार मुखड़े, चार टुकड़े एवं चार चक्रदार तबले पर बजाना एवं ताली देकर पढ़न्त करना।
- तबले की बंदिशों को बजते हुए सुनकर पहचानना तथा अनुकरण करने की क्षमता का विकास।

नोटः– पढ़न्त करने का अभिप्राय हाथ से ताली खाली देते हुए पढ़न्त करना है।

BMT 303 तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग (Course 2)

क्रेडिट: 04
कुल प्राप्तांक: 100
आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11
बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

- रूपक के ठेके के दो–दो प्रकार बजाने का अभ्यास। ।
- पूर्व तालों के अतिरिक्त आड़ाचौताल एवं चौताल का सम्पूर्ण परिचय।
- त्रिताल, रूपक, झपताल, एकताल, आड़ाचौताल, चौताल, कहरवा एवं दादरा तालों के ठेकों की ठाह–दुगुन एवं चौगुन में पढ़न्त करना तथा तबले पर बजाने की क्षमता।
- झपताल एवं रूपक में सम से सम तक तिहाइयां (न्यूनतम दो–दो) बजाने का अभ्यास। ।
- त्रिताल के ठेके को तबले पर बजाते हुए रचनाओं की पढ़न्त करना।
- निम्नलिखित बोलों की रचनाओं का वादन करना –
  धातिरकिटतक तिरकिट
  दिंगदिनागिना
- त्रिताल में नगमा बजाने का अभ्यास।
- उच्चारण तथा वादन में होने वाले परिवर्तन अथवा बदलाव के कारणों की जानकारी।
- शिक्षक के निर्देशानुसार Listening room में जाकर संगीत सुनना तथा उस पर टिप्पणी लिखना। (न्यूनतम– 3, आंतरिक मूल्यांकन)

बी.पी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

तबला (मुख्य विषय)

BMT 401 शास्त्र क्रेडिट**:** 06

कुल प्राप्तांकः 100

समय : 3 घंटा आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30

न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11

बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70

न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

- इकाई1– तबला वादन के विभिन्न बाजों का गहन अध्ययन। विभिन्न घरानों का ऐतिहासिक परिचय।

- इकाई 2– पलुस्कर ताल लिपि पद्धति का ज्ञान एवं पाठ्यक्रम के ताल ठेकों को पलुस्करताललिपि पद्धति में लिखने का ज्ञान। पाठ्यक्रम की सभी रचनाओं को भातखण्डे ताललिपि में लिखने की क्षमता।
- इकाई 3– पखावज का सचित्र परिचय एवं उसके विभिन्न अंगों का वर्णन। तबला व पखावज का बनावट के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन।

- इकाई 4– लय एवं लयकारी में अन्तर तथा पाठ्यक्रम के सभी तालों के सम्पूर्ण परिचय सहित उन्हें ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन में लिपिबद्ध करना। आड़ लय की परिभाषा तथा त्रिताल, झपताल एवं रूपक तालों की आड़ लिपिबद्ध करना।

- नोटः– शिक्षक के निर्देशानुसार ग्रन्थालय में जाकर पुस्तकों का अध्ययन करना तथा उस पर टिप्पणी लिखना। (न्यूनतम– 3, आंतरिक मूल्यांकन)

पाठ्यक्रम के ताल - त्रिताल, तिलवाड़ा, आड़ाचौताल, एकताल ,झपताल, रूपक, कहरवा, दादरा, सूलताल, चौताल।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

तबला शास्त्र	–	मधुकर गणेश गोडबोले
ताल परिचय भाग–1,2,3,4	–	पंडित गिरीशचंद्र श्रीवास्तव
ताल कोश	–	पंडित गिरीशचंद्र श्रीवास्तव
तबला एवं पखावज वादन के घराने एवं परम्पराएँ	–	डॉ. आबान मिस्त्री

BMT 402 तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग (Course 1)

क्रेडिट: 04
कुल प्राप्तांक: 100
आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11
बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

- पूर्व पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
- त्रिताल में धात्रक तथा धाऽत्रक शब्द युक्त आड़ तथा बराबर लय के एक–एक कायदे, चार–चार पल्टे एवं तिहाई सहित तबले पर बजाना एवं ताली देकर पढ़न्त करना।
- झपताल में कायदे, रेले, टुकड़े, चक्रदार सहित एकल वादन करना।
- त्रिताल में तिरकिट वर्ण युक्त आड़ लय का एक रेला ।
- झपताल में दो मुखड़े, दो टुकड़े एवं चक्रदार तबले पर बजाना एवं ताली देकर पढ़न्त करना।
- त्रिताल, रूपक, झपताल, एकताल, आड़ाचौताल, तिलवाड़ा, सूलताल, चौताल, कहरवा एवं दादरा तालों के ठेकों की ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन में पढ़न्त करना तथा तबले पर बजाना।
  नोटः– पढ़न्त करने का अभिप्राय हाथ से ताली खाली देते हुए पढ़न्त करना है।

BMT 403 तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग (Course 2)

क्रेडिट: 04
कुल प्राप्तांक: 100
आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11
बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

- पूर्व तालों के अतिरिक्त तिलवाड़ा एवं सूलताल का सम्पूर्ण परिचय।
- विभिन्न मात्राओं से त्रिताल में तिहाइयों को तबले पर बजाना एवं पढ़न्त करना।
- त्रिताल एवं झपताल के ठेके को तबले पर बजाते हुए रचनाओं की पढ़न्त करना।
- त्रिताल में निम्नलिखित बोल युक्त रचनाओं का अभ्यास एवं वादन –
  धिरधिरकिटतक तकिट धाऽ
  धिड़नग दिनतक
- दादरा एवं कहरवा के चार–चार प्रकार बजाने का अभ्यास (लग्गियां अपेक्षित लय में)।
- त्रिताल एवं झपताल में नगमा बजाने का अभ्यास (हार्मोनियम अथवा अन्य किसी वाद्य पर)।
- उच्चारण तथा वादन में होने वाले परिवर्तन के कारणों की ज्ञान।
- तबले की बंदिशों को बजते हुए सुनकर पहचानना तथा अनुकरण करने की क्षमता का विकास।
- शिक्षक के निर्देशानुसार Listening room में जाकर संगीत सुनना तथा उस पर टिप्पणी लिखना। (न्यूनतम– 3, आंतरिक मूल्यांकन)

बी.पी.ए. पंचम सेमेस्टर

तबला (मुख्य विषय)

BMT 501 शास्त्र क्रेडिट**:** 05

कुल प्राप्तांक: 100

समय : 3 घंटा

आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30

न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11

बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70

न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

- इकाई 1– तंत्री, घन एवं सुषिर वाद्य की परिभाषा एवं इनका सांगीतिक महत्व। निम्नलिखित वाद्यों का सचित्र वर्णन– सितार, तानपुरा, मंजीरा, झांझ, बांसुरी, शहनाई। उत्तर भारतीय ताल एवं कर्नाटक ताल पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन।
- इकाई 2– तबले के दिल्ली तथा अजराड़ा घरानों की वादन विशेषताओं का सोदाहरण अध्ययन। चक्रदार एवं उसके विभिन्न प्रकार की जानकारी। गत एवं परन की सामान्य जानकारी।
- इकाई 3– हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायन के साथ तबला संगति की जानकारी। तबला वादक के गुण–दोषों की विस्तृत समीक्षा।
- इकाई 4– ताल के दस प्राणों का विस्तृत अध्ययन। पाठ्यक्रम के सभी तालों का सम्पूर्ण परिचय एवं उन्हें ठाह, आड़, कुआड़, बिआड़, दुगुन, तिगुन, चौगुन, पचगुन, छःगुन, में लिपिबद्ध करने का ज्ञान। पाठ्यक्रम की निर्धारित रचनाओं को लिपिबद्ध करने की क्षमता।

- नोटः– शिक्षक के निर्देशानुसार ग्रन्थालय में जाकर पुस्तकों का अध्ययन करना तथा उस पर टिप्पणी लिखना। (आंतरिक मूल्यांकन)

पाठ्यक्रम के ताल - त्रिताल, तिलवाड़ा, आड़ाचौताल, दीपचंदी, एकताल ,झपताल, रूपक, कहरवा, दादरा, धमार, चौताल, सूलताल।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

तबला कौमुदी भाग–1	–	पं. रामशंकर पागलदास
ताल प्रबंध	–	पं. छोटेलाल मिश्र
तबला ग्रन्थ	–	पं. छोटेलाल मिश्र
तबला पुराण	–	पं. विजय शंकर मिश्र
ताल वाद्य परिचय	–	प्रो. जमुना पटेल
तबला विशारद	–	डॉ. शिवेन्द्र त्रिपाठी

BMT 502 तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग (Course 1)

क्रेडिट: 05
कुल प्राप्तांक: 100
आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11
बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

- पूर्व पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
- पूर्व में सीखे गए कायदों के अतिरिक्त झपताल में बराबर एवं आड़ी लय का एक–एक कायदा, चार पल्टे एवं तिहाई सहित।
- त्रिताल में 'धिरधिर' वर्ण युक्त रेला बजाना एवं पढन्त करना।
- त्रिताल में प्रारंभिक पेशकार चार प्रकार एवं तिहाई सहित बजाने एवं पढ़न्त करने का अभ्यास।
- त्रिताल तथा झपताल में सम्पूर्ण एकल वादन।

नोटः– पढ़न्त करने का अभिप्राय हाथ से ताली खाली देते हुए पढ़न्त करना है।

BMT 503 तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग (Course 2)

क्रेडिट: 05
कुल प्राप्तांक: 100
आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11
बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

- चतुर्थ सेमेस्टर के अतिरिक्त दीपचंदी एवं धमार ताल का सम्पूर्ण परिचय।
- त्रिताल, रूपक, कहरवा, दादरा की ठाह दुगुन तिगुन एवं चौगुन तथा एकताल एवं चौताल की आड़ पढ़न्त करना तथा तबले पर बजाना।
- रूपक में नगमें के साथ एकल वादन करने की क्षमता।
- त्रिताल में निम्नलिखित बोल युक्त रचनाओं को बजाने की क्षमता :– a. धाऽकिट तकधिर धिरधिर किटतक b. तकदिन तकतक तकदिन तकतक
- चौताल, सूलताल तथा तीव्रा के ठेकों को खुले हाथों से दुगुन–चौगुन में बजाना तथा प्रत्येक में दो–दो तिहाइयां बजाना।
- कहरवा एवं दादरा में गज़ल संगति के योग्य वादन करने की क्षमता।
- अपने वाद्य का रख रखाव एवं स्वर में मिलाने का सामान्य ज्ञान।
- रूपक तथा एकताल में नगमा बजाने का अभ्यास।
- तबले की बंदिशों को बजते हुए सुनकर पहचानना तथा अनुकरण करने की क्षमता का विकास।
- शिक्षक के निर्देशानुसार Listening room में जाकर संगीत सुनना तथा उस पर टिप्पणी लिखना। (न्यूनतम– 3, आंतरिक मूल्यांकन)

बी.पी.ए. षष्ठम् सेमेस्टर

तबला (मुख्य विषय)

BMT 601 शास्त्र क्रेडिट: 05

कुल प्राप्तांक: 100

समय : 3 घंटा

आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11
बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

- इकाई 1– तबले के लखनऊ एवं फर्रूखाबाद घरानों की वादन विशेषताओं का अध्ययन। बंदिश की परिभाषा। विस्तारशील एवं अविस्तारशील रचनाओं की सामान्य जानकारी।
- इकाई 2–एकल तबला वादन का महत्व एवं एकल वादन तथा तबला संगति में अंतर का विश्लेषणात्मक अध्ययन। तंत्री वाद्यों के साथ तबला संगति की जानकारी। समान मात्रा संख्या के विभिन्न तालों का तुलनात्मक अध्ययन।
- इकाई 3– निम्नलिखित वादकों का परिचय एवं सांगीतिक योगदान – उ. नत्थू खाँ, उ. अहमदजान थिरकवा, उ. वाजिद हुसैन ,पं. अनोखे लाल मिश्र, पं. किशन महाराज, उ. हबीबुद्दीन खाँ, पं. सामता प्रसाद, उ. अमीर हुसैन खाँ, उ. अल्लारक्खा खाँ, स्वामी रामशंकर पागलदास, कुदऊ सिंह, नाना पानसे।
- इकाई 4– पाठ्यक्रम के सभी तालों का सम्पूर्ण परिचय एवं उन्हें ठाह, आड़, कुआड़, बिआड़, दुगुन, तिगुन, चौगुन, पचगुन, छःगुन, सातगुन की लयकारी में लिपिबद्ध करने का ज्ञान। पाठ्यक्रम के सीखे हुए रचनाओं को लिपिबद्ध करने की क्षमता। दिये गये बोलों के आधार पर निर्देशानुसार तिहाइयों की रचना कर लिपिबद्ध करने का अभ्यास।

  नोटः– शिक्षक के निर्देशानुसार ग्रन्थालय में जाकर पुस्तकों का अध्ययन करना तथा उस पर टिप्पणी लिखना। (आंतरिक मूल्यांकन)

  पाठ्यक्रम के ताल – त्रिताल, तिलवाड़ा, सवारी, झूमरा, आड़ाचौताल, दीपचंदी, एकताल ,झपताल, रूपक, कहरवा, दादरा, सूलताल, चौताल, धमार।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन–	डॉ. अरूण कुमार सेन
भारतीय संगीत वाद्य –	डॉ. लालमणि मिश्र
ताल वाद्य शास्त्र –	श्री मनोहर भालचंद्र मराठे
तबला एवं पखावज वादन के घराने एवं परम्पराएँ –	डॉ. आबान मिस्त्री

BMT 602 तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग **(Course 1)**

क्रेडिट: 05
कुल प्राप्तांक: 100
आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11
बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

- पूर्व पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
- त्रिताल – पेशकार, आड़ीलय के कायदे, तिरकिट, धिरधिर के रेले, गतें (विभिन्न घराने एवं विभिन्न प्रकार की), टुकड़े, चक्रदार (साधारण एवं फरमाईशी) अपेक्षित गति में स्वतंत्र वादन करने की क्षमता।
- त्रिताल, झपताल एवं रूपक ताल में ठेके का रेला बजाने की क्षमता।
- झपताल में कायदा, रेला, टुकड़ा की प्रगत रचनाओं सहित स्वतंत्र एकल वादन करने की क्षमता।
- रूपक ताल में ग़ज़ल तथा दादरा व कहरवा में भजन एवं अन्य सुगम गीत प्रकारों के योग्य तबला संगति का अभ्यास।

नोटः– पढ़न्त करने का अभिप्राय हाथ से ताली खाली देते हुए पढ़न्त करना है।

BMT 603 तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग **(Course 2)**

क्रेडिट: 05
कुल प्राप्तांक: 100
आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11
बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

- पूर्व पाठ्यक्रम के तालों के अतिरिक्त झूमरा, एवं सवारी ताल का सम्पूर्ण परिचय।
- पाठ्यक्रम के सभी तालों को ठाह, आड़, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन में पढ़न्त करना तथा तबले पर बजाना।
- रूपक में संपूर्ण एकल वादन करने की क्षमता।
- धमार के ठेके को खुले हाथों से बजाना तथा दो तिहाई, दो परनों को वादन एवं पढ़न्त करने की क्षमता।
- गायन (बड़ा ख्याल, छोटा ख्याल, गीत, ग़ज़ल एवं भजन) के साथ संगति करने की क्षमता एवं बंदिश सुनकर ताल पहचानने की क्षमता का विकास।
- पाठ्यक्रम के त्रिताल, झपताल, रूपक एवं एकताल में अलग–अलग रागों में दो–दो नगमा बजाने का अभ्यास।
- तबले की बंदिशों को बजते हुए सुनकर पहचानना तथा अनुकरण करने की क्षमता का विकास।
- शिक्षक के निर्देशानुसार Listening room में जाकर संगीत सुनना तथा उस पर टिप्पणी लिखना। (न्यूनतम– 3, आंतरिक मूल्यांकन)

बी.पी.ए. सप्तम सेमेस्टर

तबला (मुख्य विषय)

BMT 701 शास्त्र क्रेडिट**:** 05

कुल प्राप्तांकः 100

समय : 3 घंटा

आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11
बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

- इकाई 1– प्राचीन तथा मध्यकालीन ताल पद्धतियों का विस्तृत अध्ययन। उत्तर भारतीय एवं कर्नाटक ताल पद्धतियों का विस्तृत अध्ययन। पाश्चात्यताललिपि पद्धति का ज्ञान।
- इकाई 2–भातखण्डे, पलुस्कर, नारायण जोशी तथा निखिल घोष द्वारा प्रतिपादित ताललिपि/तबला लिपि पद्धतियों का ज्ञान। अनुसंधान की परिभाषा एवं शोध प्रविधि का सामान्य ज्ञान।
- इकाई 3– ग्रन्थ एवं ग्रन्थकारों का सामान्य परिचय तथा ग्रन्थों की विशेषता–
  भरत– नाट्यशास्त्र, शारंगदेव– संगीत रत्नाकर, पार्श्वदेव– संगीत समयसार, सवाई प्रतापसिंह– राधागोविंद संगीत सार।
- इकाई 4– तबले के बनारस घराने की वादन विशेषता एवं तबले के सभी घरानों की रचनाओं का विस्तृत अध्ययन। दिये गये बोलों के आधार पर विभिन्न रचनाओं को बनाने की योग्यता। कथक नृत्य के साथ तबला संगति का ज्ञान।

पाठ्यक्रम के ताल - त्रिताल, तिलवाड़ा, अद्धा, जत, सवारी, झूमरा, दीपचंदी, आड़ाचौताल, एकताल, रूद्र, झपताल, रूपक, पश्तो, कहरवा, दादरा, सूलताल, चौताल, धमार।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

नाट्यशास्त्र–भाग, 4 – बाबूलाल शास्त्री
ताल वाद्य शास्त्र – श्री मनोहर भालचंद्र मराठे
तबला एवं पखावज वादन के घराने एवं परम्पराएँ – डॉ. आबान मिस्त्री
भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन– डॉ. अरूण कुमार सेन
तबले का उद्गम विकास और वादनशैलियाँ – डॉ. योगमाया शुक्ला
ताल प्रबंध – पं. छोटेलाल मिश्र
तबला ग्रन्थ – पं. छोटेलाल मिश्र
ताल वाद्य परिचय – प्रो. जमुना पटेल
English books author - Sudhir Verma
Sudhir Kumar Saxena
Vijay Shankar Mishra

BMT 702 तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग **(Course 1)**

क्रेडिट: 05
कुल प्राप्तांक: 100
आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11
बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

- पूर्व पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
- त्रिताल में संपूर्ण सर्वांग सुन्दर (पढ़न्त सहित) एकल वादन। (उठान, पेशकार, विभिन्न लयों के कायदे, रेले, टुकड़े, गतें, परनें तथा चक्रदार (साधारण एवं फरमाईशी) सहित)
- त्रिताल में प्रत्येक मात्रा से दमदार एवं बेदम (जहाँ संभव हो) तिहाइयां बनाना एवं बजाना।
- त्रिताल में तीन भिन्न प्रकार के बाँट, न्यूनतम छः–छः प्रकार तिहाई सहित बजाना।
- आड़ा चौताल में सम्पूर्ण एकल वादन।
- कथक नृत्य में प्रयुक्त निम्नलिखित रचनाओं को तबले पर बजाने का अभ्यासः
  आमद, ततकार, तोड़ा, कवित्त एवं प्रमेलू।

नोटः– पढ़न्त करने का अभिप्राय हाथ से ताली खाली देते हुए पढ़न्त करना है।

BMT 703 तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग **(Course 2)**

क्रेडिट: 05
कुल प्राप्तांक: 100
आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11
बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

- पूर्व पाठ्यक्रम के तालों के अतिरिक्त अद्धा, जत, पश्तो एवं रूद्रताल का सम्पूर्ण परिचय।
- पाठ्यक्रम के सभी तालों की ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन, पांचगुन, छःगुन, सतगुन, अठगुन में पढ़न्त करना तथा तबले पर बजाना।
- एकताल में सर्वांग सुन्दर (पढ़न्त सहित) एकल वादन।
- विभिन्न तालों में तिहाईयाँ बनाने एवं बजाने की क्षमता।
- सूलताल एवं तीव्रा ताल में खुले हाथ से दो तिहाइयाँ एवं दो परनें बजाने की क्षमता।
- विलम्बित लय में ठेकों को भरने और मुखड़े, मोहरे बजाकर सम पर आने का अभ्यास।
- पाठ्यक्रम के सभी तालों में नगमा बजाने का अभ्यास।

BMT 704 मंच प्रदर्शन **(Course 3)**

क्रेडिट: 05
कुल प्राप्तांक: 100
आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11
बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

- विद्यार्थी द्वारा त्रिताल में सम्पूर्ण एकल वादन। (न्यूनतम 30 मिनट)
- पाठ्यक्रम के किसी अन्य ताल में परीक्षक के निर्देशानुसार सम्पूर्ण एकल वादन।(न्यूनतम 15 मिनट)
- कथक नृत्य की रचनाओं का वादन एवं पढ़न्त करने की क्षमता।
- अपने वाद्य को स्वर में मिलाने का ज्ञान।

बी.पी.ए. अष्ठम् सेमेस्टर

तबला (मुख्य विषय)

BMT 801 शास्त्र क्रेडिट: 05

कुल प्राप्तांक: 100

समय : 3 घंटा

आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11
बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

इकाई 1– भारतीय संगीत के इतिहास का अध्ययन। नाट्यशास्त्र में वर्णित अवनद्ध वाद्यों की वादन विधि से संबंधित निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों का अध्ययन – मार्जना, विलेपन, त्रिप्रहार, त्रिगत, षोडशअक्षर, पंचपाणिप्रहत। निम्नलिखित अवनद्ध वाद्यों का सचित्र वर्णनः– त्रिपुष्कर, पणव, पटह, ढोलक, नाल, नक्कारा, मृदंगम्, घटम्, खोल, ढोल।

- इकाई 2– गत के विभिन्न प्रकारों की जानकारी। विभिन्न घरानों की पारम्परिक एवं आधुनिक गतों को लिपिबद्ध करने का ज्ञान।
- इकाई 3–एक सफल सांगीतिक प्रस्तुति में मंच व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था एवं वेशभूषा का महत्व। एकल तबला वादन की प्रस्तुति में ताल चयन, सामग्री चयन तथा प्रस्तुतिकरण क्रम का महत्व। लहरा का महत्व तथा उपयोगिता।
- इकाई 4– पाठ्यक्रम के सभी तालों का सम्पूर्ण परिचय एवं उन्हें ठाह, आड़, कुआड़, बिआड़, दुगुन, तिगुन, चौगुन, पचगुन, छःगुन, सातगुन, अठगुन की लयकारी में लिपिबद्ध करना।
  पाठ्यक्रम के ताल - त्रिताल, तिलवाड़ा, गजझम्पा, सवारी, झूमरा, आड़ाचौताल, एकताल ,झपताल, रूपक, कहरवा, धुमाली, खेमटा, दादरा, सूलताल, चौताल, धमार।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

नाट्यशास्त्र–भाग, 4 – बाबूलाल शास्त्री
भारतीय संगीत वाद्य – डॉ. लालमणि मिश्र
भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन– डॉ. अरूण कुमार सेन
ताल वाद्य शास्त्र – श्री मनोहर भालचंद्र मराठे
तबला एवं पखावज वादन के घराने एवं परम्पराएँ – डॉ. आबान मिस्त्री
तबला वादन शास्त्र और कला – पं. सुधीर माईणकर
तबला पुराण – पं. विजय शंकर मिश्र
ताल वाद्य परिचय – प्रो. जमुना पटेल

BMT 802 तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग **(Course 1)**

क्रेडिट: 05
कुल प्राप्तांकः 100
आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11
बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

- पूर्व पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
- त्रिताल में विभिन्न प्रकार की विशिष्ट गतों, कायदों, रेलों तथा टुकड़ों सहित सम्पूर्ण एकल वादन।
- सवारी में कायदा, रेला, टुकड़ा एवं चक्रदार सहित वादन करने की क्षमता।
- दिये गए बोल समूह के आधार पर तिहाई, टुकड़ा, चक्रदार (फरमाईशी एवं कमाली) इत्यादि बनाकर तबले पर बजाने की क्षमता।

नोटः– पढ़न्त करने का अभिप्राय हाथ से ताली खाली देते हुए पढ़न्त करना है।

BMT 803 तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग **(Course 2)**

क्रेडिट: 05
कुल प्राप्तांकः 100
आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक :30
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11
बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

- पूर्व पाठ्यक्रम के तालों के अतिरिक्त धुमाली, खेमटा, गजझम्पा का सम्पूर्ण परिचय।
- पाठ्यक्रम के सभी तालों का ठाह, आड़, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन में पढ़न्त करना तथा तबले पर बजाना। ।
- झपताल में सर्वांग सुन्दर (पढ़न्त सहित) एकल वादन।
- रूद्र ताल में सर्वांग सुन्दर (पढ़न्त सहित) एकल वादन।
- सभी तालों में विभिन्न मात्राओं से तिहाईयाँ बजाने का अभ्यास।
- पाठ्यक्रम के सभी तालों में नगमा बजाने का अभ्यास।

BMT 804 मंच प्रदर्शन **(Course 3)**

क्रेडिट: 05
कुल प्राप्तांकः 100
आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11
बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

- विद्यार्थी द्वारा त्रिताल में सम्पूर्ण एकल वादन। (न्यूनतम 30 मिनट)
- पाठ्यक्रम के किसी अन्य ताल में परीक्षक के निर्देशानुसार सम्पूर्ण एकल वादन (न्यूनतम 15 मिनट)
- गायन, वादन एवं नृत्य के साथ संगति करने की क्षमता।
- अपने वाद्य को स्वर में मिलाने का ज्ञान।

बी.पी.ए. प्रथम सेमेस्टर

तबला (सहायक विषय)

BELT 101 शास्त्र क्रेडिट: 03

कुल प्राप्तांकः 100

समय : 3 घंटा आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11
बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70

न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

1. तबले के विभिन्न अंगों का सचित्र वर्णन। तबले के वर्ण तथा उनकी निकास विधि को लिखने का ज्ञान।
2. निम्नलिखित की सोदाहरण परिभाषा :— ताल, लय, मात्रा, विभाग, ताली, खाली, ठेका, सम, आवर्तन।
3. भातखण्डेताललिपि पद्धति का ज्ञान। पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों को इस लिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास :— त्रिताल, एकताल, झपताल, कहरवा, रूपक तथा दादरा।
4. बड़ा ख्याल, छोटा ख्याल तथा तराना— इन गायन शैलियों का परिचय।

पाठ्यक्रम के निर्धारित ताल - त्रिताल, एकताल, झपताल, रूपक, कहरवा, दादरा।

तबला (सहायक विषय)

BELT 102 क्रियात्मक क्रेडिट: 03

कुल प्राप्तांक: 100
आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11
बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

1. तबले के वर्णों की निकास विधि का समुचित ज्ञान। विभिन्न वर्ण समूहों को तबले पर बजाने का अभ्यास।
2. त्रिताल, झपताल, रूपक, एकताल, कहरवा एवं दादरा तालों का सम्पूर्ण परिचय।
3. पाठ्यक्रम के सभी तालों को हाथ से ताली देकर पढ़न्त करना।
4. पाठ्यक्रम के सभी तालों को तबले पर बजाने का अभ्यास।
5. त्रिताल, झपताल, रूपक एवं एकताल के ठेके की किस्में (ठेके के प्रकार) बजाने का अभ्यास।
6. पाठ्यक्रम के ताल ठेकों को सुनकर पहचानने की क्षमता।

बी.पी.ए. द्वितीय सेमेस्टर

तबला (सहायक विषय)

BELT 201 शास्त्र क्रेडिट: 03

कुल प्राप्तांक: 100

समय : 3 घंटा

आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11
बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

1. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों की सोदाहरण व्याख्या :– कायदा, पल्टा, रेला, मुखड़ा, तिहाई।
2. लयकारी की परिभाषा तथा पाठ्यक्रम के सभी तालों को ठाह एवं दुगुन में लिपिबद्ध करने का अभ्यास।
3. तबला वाद्य का संक्षिप्त इतिहास।
4. पलुस्कर ताल लिपि पद्धति का ज्ञान। त्रिताल की विभिन्न बंदिशों को भातखण्डेताललिपि पद्धति में लिखने का ज्ञान।

पाठ्यक्रम के निर्धारित ताल – त्रिताल, तिलवाड़ा, आड़ा चौताल, एकताल, झपताल, रूपक, कहरवा, दादरा।

तबला (सहायक विषय)

BELT 202 क्रियात्मक क्रेडिट**:** 03

कुल प्राप्तांकः 100
आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11
बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

1. पूर्व पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. प्रथम सेमेस्टर के अतिरिक्त निम्नलिखित तालों का सम्पूर्ण परिचय – आड़ाचौताल एवं तिलवाड़ा।
3. पाठ्यक्रम के सभी तालों को हाथ से ताली देकर पढ़न्त करना।
4. पाठ्यक्रम के सभी तालों को तबले पर बजाने का अभ्यास।
5. त्रिताल में 'तिट' वर्ण युक्त एक कायदे को चार पल्टे तथा तिहाई सहित पढ़न्त करना एवं बजाने का अभ्यास।
6. गायन के संगति के दृष्टि से 'त्रिताल' के ठेके को बजाने का अभ्यास।
7. दादरा एवं कहरवा ताल के ठेकों के प्रकार (न्यूनतम–3)।
8. त्रिताल में साधारण तिहाइयों को हाथ से ताली देकर पढ़न्त करना एवं तबले पर बजाने का अभ्यास।
9. गायन की बंदिशों को सुनकर ताल पहचानने की क्षमता का विकास।

बी.पी.ए. तृतीय सेमेस्टर

तबला (सहायक विषय)

BELT 301 शास्त्र क्रेडिट**:** 03

कुल प्राप्तांकः 100

समय : 3 घंटा

आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11
बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

1. लय एवं लयकारी में अन्तर तथा पाठ्यक्रम के सभी तालों को ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लयकारी में लिपिबद्ध करने का ज्ञान।
2. त्रिताल तथा झपताल में विभिन्न बंदिशों को लिखने का अभ्यास।
3. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों की सोदाहरण व्याख्या :– टुकड़ा, परन, तिहाई के विभिन्न प्रकार।
4. निम्नलिखित वाद्यों का सचित्र वर्णन :– पखावज, ढोलक, नाल, नक्कारा, डफ, डफली।

पाठ्यक्रम के निर्धारित ताल - त्रिताल, तिलवाड़ा, जत, आड़ा चौताल, दीपचंदी, एकताल, झपताल, रूपक, कहरवा, दादरा।

तबला (सहायक विषय)

BELT 302 क्रियात्मक क्रेडिट: 03

कुल प्राप्तांकः 100
आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11
बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

1. पूर्व पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. पूर्व सेमेस्टर के अतिरिक्त निम्नलिखित तालों का सम्पूर्ण परिचय – दीपचंदी एवं जत।
3. पाठ्यक्रम के सभी तालों को हाथ से ताली देकर पढ़न्त करना।
4. पाठ्यक्रम के सभी तालों को तबले पर बजाने का अभ्यास।
5. त्रिताल में 'तिट' तथा 'तिरकिट' वर्ण युक्त दो–दो कायदे, चार–चार पल्टे एवं तिहाई सहित पढ़न्त एवं बजाने का अभ्यास।
6. गायन के संगति की दृष्टि से 'रूपक' के ठेके को बजाने का अभ्यास।
7. त्रिताल में 'तिरकिट' वर्ण युक्त रेले का वादन करना।
8. त्रिताल एवं झपताल में विभिन्न मात्राओं से मुखड़े बजाने का अभ्यास।
9. त्रिताल एवं झपताल में तिहाई का हाथ से ताली देकर पढ़न्त करना एवं तबले पर बजाने का अभ्यास।

बी.पी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

तबला (सहायक विषय)

BELT 401 शास्त्र क्रेडिट: 03

कुल प्राप्तांकः 100
समय : 3 घंटा आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11
बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

1. घराने की परिभाषा तथा तबले के घरानों का संक्षिप्त परिचय।
2. भातखण्डे एवं पलुस्करताललिपि पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन। झपताल तथा रूपक में विभिन्न बंदिशों को भातखण्डे ताललिपि में लिखने का अभ्यास।
3. शास्त्रीय गायन के विभिन्न शैलियों के साथ तबला संगति की जानकारी। सुगम संगीत के साथ तबला संगति की जानकारी।
4. कर्नाटक ताल पद्धति की सामान्य जानकारी। मृदंगम् वाद्य की संक्षिप्त जानकारी।

पाठ्यक्रम के निर्धारित ताल – त्रिताल, अद्धा, तिलवाड़ा, जत, झूमरा, आड़ा चौताल, दीपचंदी, एकताल, झपताल, रूपक, कहरवा, दादरा।

तबला (सहायक विषय)

BELT 402 क्रियात्मक क्रेडिट: 03

कुल प्राप्तांक: 100
आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11
बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

1. पूर्व पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. पूर्व सेमेस्टर के अतिरिक्त निम्नलिखित तालों का सम्पूर्ण परिचय – झूमरा एवं अद्धा ताल।
3. पाठ्यक्रम के सभी तालों को हाथ से ताली देकर पढ़न्त करना।
4. पाठ्यक्रम के सभी तालों को तबले पर बजाने का अभ्यास।
5. झपताल में एक कायदे की पढ़न्त एवं बजाने का अभ्यास।
6. गायन तथा वादन की संगति के दृष्टि से 'झपताल' के ठेके को बजाने का अभ्यास।
7. त्रिताल में निम्नलिखित का लहरे के साथ एकल वादन – कायदा, रेला, तिहाई, टुकड़ा एवं मुखड़ा।
8. रूपक एवं एकताल में विभिन्न मात्राओं से मुखड़े बजाने का अभ्यास।
9. रूपक एवं एकताल में तिहाइयों को हाथ से ताली देकर पढ़न्त करना एवं तबले पर बजाने का अभ्यास।
10. दादरा एवं कहरवा में दो–दो लग्गियां तिहाई सहित बजाने का अभ्यास।

बी.पी.ए. पंचम सेमेस्टर

तबला (सहायक विषय)

BELT 501 शास्त्र क्रेडिट: 03

कुल प्राप्तांक: 100
समय : 3 घंटा
आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11
बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

1. निम्नलिखित लयकारियों को काललिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास :– आड़, कुआड़ एवं बिआड़।
2. पाठ्यक्रम के तालों को पलुस्कर ताल लिपि पद्धति में लिखने का ज्ञान। वाद्य वर्गीकरण का सामान्य परिचय।
3. समान मात्रा संख्या के विभिन्न तालों का तुलनात्मक अध्ययन। तंत्री वाद्यों के साथ तबला संगति की जानकारी।
4. बाज की परिभाषा तथा तबले के विभिन्न घरानों की वादन विशेषताओं का ज्ञान।

पाठ्यक्रम के निर्धारित ताल – त्रिताल, अद्धा, तिलवाड़ा, जत, झूमरा, आड़ा चौताल, दीपचंदी, एकताल, झपताल, सूलताल, रूपक, पश्तो, तीव्रा, खेमटा, धुमाली, कहरवा, दादरा।

तबला (सहायक विषय)

BELT 502 क्रियात्मक क्रेडिट: 03

कुल प्राप्तांक: 100
आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11
बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

1. पूर्व पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. पूर्व सेमेस्टर के अतिरिक्त निम्नलिखित तालों का सम्पूर्ण परिचय –धुमाली, पश्तो, खेमटा, सूलताल एवं तीव्रा ताल।
3. पाठ्यक्रम के सभी तालों को हाथ से ताली देकर पढ़न्त करना।
4. पाठ्यक्रम के सभी तालों को तबले पर बजाने का अभ्यास।
5. रूपक में एक कायदा चार पल्टे तिहाई सहित पढ़न्त एवं बजाने का अभ्यास।
6. ख़्याल गायन शैली के साथ संगत की दृष्टि से तिलवाड़ा को विलंबित लय में बजाने का अभ्यास।
7. झपताल में निम्नलिखित का लहरे के साथ एकल वादन – कायदा, रेला, तिहाई, टुकड़ा एवं मुखड़ा।
8. आड़ा चौताल एवं सवारी में विभिन्न मात्राओं से मुखड़े बजाने का अभ्यास।
9. आड़ा चौताल एवं सवारी में तिहाई का हाथ से ताली देकर पढ़न्त करना एवं तबले पर बजाने का अभ्यास।
10. चौताल एवं धमार ताल को खुले हाथ से बजाने का अभ्यास।

बी.पी.ए. षष्ठम् सेमेस्टर

तबला (सहायक विषय)

BELT 601 शास्त्र क्रेडिट: 03

कुल प्राप्तांक: 100
समय : 3 घंटा आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11
बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70
न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

1. पखावज वाद्य का ऐतिहासिक परिचय तथा तबला एवं पखावज का सांगीतिक महत्व।
2. उत्तर भारतीय ताल पद्धति एवं कर्नाटक ताल पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन। ताल के दश प्राणों का सामान्य अध्ययन।
3. त्रिताल, झपताल, रूपक एवं एकताल में विभिन्न बंदिशों को लिपिबद्ध करने का अभ्यास। पाठ्यक्रम के अन्य तालों के ठेके के प्रकार, तिहाइयाँ तथा मुखड़े काललिपि में लिखने का ज्ञान।
4. निम्नलिखित वादकों का परिचय एवं सांगीतिक योगदान– उस्ताद अल्लारखा खाँ, उ. लतीफ अहमद, उ. अहमदजान थिरकवा, उ. करामतुल्ला खाँ, पं. सामता प्रसाद, उ. हबीबुद्दीन खाँ, उ. आबिद हुसैन खाँ, पं. किशन महाराज, उस्ताद ज़ाकिर हुसैन।

   पाठ्यक्रम के निर्धारित ताल – त्रिताल, अद्धा, तिलवाड़ा, जत, झूमरा, आड़ा चौताल, धमार, दीपचंदी, एकताल, चौताल, झपताल, सूलताल, रूपक, पश्तो, तीव्रा, खेमटा, धुमाली, कहरवा, दादरा।

तबला (सहायक विषय)

BELT 602

क्रियात्मक

क्रेडिट: 03

कुल प्राप्तांक: 100

आंतरिक मूल्यांकन पूर्णांक : 30

न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11

बाह्य मूल्यांकन पूर्णांक : 70

न्यूनतम उत्तीर्णांक : 25

1. पूर्व पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. पूर्व सेमेस्टर के अतिरिक्त निम्नलिखित तालों का सम्पूर्ण परिचय – चौताल एवं धमार ताल।
3. पाठ्यक्रम के सभी तालों को हाथ से ताली देकर पढ़न्त करना।
4. पाठ्यक्रम के सभी तालों को तबले पर बजाने का अभ्यास।
5. ख़्याल गायन शैली के साथ संगत के दृष्टि से एकताल को विलंबित लय एवं मध्यलय में बजाने का अभ्यास।
6. रूपक में निम्नलिखित का लहरे के साथ एकल वादन – कायदा, रेला, तिहाई, टुकड़ा एवं मुखड़ा।
7. पाठ्यक्रम के तालों में तिहाई को हाथ से ताली देकर पढ़न्त करना एवं तबले पर बजाने का अभ्यास।
8. सूलताल एवं तीव्रा को खुले हाथ से बजाने का अभ्यास।
9. त्रिताल, झपताल तथा रूपक में पेशकार का वादन करने की क्षमता।

इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

लोकसंगीत एवं कला संकाय
चतुर्वर्षीय बी.पी.ए. पाठ्यक्रम
मुख्य विषय – लोकसंगीत
वर्ष – 2017

पाठ्यक्रम का उद्देश्य –

लोकसंगीत विषय का चार वर्षीय बी.पी.ए. पाठ्यक्रम आठ सेमेस्टर में विभक्त है।

इस पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय लोकसंगीत की विशेषताओं से परिचित कराना है।

पाठ्यक्रम को आठ सेमेस्टर में विभक्त करते समय इस बात पर विशेष ध्यान दिया गया है कि विद्यार्थी लोकसंगीत के गीतपक्ष, स्वरपक्ष, तालपक्ष और वाद्यपक्ष के साथ ही नृत्य पक्ष पर भी साधिकार चर्चा एवं प्रदर्शन करने की क्षमता से परिपूर्ण हो।

भारत वर्ष के अधिकांश क्षेत्रों के लोकगीतों और लोकनृत्यों की जानकारी के परिचय सहित छत्तीसगढ़ी लोकसंगीत और लोकनृत्यों में विशेष दक्षता प्राप्त करना इस पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य है। सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूर्ण करने पर विद्यार्थी भारतीय संस्कृति के लोकसांगितिक पक्ष से पूर्णतः परिचित हो सकेगा।

लोकसंगीत और लोकनृत्य का समन्वित पाठ्यक्रम होने के कारण शारीरिक और बौद्धिक रूप से सक्षम विद्यार्थियों को ही इस पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाना संभव होगा।

प्रस्तुत पाठ्यक्रम को क्रेडिट्स के अनुसार तैयार किया गया है। एक क्रेडिट का तात्पर्य पन्द्रह घंटे का अध्ययन अध्यापन है।

बी.पी.ए.–लोकसंगीत (मुख्य विषय) – सेमेस्टर – 1
शास्त्र

BLS 101 — **पूर्णांक** –100
Credit – 6 — **बाह्य मूल्यांकन** – 70/25
समय – 3 **घंटा** — **आंतरिक मूल्यांकन** – 30/11

इकाई – 1
- ➢ लोक संगीत का अर्थ, परिभाषा एवं लोकसंगीत के विभिन्न प्रकारों का परिचयात्मक अध्ययन।
- ➢ छत्तीसगढ़ प्रदेश के लोक संगीत का सामान्य अध्ययन।

इकाई – 2
- ➢ छत्तीसगढ़ प्रदेश में प्रचलित लोकनृत्यों का सामान्य अध्ययन।
  - ❖ डंडा
  - ❖ सुआ
  - ❖ पंथी
  - ❖ भोजली
  - ❖ देवार–करमा
- ➢ छत्तीसगढ़ प्रदेश के संस्कार गीतों का परिचयात्मक अध्ययन।

इकाई – 3
- ➢ स्वर के आरोह–अवरोह तथा दस अलंकार का अध्ययन।
- ➢ दादरा, कहरवा, दीपचंदी एवं त्रिताल तालों की सामान्य जानकारी।

इकाई – 4
- ➢ छत्तीसगढ़ प्रदेश में प्रचलित खेल गीतों का परिचयात्मक अध्ययन।
- ➢ निम्नलिखित पारम्परिक लोक वाद्यों की बनावट का सामान्य अध्ययन :–
  - ❖ दमऊ
  - ❖ दफड़ा
  - ❖ गुदुम
  - ❖ मंजीरा
  - ❖ मोहरी

बी.पी.ए.–लोकसंगीत (मुख्य विषय) – सेमेस्टर – 1
प्रयोग

BLS 102 — **पूर्णांक** –100
Credit – 4 — **बाह्य मूल्यांकन** – 70/25
समय – — **आंतरिक मूल्यांकन** – 30/11

1. स्वर ज्ञान एवं अलंकारों का अभ्यास।
2. छत्तीसगढ़ प्रदेश के निम्नलिखित लोक नृत्यों का प्रदर्शन :–
   - ❖ डंडा
   - ❖ सुआ
   - ❖ पंथी
   - ❖ भोजली
   - ❖ देवार करमा

3. छत्तीसगढ़ के निम्नलिखित लोकगीतों का अभ्यास :-
- ❖ संस्कार गीत
- ❖ श्रमगीत
- ❖ लोकभजन
- ❖ बालक बालिकाओं के खेल गीत

4. छत्तीसगढ़ के निम्नलिखित वाद्यो में गहिरा पार, बिहाव पार, गौरा-गौरी पार का वादन अभ्यासः-
- ❖ दफड़ा
- ❖ गुदुम
- ❖ दमऊ
- ❖ मोहरी

5. लोकनृत्य के अनुकूल प्रारंभिक शारीरिक व्यायाम।

बी.पी.ए.-लोकसंगीत(मुख्य विषय) - सेमेस्टर - 1
तकनीकि ज्ञान

BLS 103 — **पूर्णांक** -100
Credit - 4 — **बाह्य मूल्यांकन** - 70/25
समय - — **आंतरिक मूल्यांकन** - 30/11

1. स्वर अलंकारों को विभिन्न लयों में जाकर प्रस्तुत करना।
2. तालों के ठेकों को हाथ से ताली देकर पढ़ंत करने का अभ्यास।
- ❖ कहरवा
- ❖ दादरा
- ❖ चांचर
- ❖ त्रिताल

3. छत्तीसगढ़ के निम्नलिखित लोकगीतों की जानकारी तथा अभ्यास।
- ❖ संस्कार गीत
- ❖ श्रमगीत
- ❖ लोकभजन
- ❖ बालक बालिकाओं के खेल गीत

4. छत्तीसगढ़ के निम्नलिखत लोक वाद्यों की बनावट की जानकारी :-
- ❖ दफड़ा
- ❖ गुदुम
- ❖ दमऊ
- ❖ मोहरी

5. छत्तीसगढ़ी लोकनृत्यों में प्रयुक्त वेशभूषा एवं आभूषणों की जानकारी।

बी.पी.ए.–लोकसंगीत (मुख्य विषय) – सेमेस्टर – 2
शास्त्र

BLS 201 — **पूर्णांक** –100
Credit - 6 — **बाह्य मूल्यांकन** – 70/25
समय – 3 **घंटा** — **आंतरिक मूल्यांकन** – 30/11

इकाई – 1
- ➢ लोकगीत का अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताओं का सामान्य अध्ययन।
- ➢ लोकगीत की उत्पत्ति एवं वर्गीकरण का सामान्य अध्ययन।

इकाई – 2
- ➢ भारतीय संस्कृति में लोकगीतों की व्याप्ति।
- ➢ समाज में लोक संगीत का महत्व एवं उपयोगिता।

इकाई – 3
- ➢ धार्मिक एवं मनोरंजन पूर्ण लोकगीतों का सामान्य अध्ययन।
- ➢ ऐतिहासिक एवं राष्ट्रीय लोकगीतों का परिचयात्मक अध्ययन।

इकाई – 4
- ➢ लगभग 400 शब्दों में लोक संगीत संबंधी किसी विषय पर निबंध लेखन।
- ➢ निम्नलिखित कलाकारों का जीवन परिचय एवं लोकसंगीत के क्षेत्र में उनका योगदान
  - ❖ पद्मश्री शेख गुलाब
  - ❖ पद्मश्री पूनाराम निषाद
  - ❖ श्री देवदास बंजारे
  - ❖ श्री मदन निषाद
  - ❖ झाड़ूराम देवांगन

बी.पी.ए.–लोकसंगीत (मुख्य विषय) – सेमेस्टर – 2
प्रयोग

BLS 202 — **पूर्णांक** –100
Credit - 4 — **बाह्य मूल्यांकन** – 70/25
समय – — **आंतरिक मूल्यांकन** – 30/11

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. छत्तीसगढ़ के दो नाचागीत एवं दो गाथागीत के गायन का अभ्यास।
3. निम्नलिखित लोकवाद्यों का अधिकार पूर्वक वादन करना।
   - ➢ चटकोला
   - ➢ ठिसकी
   - ➢ हिरकी
4. छत्तीसगढ़ प्रदेश के निम्नलिखित लोक नृत्यों का प्रदर्शनः–
   - ❖ गौर–माड़िया नृत्य
   - ❖ राउत
   - ❖ मूसल
   - ❖ छत्तीसगढ़ी करमा
5. छत्तीसगढ़ के धार्मिक गीत, मनोरंजन गीत, ऐतिहासिक एवं राष्ट्रीय गीत के गायन का अभ्यास।
6. कहरवा, दादरा एवं चाचर ताल का दुगुन, चौगुन की लय में ताली देकर प्रदर्शन।

बी.पी.ए.–लोकसंगीत (मुख्य विषय) – सेमेस्टर – 2
तकनीकि ज्ञान

BLS 203 — **पूर्णांक** –100
Credit - 4 — **बाह्य मूल्यांकन** – 70
समय – — **आंतरिक मूल्यांकन** – 30

1. छत्तीसगढ़ के दो नाचागीत एवं दो गाथागीत (प्रथम सेमेस्टर से इतर) की जानकारी तथा प्रदर्शन
2. निम्नलिखित लोकवाद्यों की प्रदर्शन सहित जानकारी
   - ❖ चटकोला
   - ❖ ठिसकी
   - ❖ हिरकी
3. छत्तीसगढ़ प्रदेश के लोक नृत्यों के इतिहास तथा परम्परा की जानकारी
   - ❖ गौर–माड़िया नृत्य
   - ❖ राउत
   - ❖ मूसल
   - ❖ छत्तीसगढ़ी करमा
4. धार्मिक गीत, मनोरंजन गीत, ऐतिहासिक एवं राष्ट्रीय गीत की जानकारी।

बी.पी.ए.–लोकसंगीत (मुख्य विषय) – सेमेस्टर – 3
शास्त्र

BLS 301 — **पूर्णांक** –100
Credit - 6 — **बाह्य मूल्यांकन** – 70/25
समय – 3 **घंटा** — **आंतरिक मूल्यांकन** – 30/11

इकाई – 1
- ➢ मध्यप्रदेश के लोक संगीत का सामान्य अध्ययन।
- ➢ बुन्देलखण्ड एवं मालवा के संस्कार गीतों की विशिष्ट जानकारी ।

इकाई – 2
- ➢ मध्यप्रदेश तथा छत्तीसगढ़ के लोकवाद्यों के महत्व एवं उपयोगिता की सामान्य जानकारी।
- ➢ लोक संगीत में प्रयुक्त लोकवाद्यों का वर्गीकरण एवं सामान्य परिचय।

इकाई – 3
- ➢ निम्नांकित लोक वाद्यों की बनावट का सामान्य अध्ययन ।
  - ❖ चटकोला
  - ❖ अल्गोजा
  - ❖ मिरदिंग बुन्देलखंडी
  - ❖ ढोलक
  - ❖ बांसुरी

- दादरा, कहरवा एवं दीपचंदी के ठेकों को ठाह, दुगुन एवं चौगुन की लयकारी में लिपिबद्ध करना, भातखंडे स्वर लिपि एवंताललिपि पद्धति की जानकारी

इकाई – 4
- निम्नलिखित लोकनृत्य के वेशभूषा एवं आभूषण की सामान्य जानकारी।
  - ❖ छत्तीसगढ़ी करमा
  - ❖ अहिराई नृत्य
  - ❖ पंथी
- उपर्युक्त लोकनृत्यों में प्रयुक्त लोकवाद्यों की सामान्य जानकारी।

बी.पी.ए.–लोकसंगीत (मुख्य विषय) – सेमेस्टर – 3
प्रयोग

BLS 302 **पूर्णांक** –100
Credit - 4 **बाह्य मूल्यांकन** – 70/25
समय – **आंतरिक मूल्यांकन** – 30/11

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. निम्नांकित नृत्यों का प्रदर्शन।
   - ❖ गेड़ी
   - ❖ हिरकी
   - ❖ पर्रा नृत्य
   - ❖ बैगा नृत्य (जनजाति)
   - ❖ सैला–रीना (जनजाति)
3. मध्यप्रदेश के पांच–पांच लोकगीतों के गायन का अभ्यास।
   - ❖ बुन्देलखण्ड – संस्कार गीत
   - ❖ बघेलखण्ड – संस्कार गीत
   - ❖ मालवा – संस्कार गीत
   - ❖ निमाड़ – संस्कार गीत
4. निम्नलिखित लोकवाद्यों को बजाने का अभ्यास।
   - ❖ मांदर
   - ❖ खड़ताल
   - ❖ झांझ
   - ❖ नगड़िया

बी.पी.ए.-लोकसंगीत (मुख्य विषय) - सेमेस्टर - 3
तकनीकि ज्ञान

BLS 303 — **पूर्णांक** –100
Credit - 4 — **बाह्य मूल्यांकन** – 70/25
समय – — **आंतरिक मूल्यांकन** – 30/11

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. निम्नांकित नृत्यों को मौखिक रूप से बताना एवं प्रदर्शन :-
   - ❖ गेड़ी
   - ❖ हिरकी
   - ❖ बैगा नृत्य (जनजाति नृत्य)
   - ❖ सैला-रीना (जनजाति नृत्य)
   - ❖ पर्रा नृत्य
3. उपरोक्त लोकनृत्यों में प्रयुक्त वेशभूषा, आभूषण एवं साज-सज्जा का व्यवहारिक ज्ञान।
4. निम्नलिखित क्षेत्रों के लोकगीतों की जानकारी।
   - ❖ बुन्देलखण्ड
   - ❖ बघेलखण्ड
   - ❖ मालवा
   - ❖ निमाड़
5. निम्नलिखित लोकवाद्यों की जानकारी।
   - ❖ मांदर
   - ❖ खड़ताल
   - ❖ झांझ
   - ❖ नगड़िया

बी.पी.ए.-लोकसंगीत (मुख्य विषय) - सेमेस्टर - 4
शास्त्र

BLS 401 — **पूर्णांक** –100
Credit – 6 — **बाह्य मूल्यांकन** – 70/25
समय – 3 **घंटा** — **आंतरिक मूल्यांकन** – 30/11

इकाई – 1
- ➢ लोकनृत्य की परिभाषा, उत्पत्ति एवं विकास का सामान्य अध्ययन।
- ➢ लोकनृत्य में प्रयुक्त गीत, लय, ताल की उपयोगिता का सामान्य अध्ययन।

इकाई – 2
- ➢ छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रतिनिधि लोकनृत्यों का विशिष्ट अध्ययन।
- ➢ लोकनृत्यों में रीति-रिवाज एवं अनुष्ठान का अध्ययन।

इकाई – 3
- ➢ पर्व और उत्सव संबंधी लोकनृत्यों का सामान्य अध्ययन।
- ➢ लोकनृत्यों के पूर्वरंग का सामान्य अध्ययन।

इकाई – 4
- ➢ लोकनृत्यों में शारीरिक क्रियाओं एवं भाव भंगिमाओं का अध्ययन।
- ➢ भातखंडे स्वरलिपि का ज्ञान
- ➢ निम्नलिखित लोक कलाकारों का जीवन परिचय एवं उनका योगदान
  - ❖ पद्मभूषण तीजनबाई

❖ श्री सुरूज बाई खाण्डे
❖ श्री चिन्तादास बंजारे
❖ श्री रामसहाय पांडे
❖ श्री हीरासिंह बोरलिया

<u>बी.पी.ए.-लोकसंगीत (मुख्य विषय) - सेमेस्टर - 4</u>

<u>प्रयोग</u>

BLS 402 **पूर्णांक** -100
Credit - 4 **बाह्य मूल्यांकन** - 70/25
समय - **आंतरिक मूल्यांकन** - 30/11

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. निम्नलिखित राज्यों के दो-दो प्रतिनिधि लोकगीतों का गायन-
   ❖ बिहार
   ❖ बंगाल
   ❖ मध्यप्रदेश
   ❖ छत्तीसगढ़
3. उपर्युक्त सभी क्षेत्रों के एक-एक लोकनृत्य का व्यावहारिक ज्ञान का अभ्यास।
4. निम्नलिखित जनजाति नृत्यों के सांस्कृतिक ज्ञान की अभिव्यक्ति।
   ❖ परब
   ❖ भगोरिया
   ❖ काकसार
   ❖ कोलदहका
   ❖ थापटी (कोरकू)
5. निम्नलिखित राज्यों के लोकवाद्यों के वादन का अभ्यास
   ❖ नगाड़ा
   ❖ ढोलक
   ❖ मांदर
   ❖ इकतारा

बी.पी.ए.–लोकसंगीत (मुख्य विषय) – सेमेस्टर – 4
तकनीकि ज्ञान

BLS 403 **पूर्णांक** –100
Credit - 4 **बाह्य मूल्यांकन** – 70/25
समय – **आंतरिक मूल्यांकन** – 30/11

1. निम्नलिखित राज्यों के प्रतिनिधि लोकगीतों की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक पक्ष की जानकारी –
   - ❖ बिहार
   - ❖ बंगाल
   - ❖ मध्यप्रदेश
   - ❖ छत्तीसगढ़
2. निम्नलिखित जनजाति नृत्यों का व्यवहारिक ज्ञान।
   - ❖ परब
   - ❖ काकसार
   - ❖ भगोरिया
   - ❖ कोलदहका
   - ❖ थापटी (कोरकू)
3. उपर्युक्त राज्यों के किन्ही पांच लोकवाद्यों की बनावट और वादन विधि की जानकारी
4. लोकनृत्यों की वेशभूषा एवं आभूषण की भूमिका की जानकारी।

बी.पी.ए.–लोकसंगीत (मुख्य विषय) – सेमेस्टर – 5
शास्त्र

BLS 501 **पूर्णांक** –100
Credit – 5 **बाह्य मूल्यांकन** – 70/25
समय – 3 **घंटा** **आंतरिक मूल्यांकन** – 30/11

इकाई – 1
- ➢ धार्मिक गीत, मनोरंजन गीत, ऐतिहासिक गीत एवं राष्ट्रीय गीतों के गायन का अध्ययन।
- ➢ ऋतु गीतों का अध्ययन।

इकाई – 2
- ➢ बनारसी कजरी एवं भोजपुरी कजरी लोकगीतों का निम्न बिन्दुओं के आधार पर अध्ययन।
  - ❖ अवसर
  - ❖ भावार्थ
  - ❖ लय ताल
  - ❖ वाद्य पक्ष
  - ❖ स्वर पक्ष
- ➢ बाउल एवं बीहू लोकगीतों का निम्न बिन्दुओं के आधार पर अध्ययन।
  - ❖ अवसर
  - ❖ भावार्थ

- ❖ लय ताल
- ❖ वाद्य पक्ष
- ❖ स्वर पक्ष

इकाई – 3 ➢ घूमर एवं गणगौर लोकनृत्यों में बजने वाले लोकवाद्यों का अध्ययन।
➢ भांगड़ा एवं बरेदी लोकनृत्यों में बजने वाले लोकवाद्यों का अध्ययन।

इकाई – 4 ➢ सामाजिक जीवन में लोक संगीत का महत्व।
➢ लोक संगीत के आधुनिक स्वरूप का अध्ययन।
➢ पांच लोकगीतों को भातखंडे स्वरलिपि में लिखने का अभ्यास।

बी.पी.ए.-लोकसंगीत (मुख्य विषय) - सेमेस्टर - 5
प्रयोग

BLS 502 — **पूर्णांक** –100
Credit - 5 — **बाह्य मूल्यांकन** – 70/25
समय – — **आंतरिक मूल्यांकन** – 30/11

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. नृत्यों की मौलिक एवं पारम्परिक शैली को अधिकार पूर्वक ग्रहण करना।
   - ❖ घूमर
   - ❖ रेला (जनजाति)
   - ❖ डालखाई (जनजाति)
   - ❖ नाटी
   - ❖ भवाई
   - ❖ मांदरी (जनजाति)
3. निम्नलिखित राज्यों के दो-दो प्रतिनिधि लोकगीतों का गायन-
   - ❖ हिमांचल
   - ❖ राजस्थान
   - ❖ उड़ीसा
4. भारतीय प्रतिनिधि लोकगीतों की मौलिक एवं पारम्परिक शैली को अधिकार पूर्वक ग्रहण करना
   - ❖ गद्दी गीत
   - ❖ कुंजुवा
   - ❖ हिंडोला
   - ❖ इडोणी
   - ❖ लच्छी गीत
   - ❖ पणिहारी गीत

बी.पी.ए.-लोकसंगीत (मुख्य विषय) - सेमेस्टर - 5
तकनीकि ज्ञान

BLS 503 — **पूर्णांक** -100
Credit - 5 — **बाह्य मूल्यांकन** - 70/25
समय - — **आंतरिक मूल्यांकन** - 30/11

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. निम्नलिखित नृत्यों की संरचना की जानकारी।
   - ❖ घूमर
   - ❖ रेला (जनजाति)
   - ❖ डालखाई (जनजाति)
   - ❖ नाटी
   - ❖ भवाई
   - ❖ मांदरी (जनजाति)
3. निम्नलिखित राज्यों के दो-दो प्रतिनिधि लोकगीतों की जानकारी।
   - ❖ हिमांचल
   - ❖ राजस्थान
   - ❖ उड़ीसा
4. लोकनृत्य एवं गीतों में बजने वाले लोकवाद्यों की वादन शैली की जानकारी।

बी.पी.ए.-लोकसंगीत (मुख्य विषय) - सेमेस्टर - 6
शास्त्र

BLS 601 — **पूर्णांक** -100
Credit – 5 — **बाह्य मूल्यांकन** - 70/25
समय - 3 **घंटा** — **आंतरिक मूल्यांकन** - 30/11

इकाई – 1
- ➢ लोकनाट्य (परिभाषा, उत्पत्ति एवं विकास) का विस्तृत अध्ययन।
- ➢ विभिन्न प्रदेशों के प्रतिनिधि लोकनाट्यों का परिचयात्मक अध्ययन।

इकाई – 2
- ➢ भारतीय लोकजीवन में लोकनाट्यों की भूमिका का अध्ययन।
- ➢ छत्तीसगढ़ प्रदेश के लोकनाट्यों का अध्ययन।

इकाई – 3
- ➢ लोकनाट्यों का वर्गीकरण, प्रस्तुति एवं प्रयोग।
- ➢ लोकनाट्यों के संगीत की उत्पत्ति, वाद्य और उसका विस्तार।

इकाई – 4
- ➢ लोकनाट्यों में लोकसंगीत का महत्व और भूमिका।
- ➢ लोक नाट्य कलाकारों एवं निर्देशकों का जीवन परिचय एवं उनका योगदान।
  - ❖ पद्मभूषण हबीब तनवीर
  - ❖ स्व.सिद्धेश्वर सेन
  - ❖ भुलवा राम यादव
  - ❖ श्री भिखारी ठाकुर
  - ❖ श्री गोविन्द राम निर्मलकर
  - ❖ फिदा बाई

बी.पी.ए.-लोकसंगीत (मुख्य विषय) – सेमेस्टर – 6
प्रयोग

BLS 602 **पूर्णांक** –100
Credit - 5 **बाह्य मूल्यांकन** – 70/25
समय – **आंतरिक मूल्यांकन** – 30/11

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. लोकनृत्यों की पारम्परिक शैली को अधिकार पूर्वक ग्रहण करना–
   - ❖ सरहुल (जनजाति)
   - ❖ कोली
   - ❖ बीहू
   - ❖ भांगड़ा
3. लोकनाट्यों में प्रयुक्त लोकगीतों का अभ्यास :–
   - ❖ विदेसिया
   - ❖ नाचा–गम्मत
   - ❖ नकटा नाच
   - ❖ माच
   - ❖ तमाशा
4. भारत के निम्नलिखित प्रतिनिधि लोकगीतों को मौलिक एवं पारम्परिक शैली में प्रस्तुत करना।
   - ❖ कजरी
   - ❖ बाउल
   - ❖ पूर्वी
   - ❖ बीहू
5. लोकवाद्यों को मौलिक एवं पारम्परिक शैली में अधिकार पूर्वक सीखना –
   - ❖ ढपला
   - ❖ नगड़िया
   - ❖ मंजीरा
   - ❖ पुंग

बी.पी.ए.-लोकसंगीत (मुख्य विषय) - सेमेस्टर - 6
तकनीकि ज्ञान

BLS 603 — **पूर्णांक** –100
Credit - 5 — **बाह्य मूल्यांकन** – 70/25
समय – — **आंतरिक मूल्यांकन** – 30/11

1. निम्नलिखित लोकनृत्यों की जानकारी
   - ❖ सरहूल
   - ❖ कोली
   - ❖ बीहू
2. लोकनाट्यों में प्रयुक्त लोकगीतों की जानकारी।
   - ❖ विदेसिया
   - ❖ नाचा–गम्मत
   - ❖ नकटा नाच
   - ❖ माच
   - ❖ तमाशा
3. भारत के निम्नलिखित प्रतिनिधि लोकगीतों की जानकारी।
   - ❖ कजरी
   - ❖ बाउल
   - ❖ पूर्वी
   - ❖ बीहू।
4. लोकनृत्यों में उपयोग में आने वाली सामग्री का पारम्परिक एवं व्यावहारिक ज्ञान :–
   - ❖ वेशभूषा सम्बन्धी
   - ❖ साज–श्रृंगार सम्बन्धी
   - ❖ आभूषण सम्बन्धी
   - ❖ लोकवाद्य सम्बन्धी
5. लोकवाद्यों की जानकारीः–
   - ❖ ढपला
   - ❖ नगड़िया
   - ❖ मंजीरा
   - ❖ पुंग

बी.पी.ए.-लोकसंगीत (मुख्य विषय) - सेमेस्टर - 7
शास्त्र

BLS 701 | **पूर्णांक** -100
Credit – 5 | **बाह्य मूल्यांकन** - 70/25
समय - 3 **घंटा** | **आंतरिक मूल्यांकन** - 30/11

इकाई – 1
- ➢ लोककथा का अर्थ, परिभाषा एवं विकास का अध्ययन।
- ➢ लोककथा का वर्गीकरण एक सामान्य अध्ययन।

इकाई – 2
- ➢ पारम्परिक लोककला का परिचय और आधुनिक जीवन में उपादेयता।
- ➢ प्रमुख लोक शिल्पियों का सामान्य परिचय।

इकाई – 3
- ➢ लोक कहावतें, उद्भव एवं विकास का सामान्य अध्ययन।
- ➢ लोकोक्तियों और पहेलिकाओं का साहित्यिक तथा सांस्कृतिक अध्ययन।

इकाई – 4
- ➢ भारतीय संस्कृति में लोक साहित्य का सामान्य अध्ययन।
- ➢ लोकसाहित्य का महत्व एवं विशेषताओं का सामान्य अध्ययन।
- ➢ भिन्न-भिन्न प्रकार के लोकगीतो को लिपिबद्ध करने का अभ्यास (अधिकतम आठ)।

बी.पी.ए.-लोकसंगीत (मुख्य विषय) - सेमेस्टर - 7
प्रयोग

BLS 702 | **पूर्णांक** -100
Credit - 5 | **बाह्य मूल्यांकन** - 70/25
समय - | **आंतरिक मूल्यांकन** - 30/11

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. लोकगाथाओं को पारम्परिक शैली में अधिकार पूर्वक सीखना और प्रस्तुत करना
   - ❖ लोरिक चन्दा
   - ❖ ढोला मारू
   - ❖ पण्डवानी
3. निम्नलिखित प्रांतों के प्रतिनिधि लोकनृत्यों को मौलिक एवं पारम्परिक शैली में अधिकार पूर्वक सीखना प्रस्तुत करना :-
   - ❖ गुजरात
   - ❖ पंजाब
   - ❖ हरियाणा
   - ❖ महाराष्ट्र
4. निम्नलिखित लोकनृत्यों को मौलिक एवं पारम्परिक शैली में अधिकार पूर्वक सीखना और प्रस्तुत करना।
   - ❖ कालबेलिया
   - ❖ परघौनी
   - ❖ धोबिया

❖ छाऊ

5. लोकवाद्यों को मौलिक एवं पारम्परिक शैली में अधिकार पूर्वक सीखना और प्रस्तुत करना

❖ तम्बुरा
❖ रावणहत्था
❖ बांसुरी
❖ चिकारा
❖ ढोल (पंजाब, गुजराती)

बी.पी.ए.-लोकसंगीत (मुख्य विषय) - सेमेस्टर - 7
तकनीकि ज्ञान

BLS 603 **पूर्णांक** –100
Credit - 5 **बाह्य मूल्यांकन** – 70/25
समय – **आंतरिक मूल्यांकन** – 30/11

1. निम्नलिखित लोकगाथाओं की जानकारी

❖ लोरिक चन्दा
❖ ढोला मारू
❖ पण्डवानी

2. निम्नलिखित प्रांतों के प्रतिनिधि लोकनृत्यों की जानकारी।

❖ गुजरात
❖ पंजाब
❖ हरियाणा
❖ महाराष्ट्र

3. लोकगाथाओं में प्रयुक्त होने वाली सामग्री का पारम्परिक एवं व्यावहारिक ज्ञान :-

❖ वेशभूषा सम्बन्धी
❖ साज-श्रृंगार सम्बन्धी
❖ आभूषण सम्बन्धी
❖ लोकवाद्य सम्बन्धी

4. निम्नांकित लोकवाद्यों की जानकारी।

❖ तम्बुरा
❖ रावणहत्था
❖ बांसुरी
❖ चिकारा
❖ ढोल (पंजाब, गुजराती)

बी.पी.ए.–लोकसंगीत (मुख्य विषय) – सेमेस्टर – 7
मंच–प्रदर्शन

BLS 704 | **पूर्णांक** –100
Credit - 5 | **बाह्य मूल्यांकन** – 70/25
समय – | **आंतरिक मूल्यांकन** – 30/11

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित दो–दो लोकनृत्य, लोकगीत का अधिकार पूर्वक प्रदर्शन।
2. परीक्षक के निर्देशानुसार एक लोकनृत्य, लोकगीत एवं लोकगाथा का प्रदर्शन।
3. लोकवाद्य वादन– ढोलक, नगड़िया, मांदर, ढपला, झांझ, मंजीरा गुदुम वादन का प्रदर्शन। (कोई दो)

बी.पी.ए.–लोकसंगीत (मुख्य विषय) – सेमेस्टर – 8
शास्त्र

BLS 801 | **पूर्णांक** –100
Credit – 5 | **बाह्य मूल्यांकन** – 70/25
समय – | **आंतरिक मूल्यांकन** – 30/11

इकाई – 1
- छत्तीसगढ़ प्रदेश का सामाजिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन।
- छत्तीसगढ़ प्रदेश का भौगोलिक एवं ऐतिहासिक परिचय।

इकाई – 2
- लोकगीतों में नारी जीवन की अभिव्यक्ति एक अध्ययन।
- लोकगीतों में सांस्कृतिक तत्व : एक अध्ययन।

इकाई – 3
- लोकनाट्य में संगीत की भूमिका।
- भारत के सांस्कृतिक क्षेत्रों के प्रतिनिधि लोकनाट्यों का सामान्य अध्ययन।

इकाई – 4
- लोकगाथाओं के प्रकार एवं स्वरूप का सामान्य अध्ययन।
- छत्तीसगढ़ प्रदेश की लोकगाथाओं का विस्तृत अध्ययन।

<u>बी.पी.ए.-लोकसंगीत (मुख्य विषय) - सेमेस्टर - 8</u>
<u>प्रयोग</u>

BLS 802 **पूर्णांक** -100
Credit - 5 **बाह्य मूल्यांकन** - 70/25
समय - **आंतरिक मूल्यांकन** - 30/11

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. लोकगाथाओं को पारम्परिक शैली में अधिकार पूर्वक सीखकर प्रस्तुत करना
   - ❖ भरथरी
   - ❖ आल्हा
   - ❖ देवार लोकगाथा
3. निम्नलिखित प्रदेशों के प्रतिनिधि लोकगीतों को मौलिक एवं पारम्परिक शैली में अधिकार पूर्वक सीखना तथा प्रस्तुत करना।
   - ❖ छत्तीसगढ़
   - ❖ मध्यप्रदेश
   - ❖ उत्तरप्रदेश
   - ❖ असम
4. निम्नलिखित प्रतिनिधि लोकनृत्यों को मौलिक एवं पारम्परिक शैली में अधिकार पूर्वक सीखना तथा प्रस्तुत करना
   - ❖ बधाई
   - ❖ कहरवा
   - ❖ राई
   - ❖ गिद्दा
   - ❖ बैगा फाग
5. लोकवाद्यों को मौलिक एवं पारम्परिक शैली में अधिकार पूर्वक सीखकर प्रस्तुत करना :-
   - ❖ माड़िया ढोल
   - ❖ रूंझु, रेकड़ी
   - ❖ घुंघरू
   - ❖ करताल

बी.पी.ए.-लोकसंगीत (मुख्य विषय) - सेमेस्टर - 8
तकनीकि ज्ञान

BLS 803 **पूर्णांक** -100
Credit - 5 **बाह्य मूल्यांकन** - 70/25
समय - **आंतरिक मूल्यांकन** - 30/11

1. निम्नलिखित लोकगाथाओं की जानकारी
   - ❖ भरथरी
   - ❖ आल्हा
   - ❖ देवार लोकगाथा
2. लोकगाथाओं की साहित्य पक्ष की जानकारी
3. निम्नलिखित प्रांतों के प्रतिनिधि लोकगीतों की जानकारी
   - ❖ छत्तीसगढ़
   - ❖ मध्यप्रदेश
   - ❖ उत्तरप्रदेश
   - ❖ असम
4. निम्नांकित प्रतिनिधि लोकनृत्यों की जानकारी।
   - ❖ बधाई
   - ❖ कहरवा
   - ❖ राई
   - ❖ गिद्दा
   - ❖ बैगा फाग
5. लोकगाथाओं में प्रयुक्त होने वाली सामग्री का पारम्परिक एवं व्यावहारिक ज्ञान।
   - ❖ वेशभूषा सम्बन्धी
   - ❖ साज-श्रृंगार सम्बन्धी
   - ❖ आभूषण सम्बन्धी
   - ❖ लोकवाद्य सम्बन्धी
6. लोकवाद्यों की जानकारी
   - ❖ माड़िया ढोल
   - ❖ रूंझु, रेकड़ी
   - ❖ घुंघरू
   - ❖ करताल

बी.पी.ए.-लोकसंगीत (मुख्य विषय) - सेमेस्टर - 8
मंच-प्रदर्शन

BLS 804 — **पूर्णांक** -100
Credit - 5 — **बाह्य मूल्यांकन** - 70/25
समय - — **आंतरिक मूल्यांकन** - 30/11

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित दो-दो लोकनृत्य, लोकगीत का अधिकार पूर्वक प्रदर्शन।
2. परीक्षक के निर्देशानुसार एक लोकनृत्य, लोकगीत एवं लोकगाथा का प्रदर्शन।
3. लोकवाद्य वादन- ढोलक, नगड़िया, मांदर, मोहरी, बांसुरी, शहनाई, बेंजो, हारमोनियम वादन का प्रदर्शन (कोई - चार)।

इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

लोकसंगीत एवं कला संकाय
चतुर्वर्षीय बी.पी.ए. पाठ्यक्रम
सहायक विषय - लोकसंगीत
वर्ष - 2017

छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति का सामान्य परिचय ।

बी.पी.ए.- सेमेस्टर - 1
लोकसंगीत (सहायक विषय)
शास्त्र

BELS 101 — **पूर्णांक** -100
Credit – 3 — **बाह्य मूल्यांकन** - 70/25
समय - 3 **घंटा** — **आंतरिक मूल्यांकन** - 30/11

1. छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति का सामान्य परिचय।

२. छत्तीसगढ़ में प्रचलित लोक विधाओं का सामान्य परिचय -
   1. लोक गीत (जन्म संस्कार, विवाह संस्कार) - कुल- 5
   2. लोक नृत्य - सुआ तथा डंडा

३. ख्यातिलब्ध प्रमुख तीन लोक कलाकारों (स्व.श्री झाडूराम देवांगन, स्व.श्री देवदास बंजारे, पद्मश्री गोविन्दराम निर्मलकर) का जीवन परिचय ।

४. लोक संगीत में प्रयुक्त तालों के ताली, खाली एवं ठेकों का सामान्य ज्ञान ।

बी.पी.ए.– सेमेस्टर – 1
लोकसंगीत (सहायक विषय)
प्रायोगिक

BELS 102 **पूर्णांक** –100
Credit – 3 **बाह्य मूल्यांकन** – 70/25
समय – **आंतरिक मूल्यांकन** – 30/11

1. पांच स्वर अलंकारो का अभ्यास तथा प्रस्तुति ।
2. छत्तीसगढ़ के संस्कार लोक गीतों का गायन।
3. छत्तीसगढ़ के सुवा, डंडा लोक नृत्यों का प्रदर्शन ।
4. छत्तीसगढ़ के दो लोकवाद्यों के वादन का अभ्यास।
5. उपर्युक्त लोकनृत्यों में बजने वाले तालों और ठेको का सामान्य ज्ञा
6. मध्यप्रदेश में प्रचलित लोक संगीत का सामान्य अध्ययन ।

बी.पी.ए.– सेमेस्टर – 2
लोकसंगीत (सहायक विषय)
शास्त्र

BELS 201 **पूर्णांक** –100
Credit – 3 **बाह्य मूल्यांकन** – 70/25
समय – 3 **घंटा** **आंतरिक मूल्यांकन** – 30/11

1. मध्यप्रदेश के लोकविधाओं का सामान्य अध्ययन :–
   1. पांच लोकगीत 2. दो लोकवाद्य
3. जन्म, विवाह एवं मृत्यु के अवसर पर गाये जाने वाले मध्यप्रदेश में प्रचलित लोकगीतों का अध्ययन।
4. देवार, बेड़नी, बैगा, गोड़ जनजातियों में प्रचलित लोक सांगीतिक परम्परा का सामान्य अध्ययन ।

बी.पी.ए.– सेमेस्टर – 2
लोकसंगीत (सहायक विषय)
प्रायोगिक

BELS 202 **पूर्णांक** –100
Credit – 3 **बाह्य मूल्यांकन** – 70/25
समय – **आंतरिक मूल्यांकन** – 30/11

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति
2. स्वर के पांच अलंकारो का क्रियात्मक ज्ञान ।
3. मध्यप्रदेश के दस लोक गीतों का गायन।
4. मध्यप्रदेश के तीन लोक वाद्यों के वादन का अभ्यास।
5. निम्नलिखित लोक नृत्यों का पारम्परिक एवं व्यावहारिक ज्ञान ।
   1. मंडला करमा, 2. चटकोला, 3. राउत
6. उपर्युक्त लोकनृत्यों में बजने वाले तालों और ठेको का सामान्य ज्ञान।

बी.पी.ए.- सेमेस्टर - 3
लोकसंगीत (सहायक विषय)
शास्त्र

BELS 301 | **पूर्णांक** -100
Credit – 3 | **बाह्य मूल्यांकन** - 70/25
समय - 3 **घंटा** | **आंतरिक मूल्यांकन** - 30/11

1. लोक संगीत के इतिहास का सामान्य अध्ययन ।
2. आधुनिक जीवन में लोकसंगीत की उपयोगिता ।
3. भारतीय शास्त्रीय नृत्य और लोकनृत्य का संबंध।
4. पंजाब, राजस्थान में प्रचलित निम्नलिखित विधाओं का सामान्य अध्ययन

क्र.	विधा	संख्या	क्र.	विधा	संख्या
1.	लोक गीत	– 02 (प्रत्येक राज्य से दो)	2.	लोकनृत्य	– 02 (प्रत्येक राज्य से दो)
3.	लोकवाद्य	– 02 (प्रत्येक राज्य से दो)			

5. लोकसंगीत से संबंधित किसी विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबंध लेखन

बी.पी.ए.- सेमेस्टर - 3
लोकसंगीत (सहायक विषय)
प्रायोगिक

BELS 302 | **पूर्णांक** -100
Credit – 3 | **बाह्य मूल्यांकन** - 70/25
समय - | **आंतरिक मूल्यांकन** - 30/11

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति
2. बिहार, राजस्थान के तीन-तीन लोक गीतों का गायन।
3. बिहार, राजस्थान के दो-दो लोक वाद्यों के वादन का अभ्यास।
4. निम्नलिखित लोक नृत्यों का पारम्परिक एवं व्यावहारिक ज्ञान ।
   1. मटकी नृत्य 2. घूमर नृत्य, 3. डंडा नृत्य
5. उपर्युक्त लोकनृत्यों में बजने वाले तालों और ठेको का सामान्य ज्ञान

बी.पी.ए.– सेमेस्टर – 4
लोकसंगीत (सहायक विषय)
शास्त्र

BELS 401 — **पूर्णांक** –100
Credit – 3 — **बाह्य मूल्यांकन** – 70/25
समय – 3 **घंटा** — **आंतरिक मूल्यांकन** – 30/11

1. छत्तीसगढ़ प्रदेश का भौगोलिक एवं ऐतिहासिक परिचय ।
2. निम्न बिन्दुओं पर लोक संस्कृति का सामान्य ज्ञान–
   अ–रीति रिवाज, ब –उत्सव तीज त्यौहार एवं मान्यताएँ
3. धार्मिक एवं ऋतु उत्सव संबंधी लोकनृत्यों का अध्ययन।
4. लोकनृत्य एवं श्रम का पारस्परिक संबंध।
5. वास्तुकला में लोकनृत्य का अंकन।

बी.पी.ए.– सेमेस्टर – 4
लोकसंगीत (सहायक विषय)
प्रायोगिक

BELS 402 — **पूर्णांक** –100
Credit – 3 — **बाह्य मूल्यांकन** – 70/25
समय – — **आंतरिक मूल्यांकन** – 30/11

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति
2. उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र के चार–चार लोक गीतों का गायन।
3. उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र के दो–दो लोक वाद्यों के वादन का अभ्यास।
4. निम्नलिखित लोक नृत्यों का पारम्परिक एवं व्यावहारिक ज्ञान ।
   1. कोली, 2. ठिसकी, 3. बघेली करमा
5. उपर्युक्त लोकनृत्यों में बजने वाले तालों और ठेको का सामान्य ज्ञान

बी.पी.ए.– सेमेस्टर – 5
लोकसंगीत (सहायक विषय)
शास्त्र

BELS 501 — **पूर्णांक** –100
Credit – 3 — **बाह्य मूल्यांकन** – 70/25
समय – 3 **घंटा** — **आंतरिक मूल्यांकन** – 30/11

1. भारत के प्रमुख प्रतिनिधि लोकगीतों का अध्ययन।
2. व्यावसायिक लोकनृत्य का अध्ययन।
3. सामाजिक जीवन एवं लोकसंगीत का पारस्परिक संबंध।
4. लोक नृत्य एवं योग का संबध।
5. लोक–हस्तकला शैलियों का सामान्य ज्ञान ।

बी.पी.ए.- सेमेस्टर - 5
लोकसंगीत (सहायक विषय)
प्रायोगिक

BELS 502 **पूर्णांक** -100
Credit – 3 **बाह्य मूल्यांकन** - 70/25
समय - **आंतरिक मूल्यांकन** - 30/11

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति
2. गुजरात, असम के चार-चार लोक गीतों का गायन।
3. गुजरात, असम के दो-दो लोक वाद्यों के वादन का अभ्यास।

4. निम्नलिखित लोक नृत्यों का पारम्परिक एवं व्यावहारिक ज्ञान ।
   1. गरबा, 2. डांडिया 3. बीहू
5. उपर्युक्त लोकनृत्यों में बजने वाले तालों और ठेको का सामान्य ज्ञान

बी.पी.ए.- सेमेस्टर - 6
लोकसंगीत (सहायक विषय)
शास्त्र

BELS 601 **पूर्णांक** -100
Credit – 3 **बाह्य मूल्यांकन** - 70/25
समय - 3 **घंटा** **आंतरिक मूल्यांकन** - 30/11

1. आंचलिक लोक कला शैलियों का सामान्य ज्ञान।
2. लोकनृत्य गीतों में बजने वाले लोकवाद्यों की ठेकों के जानकारी।
3. रस के अनुसार लोकगीत का अध्ययन।
4. लोकगीतों में लोक चेतना।
5. लोकनृत्य एवं लोकगीतों का महत्व एवं संरक्षण की आवश्यकता का अध्ययन।

बी.पी.ए.- सेमेस्टर - 6
लोकसंगीत (सहायक विषय)
प्रायोगिक

BELS 602 **पूर्णांक** -100
Credit – 3 **बाह्य मूल्यांकन** - 70/25
समय - **आंतरिक मूल्यांकन** - 30/11

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति
2. पंजाब, पश्चिम बंगाल के चार-चार लोक गीतों का गायन।
3. पंजाब, पश्चिम बंगाल के दो-दो लोक वाद्यों के वादन का अभ्यास।
4. निम्नलिखित लोक नृत्यों का पारम्परिक एवं व्यावहारिक ज्ञान ।
   1. भांगड़ा 2. गिद्दा 3. परब
5. उपर्युक्त लोकनृत्यों में बजने वाले तालों और ठेको का सामान्य ज्ञान

बी.पी.ए.– सेमेस्टर – 7
लोकसंगीत (सहायक विषय)
प्रायोगिक

BELS 701 **पूर्णांक** –100

Credit – 1 **बाह्य मूल्यांकन** – 70/25

समय – **आंतरिक मूल्यांकन** – 30/11

1. लोकसंगीत की परिभाषा।
2. लोकसंगीत का इतिहास।
3. लोकसंगीत का महत्व और उपादेयता।
4. लोकसंगीत और आधुनिकता।
5. लोकसंगीत के वाद्यों की जानकारी। (कोई तीन स्वर वाद्य, कोई तीन अवनद्ध वाद्य एवं कोई तीन घन वाद्य)
6. लोकनृत्य की विशेषताएं।
7. विभिन्न लोक नृत्यों में प्रयुक्त पहनावा, आभूषण, वेशभूषा तथा रंगभूषा का सामान्य अध्ययन।
8. चैती, कजरी, ददरिया, भोजली, लांगुरिया, बुन्देली, दादरा, बसदेवा गीत, घूमरगीतत, ढाणा गीत, बाउल, बनरा गीत प्रकारों की जानकारी एवं प्रस्तुति।
9. गेड़ी, सुआ नृत्य, पंथी, करमा (देवार–मंडला) इन पारम्परिक नृत्यों की प्रस्तुति।

————————

इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

लोकसंगीत एवं कला संकाय
चतुर्वर्षीय बी.पी.ए. पाठ्यक्रम
(सातवे सेमेस्टर हेतु)
सहायक विषय – लोकसंगीत
वर्ष – 2017

बी.पी.ए.– सेमेस्टर – 7
लोकसंगीत (सहायक विषय)
प्रायोगिक

BELS 701
Credit – 1
समय –

पूर्णांक –100
बाह्य मूल्यांकन – 70/25
आंतरिक मूल्यांकन – 30/11

1. लोकसंगीत की परिभाषा।
२. लोकसंगीत का इतिहास।
३. लोकसंगीत का महत्व और उपादेयता।
४. लोकसंगीत और आधुनिकता।
५. लोकसंगीत के वाद्यों की जानकारी। (कोई तीन स्वर वाद्य, कोई तीन अवनद्ध वाद्य एवं कोई तीन घन वाद्य)
६. लोकनृत्य की विशेषताएं।
७. विभिन्न लोकनृत्यों में प्रयुक्त पहनावा, आभूषण, वेशभूषा तथा रंगभूषा का सामान्य अध्ययन।
८. चैती, कजरी, ददरिया, भोजली, लांगुरिया, बुन्देली, दादरा, बसदेवा गीत, घूमरगीत, ढाणा गीत, बाउल, बनरा गीत प्रकारों की जानकारी एवं प्रस्तुति
९. गेड़ी, सुआ नृत्य, पंथी, करमा (देवार–मंडला) इन पारम्परिक नृत्यों की प्रस्तुति।

Bachelor of Fine Arts (BFA)
8 Semesters (4 Years) Course
Semester – I (BFA Foundation)
(Common for all subjects)

Theory

Code- BFAF 101

PAPER – I

History of Indian Art (Prehistoric to Gupta Period)

I. Prehistoric art :- Cave Paintings

II. Indus valley civilization – (2500 BC to 1500 BC)

III. Mauryan Empire :– Pillar inscriptions, Sarnath Capital, Yaksha Figures,Sudama and Lomasha Rishi Cave, Animal Carvings.

IV. Sunga Period :– Stupas and Toranas: Sculpture- Bharhut-Shalbhanjika, Relief Medallion-Mriga Jataka, Viharas and Chaitya (Karle and Bhaja).

V. Kushan Period :– Gandhara School- Standing Buddha from Hoti Mardan, Nirvan of Buddha (Relief), Bamian-Buddha,
Mathura School – Statue of Kanishka, Seated Buddha of Katra.

VI. Gupta Period :– Sculpture: Standing Buddha from Mathura. Painting: Ajanta, Bodhisattiva Cave No. 1, Apsara Cave No. 17, Architecture: sanchi str.No 17, Vishnu-temple-Deoghar.

- Should be taught in a story form

Code- LNGE 101 / LNGH 101

PAPER – II

English/Hindi Language

Code- ENV 101

PAPER – III

Environmental Study

Practical

Code- BFAF 102

PAPER – IV

Drawing – Still life, Nature Study, Head Study, Composition, Collage & Sketching in Pencil, Pen & Ink, Conte, Water Colour (Paper Size : $1^{1/4}$ Imperial).

Code- BFAF 103

PAPER – V

Fundamentals of Design 2D – Study of two dimensional space and its organizational Possibilities, Elements of Pictorial expression, related to concepts of space and forms, study of various types of objects (natural and manmade)

Code- BFAF 104

PAPER – VI

Design 3D – Clay modeling, Mould making, Casting in Cement etc.

Code- BFAF 105

PAPER – VII

Print Making – Lino Cut, Wood Cut etc.

Semester – II (BFA Foundation)

(Common for all subjects)

Theory

Code- BFAF 201

PAPER - I

History of Indian Art (Medieval Period to Present Day)

I. Medieval Period of Hindu Dynasties with special reference to South India
   a. Pallava Dynastry; Mahabaipuram – Gangavataran,Mahishmardani, Panchrath, Shore temple.
   b. Rashtrakuta Dynasty; Ellora-Kailas Temple, Elephanta-Maheshmurti,
   c. Chola Dynasty; bronze sculpture
   d. Chandella Dynasty, Khajuraho (Nagar Style), Kandariya Mahadeo Temple
   e. Konark (Orissa Style), Sun Temple

II. Indian Miniatures:
   a. Mughal Miniatures – Akbar School, Jahangir School, Shahjahan School
   b. Rajput Miniatures; Kota, Bundi, Kishangarh etc.
   c. Pahari Miniatures; Kangra, Basohli, Guler,etc.

III. Renaissance (Revivalism) in Indian – Raja Ravi Verma

IV. Bengal School – Abanindranath Tagore, Nand Lal Bose

V. Amrita Shergil

VI. Contemporary Scene: Introduction of Indian Artists (Painters and Sculptors) Art movements in Bombay, Culcutta, Madras, Delhi, Baroda.

Code- LNGE 201 / LNGH 201

PAPER – II

English/Hindi Language

Code- ENV 201

PAPER – III

Environmental Study

Practical

Code- BFAF 202

PAPER - IV

Drawing – Still life, Nature Study, Head Study, Composition

Code- BFAF 203

PAPER - V

Fundamentals of Design 2D – Developing an awareness of pictorial space, division of space etc., Developing an awareness of interrelationship of different shapes and forms, relative values, Activation of space through form and colour.

Code- BFAF 204

PAPER - VI

Design 3D – Clay modeling, Mould making, Casting in Cement, Terracotta, Scrap Metal etc.

Code- BFAF 205

PAPER - VII

Print Making – Linocut, Woodcut etc.

SPECIALIZATION IN PAINTING

Semester – III BFA PAINTING

THEORY

Code- BFAT 301

PAPER - I

History of Art

(A) India: Prehistoric Art – Cave Paintings, Indus Valley Civilization and its Art, Mauryan period (Court Art –Sarnath Capital, Stupa, Folk Art, Yaksha-Yakshini etc.) Sunga Period (Monuments – Bharhut, Bodhgaya, Stupas) Kushan Period (Gandhar, Mathura) Gupta Period (Ajanta, Bagh,Painting)terracotta.

(B) Western History: Prehistoric Art – Palaeolithic, Mesolithic, Neolithic Periods, Rock Shelters-Painting, Sculpture; Early Civilizations – Egypt, Mesopotamia, Babylonia, Assyria, Mycenae, Crete, Greek- Classical, Hellenistic art, Rome, Roman Architectures

Code- BFAT 302

PAPER - II

Technical Theory for Painting

Principles of Composition – Proportion, Balance, Dominance, Harmony, Rhythm, Unity, Perspective, Light and Shade.

Element of Art (Painting)- Line, Form, Tone, Texture, Shape, Space, Unity, Colour theory, Etc.

Methods and Materials of the following–Water Colour Painting, Acrylic Colour Painting, Pastel, Tempera, Fresco , Gouache, Distemper Painting.

Drawing and Painting equipments, Tools and Their uses- Pencil, Eraser, Charcoal, Board, Brushes, Board Pins, Canvas, Paper etc.

Oil Painting: Tools Equipments and Methods and Technique- Palettes, Dippers, Brushes, Care of Brushes, Knives & Spatula, Easels etc.

Painting - Practical

Code- BFAP 301

PAPER - III

Drawing

Focus on various aspects and techniques drawing through exercises based on life study from model and skeleton study.

Medium: Pencil, Pen and Ink, Conte, White Chalk, Glass Marking Pencils, Charcoal, Water Colour .

(Paper Size: ¼Imperial)

Code- BFAP 302

PAPER - IV

Composition

Understanding and handling of the 2D surface and its structural possibilities along with the basic relation to the desired form and content. Exercises based on simple compositions using everyday sketches of objects, nature studies human figures and animals etc.

Medium: Poster Colour, Oil pastels, Water Colour, Pen and Ink.

- (Paper Size: 1/2 Imperial)
- Sessional: 4 works (Minimum)

Code- BFAP 303
PAPER - V

Elective(Any One)

- Landscape: Landscape with specific purpose, architecture man-made and natural objects, Sessional & Display : 4 works (Minimum), Paper Size: ¼ Imperial.
- Disaster Management: Arts Faculty
- Yoga: Arts Faculty
- Wood Cut/Lino Cut: - Rubbing, Potato Print, Mono Print, Lino-Cut Print and Wood- Cut Print

Semester – IV BFA PAINTING

THEORY

Code- BFAT 401
PAPER - I

History of Art

(A) South India:- Pallav Dynasty; Mahabalipuram. Rastrakuta Dynasty; Ellora, Elephanta. Amaravati, Nagarjunakonda.

(B) West:-Tribal and Folk Art, Medieval Art- Early Christian, Byzantine, Romanesque Art, Gothic, Art of China- Decorative art in ancient China, Bhuddhist Art in China. Chinese – Six Canons, Techniques of Chinese Art,

Code- BFAT 402
PAPER - II

Aesthetics

General principles of art: Definitions and Classifications of art, Craft and Art, Interrelationship of Visual and Performing Art, Merit and demerits of Art work, Six limbs of Indian Painting, Art and Nature, Art and Society, Art through ages, Art and Morality, Art and Religion.

Definition and scope of aesthetics, Evolution and Scope of Aesthetic Concept, Theory relating to Empathy and Pleasure, Interrelationship of above concept and their relevance to Art, Chinese theory of painting.

Painting - Practical)

Code- BFAP 401
PAPER - III

Drawing

Life drawing and head study dealing with planes and masses of the body as a whle and its rendering as well as the construction of skull from different angles.

Medium: Pencil, Pen and Ink, Conte, Charcoal, Water Colour, Oil or soft Pastel, Oil in Monochrome.

- (Paper Size: ¼ Imperial)

Code- BFAP 402

PAPER - IV

Composition

Composition exercises based on everyday sketching and classroom studies in the newly learnt mediums of painting, oil and acrylic.

Medium: Oil, Acrylic on canvas/Primed Paper.

- Paper Size: 1/2 Imperial)
- Sessional: 4 works (Minimum)

Code- BFAP 403

PAPER - V

Elective(Any One)

- Landscape: Landscape study in depth of man-made and natural objects, Sessional & Display : 4 works (Minimum) , Paper Size: ¼ Imperial.
- English language & Communication Skill: Arts Faculty
- Travel and Tourism: Arts Faculty
- Functional Hindi : Arts Faculty

Semester – V BFA PAINTING

THEORY

Code- BFAT 501

PAPER - I

History of Art

(A) India: Eastern Indian Art –Bhubaneswar, Konark. Khajuraho, South India - Chola Bronze; Medieval Miniature Painting- Jain, Pal & Mughal School (Akbar, Jahangir, Sahajahan).

(B) West: Art of Renaissance- Early Renaissance (Duccio, Giotto, Dinatello Ghiberti Massaccio) Art of Japan- Origin of art in Japan, sources of Japanes Art, from Nara to, Kamakura fujiwara phasas till Modern Time.

Code- BFAT 502

PAPER - II

Aesthetics

Introduction to the philosophy of Indian Arts & Aesthetics and Thinkers – Bharatmuni, Abhinavgupta, Ananda Kentish Coomaraswamy, (Bhava, Vibhav, Anubhav),

Shadang relivance to Vishnu dharmottarpuran, Brief study of the basic principles of philosophy of Art and religion, Vedic Upanisad, Buddhist, Jain, Saivite and Shakti, Chitra Sutra- Pratimalakshan, Talman, Ras-Siddhant, etc.

Painting - Practical

Code- BFAP 501
PAPER - III

Drawing

Furthering experience of the previous semesters the emphasis is now on the analytical drawing to see drawing as an Art Form and to work towards formation of a personal while working with the human form, its proportion and mass, the character of lines.
Experiences gained in Drawing are simultaneously approached through the painting media (Portrait and Life Painting)
Medium: Pencil, Ink, Charcoal, Crayon, Oil Acrylic, Oil or Soft Pastel.

Code- BFAP 502
PAPER - IV

Composition

Creative choice of pictorial space and its meaningful sub-division and grouping in compositions based on objects, Figures, Interiors and landscape.

Medium: Oil/Acrylic on canvas/Primed board.

- Paper Size: ½ Imperial
- Sessional: 4 works (Minimum)

Code- BFAP 503
PAPER - V

Elective(Any One)

- Print and publishing : The course introduces one or more basic computer aided design tools, Photoshop /coral draw & design development of logo.
- Computer Application: Arts Faculty
- Clay modelling : Learning of basic element of sculpture, sculpture exercise based on the clay modelling method in round and relief of subject from nature manmade objects and human figures.

(Minimum two works will be submitted in exhibition and viva exam)

Semester – VI BFA PAINTING

THEORY

Code- BFAT 601
PAPER - I

History of Art

(A) India: Pahari Painting (Kangra, Basohli), Rajasthani, Apabhransh etc., Folk and Tribal Art (Madhubani, Kalighat Pata, Warli)
(B) West: High Renaissance (Leonardo-da-Vinci, Durer, Michael Angelo, Raphael, Titian etc.) Post Renaissance (Mannerism, Baroque, Rococo).

Code- BFAT 602
PAPER - II

Project/Seminar for Painting
Indian contemporary Painting; Methods & Material; Concept of Beauty

Painting - Practical

Code- BFAP 601
PAPER - III

Drawing
Focusing on details and delineation of structural character of human head, study of features, drawing in various media with emphasis on manner of execution.
Experiences gained in Drawing are simultaneously approached through the painting media (Portrait and Life Painting)
Medium: Pencil, Charcoal, Conte, Oil/Soft Pastel, Oil/Acrylic.

Code- BFAP 602
PAPER - IV

Composition
Creative handling of pictorial space based on the studies in painting objects, figures, interiors and landscape, concentration on the development of individual temperament of Visual expression.
Medium: Oil/Acrylic on canvas/Primed board.

- Paper Size: 1/2 Imperial
- Sessional: 4 works (Minimum)

Code- BFAP 603
PAPER - V

Elective(Any One)

- Personality Development :Arts Faculty
- Sugam Sangeet / Folk Music: Music Faculty

Semester – VII BFA PAINTING

THEORY

Code- BFAT 701
PAPER - I

History of Art
(A) India: Company School Painting - Emergence of new Patrons, Indian artist Paintings for British Patrons with English Touch, Patna School); **Emergence of Art School in India** – Madras (1950), Calcutta (1954), Bombay (1957); **National awakening** - E. B. Haveli, Coomarswami, Shri Arbindo etc., Raja Ravi Verma (Paintings, Oleographs), **Bengal School and other Artists** –Abnindranath Tagore, Nandlal Bose, Gagendranath Tagore, Asit kumar Haldar, Kshitindranath Majumdar, Rabindranath Tagore, Jamini Roy, etc. Amrita Shergill.

(B) West: Romanticism – Goya, Delacroix, Constable, Turner) and **Neoclassicism** – David, Ingra; 19" Century Art and Artist- Realism (Daumier, Courbet); **Impressionism** – Manet, Monet, Degas, Renoir, Pissaro,etc. **Postimpressionism** – Van Gogh, Paul Gauguin, Seurat, Cezanne.

Code- BFAT 702
PAPER - II

Aesthetics

Philosophy and principles of Western Aesthetics - Plato, Aristotle, Plotinus, Aquinas, Baumgarten, Kant, Hegel, Croce, Tolstoy, Freud etc.; Philosophy and Aesthetics of Various period such as early Greek, Roman, Renaissance, Classical and Modern; Theory Relating to Origin and Creation of Art Communication, Intuition, Expression, Imitation, Inspiration etc.

Painting - Practical

Code- BFAP 701
PAPER - III

Drawing

Full Figure drawing from life; Study of Portrait Painting.
Medium: Pencil, Charcoal, Conte, Oil/Soft Pastel, Oil/Acrylic

Code- BFAP 702
PAPER - IV

Composition

Advancement of previous experience towards a complete pictorial interpretation, theme and expression of mood, symbolism, dramatization, distortion for emotional effect involving various sized of and formats of work. Projects may include non-conventional independent creative work.

Medium: Oil/Acrylic /Collage, Mixed Media.

- Paper Size: Full Imperial
- Sessional: 4 works (Minimum)

Code- BFAP 703
PAPER - V

Elective(Any One)

- Portraiture: Study to human figure-specially the head in monochrome and colour. (students should be exposed to portrait painting from various masters), Paper Size: 1/2 Imperial, Sessional & Display 4 works (Minimum) .
- Art Criticism: valuation of art piece, basics of art criticism, Art and there communication,
- Luxury Product Design (Exhibition & Viva): Principles of Design, Object Drawing, Decorative Objects, Jewellery Design, Leather Design etc.

Semester – VIII BFA PAINTING

THEORY

Code- BFAT 801

PAPER - I

History of Art

(A) India: 20th Century Art in India, Art Groups – **Calcutta group** (1943-53) Pradosh Das Gupta, Paritosh Sen, Gopal Ghosh etc.; Ramkinkar Beij, Sankho Choudhury, Chintamoni Kar; **Madras School and Cholamandal Artists**, D. P. Roychoudhury, K. C. S. Panikar, P.V. Jankiraman, S. Nandgopala, M. Reddeppa Naidu, J. Sultan Ali etc.; **Bombay Progressive Artist Group** – Francis Newton Souza, S. H. Raza, M. F. Hussain, K. H. Ara, Sadanand Bakre, Ambadas Garhe; **Delhi Shilpi Chakra** – B. C. Sanyal, Ram Kumar, Dhanraj Bhagat; **Leading Contemporary Artists** – K. K. Hebbar, N. S. Bendre, Satish Gujral, J. Swaminathan,K.G. Subramanyan, Bikash Bhattacharjee, Ram Kumar, Santi Dave etc.

(B) West: Fauvism – Henri Matisse, Andre Derain, Maurice Valminck; **Expressionism** – De Brucke, Der Blaue Reiter, Paul Klee; **Futurism** – Umbreto Boccioni, Giocomo Balla, Calo Carra; **Cubism** – Pablo Picasso, Braque, Juan Gris, Fernan Leze; **Abstract Expressionism**– Barnett Newrnan, James Brook, Jackson Pollock; **Constructivism** – Valdimir Tatlin, Naum Gabo Alexander Rodechenko etc. **Dadaism** – Marcel Duchamp, Francis Picabia, Chirico **Surrealism** – Salvador Dali, John Miro, Max Ernest, Man Ray, **Opt and Pop Art** – Hamilton Odenberg, Alien Jones;

Code- BFAT 802

PAPER - II

Project/Seminar for Painting

The compilation of portfolio of selected paintings executed during the VII & VIII semester

Painting - Practical

Code- BFAP 801

PAPER - III

Drawing

Full figure drawing from life; Full figure study through colour.
Medium: Oil, Acrylic, Water colour, Oil/Soft Pastel

Code- BFAP 802

PAPER - IV

Composition

Advancement of previous experience towards a complete pictorial interpretation, theme and expression of mood, symbolism, dramatization, distortion for emotional effect.
Medium: Acrylic, Collage, Oil, Mix-media etc.

- Paper Size: Full Imperial
- Sessional: 4 works (Minimum)

Code- BFAP 803

PAPER - V

Elective(Any One)

- Portraiture : Study from life model with a view to exploring various application methods and rendering techniques. Critical study of works of great masters. Exercise in organization and rendering techniques in portraiture.),
  Paper Size: 1/2 Imperial, Sessional & Display 4 works (Minimum) .
- Art Criticism: Interrelationship between fine arts, globalisation and art, Art market and law.
- Luxury Product Design (Exhibition & Viva): Advancement of previous Semester.

Appendix B
COURSE STRUCTURE FOR BACHLOR OF FINE ARTS IN GRAPHICS
B.F.A. I Semester (Foundation Course)

Paper	CODE	Name of Paper	Credit Hours	External %		Internal %		Total Max Marks	Total Min Marks
				Max. marks	Min. marks	Max. marks	Min Marks		
I	BFAF 101	History of Art (Indus Valley Civilization to Gupta Period)	2	70	23	30	10	100	33
II	LNGE 101 / LNGH 101	English/Hindi Language	2	70	23	30	10	100	33
III	ENV 101	Environmental Study	2	70	23	30	10	100	33
IV	BFAF 102	Drawing	3	70	28	30	12	100	40
V	BFAF 103	Design 2D	5	70	28	30	12	100	40
VI	BFAF 104	Design 3D	5	70	28	30	12	100	40
VII	BFAF 105	Print-Making	5	70	28	30	12	100	40
		Total Credit	**24**			**Total marks**		**700**	**259**

B.F.A. II Semester (Foundation Course)

Paper	CODE	Name of Paper	Credit Hours	External %		Internal %		Total Max Marks	Total Min Marks
				Max. marks	Min. marks	Max. marks	Min Marks		
I	BFAF 201	History of Art (Medieval Period to Present Day)	2	70	23	30	10	100	33
II	LNGE 201 / LNGH 201	English/Hindi Language	2	70	23	30	10	100	33
III	ENV 201	Environmental Study	2	70	23	30	10	100	33
IV	BFAF 202	Drawing	3	70	28	30	12	100	40
V	BFAF 203	Design 2D	5	70	28	30	12	100	40
VI	BFAF 204	Design 3D	5	70	28	30	12	100	40
VII	BFAF 205	Print-Making	5	70	28	30	12	100	40
		Total Credit	**24**			**Total marks**		**700**	**259**

B.F.A. III Semester (Specialization in PAINTING)

Paper	CODE	Name of Paper	Credit	Duration (Exam)	External % Max. marks	External % Min. marks	Internal % Max. marks	Internal % Min Marks	Total Max Marks	Total Min Marks
I	BFAT 301	History of Art	3	03:00 hrs.	70	23	30	10	100	33
II	BFAT 302	Technical Theory	3	03:00 hrs.	70	23	30	10	100	33
III	BFAP 301	Drawing	8	06:00 hrs.	70	28	30	12	100	40
IV	BFAP 302	Composition	8	12:00 hrs.	70	28	30	12	100	40
V	BFAP 303	**Elective Subject (any one)** Landscape Disaster Management Yoga Wood cut / Linocut	2	 06:00 hrs - - 06:00 hrs	70	28	30	12	100	40
		Total Credit	**24**		**Total marks**				**500**	**186**

B.F.A. IV Semester (Specialization in PAINTING)

Paper	CODE	Name of Paper	Credit	Duration (Exam)	External % Max. marks	External % Min. marks	Internal % Max. marks	Internal % Min Marks	Total Max marks	Total Min marks
I	BFAT 401	History of Art	3	03:00 hrs.	70	23	30	10	100	33
II	BFAT 402	Aesthetics	3	03:00 hrs.	70	23	30	10	100	33
III	BFAP 401	Drawing	8	6:00 hrs.	70	28	30	12	100	40
IV	BFAP 402	Composition	8	12:00 hrs.	70	28	30	12	100	40
V	BFAP 403	**Elective Subject (any one)** Landscape English Language & Communication Skill Travel and Tourism Functional Hindi	2	 06:00 hrs - - -	70	28	30	12	100	40
		Total Credit	**24**		**Total marks**				**500**	**186**

B.F.A. V Semester (Specialization in Painting)

Paper	CODE	Name of Paper	Credit	Duration (Exam)	External % Max. marks	External % Min. marks	Internal % Max. marks	Internal % Min Marks	Total Max marks	Total Min marks
I	BFAT 501	History of Art	3	03:00 hrs.	70	23	30	10	100	33
II	BFAT 502	Aesthetics	3	03:00 hrs.	70	23	30	10	100	33
III	BFAP 501	Drawing	8	06:00 hrs.	70	28	30	12	100	40
IV	BFAP 502	Composition	8	12:00 hrs.	70	28	30	12	100	40
V	BFAP 503	**Elective Subject (any one)**								
		Print and Publishing	2	-	70	28	30	12	100	40
		Computer Application		-						
		Clay Modeling		06:00 hrs						
		Total Credit	**24**		**Total marks**				**500**	**186**

B.F.A. VI Semester (Specialization in Painting)

Paper	CODE	Name of Paper	Credit	Duration (Exam)	External % Max. marks	External % Min. marks	Internal % Max. marks	Internal % Min Marks	Total Max marks	Total Min marks
I	BFAT 601	History of Art	3	03:00 hrs.	70	23	30	10	100	33
II	BFAT 602	Project/Seminar	3	-	70	28	30	12	100	40
III	BFAP 601	Drawing	8	06:00 hrs.	70	28	30	12	100	40
IV	BFAP 602	Composition	8	12:00 hrs.	70	28	30	12	100	40
	BFAP 603	**Elective Subject (any one)**								
V		Personality Development	1	-	70	28	30	12	100	40
		Sugam Sangeet / Folk Music	1	-						
		Total Credit	**24**		**Total marks**				**500**	**193**

B.F.A. VII Semester (Specialization in Painting)

Paper	CODE	Name of Paper	Credit	Duration (Exam)	External % Max. marks	External % Min. marks	Internal % Max. marks	Internal % Min Marks	Total Max. marks	Total Min marks
I	BFAT 701	History of Art	3	03:00 hrs.	70	23	30	10	100	33
II	BFAT 702	Aesthetics (Western)	3	03:00 hrs.	70	23	30	10	100	33
III	BFAP 701	Drawing	8	12:00 hrs.	70	28	30	12	100	40
IV	BFAP 702	Composition	8	18:00 hrs.	70	28	30	12	100	40
	BFAP 703	**Elective Subject (any one)**								
V		Portraiture Art Criticism Luxury Product Design (Exhibition & Viva)	2	06:00 hrs. - -	70	28	30	12	100	40
		Total Credit	**24**		**Total marks**				**500**	**186**

B.F.A. VIII Semester (Specialization in Painting)

Paper	CODE	Name of Paper	Credit	Duration (Exam)	External % Max. marks	External % Min. marks	Internal % Max. marks	Internal % Min Marks	Total Max. marks	Total Min marks
I	BFAT 801	History of Art	3	03:00 hrs.	70	23	30	10	100	33
II	BFAT 802	Project / Seminar (Contemporary Art in India)	3	-	70	28	30	12	100	40
III	BFAP 801	Drawing	8	12:00 hrs.	70	28	30	12	100	40
IV	BFAP 802	Composition	8	18:00 hrs.	70	28	30	12	100	40
	BFAP 803	**Elective Subject (any one)**								
V		Portraiture Art Criticism Luxury Product Design (Exhibition & Viva)	2	06:00 hrs. - -	70	28	30	12	100	40
		Total Credit	**24**		**Total marks**				**500**	**193**

Note:-

01. Theory subject (History of Art and Aesthetics) will be conducted by the Department of History of Art and Aesthetics.
02. Technical theory/Seminar/Project/Assignment will be conducted by the concern department.
03. Internal assessment for each semester to be done by the class teacher or a committee Constituted for such purpose by the head of the respective department.

Art Appreciation (Visual Art)

Code- Art App.101

Painting-

- Nature Study (Practical)
  Flower and Foliage study in Pencil and Brush
- Object Drawing:
  Study of Objects in pencil and water colour

Scuopture-

- Clay Modeling (Practical)
  Sculpture exercise based on the clay modelling method in "Round" and "Relief" and casting in Plaster of Paris.

Graphic-

- **Relief Printmaking**
  Rubbing, Potato Print, Mono Print, Lino-Cut Print and Wood-Cut Print
  Or
- **Serigraphy**
  Preparing the screen, Stencil process, gum method, Photo exposing process. Printing in Colour and Black and White.

INDIRA KALA SANGIT VISHWAVIDYALAYA, KHAIRAGARH, C.G.
BACHLOR OF FINE ARTS (B.F.A.) COURSE
Duration- Four year- Eight semesters Course
Semester – I (BFA Foundation)
(Common for all subjects)
Theory

Code- BFAF 101
PAPER – I
History of Indian Art (Prehistoric to Gupta Period)

VII. Prehistoric art :- Cave Paintings
VIII. Indus valley civilization – (2500 BC to 1500 BC)
IX. Mauryan Empire :– Pillar inscriptions, Sarnath Capital, Yaksha Figures,Sudama and Lomasha Rishi Cave, Animal Carvings.
X. Sunga Period :– Stupas and Toranas: Sculpture- Bharhut-Shalbhanjika, Relief Medallion-Mriga Jataka, Viharas and Chaitya (Karle and Bhaja).
XI. Kushan Period :– Gandhara School- Standing Buddha from Hoti Mardan, Nirvan of Buddha (Relief), Bamian-Buddha,
Mathura School – Statue of Kanishka, Seated Buddha of Katra.
XII. Gupta Period :– Sculpture: Standing Buddha from Mathura. Painting: Ajanta, Bodhisattiva Cave No. 1, Apsara Cave No. 17, Architecture: sanchi str.No 17, Vishnu-temple-Deoghar.

- Should be taught in a story form

Code- LNGE 101 / LNGH 101
PAPER – II
English/Hindi Language

Code- ENV 101
PAPER – III
Environmental Study

Practical

Code- BFAF 102
PAPER – IV
Drawing – Still life, Nature Study, Head Study, Composition, Collage & Sketching in Pencil, Pen & Ink, Conte, Water Colour (Paper Size : $1^{1/4}$ Imperial).

Code- BFAF 103
PAPER – V
Fundamentals of Design 2D – Study of two dimensional space and its organizational Possibilities, Elements of Pictorial expression, related to concepts of space and forms, study of various types of objects (natural and manmade)

Code- BFAF 104
PAPER – VI
Design 3D – Clay modeling, Mould making, Casting in Cement etc.

Code- BFAF 105
PAPER – VII
Print Making – Lino Cut, Wood Cut etc.

Semester – II (BFA Foundation)

(Common for all subjects)

Theory

Code- BFAF 201

PAPER - I

History of Indian Art (Medieval Period to Present Day)

VII. Medieval Period of Hindu Dynasties with special reference to South India

a. Pallava Dynastry; Mahabaipuram – Gangavataran,Mahishmardani, Panchrath, Shore temple.

b. Rashtrakuta Dynasty; Ellora-Kailas Temple, Elephanta-Maheshmurti,

c. Chola Dynasty; bronze sculpture

d. Chandella Dynasty, Khajuraho (Nagar Style), Kandariya Mahadeo Temple

e. Konark (Orissa Style), Sun Temple

VIII. Indian Miniatures:

a. Mughal Miniatures – Akbar School, Jahangir School, Shahjahan School

b. Rajput Miniatures; Kota, Bundi, Kishangarh etc.

c. Pahari Miniatures; Kangra, Basohli, Guler,etc.

IX. Renaissance (Revivalism) in Indian – Raja Ravi Verma

X. Bengal School – Abanindranath Tagore, Nand Lal Bose

XI. Amrita Shergil

XII. Contemporary Scene: Introduction of Indian Artists (Painters and Sculptors) Art movements in Bombay, Culcutta, Madras, Delhi, Baroda.

Code- LNGE 201 / LNGH 201

PAPER – II

English/Hindi Language

Code- ENV 201

PAPER – III

Environmental Study

Practical

Code- BFAF 202

PAPER - IV

Drawing – Still life, Nature Study, Head Study, Composition

Code- BFAF 203

PAPER - V

Fundamentals of Design 2D – Developing an awareness of pictorial space, division of space etc., Developing an awareness of interrelationship of different shapes and forms, relative values, Activation of space through form and colour.

Code- BFAF 204

PAPER - VI

Design 3D – Clay modeling, Mould making, Casting in Cement, Terracotta, Scrap Metal etc.

Code- BFAF 205

PAPER - VII

Print Making – Linocut, Woodcut etc.

Specialization in Sculpture

Semester – III (BFA Sculpture)

Theory

Code- BFAT 301

PAPER - I

History of Art

(A) India: Prehistoric Art – Cave Paintings, Indus Valley Civilization and its Art, Mauryan period (Court Art –Sarnath Capital, Stupa, Folk Art, Yaksha-Yakshini etc.) Sunga Period (Monuments – Bharhut, Bodhgaya, Stupas) Kushan Period (Gandhar, Mathura) Gupta Period (Ajanta, Bagh,Painting)terracotta.

(B) Western History: Prehistoric Art – Palaeolithic, Mesolithic, Neolithic Periods, Rock Shelters- Painting, Sculpture; Early Civilizations – Egypt, Mesopotamia, Babylonia, Assyria, Mycenae, Crete, Greek- Classical, Hellenistic art, Rome, Roman Architectures.

Code- BFAT 303

PAPER - II

Technical Theory for Sculpture

Method and material of Sculpture – Basic design, Armature making, Clay modelling, Waste mould making, Terracotta, Direct casting, Casting in cement, Wood/Stone carving, Metal Casting, Piece mould etc.

Practical

Code- BFAS 301

PAPER - III

COMPOSITION

Drawing –

drawing from life, antique and icon

study of limbs (hand, palm,legs) from life, character and study of features.

Composition-

Composition in clay of your own choice and enlargement in round with two or more human figures, birds and animals with moulding(waste mould) and casting.

Relief composition of human figure, birds, animals and objects with moulding and casting.

Head Study-

head study of (male or female) building of armature, study in drawing and modelling in clay from antique or icon. Understanding of structure and proportion mould and casting.

Terracotta-

Preparation of clay as material for Terracotta

Kiln designing, leading and application temperature for baking.

Wood Carving-

Introduction to wood carving, maquette and handling of tools

Code- BFAS 302

PAPER - IV

Exhibition and viva-

As per Syllabus, all practical class work must be submitted on Exhibition.

Code- BFAS 303

PAPER - V

Elective(Any One)

1.Relief composition - Relief composition (Bas, low or high) of Birds , animals and objects with moulding and casting.

(Minimum 02 works will be submitted in Exhibition and viva exam)

2. Disaster Management
3. Yoga
4. Wood -cut/ Lino- cut

} syllabus of concern department

Semester – IV (BFA Sculpture)
Theory

Code- BFAT 401
PAPER - I
History of Art

(A) South India:- Pallav Dynasty; Mahabalipuram. Rastrakuta Dynasty; Ellora, Elephanta. Amaravati, Nagarjunakonda.

(B) West:-Tribal and Folk Art, Medieval Art- Early Christian, Byzantine, Romanesque Art, Gothic, Art of China- Decorative art in ancient China, Bhuddhist Art in China. Chinese – Six Canons, Techniques of Chinese Art.

Code- BFAT 402
PAPER - II
Aesthetics

General principles of art: Definitions and Classifications of art, Craft and Art, Interrelationship of Visual and Performing Art, Merit and demerits of Art work, Six limbs of Indian Painting, Art and Nature, Art and Society, Art through ages, Art and Morality, Art and Religion.

Definition and scope of aesthetics, Evolution and Scope of Aesthetic Concept, Theory relating to Empathy and Pleasure, Interrelationship of above concept and their relevance to Art, Chinese theory of painting.

Practical

Code- BFAS 401
PAPER - III
COMPOSITION
Drawing –

- Drawing from life, sustained study of portrait from life, delineation of the structure, character of head, study of features, study of light and shade, in monochrome (pencil, ink, charcoal)

Composition in Relief/ round-

Composition in clay of your own choice and enlargement in round or relief with moulding and casting in cement or fibreglass.

Wood Carving-

maquettes for carving and elaborate practice for skilful handling of tools and material.

Code- BFAS 402
PAPER - IV
Exhibition and viva-

As per Syllabus, all practical class work must be submitted on Exhibition.

Code- BFAS 403
PAPER - V
Elective(Any One)

1.Relief composition – Bas / bar, low relief in terracotta of human figure.
(Minimum 02 works will be submitted in Exhibition and viva exam)

2. English Language & Communication skill
3. Travel and Tourism
4. Functional Hindi

} syllabus of concern department

Semester – V (BFA Sculpture)
Theory

Code- BFAT 501
PAPER - I
History of Art

(A) India: Eastern Indian Art –Bhubaneswar, Konark. Khajuraho, South India - Chola Bronze; Medieval Miniature Painting- Jain, Pal & Mughal School (Akbar, Jahangir, Sahajahan).
(B) West: Art of Renaissance- Early Renaissance (Duccio, Giotto, Dinatello Ghiberti Massaccio) Art of Japan- Origin of art in Japan, sources of Japanes Art, from Nara to, Kamakura fujiwara phasas till Modern Time.

Code- BFAT 502
PAPER - II
Aesthetics

Introduction to the philosophy of Indian Arts & Aesthetics and Thinkers – Bharatmuni, Abhinavgupta, Ananda Kentish Coomaraswamy, (Bhava, Vibhav, Anubhav),
Shadang relivance to Vishnu dharmottarpuran, Brief study of the basic principles of philosophy of Art and religion, Vedic Upanisad, Buddhist, Jain, Saivite and Shakti, Chitra Sutra- Pratimalakshan, Talman, Ras-Siddhant, etc.

Practical

Code- BFAS 501
PAPER - III
COMPOSITION
Drawing –

3 dimensional Drawing from life, portrait from life Sculptural drawing for composition in pencil, charcoal, ink in monochrome.

Composition 3D-

Composition in clay of your own choice and enlargement in round with moulding and casting in cement or fibreglass.

Group composition based on specific and suitable for execution in any medium of sculpture.

Stone/Wood Carving-

Simple composition suitable for carving with appropriate emphasis on techniques.

Code- BFAS 502
PAPER - IV
Exhibition and viva-

As per Syllabus, all practical class work must be submitted on Exhibition

Code- BFAS 503
PAPER - V
Elective(Any One)

1. Print and publishing
2. Computer application

} syllabus of concern department

3. Pottery -
   - Introduction to various clays used in Pottery
   - Wheel work throwing
   - Turning and Surfacing
   - Pinching
   - Mould Making
   - Coiling

(Minimum 02 works will be submitted in Exhibition and viva exam)

Semester – VI (BFA Sculpture)
Theory

Code- BFAT 601
PAPER - I
History of Art

(A) India: Pahari Painting (Kangra, Basohli), Rajasthani, Apabhransh etc., Folk and Tribal Art (Madhubani, Kalighat Pata, Warli)

(B) West: High Renaissance (Leonardo-da-Vinci, Durer, Michael Angelo, Raphael, Titian etc.) Post Renaissance (Mannerism, Baroque, Rococo).

Code- BFAT 603
PAPER - II

Project/Seminar for Sculpture

Concept of Beauty on Indian Art; Tribal and Folk Art of India

Practical

Code- BFAS 601
PAPER - III
COMPOSITION
Drawing –

3 dimensional Drawing from life of male or female models, portrait from life.
Sculptural drawing for composition in pencil, charcoal, ink in monochrome.

Composition in Relief and Round

Creative Composition in clay of your own choice and enlargement in round or relief with moulding and casting in any medium of sculpture.

Life study

Clay modelling of full figure of various age groups from life model (male or female) with mould and casting in any medium.

Multiple Casting

Process of piece mould for wax casting,
Flexible mould with help of gelatine roller, rubber, etc.

Scrap -book

Writing diary, sketches, concept, methods and materials.
(the scrap book must be submitted on internal exhibition exam)

Code- BFAS 602
PAPER - IV
Exhibition and viva-

As per Syllabus, all practical class work must be submitted on Exhibition

Code- BFAS 603
Elective(Any One)

1 .Personality Development
2. Sugam Sangeet /folk Music

} syllabus of concern department

Semester – VII (BFA Sculpture)
Theory

Code- BFAT 701
PAPER - I
History of Art

(A) India: Company School Painting - Emergence of new Patrons, Indian artist Paintings for British Patrons with English Touch, Patna School); **Emergence of Art School in India** – Madras (1950), Calcutta (1954), Bombay (1957); **National awakening** - E. B. Haveli, Coomarswami, Shri Arbindo etc., Raja Ravi Verma (Paintings, Oleographs), **Bengal School and other Artists** –Abnindranath Tagore, Nandlal Bose, Gagendranath Tagore, Asit kumar Haldar, Kshitindranath Majumdar, Rabindranath Tagore, Jamini Roy, etc. Amrita Shergill.
(B) West: Romanticism – Goya, Delacroix, Constable, Turner) and **Neoclassicism** – David, Ingra; 19" Century Art and Artist- Realism (Daumier, Courbet); **Impressionism** – Manet, Monet, Degas, Renoir, Pissaro,etc. **Postimpressionism** – Van Gogh, Paul Gauguin, Seurat, Cezanne.

Code- BFAT 702
PAPER - II
Aesthetics

Philosophy and principles of Western Aesthetics - Plato, Aristotle, Plotinus, Aquinas, Baumgarten, Kant, Hegel, Croce, Tolstoy, Freud etc.; Philosophy and Aesthetics of Various period such as early Greek, Roman, Renaissance, Classical and Modern; Theory Relating to Origin and Creation of Art Communication, Intuition, Expression, Imitation, Inspiration etc.

Practical

Code- BFAS 701
PAPER - III
COMPOSITION

Drawing –
Creative sculptural drawing for three dimensional composition

Composition
Creative composition in any medium of sculpture.

Portraiture
Portraiture of male or female models, building of armature, Understanding of structure, character and proportion with mould and casting.

Sculpture in modern media
Sculpture in synthetic material such as Plastic, Fibreglass, epoxy resin etc.

Code- BFAS 702
PAPER - IV
Exhibition and viva-
As per Syllabus, all practical class work must be submitted on Exhibition

Code- BFAS 703
PAPER - V
Elective(Any One)

1.Portraiture - Head study of building of armature, study in drawing and Modelling in clay from antique or icon.
(Minimum 02 works will be submitted in Exhibition and viva exam)

2. Art Criticism
3. Luxury Product Design } syllabus of concern department
(Exhibition and viva)

Semester – VIII (BFA Sculpture)
Theory

Code- BFAT 801
PAPER - I
History of Art

(A) India: 20th Century Art in India, Art Groups – **Calcutta group** (1943-53) Pradosh Das Gupta, Paritosh Sen, Gopal Ghosh etc.; Ramkinkar Beij, Sankho Choudhury, Chintamoni Kar; **Madras School and Cholamandal Artists**, D. P. Roychoudhury, K. C. S. Panikar, P.V. Jankiraman, S. Nandgopala, M. Reddeppa Naidu, J. Sultan Ali etc.; **Bombay Progressive Artist Group** – Francis Newton Souza, S. H. Raza, M. F. Hussain, K. H. Ara, Sadanand Bakre, Ambadas Garhe; **Delhi Shilpi Chakra** – B. C. Sanyal, Ram Kumar, Dhanraj Bhagat; **Leading Contemporary Artists** – K. K. Hebbar, N. S. Bendre, Satish Gujral, J. Swaminathan,K.G. Subramanyan, Bikash Bhattacharjee, Ram Kumar, Santi Dave etc.
(B) West: Fauvism – Henri Matisse, Andre Derain, Maurice Valminck; **Expressionism** – De Brucke, Der Blaue Reiter, Paul Klee; **Futurism** – Umbreto Boccioni, Giocomo Balla, Calo Carra; **Cubism** – Pablo Picasso, Braque, Juan Gris, Fernan Leze; **Abstract Expressionism**– Barnett Newrnan, James Brook, Jackson Pollock; **Constructivism** – Valdimir Tatlin, Naum Gabo Alexander Rodechenko etc. **Dadaism** – Marcel Duchamp, Francis Picabia, Chirico **Surrealism** – Salvador Dali, John Miro, Max Ernest, Man Ray, **Opt and Pop Art** – Hamilton Odenberg, Alien Jones.

Code- BFAT 803
PAPER - II
Project/Seminar for Sculpture

Modern art – Indian Western contex

Practical

Code- BFAS 801
PAPER - III
COMPOSITION

Drawing –

Imaginative sculptural drawing for three dimensional composition

Composition

Creative composition in any medium of sculpture.

Portraiture

Portraiture of male or female models, building of armature, Understanding of structure, character and proportion with mould and casting.

Metal sculpture

Metal sculpture by different process-

Modelling in way for lost wax casting (cireperdue), investment in Indian and Italian methods, Practice of burnout process and casting, post casting finish and application for patina, Direct metal sculpture by different process such as welding reverting, etc.

Scrap –book

Writing diary, sketches, concept, methods and materials.
(the scrap book must be submitted on internal exhibition exam)

Code- BFAS 802

PAPER - IV

Exhibition and viva-

As per Syllabus, all practical class work must be submitted on Exhibition

Code- BFAS 803

PAPER - V

Elective(Any One)

1.Portraiture - Head study of building of armature, study in drawing and Modelling in clay from life model. Understanding of Structure and proportion with mould and casting

(Minimum 02 works will be submitted in Exhibition and viva exam)

2. Art Criticism
3. Luxury Product Design } syllabus of concern department

(Exhibition and viva)

Appendix B

COURSE STRUCTURE FOR BACHLOR OF FINE ARTS

B.F.A. I Semester (Foundation Course)

Paper	CODE	Name of Paper	Credit Hours	External %		Internal %		Total Max Marks	Total Min Marks
				Max. marks	Min. marks	Max. marks	Min Marks		
I	BFAF 101	History of Art (Indus Valley Civilization to Gupta Period)	2	70	23	30	10	100	33
II	LNGE 101 / LNGH 101	English/Hindi Language	2	70	23	30	10	100	33
III	ENV 101	Environmental Study	2	70	23	30	10	100	33
IV	BFAF 102	Drawing	3	70	28	30	12	100	40
V	BFAF 103	Design 2D	5	70	28	30	12	100	40
VI	BFAF 104	Design 3D	5	70	28	30	12	100	40
VII	BFAF 105	Print-Making	5	70	28	30	12	100	40
Total Credit			**24**	**Total marks**				**700**	**259**

B.F.A. II Semester (Foundation Course)

Paper	CODE	Name of Paper	Credit Hours	External %		Internal %		Total Max Marks	Total Min Marks
				Max. marks	Min. marks	Max. marks	Min Marks		
I	BFAF 201	History of Art (Medieval Period to Present Day)	2	70	23	30	10	100	33
II	LNGE 201 / LNGH 201	English/Hindi Language	2	70	23	30	10	100	33
III	ENV 201	Environmental Study	2	70	23	30	10	100	33
IV	BFAF 202	Drawing	3	70	28	30	12	100	40
V	BFAF 203	Design 2D	5	70	28	30	12	100	40
VI	BFAF 204	Design 3D	5	70	28	30	12	100	40
VII	BFAF 205	Print-Making	5	70	28	30	12	100	40
Total Credit			**24**	**Total marks**				**700**	**259**

COURSE STRUCTURE FOR BACHLOR OF FINE ARTS IN SCULPTURE

B.F.A. III Semester (Specialization in SCULPTURE)

Paper	CODE	Name of Paper	Credit	Duration (Exam)	External %		Internal %		Total Max Marks	Total Min Marks
					Max. marks	Min. marks	Max. marks	Min Marks		
I	BFAT 301	History of Art	3	03:00 hrs.	70	23	30	10	100	33
II	BFAT 303	Technical Theory	3	03:00 hrs.	70	23	30	10	100	33
III	BFAS 301	Composition	8	30:00 hrs.	70	28	30	12	100	40
IV	BFAS 302	Exhibition & viva	8	---	70	28	30	12	100	40
V	BFAS 303	**Elective Subject (any one)**	2		70	28	30	12	100	40
		Relief composition		06:00 hrs						
		Disaster Management		-						
		Yoga		-						
		Wood cut / Linocut		06:00 hrs						
Total Credit			**24**	**Total marks**					**500**	**186**

B.F.A. IV Semester (Specialization in SCULPTURE)

Paper	CODE	Name of Paper	Credit	Duration (Exam)	External %		Internal %		Total Max marks	Total Min marks
					Max. marks	Min. marks	Max. marks	Min Marks		
I	BFAT 401	History of Art	3	03:00 hrs.	70	23	30	10	100	33
II	BFAT 402	Aesthetics	3	03:00 hrs.	70	23	30	10	100	33
III	BFAS 401	Composition	8	30:00 hrs.	70	28	30	12	100	40
IV	BFAS 402	Exhibition & Viva	8	--.	70	28	30	12	100	40
V	BFAS 403	**Elective Subject (any one)**	2		70	28	30	12	100	40
		Relief composition		06:00 hrs						
		English Language & Communication Skill		-						
		Travel and Tourism		-						
		Functional Hindi		-						
Total Credit			**24**	**Total marks**					**500**	**186**

B.F.A. V Semester (Specialization in Sculpture)

Paper	CODE	Name of Paper	Credit	Duration (Exam)	External %		Internal %		Total Max marks	Total Min marks
					Max. marks	Min. marks	Max. marks	Min Marks		
I	BFAT 501	History of Art	3	03:00 hrs.	70	23	30	10	100	33
II	BFAT 502	Aesthetics	3	03:00 hrs.	70	23	30	10	100	33
III	BFAS 501	Composition	8	30:00 hrs.	70	28	30	12	100	40
IV	BFAS 502	Exhibition & Viva	8	--.	70	28	30	12	100	40
V	BFAS 503	**Elective Subject (any one)**	2	-	70	28	30	12	100	40
		Print and Publishing								
		Computer Application		-						
		Pottery		06:00 hrs						
Total Credit			**24**	**Total marks**					**500**	**186**

B.F.A. VI Semester (Specialization in Sculpture)

Paper	CODE	Name of Paper	Credit	Duration (Exam)	External %		Internal %		Total Max marks	Total Min marks
					Max. marks	Min. marks	Max. marks	Min Marks		
I	BFAT 601	History of Art	3	03:00 hrs.	70	23	30	10	100	33
II	BFAT 604	Project/Seminar	3	-	70	28	30	12	100	40
III	BFAS 601	Composition	8	30:00 hrs.	70	28	30	12	100	40
IV	BFAS 602	Exhibition & Viva	8	--	70	28	30	12	100	40
V	BFAS 603	**Elective Subject (any one)**			70	28	30	12	100	40
		Personality Development	1	-						
		Sugam Sangeet / Folk Music	1	-						
Total Credit			**24**	**Total marks**					**500**	**193**

B.F.A. VII Semester (Specialization in Sculpture)

Paper	CODE	Name of Paper	Credit	Duration (Exam)	External %		Internal %		Total Max. marks	Total Min marks
					Max. marks	Min. marks	Max. marks	Min Marks		
I	BFAT 701	History of Art	3	03:00 hrs.	70	23	30	10	100	33
II	BFAT 702	Aesthetics (Western)	3	03:00 hrs.	70	23	30	10	100	33
III	BFAS 701	Composition	8	30:00 hrs.	70	28	30	12	100	40
IV	BFAS 702	Exhibition & Viva	8	--.	70	28	30	12	100	40
V	BFAS 703	**Elective Subject (any one)**	2		70	28	30	12	100	40
		Portraiture		06:00 hrs.						
		Art Criticism		-						
		Luxury Product Design (Exhibition & Viva)		-						
		Total Credit	**24**	**Total marks**					**500**	**186**

B.F.A. VIII Semester (Specialization in Sculpture)

Paper	CODE	Name of Paper	Credit	Duration (Exam)	External %		Internal %		Total Max. marks	Total Min marks
					Max. marks	Min. marks	Max. marks	Min Marks		
I	BFAT 801	History of Art	3	03:00 hrs.	70	23	30	10	100	33
II	BFAT 803	Project / Seminar	3	-	70	28	30	12	100	40
III	BFAS 801	Composition	8	30:00 hrs.	70	28	30	12	100	40
IV	BFAS 802	Exhibition & Viva	8	---	70	28	30	12	100	40
V	BFAS 803	**Elective Subject (any one)**	2		70	28	30	12	100	40
		Portraiture		06:00 hrs.						
		Art Criticism		-						
		Luxury Product Design (Exhibition & Viva)		-						
Total Credit			**24**	**Total marks**					**500**	**193**

Note:-

1. **Theory subject (History of Art and Aesthetics) will be conducted by the Department of History of Art and Aesthetics.**
2. **Technical theory/Seminar/Project/Assignment will be conducted by the concern department.**
3. **Internal assessment for each semester to be done by the class teacher or a committee Constituted for such purpose by the head of the respective department.**

Bachelor of Fine Arts (BFA)

GRAPHICS

8 Semesters (4 Years) Course

Semester – I (BFA Foundation)

(Common for all subjects)

Theory

Code- BFAF 101

PAPER – I

History of Indian Art (Prehistoric to Gupta Period)

XIII. Prehistoric art :- Cave Paintings

XIV. Indus valley civilization – (2500 BC to 1500 BC)

XV. Mauryan Empire :– Pillar inscriptions, Sarnath Capital, Yaksha Figures,Sudama and Lomasha Rishi Cave, Animal Carvings.

XVI. Sunga Period :– Stupas and Toranas: Sculpture- Bharhut-Shalbhanjika, Relief Medallion-Mriga Jataka, Viharas and Chaitya (Karle and Bhaja).

XVII. Kushan Period :– Gandhara School- Standing Buddha from Hoti Mardan, Nirvan of Buddha (Relief), Bamian-Buddha,
Mathura School – Statue of Kanishka, Seated Buddha of Katra.

XVIII. Gupta Period :– Sculpture: Standing Buddha from Mathura. Painting: Ajanta, Bodhisattiva Cave No. 1, Apsara Cave No. 17, Architecture: sanchi str.No 17, Vishnu-temple-Deoghar.

- Should be taught in a story form

Code- LNGE 101 / LNGH 101

PAPER – II

English/Hindi Language

Code- ENV 101

PAPER – III

Environmental Study

Practical

Code- BFAF 102

PAPER – IV

Drawing – Still life, Nature Study, Head Study, Composition, Collage & Sketching in Pencil, Pen & Ink, Conte, Water Colour (Paper Size : $1^{1/4}$ Imperial).

Code- BFAF 103

PAPER – V

Fundamentals of Design 2D – Study of two dimensional space and its organizational Possibilities, Elements of Pictorial expression, related to concepts of space and forms, study of various types of objects (natural and manmade)

Code- BFAF 104

PAPER – VI

Design 3D – Clay modeling, Mould making, Casting in Cement etc.

Code- BFAF 105

PAPER – VII

Print Making – Lino Cut, Wood Cut etc.

Semester – II (BFA Foundation)

(Common for all subjects)

Theory

Code- BFAF 201

PAPER - I

History of Indian Art (Medieval Period to Present Day)

XIII. Medieval Period of Hindu Dynasties with special reference to South India

a. Pallava Dynastry; Mahabaipuram – Gangavataran,Mahishmardani, Panchrath, Shore temple.
b. Rashtrakuta Dynasty; Ellora-Kailas Temple, Elephanta-Maheshmurti,
c. Chola Dynasty; bronze sculpture
d. Chandella Dynasty, Khajuraho (Nagar Style), Kandariya Mahadeo Temple
e. Konark (Orissa Style), Sun Temple

XIV. Indian Miniatures:

a. Mughal Miniatures – Akbar School, Jahangir School, Shahjahan School
b. Rajput Miniatures; Kota, Bundi, Kishangarh etc.
c. Pahari Miniatures; Kangra, Basohli, Guler,etc.

XV. Renaissance (Revivalism) in Indian – Raja Ravi Verma

XVI. Bengal School – Abanindranath Tagore, Nand Lal Bose

XVII. Amrita Shergil

XVIII. Contemporary Scene: Introduction of Indian Artists (Painters and Sculptors) Art movements in Bombay, Culcutta, Madras, Delhi, Baroda.

Code- LNGE 201 / LNGH 201

PAPER – II

English/Hindi Language

Code- ENV 201

PAPER – III

Environmental Study

Practical

Code- BFAF 202

PAPER - IV

Drawing – Still life, Nature Study, Head Study, Composition

Code- BFAF 203

PAPER - V

Fundamentals of Design 2D – Developing an awareness of pictorial space, division of space etc., Developing an awareness of interrelationship of different shapes and forms, relative values, Activation of space through form and colour.

Code- BFAF 204

PAPER - VI

Design 3D – Clay modeling, Mould making, Casting in Cement, Terracotta, Scrap Metal etc.

Code- BFAF 205

PAPER - VII

Print Making – Linocut, Woodcut etc.

SPECIALIZATION IN GRAPHICS

Semester – III BFA GRAPHICS

THEORY

Code- BFAT 301

PAPER - I

History of Art

(A) India: Prehistoric Art – Cave Paintings, Indus Valley Civilization and its Art, Mauryan period (Court Art –Sarnath Capital, Stupa, Folk Art, Yaksha-Yakshini etc.) Sunga Period (Monuments – Bharhut, Bodhgaya, Stupas) Kushan Period (Gandhar, Mathura) Gupta Period (Ajanta, Bagh,Painting)terracotta.

(B) Western History: Prehistoric Art – Palaeolithic, Mesolithic, Neolithic Periods, Rock Shelters- Painting, Sculpture; Early Civilizations – Egypt, Mesopotamia, Babylonia, Assyria, Mycenae, Crete, Greek- Classical, Hellenistic art, Rome, Roman Architectures

Code- BFAT 304

PAPER - II

Technical Theory for Graphics

(a) Serigraphy:-Understanding of the purpose of print making tools, methods and materials of various types of serigraphy print making. Preparing the screen, Stencil process, Gum method, Photo exposing process.

(b) Relief Printmaking:-Understanding of black and white – Colour printing using Linocuts, Wood cuts, Impression from various textured paper etc. and their use in simple forms imaginative compositions.

(c) Lithography:-Understanding of the purpose of print making tools, methods and materials of various types of lithography print making.

-Black and White, Colour and Reverse printing process.

-Image and texture transfer, use of transfer paper, use of shellac, washout solution: reverse colour super imposition for different effects, use of touché for finer washes – its proper processing use of solid (Flat) colours **-**Plate lithography and Polyester Paper printing.

GRAPHICS - PRACTICAL

Code- BFAG 301

PAPER - III

Serigraphy:-

Stencil process, Gum method, Photo Exposure etc.

Code- BFAG 302

PAPER - IV

Exhibition/Viva:-

Display minimum **10** selected works (prints) from class works in an artistic manner. He/She should be explained about the technical and aesthetic reason used on each works.

Code- BFAG 303

PAPER - V

Elective (Any One):-

- **Relief Print: -** It is the surface of the block that yields the image. Use any surficial print from Wood cut, Lino cut etc.
- **Lithography:-** Explore this medium using line, dots, textures, modelling and tonality in black and white or in multi colors.
- **Disaster Management**
- **Yoga**
- **Landscape**

Semester – IV BFA GRAPHICS

THEORY

Code- BFAT 401

PAPER - I

History of Art

(A) South India:- Pallav Dynasty; Mahabalipuram. Rastrakuta Dynasty; Ellora, Elephanta. Amaravati, Nagarjunakonda.

(B) West:-Tribal and Folk Art, Medieval Art- Early Christian, Byzantine, Romanesque Art, Gothic, Art of China- Decorative art in ancient China, Bhuddhist Art in China. Chinese – Six Canons, Techniques of Chinese Art,

Code- BFAT 402

PAPER - II

Aesthetics

General principles of art: Definitions and Classifications of art, Craft and Art, Interrelationship of Visual and Performing Art, Merit and demerits of Art work, Six limbs of Indian Painting, Art and Nature, Art and Society, Art through ages, Art and Morality, Art and Religion.

Definition and scope of aesthetics, Evolution and Scope of Aesthetic Concept, Theory relating to Empathy and Pleasure, Interrelationship of above concept and their relevance to Art, Chinese theory of painting.

GRAPHICS - PRACTICAL

Code- BFAG 401

PAPER - III

Serigraphy:-

Stencil process, Gum method, Photo Exposure etc.

Code- BFAG 402

PAPER - IV

Exhibition/Viva :-

Display minimum 10 selected works (prints) from class works in an artistic manner. He/She should be explained about the technical and aesthetic reason used on each works.

Code- BFAG 403

PAPER - V

Elective (Any One):-

- **Relief Print: -** It is the surface of the block that yields the image. Use any surficial print from Wood cut, Lino cut etc.
- **Lithography:-** Explore this medium using line, dots, textures, modelling and tonality in black and white or in multi colors.
- **English Language & Communication Skill**
- **Travel and Tourism**
- **Functional Hindi**

Semester – V BFA GRAPHICS

THEORY

Code- BFAT 501

PAPER - I

History of Art

(A) India: Eastern Indian Art –Bhubaneswar, Konark. Khajuraho, South India - Chola Bronze; Medieval Miniature Painting- Jain, Pal & Mughal School (Akbar, Jahangir, Sahajahan).

(B) West: Art of Renaissance- Early Renaissance (Duccio, Giotto, Dinatello Ghiberti Massaccio) Art of Japan- Origin of art in Japan, sources of Japanes Art, from Nara to, Kamakura fujiwara phasas till Modern Time.

Code- BFAT 502

PAPER - II

Aesthetics

Introduction to the philosophy of Indian Arts & Aesthetics and Thinkers – Bharatmuni, Abhinavgupta, Ananda Kentish Coomaraswamy, (Bhava, Vibhav, Anubhav),
Shadang relivance to Vishnu dharmottarpuran, Brief study of the basic principles of philosophy of Art and religion, Vedic Upanisad, Buddhist, Jain, Saivite and Shakti, Chitra Sutra- Pratimalakshan, Talman, Ras-Siddhant, etc.

GRAPHICS - PRACTICAL

Code- BFAG 501

PAPER - III

Lithography :-

It is the antipathy of Grease to water and water to grease that is the basis of Lithography. Explore this medium using line, dots, textures, modelling and tonality in black and white or in multi colors.

Code- BFAG 502

PAPER - IV

Exhibition/Viva :-

Display minimum 10 selected works (prints) from class works in an artistic manner. He/She should be explained about the technical and aesthetic reason used on each works.

Code- BFAG 503

PAPER - V

Elective (Any One):-

- **Print and Publishing**
- **Computer Application**
- **Clay Modelling**

Semester – VI BFA GRAPHICS

THEORY

Code- BFAT 601

PAPER - I

History of Art

(A) India: Pahari Painting (Kangra, Basohli), Rajasthani, Apabhransh etc., Folk and Tribal Art (Madhubani, Kalighat Pata, Warli)

(B) West: High Renaissance (Leonardo-da-Vinci, Durer, Michael Angelo, Raphael, Titian etc.) Post Renaissance (Mannerism, Baroque, Rococo).

Code- BFAT 604

PAPER - II

Project/Seminar for Graphics

On any Western or Far Eastern printmaker and his/her works and contribution to the print art world.

GRAPHICS - PRACTICAL

Code- BFAG 601

PAPER - III

Lithography :-

It is the antipathy of Grease to water and water to grease that is the basis of Lithography. Explore this medium using line, dots, textures, modelling and tonality in black and white or in multi colors.

Code- BFAG 602

PAPER - IV

Exhibition/Viva:-

Display minimum **10** selected works (prints) from class works in an artistic manner. He/She should be explained about the technical and aesthetic reason used on each works.

Code- BFAG 603

PAPER - V

Elective:-

- **Personality Development (Compulsory)**
- **Sugam Sangeet or Folk Music(Compulsory)**

Semester – VII BFA GRAPHICS

THEORY

Code- BFAT 701

PAPER - I

History of Art

(A) India: Company School Painting - Emergence of new Patrons, Indian artist Paintings for British Patrons with English Touch, Patna School); **Emergence of Art School in India** – Madras (1950), Calcutta (1954), Bombay (1957); **National awakening** - E. B. Haveli, Coomarswami, Shri Arbindo etc., Raja Ravi Verma (Paintings, Oleographs), **Bengal School and other Artists** –Abnindranath Tagore, Nandlal Bose, Gagendranath Tagore, Asit kumar Haldar, Kshitindranath Majumdar, Rabindranath Tagore, Jamini Roy, etc. Amrita Shergill.

(B) West: Romanticism – Goya, Delacroix, Constable, Turner) and **Neoclassicism** – David, Ingra; 19" Century Art and Artist- Realism (Daumier, Courbet); **Impressionism** – Manet, Monet, Degas, Renoir, Pissaro,etc. **Postimpressionism** – Van Gogh, Paul Gauguin, Seurat, Cezanne.

Code- BFAT 702
PAPER - II

Aesthetics

Philosophy and principles of Western Aesthetics - Plato, Aristotle, Plotinus, Aquinas, Baumgarten, Kant, Hegel, Croce, Tolstoy, Freud etc.; Philosophy and Aesthetics of Various period such as early Greek, Roman, Renaissance, Classical and Modern; Theory Relating to Origin and Creation of Art Communication, Intuition, Expression, Imitation, Inspiration etc.

GRAPHICS - PRACTICAL

Code- BFAG 701
PAPER - III

Intaglio:-

Engraving, Etching, Dry Point, Mezzotint, Aquatint, Soft Ground, Collograph and all fall into the Intaglio category. Explore any of these mediums for black and white or color printing.

Code- BFAG 702
PAPER - IV

Exhibition/Viva:-

Display minimum **10** selected works (prints) from class works in an artistic manner. He/She should be explained about the technical and aesthetic reason used on each works.

Code- BFAG 703
PAPER - V

Elective (Any One):-

- **Serigraphy: -** Stencil process, Gum method, Photo Exposure etc.
- **Lithography:-** Explore this medium using line, dots, textures, modelling and tonality in black and white or in multi colors.
- **Relief Print: -** It is the surface of the block that yields the image. Use any surficial print from Wood cut, Lino cut etc.
- **Art Criticism**
- **Luxury Product Design (Exhibition Viva)**

Semester – VIII BFA GRAPHICS

THEORY

Code- BFAT 801
PAPER - I

History of Art

(A) India: 20th Century Art in India, Art Groups – **Calcutta group** (1943-53) Pradosh Das Gupta, Paritosh Sen, Gopal Ghosh etc.; Ramkinkar Beij, Sankho Choudhury, Chintamoni Kar; **Madras School and Cholamandal Artists**, D. P. Roychoudhury, K. C. S. Panikar, P.V. Jankiraman, S. Nandgopala, M. Reddeppa Naidu, J. Sultan Ali etc.; **Bombay Progressive Artist Group** – Francis Newton Souza, S. H. Raza, M. F. Hussain, K. H. Ara, Sadanand Bakre, Ambadas Garhe; **Delhi Shilpi Chakra** – B. C. Sanyal, Ram Kumar, Dhanraj Bhagat; **Leading Contemporary Artists** – K. K. Hebbar, N. S. Bendre, Satish Gujral, J. Swaminathan,K.G. Subramanyan, Bikash Bhattacharjee, Ram Kumar, Santi Dave etc.

(B) West: Fauvism – Henri Matisse, Andre Derain, Maurice Valminck; **Expressionism** – De Brucke, Der Blaue Reiter, Paul Klee; **Futurism** – Umbreto Boccioni, Giocomo Balla, Calo Carra; **Cubism** – Pablo Picasso, Braque, Juan Gris, Fernan Leze; **Abstract Expressionism**– Barnett Newrnan, James Brook, Jackson Pollock; **Constructivism** – Valdimir Tatlin, Naum Gabo Alexander Rodechenko etc. **Dadaism** – Marcel Duchamp, Francis Picabia, Chirico **Surrealism** – Salvador Dali, John Miro, Max Ernest, Man Ray, **Opt and Pop Art** – Hamilton Odenberg, Alien Jones.

Code- BFAT 804

PAPER - II

Project/Seminar for Graphics

Contemporary Indian/Western Printmaking; Student's own print art work

GRAPHICS - PRACTICAL

Code- BFAG 801

PAPER - III

Intaglio:-

Engraving, Etching, Dry Point, Mezzotint, Aquatint, Soft Ground, Collograph and all fall into the Intaglio category. Explore any of these mediums for black and white or color printing.

Code- BFAG 802

PAPER - IV

Exhibition/Viva :-

Display minimum **10** selected works (prints) from class works in an artistic manner. He/She should be explained about the technical and aesthetic reason used on each works.

Code- BFAG 803

PAPER - V

Elective (Any One):-

- **Serigraphy: -** Stencil process, Gum method, Photo Exposure etc.
- **Lithography :-**It is the antipathy of Grease to water and water to grease that is the basis of Lithography. Explore this medium using line, dots, textures, modelling and tonality in black and white or in multi colors
- **Relief Print: -** It is the surface of the block that yields the image. Use any surficial print from Wood cut, Lino cut etc.
- **Art Criticism**
- **Luxury Product Design (Exhibition & Viva).**

Appendix B
COURSE STRUCTURE FOR BACHLOR OF FINE ARTS IN GRAPHICS
B.F.A. I Semester (Foundation Course)

Paper	CODE	Name of Paper	Credit Hours	External %		Internal %		Total Max Marks	Total Min Marks
				Max. marks	Min. marks	Max. marks	Min Marks		
I	BFAF 101	History of Art (Indus Valley Civilization to Gupta Period)	2	70	23	30	10	100	33
II	LNGE 101 / LNGH 101	English/Hindi Language	2	70	23	30	10	100	33
III	ENV 101	Environmental Study	2	70	23	30	10	100	33
IV	BFAF 102	Drawing	3	70	28	30	12	100	40
V	BFAF 103	Design 2D	5	70	28	30	12	100	40
VI	BFAF 104	Design 3D	5	70	28	30	12	100	40
VII	BFAF 105	Print-Making	5	70	28	30	12	100	40
	Total Credit		**24**		**Total marks**			**700**	**259**

B.F.A. II Semester (Foundation Course)

Paper	CODE	Name of Paper	Credit Hours	External %		Internal %		Total Max Marks	Total Min Marks
				Max. marks	Min. marks	Max. marks	Min Marks		
I	BFAF 201	History of Art (Medieval Period to Present Day)	2	70	23	30	10	100	33
II	LNGE 201 / LNGH 201	English/Hindi Language	2	70	23	30	10	100	33
III	ENV 201	Environmental Study	2	70	23	30	10	100	33
IV	BFAF 202	Drawing	3	70	28	30	12	100	40
V	BFAF 203	Design 2D	5	70	28	30	12	100	40
VI	BFAF 204	Design 3D	5	70	28	30	12	100	40
VII	BFAF 205	Print-Making	5	70	28	30	12	100	40
	Total Credit		**24**			**Total marks**			**700** **259**

B.F.A. III Semester (Specialization in GRAPHICS)

Paper	CODE	Name of Paper	Credit Hours	External %		Internal %		Total Max Marks	Total Min Marks
				Max. marks	Min. marks	Max. marks	Min Marks		
I	BFAT 301	History of Art	3	70	23	30	10	100	33
II	BFAT 304	Technical Theory	3	70	23	30	10	100	33
III	BFAG 301	Serigraphy	8	70	28	30	12	100	40
IV	BFAG 302	Exhibition & Viva	8	70	28	30	12	100	40
V	BFAG 303	**Elective Subject (any one)** Relief Print / Lithography Disaster management Yoga Landscape	2	70	28	30	12	100	40
		Total Credit	**24**			**Total marks**		**500**	**186**

B.F.A. IV Semester (Specialization in GRAPHICS)

Paper	CODE	Name of Paper	Credit hours	External %		Internal %		Total Max marks	Total Min marks
				Max. marks	Min. marks	Max. marks	Min Marks		
I	BFAT 401	History of Art	3	70	23	30	10	100	33
II	BFAT 402	Aesthetics	3	70	23	30	10	100	33
III	BFAG 401	Serigraphy	8	70	28	30	12	100	40
IV	BFAG 402	Exhibition & Viva	8	70	28	30	12	100	40
V	BFAG 403	**Elective Subject (any one)** Relief Print / Lithography English Language & Communication Skill Travel & Tourism Functional Hindi	2	70	28	30	12	100	40
		Total Credit	**24**			**Total marks**		**500**	**186**

B.F.A. V Semester (Specialization in GRAPHICS)

Paper	CODE	Name of Paper	Credit hours	External % Max. marks	External % Min. marks	Internal % Max. marks	Internal % Min Marks	Total Max marks	Total Min marks
I	BFAT 501	History of Art	3	70	23	30	10	100	33
II	BFAT 502	Aesthetics	3	70	23	30	10	100	33
III	BFAG 501	Lithography	8	70	28	30	12	100	40
IV	BFAG 502	Exhibition & Viva	8	70	28	30	12	100	40
	BFAG 503	**Elective Subject (any one)**							
V		Print and Publishing Computer Application Clay Modeling	2	70	28	30	12	100	40
	Total Credit		**24**		**Total marks**			**500**	**186**

B.F.A. VI Semester (Specialization in GRAPHICS)

Paper	CODE	Name of Paper	Credit hours	External % Max. marks	External % Min. marks	Internal % Max. marks	Internal % Min Marks	Total Max marks	Total Min marks
I	BFAT 601	History of Art	3	70	23	30	10	100	33
II	BFAT 604	Project / Seminar	3	70	23	30	10	100	33
III	BFAG 601	Lithography	8	70	28	30	12	100	40
IV	BFAG 602	Exhibition & Viva	8	70	28	30	12	100	40
	BFAG 603	**Elective Subject**							
V		Personality Development	1	70	28	30	12	100	40
		SugamSangeet/Folk Music	1						
	Total Credit		**24**		**Total marks**			**500**	**186**

B.F.A. VII Semester (Specialization in GRAPHICS)

Paper	CODE	Name of Paper	Credit hours	External % Max. marks	External % Min. marks	Internal % Max. marks	Internal % Min Marks	Total Max. marks	Total Min marks
I	BFAT 701	History of Art	3	70	23	30	10	100	33
II	BFAT 702	Aesthetics (Western)	3	70	23	30	10	100	33
III	BFAG 701	Intaglio	8	70	28	30	12	100	40
IV	BFAG 702	Exhibition & Viva	8	70	28	30	12	100	40
V	BFAG 703	**Elective Subject (any one)** Serigraphy / Lithography /Relief Art Criticism Luxury Product Design (Exhibition & Viva)	2	70	28	30	12	100	40
		Total Credit	**24**		**Total marks**			**500**	**186**

B.F.A. VIII Semester (Specialization in GRAPHICS)

Paper	CODE	Name of Paper	Credit hours	External % Max. marks	External % Min. marks	Internal % Max. marks	Internal % Min Marks	Total Max. marks	Total Min marks
I	BFAT 801	History of Art	3	70	23	30	10	100	33
II	BFAT 804	Project / Seminar (Contemporary Art in India)	3	70	23	30	10	100	33
III	BFAG 801	Intaglio	8	70	28	30	12	100	40
IV	BFAG 802	Exhibition & Viva	8	70	28	30	12	100	40
V	BFAG 803	**Elective Subject (any one)** Serigraphy / Lithography/Relief Art Criticism Luxury Product Design (Exhibition & Viva)	2	70	28	30	12	100	40
	Total Credit		**24**		**Total marks**			**500**	**186**

Note:-

1. Theory subject (History of Art and Aesthetics) will be conducted by the Department of History of Art and Aesthetics.
2. Technical theory/Seminar/Project/Assignment will be conducted by the concern department.
3. Internal assessment for each semester to be done by the class teacher or a committeeConstituted for such purpose by the head of the respective department.

बी.पी.ए., सेमेस्टर पद्धति

हिन्दी साहित्य – सहायक विषय

प्रति सेमेस्टर में दो प्रश्नपत्र के हिसाब से छः सेमेस्टरों के कुल बारह प्रश्नपत्रों के तथा षष्ठ सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र के एक वैकल्पिक प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम

विशेष : प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का होगा। 70 अंक बाह्य परीक्षक एवं 30 अंक कक्षा–शिक्षक द्वारा देय होंगे।

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र :हिन्दी का उद्भव और विकास

कोड– पूर्णांक–100 = 70+30

HLit 101 (बाह्य आन्तरिक)

प्रस्तावना : हिन्दी भाषा का इतिहास जितना प्राचीन है, उतना ही गूढ़–गहन भी। हिन्दी भाषा लगभग डेढ़ हजार वर्ष से देश के मध्य भाग के जन समाज की संस्कृति की वाहिका रही है। आज तो वह जनमन द्वारा राष्ट्रभाषा एवं सम्पर्क भाषा तथा संविधान द्वारा राजभाषा का दायित्त्व भी वहन कर रही है। यहाँ तक कि अपनी विशिष्ट क्षमताओं के कारण अन्तरराष्ट्रीय भाषा की परिधि तक जा पहुँची है। उसका अध्ययन विशेष लाभप्रद होगा।

इकाई– 1 'हिन्दी' शब्द की व्युत्पत्ति, भाषा के रूप में हिन्दी शब्द का प्रयोग, हिन्दी का प्रारम्भिक स्वरूप, हिन्दी भाषा का विकास : 'हिन्दी' के एक भाषा–परम्परा के रूप में परिचय सहित, हिन्दी की मूल आकार भाषाओं का सामान्य परिचय।

इकाई– 2 हिन्दी भाषा के विविध रूप : बोलचाल की भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, सम्पर्क भाषा, संचार भाषा, रचनात्मक भाषा, विविध भाषारूपों का क्षेत्र, स्वरूप एवं विशेषताएँ।

इकाई– 3 हिन्दी का शब्द भण्डार : तत्सम, तद्भव, देशज और आगत शब्दों से आशय एवं उदाहरण।

इकाई– 4 व्याकरण का अर्थ, परिभाषा, हिन्दी व्याकरण का संक्षिप्त परिचय। हिन्दी के व्याकरण–निर्माण में आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी का योगदान। हिन्दी के प्रारम्भिक व्याकरणाचार्य श्री कामता प्रसाद गुरु एवं किशोरीदास बाजपेयी का योगदान।

अंक विभाजन :

आलोचनात्मक प्रश्न –
इकाई– 1 = 10
इकाई– 2 = 10
इकाई– 3 = 10
इकाई– 4 = 10
लघु उत्तरीय प्रश्न / टिप्पणी
(प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न अनिवार्य है)
05 X 04 = 20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न
(प्रत्येक इकाई से)
10 X 01 = 10

कुल अंक 70

पुस्तकें : 1– सामान्य भाषा विज्ञान – बाबूराम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, सं. 1995, मू. 75
2– हिन्दी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरू, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं. 2009, मू. 125
3– हिन्दी भाषा की उत्पत्ति – आचार्य महावीर द्विवेदी
4– हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं. 2015, मू. 150

द्वितीय प्रश्नपत्र :हिन्दी साहित्य का इतिहास

कोड– पूर्णांक–100 = 70+30

HLit 102 (बाह्य आन्तरिक)

प्रस्तावना : हिन्दी साहित्य न केवल देश के बड़े भू–भाग के जनसमाज को प्रतिबिम्बित करता है, वरन लगभग डेढ़ हजार वर्ष से अब तक की भारतीय संस्कृति का परिचायक भी है, इसलिए उसका अध्ययन विद्यार्थी के लिए महत्त्वपूर्ण होगा।

इकाई– 1 साहित्य लेखन की परम्परा, कालविभाजन एवं नामकरण, आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि तथा उसकी विभिन्न धाराओं– सिद्ध, नाथ, जैन, रासो, अपभ्रंश एवं लौकिक का सामान्य परिचय, आदिकालीन काव्य की विशेषताएँ।

इकाई– 2 पूर्वमध्यकाल/भक्तिकाल की पृष्ठभूमि, भक्ति आन्दोलन, भक्तिकालीन काव्य की विभिन्न धाराओं– निर्गुण एवं सगुण, निर्गुण की दो शाखाओं– ज्ञानाश्रयी/संत मत तथा प्रेमाश्रयी/सूफीमत और सगुण की दो शाखाओं– कृष्णभक्ति और रामभक्ति का सामान्य परिचय/भक्तिकाल की विशेषताएँ।

इकाई– 3 उत्तरमध्यकाल/रीतिकाल की पृष्ठभूमि, रीतिकालीन काव्य की विभिन्न धाराओं– रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त का सामान्य परिचय, रीतिकालीन काव्य की विशेषताएँ।

इकाई– 4 आधुनिक काल/गद्यकाल की पृष्ठभूमि, 1857 का स्वतन्त्रता संग्राम, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और उनके युग के हिन्दी साहित्यगत विकास का सामान्य परिचय एवं विशेषताएँ, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनके युग के साहित्यगत विकास का सामान्य परिचय एवं विशेषताएँ। छायावादी एवं छायावादोत्तर हिन्दी काव्य का सामान्य परिचय एवं विशेषताएँ। भारतेन्दु, द्विवेदी और प्रेमचन्दयुगीन, प्रेमचन्दोत्तर एवं समकालीन हिन्दी गद्य विधाओं का सामान्य परिचय एवं विशेषताएँ।

अंक विभाजन :

आलोचनात्मक प्रश्न–

इकाई– 1 = 10

इकाई– 2 = 10

इकाई– 3 = 10

इकाई– 4 = 10

लघु उत्तरीय प्रश्न/टिप्पणी

(प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न अनिवार्य है)

05 X 04 = 20

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(प्रत्येक इकाई से)

10 X 01 = 10

कुल अंक 70

पुस्तकें :

1– हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं. 2015, मू. 150

2– हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 1996, मू. 300

3– आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं. 2016, मू. 145

4– हिन्दी साहित्य का परिचयात्मक इतिहास – डॉ. भगीरथ मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2014, मू. 300

बी.पी.ए. द्वितीय सेमेस्टर
प्रथम प्रश्नपत्र : आदिकालीन हिन्दी काव्य

कोड– HLit 201

पूर्णांक–100 = 70+30 (बाह्य + आन्तरिक)

प्रस्तावना : आदि से तात्पर्य है – पहला । सही अर्थ में हिन्दी भाषा और साहित्य का विकास हिन्दी के आदिकाल से ही शुरु होता है। इसमें धार्मिक तथा ऐतिहासिक दोनों प्रकार का साहित्य मिलता है, जो प्रबंध, मुक्तक, रासो, फागु, चरित, सुभाषित आदि विविध काव्यरूपों में अभिव्यंजित है। मध्यकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि के रूप में इसे प्रतिष्ठापित किया जाता है।

इकाई– 1 हिन्दी साहित्य के विकास में आदिकालीन काव्य की भूमिका।
पाठ्यकवि और उनकी निर्धारित रचनाएँ

इकाई– 2 विद्यापति : विद्यापति पदावली के 'प्रार्थना' के (पद क्र. 1, 3, 4)
'बंशी माधुरी' का (नंदक नंदन) तथा 'रूपवर्णन' का (देख–देख राधा–रूप अपार)।
चन्दबरदाई : 'पद्मावती समय' के प्रारम्भिक 10 छन्द

इकाई– 3 अमीर खुसरो : तीन पहेलियाँ (क्र. 1, 2 एवं 11)/दो सखुन (क्र. 1 व 2)/एक मुकरी (क्र. 3)/ एक ग़ज़ल (क्र. ञ)/एक कव्वाली (क्र. 1)।
जगनिक : परमाल रासो के प्रारम्भिक 10 छन्द।

इकाई– 4 द्रुतपाठ के कवि–
गोरखनाथ
अर्ब्दुरहमान
पुष्पदन्त

अंक विभाजन –

1.	तीन व्याख्याएँ	07x03	=	21 अंक
2.	दो आलोचनात्मक प्रश्न	12x02	=	24 अंक
3.	तीन लघु उत्तरीय प्रश्न/टिप्पणी	05x03	=	15 अंक
4.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10x01	=	10 अंक
				कुल 70 अंक

पुस्तकें :

1– पृथ्वीराज रासो : साहित्यिक मूल्यांकन – डॉ. द्विजराम यादव, साहित्यालोक प्रकाशन, कानपुर, सं. 1980
2– परमाल रासो–सं. श्यामसुंदर दास
3– विद्यापति – डॉ. शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं. 1970
4– अमीर खुसरो और उनका हिन्दी साहित्य – भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, सं. 1950
5– हिन्दी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
6– हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं. 2015, मू. 150/–
7– प्राचीन कवि – विश्वम्भर मानव – लोकभारती प्रकाशन इला., सं. 2011, मू. 70/–
8– हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. नगेन्द्र, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा, सं. 1996, मू. 100/–

द्वितीय प्रश्नपत्र : पूर्वमध्यकालीन/भक्तिकालीन हिन्दी काव्य

कोड–
HLit 202

पूर्णांक–100 = 70+30
(बाह्य + आन्तरिक)

प्रस्तावना : हिन्दी का भक्तिकाव्य, जहाँ लोक जागरण को स्वर देने वाला है, वहीं उसमें गीत, संगीत एवं चित्रकला आदि ललित कलाओं का सुष्ठु समायोजन भी है। साथ ही पारस्परिक सौहार्द्र की धारा भी उसमें प्रवाहित है। उसका अध्ययन मानवीय मूल्यों की दृष्टि से उपयोगी रहेगा।

इकाई– 1 हिन्दी साहित्य के विकास में पूर्वमध्यकालीन/भक्तिकालीन काव्य की भूमिका

पाठ्यकवि और उनकी निर्धारित रचनाएँ

इकाई– 2 कबीर : गुरुदेव कौ अंग (साखी क्र. 1 से 5), सुमिरण कौ अंग (साखी क्र. 1 से 5), बिरह कौ अंग (साखी क्र. 1 से 5)

जायसी : पद्मावत के नागमती वियोग वर्णन के प्रारम्भिक दस छंद

इकाई– 3 सूरदास : 'बाललीला' के चार पद आजु नंद के द्वारैं भीर। सोभा सिंधु/आजु तौ बधाई बाजै/जसोदा हरि पालनैं झुलावै।

'माखनचोरी' के तीन पद – मैया मैं नहिं माखन/तेरी सौं सुन सुन मेरी मैया/ जसुमति तेरौ बारौ कान्ह।

'रूपचित्रण' के दो पद – हरि मुख निरखन नैन भुलाने/देख री नवल नंदकिशोर।

'वंशीवादन' का एक पद – 'जब हरि मुरली अधर धर।

तुलसीदास : 'विनयपत्रिका' के पाँच पद – ऐसो को (पद सं. 162)/केशव ! कहि न(पद सं. 111)/जागु जागु जीव (पद सं. 73)/माधव ! मोह फाँस (पद सं. 115) /ताहि तें आयो (पद सं. 187) ।

'गीतावली' के पाँच पद – राम लखन जब/मैं तुम सों सतिभाव/राघौ गीध गोद/पदपदुम गरीब/राजत राम काम।

इकाई– 4 द्रुतपाठ के कवि–
धर्मदास
मीराबाई
मंझन

अंक विभाजन –

1.	तीन व्याख्याएँ	07x03	=	21 अंक
2.	दो आलोचनात्मक प्रश्न	12x02	=	24 अंक
3.	तीन लघु उत्तरीय प्रश्न/टिप्पणी	05x03	=	15 अंक
4.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10x01	=	10 अंक
				कुल 70 अंक

पुस्तकें :

1– कबीर ग्रंथावली – सं. डॉ. श्यामसुन्दर दास, लोकभारती प्रकाशन इला., सं. 2015, मू. 100
2– संक्षिप्त सूरसागर – सं. डॉ. प्रेमनारायण टंडन, हिन्दी साहित्य भंडार, लखनऊ, सं. 1957
3– विनय पत्रिका – गीताप्रेस, गोरखपुर
4– जायसी ग्रंथावली – सं. आचार्य रामचंद्र शुक्ल, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं. 2010, मू. 260
5– प्राचीन कवि – विश्वम्भर मानव – लोकभारती प्रकाशन इला., सं. 2011, मू. 70
6– हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन इला., सं. 2015, मू. 150
7– हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इला.,सं. 2000, मू. 70
8– संत धर्मदास – डॉ. सत्यभामा आडिल, श्री सद्गुरु कबीर धर्मदास साहब वंशावली प्रतिनिधि सभा, दामाखेड़ा–रायपुर, सं. 2002, मू. 200

बी.पी.ए. तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र : उत्तरमध्यकालीन/रीतिकालीन हिन्दी काव्य

कोड– | पूर्णांक–100 = 70+30
HLit 301 | (बाह्य + आन्तरिक)

प्रस्तावना : हिन्दी का रीतिकालीन काव्य अपने लौकिक, श्रृंगारिक, परिदृश्य में तत्कालीन सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक स्थितियों को निःसंकोच अभिव्यंजित करता है, अतः भाषा, संस्कृति, विचार, मानवता, काव्यत्व, काव्यरूपता, लौकिकता आदि दृष्टियों से इसका अध्ययन अत्यावश्यक है।

इकाई– 1 हिन्दी साहित्य के विकास में उत्तरमध्यकालीन/रीतिकालीन काव्य की भूमिका :

पाठ्यकवि और उनकी निर्धारित रचनाएँ

इकाई– 2 बिहारी : दोहा क्र. 1, 2, 5, 6, 7, 8, 10, 11, 20, 21, 24, 34, 37, 41 तथा 43।
भूषण : 'छत्रसाल' के आरंभिक पाँच छंद।

इकाई– 3 पद्माकर : षड्ऋतु वर्णन के बसंत और पावस सम्बन्धी छन्द।
घनानन्द : आरंभिक 10 छन्द।

इकाई– 4 द्रुतपाठ के कवि–
केशव
देव
सेनापति

अंक विभाजन –

1.	तीन व्याख्याएँ	07x03	=	21 अंक
2.	दो आलोचनात्मक प्रश्न	12x02	=	24 अंक
3.	तीन लघु उत्तरीय प्रश्न/टिप्पणी	05x03	=	15 अंक
4.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10x01	=	10 अंक
			कुल	70 अंक

पुस्तकें :
1– बिहारी–आचार्य सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, पूर्णा प्रकाशन, वाराणसी
2– भूषण ग्रंथावली – सं. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 1998, मू. 75
3– घनानंद कवित्त– आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाराणसी
4– प्राचीन कवि – विश्वम्भर मानव, लोकभारती प्रकाशन इला., सं. 2011, मू. 70
5– पद्माकर पंचामृत – सं. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, श्रीरामरत्न पुस्तक भवन, काशी, 1992
6– कवि परम्परा : तुलसी से त्रिलोचन, प्रभाकर श्रोत्रिय, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, सं. 2013, मू. 230
7– हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं. नगेन्द्र, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा, सं. 1996, मू. 100
8– हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 1996, मू. 300

द्वितीय प्रश्नपत्र : आधुनिक हिन्दी काव्य

कोड– HLit 302

पूर्णांक–100 = 70+30 (बाह्य + आन्तरिक)

प्रस्तावना – आधुनिक हिन्दी काव्य आधुनिकता की समस्त विशेषताओं को समेटे हुए है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व एवं पश्चात की भाव, शिल्प, अन्तर्वस्तु संबंधी समस्त विकासधारा यहां सजीव रूप में देखी जा सकती है। इसे अनदेखा करना मध्यभारतीय संस्कृति की विकास यात्रा को अनदेखा करना है। इस यात्रा के साक्षात्कार के लिए आधुनिक हिन्दी काव्य का अध्ययन अपेक्षित ही नहीं, अपितु अनिवार्य है।

इकाई– 1 आधुनिकता से आशय, आधुनिक हिन्दी काव्य की पूर्वपीठिका।

पाठ्यकवि और उनकी निर्धारित रचनाएँ

इकाई– 2 भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : 'हिन्दी की उन्नति पर व्याख्यान' से (छन्द क्र. 4 एवं 11), वर्षा विनोद के प्रारम्भ की कजली एवं दोहा।

मैथिलीशरण गुप्त : 'भारत भारती' के अतीत एवं वर्तमान खण्डों के प्रारम्भिक तीन–तीन छन्द तथा भविष्यत खण्ड के (छन्द क्र. 4, 14, 38 एवं 72)।

इकाई– 3 सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला : भिक्षुक, बस एक बार और नाच तू श्यामा।

नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है, गुलाबी चूड़ियाँ।

इकाई– 4 द्रुतपाठ के कवि–

मुकुटधर पाण्डेय

अज्ञेय

केदारनाथ सिंह

अंक विभाजन –

1.	तीन व्याख्याएँ	07x03	=	21 अंक
2.	दो आलोचनात्मक प्रश्न	12x02	=	24 अंक
3.	तीन लघु उत्तरीय प्रश्न/टिप्पणी	05x03	=	15 अंक
4.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10x01	=	10 अंक
			कुल	70 अंक

पुस्तकें : 1– भारतेन्दु समग्र – सं. हेमन्त शर्मा, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी, सन् 1988, मू. 40

2– मैथिलीशरण संचयिता – सं. नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, पहला सं. 2002, मू. 275

3– अन्त अनन्त – सं. नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, पहला सं. 2014, मू. 250

4– नागार्जुन रचनावली – सं. शोभाकान्त मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

5– कवि परम्परा : तुलसी से त्रिलोचन–प्रभाकर श्रोत्रिय, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, सं. 2013, मू. 230

6– काव्य–परिदृश्य : कल और आज – डॉ. परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इला., सं. 2009, मू. 80

7– बींसवी सदी का हिन्दी साहित्य – सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, सं. 2005, मू. 170

8– आधुनिक कवि – विश्वम्भर मानव/डॉ. रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं. 2016, मू. 150

9– छायावाद और मुकुटधर पाण्डेय–रामनारायण पटेल, वाणी प्रकाशन–नई दिल्ली, प्रथम सं. 2015, मू. 395

बी.पी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
प्रथम प्रश्नपत्र : हिन्दी कथा साहित्य

कोड– HLit 401 | पूर्णांक–100 = 70+30 (बाह्य + आन्तरिक)

प्रस्तावना : हिन्दी गद्य की विधाओं का इतना द्रुत विकास इनकी उपयोगिता का प्रमाण प्रस्तुत करता है। विशेषतः हिन्दी उपन्यास और कहानी में, जो आधुनिक जीवन अपने विविध रूपों के साथ यथार्थ रूप में अभिव्यंजित हुआ है, उसके कारण उसकी लोकप्रियता भी सीमातीत हुई है। जीवन की अनुभूतियों, संवेदनाओं तथा विविध परिस्थितियों के साक्षात्कार के लिए इनका अध्ययन सर्वथा अपेक्षित है।

इकाई– 1 उपन्यास एवं कहानी विधा का स्वरूप–परिचय एवं हिन्दी कथा साहित्य की विकासयात्रा के विविध चरण।

पाठ्य लेखक एवं उनकी निर्धारित रचना

इकाई– 2 उपन्यास

जैनेन्द्रकुमार – त्यागपत्र

इकाई– 3 कहानी

प्रेमचन्द – नमक का दारोगा
यशपाल – पर्दा
भीष्म साहनी – अमृतसर आ गया है

इकाई– 4 द्रुतपाठ के रचनाकार–

चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
उषा प्रियम्वदा
फणीश्वरनाथ रेणु

अंक विभाजन –

1.	तीन व्याख्याएँ	07x03	=	21 अंक
2.	दो आलोचनात्मक प्रश्न	12x02	=	24 अंक
3.	तीन लघु उत्तरीय प्रश्न/टिप्पणी	05x03	=	15 अंक
4.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10x01	=	10 अंक
				कुल 70 अंक

पुस्तकें : 1– अधुनातन हिन्दी कहानी – सं. डॉ. वीरेन्द्र श्रीवास्तव/डॉ. राधाकृष्ण सहाय, सुमित्र प्रकाशन, इलाहाबाद, सं. 2010
2– आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं. 2016, मू. 145
3– हिन्दी के निर्माता– कुमुद शर्मा, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, सं. 2012, मू. 350
4– बींसवी सदी का हिन्दी साहित्य – सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, सं. 2005, मू. 170

द्वितीय प्रश्नपत्र : हिन्दी निबन्ध साहित्य

कोड– HLit 402

पूर्णांक–100 = 70+30 (बाह्य + आन्तरिक)

प्रस्तावना : समाज में सुशिक्षित समुदाय अपनी वैचारिकता से एक अलग स्थान बनाता है। साहित्य की निबन्ध विधा इस दृष्टि से उल्लेखनीय है। व्यक्ति के वैचारिक विकास, जीवन–जगत की स्थितियों पर उसकी प्रतिक्रिया सबसे स्पष्ट निबन्धों में ही मिलती है। इनका अध्ययन विद्यार्थी के बौद्धिक एवं मानसिक विकास में विशेष सहायक होगा।

इकाई– 1 निबन्ध विधा का स्वरूप–परिचय एवं हिन्दी निबन्ध की विकास यात्रा के विविध चरण।

पाठ्य लेखक एवं उनकी निर्धारित रचना

इकाई– 2	बाबू गुलाबराय	–	काव्येषु नाटकं रम्यम्
	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	–	लोभ और प्रीति
इकाई– 3	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी	–	कुटज
	हरिशंकर परसाईं	–	वैष्णव की फिसलन

इकाई– 4 द्रुतपाठ के रचनाकार–
बालकृष्ण भट्ट
पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी
विद्यानिवास मिश्र

अंक विभाजन –

1.	तीन व्याख्याएँ	07x03	=	21 अंक
2.	दो आलोचनात्मक प्रश्न	12x02	=	24 अंक
3.	तीन लघु उत्तरीय प्रश्न/टिप्पणी	05x03	=	15 अंक
4.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10x01	=	10 अंक
				कुल 70 अंक

पुस्तकें :
1– हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इला, सं.–2014, मू. 125
2– हिन्दी के निर्माता – कुमुद शर्मा, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, सं.–2012, मू. 350
3– हिन्दी साहित्य : बींसवी शताब्दी – नन्ददुलारे बाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन– इलाहाबाद, सं. 2010, मू. 195
4– आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं. 2016, मू. 145

बी.पी.ए. पंचम सेमेस्टर
प्रथम प्रश्नपत्र : हिन्दी नाटक साहित्य

कोड– HLit 501

पूर्णांक–100 = 70+30 (बाह्य + आन्तरिक)

प्रस्तावना : दृश्यविधा होने के कारण मनोरंजन एवं जनहित दोनों दृष्टियों से नाटक एवं उसका महत्वपूर्ण प्रकार एकांकी की सामर्थ्य सर्वविदित है। इनके अध्ययन से विद्यार्थी अधिक प्रभावी रूप में जीवन–जगत को जान–समझ सकते हैं।

इकाई– 1 नाटक और एकांकी विधा का स्वरूप–परिचय। हिन्दी नाटक साहित्य के विकास के विविध चरण।

पाठ्य लेखक एवं उनकी निर्धारित रचना

इकाई– 2 नाटक

जयशंकर प्रसाद – ध्रुवस्वामिनी

इकाई– 3 एकांकी

रामकुमार वर्मा – समय चक्र

भुवनेश्वर – ताँबे के कीड़े

जगदीशचन्द्र माथुर – भोर का तारा

इकाई– 4 द्रुतपाठ के रचनाकार–

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

हबीब तनवीर

उपेन्द्रनाथ अश्क

अंक विभाजन –

1.	तीन व्याख्याएँ	07x03	=	21 अंक
2.	दो आलोचनात्मक प्रश्न	12x02	=	24 अंक
3.	तीन लघु उत्तरीय प्रश्न/टिप्पणी	05x03	=	15 अंक
4.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10x01	=	10 अंक
				कुल 70 अंक

पुस्तकें :

1– हिन्दी नाटक – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2011, मू. 275

2– हिन्दी एकांकी – डॉ. सिद्धनाथ, राजकमल प्रकाशन, सं. 2009, मू. 400

3– हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष – गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद सं. 2008, मू. 100

4– हिन्दी–एकांकी : स्वरूप और विश्लेषण – डॉ. रमेश तिवारी, स्मृति प्रकाशन–इलाहाबाद, प्रथम सं. 1973

द्वितीय प्रश्नपत्र : हिन्दी की कुछ अन्य गद्य विधाएँ

कोड– पूर्णांक–100 = 70+30

HLit 502 (बाह्य + आन्तरिक)

प्रस्तावना : हिन्दी में गद्य का विकास भले ही आधुनिक काल में हुआ, किन्तु विकास–काल से ही गद्य की प्रायः सभी विधाओं में स्तरीय रचनाएँ लिखी गईं। केवल निबन्ध, नाटक, उपन्यास या कहानी ही नहीं, रेखाचित्र, संस्मरण, दैनन्दिनी और आलोचना विधाओं में भी महत्वपूर्ण रचनाएँ सामने आयीं। उनके माध्यम से जीवन का विविध रूप और रंग प्रत्यक्ष हुआ। उनका अध्ययन किए बिना साहित्य का समुचित ज्ञान सम्भव नहीं।

इकाई– 1 रेखाचित्र, यात्रा संस्मरण, दैनन्दिनी और आलोचना विधा का स्वरूप–परिचय एवं हिन्दी में उनकी विकास–यात्रा के विविध चरण।

पाठ्य रचनाकार एवं उनकी निर्धारित रचना

इकाई– 2 रेखाचित्र

महादेवी वर्मा – लछमा

यात्रा संस्मरण

धर्मवीर भारती – ठेले पर हिमालय

इकाई– 3 दैनन्दिनी (डायरी)

मोहन राकेश – डायरी के कान्नोर दि. 08.01.1953 से कन्याकुमारी दि. 31.01.1953 तक के अंश

आलोचना

गजानन माधव मुक्तिबोध – साहित्य के दृष्टिकोण

इकाई– 4 द्रुतपाठ के रचनाकार–

बनारसीदास चतुर्वेदी

विष्णु प्रभाकर

श्रीकान्त वर्मा

अंक विभाजन –

1.	तीन व्याख्याएँ	07x03	=	21 अंक
2.	दो आलोचनात्मक प्रश्न	12x02	=	24 अंक
3.	तीन लघु उत्तरीय प्रश्न/टिप्पणी	05x03	=	15 अंक
4.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10x01	=	10 अंक
			कुल	70 अंक

पुस्तकें : 1– मोहन राकेश संचयन – सं. रवीन्द्र कालिया, भारतीय ज्ञानपीठ– नई दिल्ली, दूसरा सं. 2012, मू. 600/–

2– साहित्य विधाएँ–सैद्धान्तिक पक्ष–डॉ. मधु धवन, वाणी प्रकाशन– नई दिल्ली, प्रथम सं. 2008, मू. 100/–

3– हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन– इला., सं. 2014, मू. 125/–

4– आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन– इलाहाबाद, सं. 2016, मू. 145/–

5– हिन्दी साहित्य का उत्तरवर्ती काल–सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन–इलाहाबाद, प्रथम सं. 2012, मू. 400/–

बी.पी.ए. षष्ठ सेमेस्टर
प्रथम प्रश्नपत्र : हिन्दी पत्रकारिता

कोड– HLit 601 | पूर्णांक–100 = 70+30 (बाह्य + आन्तरिक)

प्रस्तावना : आज के भौतिकवादी युग में लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ पत्रकारिता का महत्त्व और बढ़ गया है। जनजागरण की दृष्टि से इसकी भूमिका जीवन के सभी क्षेत्रों में है। इसके अध्ययन से विद्यार्थी के व्यक्तित्त्व में सजगता और कर्त्तव्यनिष्ठा का विकास सम्भव है। रोजगार प्राप्ति की दृष्टि से तो यह महत्वपूर्ण है ही।

इकाई– 1 पत्रकारिता का परिचय, हिन्दी पत्रकारिता की पृष्ठभूमि, प्रारम्भिक हिन्दी पत्रकारिता का परिचय।

इकाई– 2 भारतेन्दुयुगीन हिन्दी पत्रकारिता का सामान्य परिचय : प्रमुख पत्र–पत्रिकाओं एवं सम्पादकों का विशेष परिप्रेक्ष्य।

इकाई– 3 द्विवेदी युगीन पत्रकारिता का सामान्य परिचय : 'सरस्वती' पत्रिका तथा उसके सम्पादकद्वय आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी एवं पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी के योगदान का विशेष परिप्रेक्ष्य।

इकाई– 4 बीसवीं शताब्दी के तीसरे–चौथे दशक की हिन्दी पत्रकारिता का सामान्य परिचय : 'प्रताप' और उसके सम्पादक गणेशशंकर विद्यार्थी, 'कर्मवीर' और उसके सम्पादक माखनलाल चतुर्वेदी, 'हंस' और उसके सम्पादक मुंशी प्रेमचंद तथा 'छत्तीसगढ़ मित्र' और उसके सम्पादक माधवराव सप्रे के योगदान का विशेष परिप्रेक्ष्य। वर्तमान हिन्दी पत्रकारिता की दशा एवं दिशा : प्रमुख पत्र–पत्रिकाओं एवं सम्पादकों के सामान्य परिचय सहित।

अंक विभाजन :

आलोचनात्मक प्रश्न –
इकाई– 1 = 10
इकाई– 2 = 10
इकाई– 3 = 10
इकाई– 4 = 10
लघु उत्तरीय प्रश्न/टिप्पणी
(प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न अनिवार्य है)
05 X 04 = 20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न
(प्रत्येक इकाई से)
10 X 01 = 10

कुल अंक 70

पुस्तकें : 1– हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. नगेन्द्र, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा, सं. 1996, मू. 100
2– हिन्दी पत्रकारिता – डॉ. कृष्णबिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
3– हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास की भूमिका – जगदीश्वर चतुर्वेदी, अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली
4– हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम (भाग–1, 2) – सं. डॉ. वेदप्रताप वैदिक, हिन्दी बुक सेन्टर, नई दिल्ली

द्वितीय प्रश्नपत्र
जनपदीय साहित्य (छत्तीसगढ़ी साहित्य)

कोड– HLit 602

पूर्णांक–100 = 70+30 (बाह्य + आन्तरिक)

प्रस्तावना : हिन्दी केवल खड़ी बोली नहीं है, बल्कि एक बहुत बड़ा भाषिक समूह है। हिन्दी जगत में अनेक विभाषाएँ बोलियाँ और उपबोलियाँ विद्यमान हैं, जिनमें पुष्कल साहित्य–सम्पदा है। इनके सम्यक अध्ययन और अन्वेषण की आवश्यकता है। क्योंकि हमारा विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ी जनपदीय भाषा के क्षेत्र में आता है, अतः उसका अध्ययन अपेक्षित है। छत्तीसगढ़ी निरन्तर विकास की ओर अग्रसर हो रही है। अस्तु इसमें रचित साहित्य का इतिहास–विकास स्पष्ट करते हुए इनसे संबंधित प्रमुख रचनाकारों का आलोचनात्मक अनुशीलन करना हिन्दी के वृहत्तर हित में होगा।

इकाई 1– छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य की विकास यात्रा
पाठ्य रचनाकार एवं उनकी निर्धारित रचना

इकाई 2– सुन्दरलाल शर्मा – दानलीला (काव्य)
खूबचन्द बघेल – करमछडहा (नाटक)

इकाई 3– लखनलाल गुप्त –सोनपान (निबन्ध)
सत्यभामा आड़िल – रमिया और केतकी (कहानी)

इकाई 4– द्रुत पाठ के रचनाकार
रामचन्द्र देशमुख
हरि ठाकुर
केयूर भूषण

अंक विभाजन –

1.	तीन व्याख्याएँ	**07x03**	=	21 अंक
2.	दो आलोचनात्मक प्रश्न	**12x02**	=	24 अंक
3.	तीन लघु उत्तरीय प्रश्न/टिप्पणी	**05x03**	=	15 अंक
4.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	**10x01**	=	10 अंक
				कुल 70 अंक

पुस्तकें :

1– छत्तीसगढ़ी काव्य संकलन – सं. प्रो. रामनारायण शुक्ल, छत्तीसगढ़ी साहित्य परिसद, बिलासपुर

2– छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य – सं. डॉ. सत्यभामा आडिल, विकल्प प्रकाशन, रायपुर, सं. 2003

3– जनपदीय भाषा–साहित्य (छत्तीसगढ़ी) – प्र.सं. डॉ. सत्यभामा आडिल, विकल्प प्रकाशन, रायपुर, सं. 2004

द्वितीय वैकल्पिक प्रश्न पत्र
साहित्य का स्वरूप, भेद एवं सिद्धान्त

कोड– HLit 603(Optional)

पूर्णांक–100 = 70+30 (बाह्य + आन्तरिक)

प्रस्तावना : साहित्य सभी ललित कलाओं में सबसे सशक्त इसीलिए माना जाता है कि जीवन को सही दिशा देना, जीवन में आदर्शों को स्थापित करना उसका प्रमुख उद्देश्य होता है। साहित्य को पढ़ने वाले साहित्य के स्वरूप एवं सिद्धान्तों को जान–समझकर जीवन में सही दिशा प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम में साहित्य के स्वरूप, भेद एवं सिद्धान्तों के लिए परिप्रेक्ष्य मुख्यतः हिन्दी साहित्य का रहेगा।

इकाई– 1 'साहित्य' का अर्थ, परिभाषा, विधागत भेद एवं उद्देश्य, भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टिकोण।

इकाई– 2 काव्य (पद्य) का अर्थ, परिभाषा, विभिन्न भेद एवं प्रयोजन भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टिकोण।

इकाई– 3 काव्य के भारतीय सिद्धान्त, रस की परिभाषा, अंग और सोदाहरण भेद। छंद की परिभाषा और सोदाहरण भेद। अलंकार की परिभाषा और सोदाहरण भेद। काव्य के पाश्चात्य सिद्धान्त–सौन्दर्य बिम्ब, प्रतीक, फैंटेसी और मिथक का सोदाहरण परिचय।

इकाई– 4 साहित्य में विचारधाराएँ और उनकी पृष्ठभूमि : प्रमुख वाद– गाँधीवाद, राष्ट्रवाद, आदर्शवाद, यथार्थवाद, अस्तित्त्ववाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद।

अंक विभाजन :

आलोचनात्मक प्रश्न –

इकाई– 1 = 10

इकाई– 2 = 10

इकाई– 3 = 10

इकाई– 4 = 10

लघु उत्तरीय प्रश्न/टिप्पणी

(प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न अनिवार्य है)

05 X 04 = 20

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(प्रत्येक इकाई से)

10 X 01 = 10

कुल अंक 70

पुस्तकें : 1– साहित्य के सिद्धान्त तथा रूप – भगवतीचरण वर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2007, मू. 200

2– भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यसिद्धांत – गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं. 2016, मू. 100

3– भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा – डॉ. रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद, सं. 2016, मू. 100

4– हिन्दी व्याकरण (रस, छन्द, अलंकार सहित) – डॉ. उमेशचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2011, मू. 95

बी.पी.ए. सेमेस्टर पद्धति

हिन्दी भाषा – अनिवार्य (आधार) विषय

प्रति सेमेस्टर एक प्रश्नपत्र के हिसाब से दो सेमेस्टरों के दो प्रश्नपत्रों का पाठ्यक्रम

विशेष : प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का होगा। 70 अंक बाह्य परीक्षक एवं 30 अंक कक्षा–शिक्षक द्वारा देय होंगे।

आधार पाठ्‌यक्रम – हिन्दी भाषा

कोड– LNGH 101 | पूर्णांक–100 = 70+30 (बाह्य + आन्तरिक)

बी.पी.ए. प्रथम सेमेस्टर

वर्तमान में हिन्दी भाषा आधे से अधिक भारतीयों की सम्पर्क भाषा है। वह हिन्दी–भाषी राज्यों में मातृभाषा है तो समग्र भारत की राजभाषा भी है। यदि वह राष्ट्रभाषा के रूप में भारतीय जन–मन का सच्चा प्रतिबिम्ब प्रस्तुत करती है, तो विदेशों में वह भारतीय संस्कृति की सच्ची प्रसारिका भी है। उसे जानना–समझना, बोलना–लिखना, उसके प्रयोग में पारंगत होना विद्यार्थी के लिए न केवल व्यक्तित्त्व विकास के स्तर पर उपयोगी है, वरन् उसे कार्यक्षेत्र में स्थापित होने के लिए एक मजबूत आधार देने वाला भी है। इन्हीं तथ्यों को ध्यान में रखते हुए हिन्दी भाषा की पाठ्‌यसामग्री और उसके व्याकरणिक रूप तथा जीवन के शासकीय, औद्योगिक, व्यावसायिक आदि क्षेत्रों में उसके व्यावहारिक प्रयोग को पाठ्‌यक्रम में रखा गया है। यह ज्ञान निश्चय ही विद्यार्थी को सही समझ और दिशा प्रदान करेगा।

इकाई – एक पाठ्‌य–सामग्री

1.	पुष्प की अभिलाषा (कविता)	–	माखनलाल चतुर्वेदी
2.	शिरीष के फूल (निबन्ध)	–	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3.	एक टोकरी भर मिट्‌टी (कहानी)	–	माधवराव सप्रे
4.	चीनी भाई (संस्मरण)	–	महादेवी वर्मा
5.	हिमालय में पहली बार (यात्रा संस्मरण)	–	राहुल सांकृत्यायन

इकाई –दो भाषा : संप्रेषण कौशल

- भाषा की परिभाषा, प्रकृति, विविध रूप।
- संप्रेषण की अवधारणा और महत्व, संप्रेषण के प्रकार, संप्रेषण के माध्यम, संप्रेषण की तकनीक, अध्ययन, वाचन एवं चर्चा : प्रक्रिया एवं बोध, साक्षात्कार, भाषण कला एवं इनका रचनात्मक लेखन।

इकाई – तीन संभाषण कौशल

- संभाषण का अर्थ, उपादान विविध रूप तथा उपयोगिता। प्रयोगगत उदाहरण के तहत उद्‌घोषणा कला, आँखों देखा हाल, संचालन, समाचार वाचन, वाद–विवाद गतिविधि।
- प्रयोगगत उदाहरण के तहत साक्षात्कार, भाषण (वक्तृत्त्व कला) एवं इनका रचनात्मक लेखन।

इकाई– चार हिन्दी भाषा : वर्ण व्यवस्था, व्याकरण, मानक रूप, शब्द रचना, देवनागरी लिपि आदि प्रयोगगत प्रमुख रूप–

- वर्ण व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन वर्णों का उच्चारण एवं लेखनगत सामान्य परिचय।
- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं अवयय का सोदाहरण भेद सहित परिचय।
- उपसर्ग, प्रत्यय, सन्धि, समास और संक्षिप्ति का सोदाहरण सहित परिचय।
- मानक भाषा, मानक हिन्दी भाषा के लक्षण एवं उदाहरण वर्तनी से आशय, शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि।
- पर्यायवाची, विलोम, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, समश्रुत शब्द सोदाहरण परिचय। मुहावरे, लोकोक्ति, संक्षेपण, पल्लवन का परिचय उदाहरण सहित।
- लिपि का अर्थ, स्वरूप, देवनागरी लिपि का परिचय, नामकरण सम्बन्धी विविध मत, विशेषताएँ।

अंक विभाजन :

आलोचनात्मक प्रश्न –

इकाई– 1 = 10

इकाई– 2 = 10

इकाई– 3 = 10

इकाई– 4 = 10

लघु उत्तरीय प्रश्न/टिप्पणी

(प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न अनिवार्य है)

05 X 04 = 20

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

10 X 01 = 10

कुल अंक 70

पुस्तकें : 1– हिन्दी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरु, लोकभारती प्रकाशन– इलाहाबाद, द्वितीय सं. 2009, मू. 125/–

2– हिन्दी व्याकरण के नवीन क्षितिज– डॉ. रवीन्द्र कुमार पाठक, भारतीय ज्ञानपीठ– नई दिल्ली, सं. 2000, मू. 450/–

3– हिन्दी व्याकरण (रस, छन्द, अलंकार सहित)– डॉ. उमेशचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2011, मू. 95/–

4– बोलने की कला– डॉ. भानुशंकर मेहता– विश्वविद्यालय प्रकाशन– वाराणसी

5– साक्षात्कार : कैसे हों तैयार – शहरोज, राजकमल पेपर बैक्स– नई दिल्ली, दूसरा सं. 2016, मू. 80/–

6– अच्छा वक्ता कैसे बनें – शिवप्रसाद बागड़ी, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा.लि.– नई दिल्ली, आठवाँ सं. 2016, मू. 80/–

7– हिन्दी भाषा संरचना – प्रधान सं. त्रिभुवन नाथ शुक्ल, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी– भोपाल, प्रथम सं. 2008, मू. 30/–

बी.पी.ए. द्वितीय सेमेस्टर

आधार पाठ्यक्रम

हिन्दी भाषा

कोड– LNGH 201

पूर्णांक–100 = 70+30 (बाह्य + आन्तरिक)

इकाई – एक

1. नौका विहार (कविता) – सुमित्रानंदन पंत
2. दो गजलें – दुष्यन्त कुमार
3. पिता (कहानी) – ज्ञानरंजन
4. जीवन और साहित्य (निबन्ध)– सम्पूर्णानन्द
5. देश–दर्शन(निबन्ध) – पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

इकाई – दो

भाषागत अभिव्यक्ति कौशल : कथन की शैलियाँ : आशय, स्वरूप, उपयोगिता एवं उदाहरण।
विभिन्न संरचनाएँ : आशय, स्वरूप, उपयोगिता एवं उदाहरण।

- अनुवाद व्यवहार : अनुवाद से आशय, स्रोतभाषा–लक्ष्यभाषा, अच्छे अनुवाद एवं अनुवादक की विशेषताएँ, कुछ उदाहरण।

इकाई –तीन

हिन्दी भाषा के प्रमुख रूप : राष्ट्रभाषा, राजभाषा, जनभाषा, शिक्षण माध्यम में प्रयोगगत रूप संचारभाषा, सर्जनात्मक भाषा, यांत्रिक भाषा–

- राजभाषा हिन्दी का विशेष परिचय : संविधान में राजभाषा सम्बन्धी परिनियमावली का परिचय, राजभाषा रूप में हिन्दी के समक्ष उपस्थित व्यवहारिक कठिनाइयाँ एवं सम्भावित समाधान।

इकाई– चार

(क) हिन्दी भाषा का शब्द संसार, वाक्य संरचना, पारिभाषिक एवं शासकीय शब्दावली तथा पत्राचार : हिन्दी का शब्दभण्डार : तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी

- हिन्दी वाक्य रचना : वाक्य, उपवाक्य, भेद एवं रूपान्तरण
- हिन्दी शब्दावली : पारिभाषिक, पदनाम
- शासकीय–अशासकीय एवं अनौपचारिक पत्राचार : आदेश, परिपत्र, ज्ञापन, स्मरणपत्र, प्रतिवेदन। विभिन्न निमन्त्रण पत्र। व्यावसायिक उद्देश्य से लिखे गये पत्र।

(ख) कार्यालयी, प्रशासनिक एवं प्रौद्योगिकीगत प्रयोग में हिन्दी :

- कार्यालयी भाषागत प्रयोग के तहत टिप्पण (नोटिंग), प्रारूपण अथवा आलेखन (ड्राफ्टिंग)।
- कार्यालयी प्रयोजनों में यांत्रिक उपकरण का अनुप्रयोग : कम्प्यूटर, लैपटॉप, टैबलेट–टेलीप्रिंटर, टैलेक्स, वीडियो कान्फ्रेसिंग का सामान्य परिचय।
- सूचना प्रौद्योगिकी का परिचय, सूचना प्रोद्यौगिकी की प्रयोजनीय शब्दावली, इस रूप में हिन्दी की उपलब्धियाँ।

अंक विभाजन :

आलोचनात्मक प्रश्न –

इकाई– 1 = 10

इकाई– 2 = 10

इकाई– 3 = 10

इकाई– 4 = 10

लघु उत्तरीय प्रश्न/टिप्पणी

(प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न अनिवार्य है)

05X04 = 20

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

10X01= 10

कुल अंक 70

पुस्तकें :1– राजभाषा हिन्दी : चिन्तन और चेतना – सं. डॉ. किरणपाल सिंह, भारतीय राजभाषा विकास देहरादून, प्रथम सं. 2007, मू. 300/–

2– भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा – डॉ. नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन– दिल्ली, सं. 2014, मू. 152/–

3– सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ. बाबूराम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मेलन– प्रयाग, सं. 1995

4– प्रयोजनमूलक हिन्दी – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन– नई दिल्ली, सं. 2016, मू. 135/–

हिन्दी सृजनात्मक लेखन – एकवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम

दो सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रों का पाठ्यक्रम (परियोजना कार्य के भी) अंक विभाजन सहित

हिन्दी विभाग

हिन्दी सृजनात्मक लेखन

क्रिएटिव राइटिंग इन हिन्दी

(एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम)

यह पाठ्यक्रम उन विद्यार्थियों की सृजनात्मक योग्यता विकसित करने में सहायक होगा, जो कल्पनाशील लेखन की कला के बारे में अधिकतम जानकारी, दक्षता और व्यावसायिक ज्ञान प्राप्त करना चाहते हैं या स्वच्छन्द लेखन को ही अपना कैरियर बनाने के इच्छुक हैं। ललित कला यानी संगीत, नृत्य, थियेटर, चित्रकला आदि के विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के माध्यम से अपनी कला साधना में अधिक सशक्त होंगे। बन्दिश रचने, पटकथा लिखने और नृत्यनाटिका तैयार करने में उन्हें सुगमता होगी। यह पाठ्यक्रम निश्चय ही रोजगारपरक है, क्योंकि फिल्म, रेडियो, टेलीविजन आदि में लेखन एवं संचालन हेतु उन्हें अवसर मिलेंगे।

इसमें दो सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र 75–75 अंक के होंगे तथा 50 अंक प्रोजेक्ट वर्क पर होंगे, जिसमें 25 मौखिकी + 25 लेखन के होंगे। इस पाठ्यक्रम में प्रवेश–योग्यता 12वीं कक्षा उत्तीर्ण रहेगी तथा इसे कम से कम 7 विद्यार्थियों के प्रवेश लेने पर संचालित किया जायेगा। प्रातः 09.30 से या सुविधानुसार शिक्षण का समय तय किया जायेगा। इसके लिए शुल्क का निर्धारण विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा किया जा सकता है। शिक्षण कार्य विभाग के शिक्षकों द्वारा किया जायेगा।

पाठ्यक्रम–विभाजन		पाठ्यक्रम का शीर्षक
1. अनिवार्य पाठ्यक्रम	–	लेखन के सामान्य सिद्धांत
	–	निर्देशित प्रोजेक्ट वर्क
2. वैकल्पिक पाठ्यक्रम (कोई दो)	–	काव्य लेखन
	–	पटकथा लेखन
	–	लघु कहानी लेखन

हिन्दी विभाग

हिन्दी सृजनात्मक लेखन (एकवर्षीय) डिप्लोमा पाठ्यक्रम की प्रश्नपत्रवार पाठ्यसामग्री एवं अंक विभाजन

सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र

प्रथम प्रश्नपत्र

(लेखन के सामान्य सिद्धान्त)

कोड– HCR 101 पूर्णांक–75

इकाई : एक – सृजनात्मक (रचनात्मक) लेखन से आशय, सृजनात्मकता (रचनात्मकता) के आधार : अनुभव, चिंतन और कल्पना, सृजनात्मक लेखन के लिए आवश्यक तत्त्व–विषय, भाव, विचार, भाषा–शैली, प्रयोजन।

इकाई : दो – सृजनात्मक लेखन हेतु अपेक्षित क्षमताएँ–संवेदना, अभिव्यक्ति–कौशल, सौन्दर्य बोध, और भाषा–सामर्थ्य, सृजनात्मक लेखन की प्रवृत्ति के दो रूप– जन्मजात और अभ्यासगत, सृजनात्मक लेखन के सम्भावित क्षेत्र–स्वतन्त्र लेखन, पत्रकारिता, दूरदर्शन, आकाशवाणी, विज्ञापन, फिल्म।

इकाई : तीन – सृजनात्मक लेखन के भावपक्षीय तत्त्व–विषय, भाव, विचार, कलापक्षीय तत्व–भाषा : शब्द प्रकार, शब्द–शक्ति, शब्द–प्रयोग, शब्द निर्माण/शैली–औपचारिक एवं अनौपचारिक, विभिन्न भाषिक संदर्भ–क्षेत्रीय, वर्ग तथा समूहगत/मौखिक, लिखित एवं मानक प्रयोगगत।

इकाई : चार – सृजनात्मक लेखन के विधागत (स्वरूपगत) प्रमुख दो रूप–पद्य एवं गद्य, पद्य अथवा काव्य की कविता, गीत, गजल विधाओं, गद्य की नाटक, उपन्यास, आलोचना एवं निबन्ध विधाओं विषयगत में आभिजात्य, लोक एवं बालसाहित्य आदि विविध रूपों का सामान्य परिचय।

इकाई : पाँच – सृजनात्मक लेखन की उपयोगिता, उसकी व्यष्टिगत और समाजगत महत्ता के बहुविध आयाम।

अंक विभाजन
(कुल 75 = 50+15+10)

(1) प्रत्येक इकाई से 10–10 अंक के पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें अथवा करके वैकल्पिक प्रश्न भी रहेगा।

(2) सभी इकाइयों की पाठ्यसामग्री से सम्बन्धित टिप्पणियों का एक प्रश्न रहेगा, जिसमें कम से कम पाँच टिप्पणियाँ रहेंगी और किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक टिप्पणी के पाँच अंक होंगे।

(3) वस्तुनिष्ठ प्रश्न भी सभी इकाइयों से पूछे जायेंगे, जो 01–01 अंक के 15 प्रश्न होंगे।

द्वितीय प्रश्नपत्र

विधागत लेखन के सिद्धान्त (काव्य, पटकथा, लघुकहानी)

कोड– 75

HCR 102

इकाई : एक – काव्य, पटकथा एवं लघुकहानी से आशय, स्वरूपगत सामान्य परिचय/कवि, पटकथा लेखक एवं लघु कहानीकार के लिए आवश्यक विशेषताएँ।

इकाई : दो – काव्य, पटकथा एवं लघु कहानी के तत्व एवं स्वरूपगत–विषयगत प्रकार –
काव्य : लय, गति, तुक, छन्द/मुक्तक, गीत, गजल आदि।
पटकथा : कथानक, चरित्र, संवाद, रंगकर्म/प्रिंट मीडिया के लिए, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए। (नाटक, विज्ञापन, फीचर–फिल्म, रेडियोनाटक, दूरदर्शन धारावाहिक आदि)
लघु कहानी : कथावस्तु, चरित्र, संवाद, देशकाल वातावरण/शिक्षाप्रद, हास्यप्रधान।

इकाई : तीन – काव्य, पटकथा एवं लघु कहानी का प्रयोजन पक्ष–वैयक्तिक, मनोरंजनपरक तथा सामाजिक परिप्रेक्ष्य।

इकाई : चार – काव्य, पटकथा एवं लघु कहानी लेखन का रोजगारपरक परिप्रेक्ष्य–
स्वतन्त्र काव्य, पटकथा एवं लघु कहानी लेखन/आकाशवाणी एवं दूरदर्शन में कार्यक्रम संचालन/रेडियो–नाटक, टी.वी.–सीरियल के लिए पटकथा लेखन/रेडियो–टी.वी. पर प्रस्तुत किये जाने वाले विज्ञापनों का निर्माण।

इकाई : पाँच – वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सृजनात्मक लेखन के महत्वपूर्ण सम्भावित क्षेत्र–
(i) बाल कविताएँ, बाल फिल्मों की पटकथाएँ, बाल कहानियाँ।
(ii) स्त्री–दलित–अक्षम वर्ग के लिए काव्य/पटकथा/लघु कहानी लेखन।

अंक विभाजन

(कुल 75 = 50+15+10)

द्वितीय सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र (वैकल्पिक पाठ्यक्रम पर केन्द्रित)

इस प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम में कुल तीन विधाओं– काव्य, पटकथा और लघु कहानी में से कोई दो विधा के चयन का विकल्प रखा गया है। विद्यार्थी अपनी रुचि अनुसार इनमें से कोई दो विधाएँ चुनेगा, इसे ध्यान में रखते हुए प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन निम्नानुसार होगा–

(1) प्रथम प्रश्न में क, ख, ग, तीन खण्डों के अन्तर्गत विधावार 10–10 अंकों के तीन–तीन प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से प्रथम दो प्रश्नों में अथवा करके वैकल्पिक प्रश्न रहेगा। तीसरा प्रश्न टिप्पणी का होगा। तीनों प्रश्न हल करना आवश्यक है। विद्यार्थी क, ख, ग में से अपनी दो विधाओं वाले खण्ड के प्रश्न ही हल करेगा।

(2) वस्तुनिष्ठ प्रश्न सभी इकाइयों से पूछे जायेंगे। 1–1 अंक के 15 प्रश्न होंगे। ये तीनों विधाओं से सम्बन्धित होंगे। इसमें खण्ड नहीं होंगे।

उपयुक्त ग्रंथ सूची– (1) वर्मा भगवतीचरण, साहित्य के सिद्धान्त तथा रस, राजकमल प्रकाशन, संस्करण – 2007
(2) गौतम रमेश, रचनात्मक लेखन, भारतीय ज्ञानपीठ, संस्करण – 2015
(3) साहित्यिक विधाएँ–सैद्धान्तिक पक्ष, धवन मधु, वाणी प्रकाशन–नयी दिल्ली, प्रथम संस्करणः 2008, मूल्य 100/– रूपये

बी.पी.ए., सेमेस्टर पद्धति

प्रयोजनमूलक हिन्दी – वैकल्पिक विषय

चतुर्थ सेमेस्टर के वैकल्पिक एकल प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम

विशेष : प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का होगा। 70 अंक बाह्य परीक्षक एवं
30 अंक कक्षा–शिक्षक द्वारा देय होंगे।

चतुर्थ सेमेस्टर
प्रयोजन मूलक हिन्दी
(वैकल्पिक विषय)
(एकल प्रश्नपत्र)

कोड– HP 401

पूर्णांक–100 = 70+30 (बाह्य + आन्तरिक)

प्रस्तावना :

वर्तमान में रोजगारोन्मुख पाठ्यविषय एवं पाठ्यक्रम को प्रमुखता दी जा रही है। विद्यार्थी अध्ययन उपरान्त यथाशीघ्र आत्मनिर्भर बने, यही उद्देश्य प्रधान हो गया है। 'प्रयोजन मूलक हिन्दी' विषय के तो नाम में ही अन्तर्निहत है प्रयोजन अर्थात उद्देश्यपरकता। इसके अन्तर्गत पाठ्यक्रम हिन्दी भाषा और उसके व्याकरण तक सीमित न होकर प्रत्यक्ष विविध कर्मक्षेत्रों जैसे व्यावसायिक, प्रौद्योगिक, पत्रकारिता, विज्ञापन–लेखन आदि में सक्षम बनाने वाला होता है। एक वैकल्पिक प्रश्नपत्र के रूप में इसका अध्ययन विद्यार्थी की कर्मक्षेत्र सम्बन्धी कार्यक्षमता को निश्चय ही बढ़ायेगा। इस पाठ्यक्रम में आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत क्षेत्रीय भ्रमण एवं प्रायोगिक कार्य को सम्मिलित किया जायेगा।

इकाई– 1 राजभाषा हिन्दी : संवैधानिक स्थिति और गति

इकाई– 2 अनुवाद : सामान्य सिद्धान्त और समस्या

इकाई– 3 प्रशासकीय पत्राचार के विविध रूप

इकाई– 4 जनसंचार का माध्यम : मीडिया और हिन्दी / विज्ञापन और हिन्दी

इकाई– 1

(क) पृष्ठभूमि : सामान्य हिन्दी का स्वरूप और उसकी संवैधानिक स्थिति : अनुच्छेद 343 से 351– संविधान स्वीकृत भाषा–नीति, एक राजभाषा आयोग (सन 1955, संसदीय राजभाषा समिति सन् 1957, राजभाषा अधिनियम 1963, अधिनियम के प्रमुख उपबंध, राजभाषा (संशोधन) अधिनियम 1967, 1976

(ख) प्रयोजन मूलक हिन्दी : आशय एवं महत्ता

(ग) प्रयोजन मूलक हिन्दी : स्वरूप और व्यवहार क्षेत्र– कार्यालयी, शासकीय, अनुवाद, व्यावसायिक और जनसंचार

इकाई– 2

अनुवाद की प्रक्रिया, अनुवाद के प्रकार, साहित्यिक अनुवाद, साहित्येतर अनुवाद, अनुवाद की समस्याएँ एवं समाधान, सूचना प्रधान साहित्य अथवा कार्यालयी अनुवाद, कम्प्यूटर एवं राजभाषा हिन्दी, अनुवाद का महत्व।

इकाई– 3

सामान्य कार्यालयी पत्र, कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, परिपत्र, अर्द्ध सरकारी/अर्द्ध शासकीय पत्र, अनौपचारिक निर्देश, टिप्पणी, अनुस्मारक पत्र, पृष्ठांकन, शासकीय संकल्प/प्रस्ताव, अधिसूचना, प्रेस विज्ञप्ति/प्रेस टिप्पणी, तार

इकाई– 4

(क) जनसंचार – स्वरूप व महत्त्व और विभिन्न माध्यमों का परिचय।

(ख) श्रव्यमाध्यम लेखन – स्वरूप और विशेषताएँ, समाचार लेखन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा, फीचर लेखन

(ग) दृश्यमाध्यम लेखन – स्वरूप और विशेषताएँ, पटकथा लेखन, टेली ड्रामा, डाक्यू ड्रामा, संवाद लेखन, साहित्यिक विधाओं का रूपांतरण

(घ) विज्ञापन में शब्द की भूमिका, विज्ञापन कला और साहित्य, शब्द और भावबोध, माध्यम परिवर्तन : शब्द और भावबोध, दृश्य–श्रव्य माध्यम की सामान्य विशेषताएँ और विज्ञापन, विज्ञापन की भाषा के रूप में हिन्दी : समस्या और समाधान

अंक विभाजन :

आलोचनात्मक प्रश्न –

इकाई– 1 = 10

इकाई– 2 = 10

इकाई– 3 = 10

इकाई– 4 = 10

लघु उत्तरीय प्रश्न/टिप्पणी

(प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न अनिवार्य है)

06 X 04 = 20

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

11 X 01 = 10

कुल अंक 70

पुस्तकें :

1– प्रयोजनमूलक हिन्दी – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2016, मू. 135

2– राजभाषा हिन्दी : चिन्तन और चेतना – सं. डॉ. किरणपाल सिंह, भारतीय राजभाषा विकास संस्थान, देहरादून, प्रथम सं. 2007, मू. 300

व्यावसायिक हिन्दी/कार्यालयीन अथवा प्रयोजनमूलक

इकाई– 1 हिन्दी भाषा और उसके प्रयोजनमूलक रूप

इकाई– 2 कार्यालय, वाणिज्य, व्यवसाय की हिन्दी

(क) राजभाषा हिन्दी – संवैधानिक प्रावधान, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य
(ख) कार्यालयी हिन्दी – स्वरूप और विशेषताएँ
(ग) कार्यालयी हिन्दी–लेखन – स्वरूप व विभिन्न प्रकार, टिप्पण, प्रारूपण, संक्षेपण, पल्लवन, प्रतिवेदन,
शिक्षण एवं अभ्यास
(घ) सरकारी पत्राचार – स्वरूप व प्रकार, प्रारूप : परिपत्र, ज्ञापन, कार्यालय आदेश, अर्द्धसरकारी पत्र।
(ड.) व्यावसायिक पत्र लेखन – स्वरूप व प्रकार, प्रारूप : आवेदन पत्र, नियुक्ति पत्र, माँगपत्र, साखपत्र, शिकायत पत्र

इकाई– 3 मीडिया लेखन

(क) जनसंचार – स्वरूप व महत्त्व और विभिन्न माध्यमों का परिचय
(ख) श्रव्यमाध्यम लेखन – स्वरूप और विशेषताएँ, समाचार लेखन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा, फीचर लेखन
(ग) श्रव्यमाध्यम लेखन – स्वरूप और विशेषताएँ, पटकथा लेखन, टेली ड्रामा, डाक्यू ड्रामा, संवाद लेखन, साहित्यिक विधाओं का रूपांतरण
(घ) विज्ञापन लेखन – विज्ञापन का स्वरूप और महत्त्व, भाषिक विशेषताएँ, लेखनप्रक्रिया

इकाई– 4 कम्प्यूटर, इन्टरनेट और हिन्दी लेखन

(क) कम्प्यूटर – परिचय, रूपरेखा, हार्डवेयर सॉफ्टवेयर का सामान्य परिचय
(ख) वेब पब्लिशिंग – स्वरूप व प्रक्रिया का परिचय
(ग) इन्टरनेट का सामान्य परिचय
(घ) हिन्दी में इन सुविधाओं की उपलब्धता और प्रयोगविधि
(ड.) इन्टरनेट पोटल, डाउन लेडिंग – अपलोडिंग, लिंक, ब्राऊजिंग, हिन्दी सॉफ्टवेयर पैकेज

इकाई– 5 अनुवाद : सिद्धान्त और व्यवहार–

(क) सिद्धान्त पक्ष : अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि। कार्यालयी हिन्दी और अनुवाद। वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रोद्योगिकी क्षेत्र में अनुवाद।
(ख) व्यावहारिक पक्ष : कार्यालयी अनुवाद, कार्यालयी एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियाँ, पदनाम, विभाग–नाम, विभिन्न भाषाओं के पत्रों का अनुवाद, बैंक में लिखा पढ़ी सम्बन्धी प्रपत्रों के अनुवाद
(ग) हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका पुस्तकें– (प) प्रयोजनमूलक हिन्दी–डॉ. दंगल झाटे (2) बैंकिंग हिन्दी पाठ्यक्रम–सं. कृष्णकुमार गोस्वामी (3) भारतीय मीडिया : अंतरंग पहचान–सं. स्मिता मिश्र

बी. पी. ए.2017 -18 C.B.C.S. (सेमेस्टर सिस्टम)

प्रथम सेमेस्टर संस्कृत-भाषा आधार

कोड– पूर्णाङ्क –100 = 70+30

SI 101

1 (क) पञ्चतन्त्र (अपरीक्षितकारक की आरम्भिक पाँच कथायें – दो श्लोकों की व्याख्या 6 तथा समीक्षात्मक प्रश्न 06 (12

(ख) जयदेव कृत गीतगोविन्द-महाकाव्य प्रथम सर्ग (12) दो श्लोकों की व्याख्या (06 तथा समीक्षात्मक प्रश्न 06 12

2- व्याकरणः-

(क) संज्ञा परिचय (स्वर, पद , वर्णोच्चारणस्थान) - (10)

(ख) सन्धि का सामान्य ज्ञान(स्वर , व्यञ्जन तथा विसर्ग) (10)

(ग) संस्कृत सम्भाषण की प्रक्रिया का सामान्यज्ञान (10)

(घ) रूप बोध - (16)

1- शब्दरूप- बालक, रमा ,कवि, पितृ, फल, मति, स्त्री, अस्मद् , युष्मद् तथा तद्(तीनों लिङ्गों में)

2- धातुरूप – भू, गै, नृत् , पठ् , श्रु, वद् , अस् , एवं दा (लट् , लोट् , लङ् , लिङ् , लृट्)

(व्याकरण - लघुसिद्धान्तकौमुदी से निर्धारित किया गया है ।)

बी. पी. ए . द्वितीय सेमेस्टर संस्कृत-भाषा

कोड– SI 201 पूर्णाङ्क –100 = 70+30

1 (क)मूलरामायण	12
(ख) महाकवि कालिदास द्वारा रचित मेघदूत(पूर्वमेघ)	12
2- व्याकरण:-	
(क) संस्कृत की भाषावैज्ञानिक प्रविधि	10
(ख) प्रत्यय परिचय	10
(ग) उपसर्ग परिचय)	10
3- (क) अनुवाद का स्वरूप एवं विशेषतायें	05
(ख) हिन्दी के वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद	05
(ग) हिन्दी शब्दों के संस्कृत पर्याय -	06

सहायक ग्रन्थ सूची

1- आचार्य कपिलदेव द्विवेदी द्वारा रचित रचनानुवादकौमुदी
2- आचार्य मोहनवल्लभ पन्त द्वारा रचित कारकदीपिका
3- आचार्य बलदेव उपाध्याय द्वारा रचित संस्कृतसाहित्य का इतिहास

बी. पी. ए

प्रथम सेमेस्टर

संस्कृत साहित्य : अनिवार्य साहयक-विषय

प्रति सेमेस्टर के दो प्रश्नपत्रों के हिसाब से छः सेमेस्टर बारह प्रश्नपत्रों का भी C.B.C.S. **पाठ्यक्रम**

संस्कृत साहित्य प्रथम सेमेस्टर प्रथम-प्रश्नपत्र.

नाटक संस्कृत-साहित्य से सम्बन्धित-व्याकरण और अनुवाद (पेपर कोड 0125)

कोड– पूर्णाङ्क –100 = 70+30

SLit 101

इकाई 1 –महाकवि भास द्वारा रचित नाटक- स्वप्नवासवदत्तम् दो श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या तथा एक श्लोक का अनुवाद 15

इकाई 2- समीक्षात्मक प्रश्न 15

इकाई 3- सुबन्त (शब्द) राम, , हरि,भानु, पितृ ,करिन् , कर्तृ,चन्द्रमस्,भगवत्, आत्मन्, लता, मति, नदी, धेनु, , मातृ, फल, वारि, मधु, वाच्, , सर्व, तद्, इदम्, जगत्, अस्मद् तथा युष्मद् एक,द्वि. त्रि चतुर् ।

तिङन्त (धातुरूप) भ्वादि,दिवादि, तुदादि, चुरादि इन चार गणों के धातुओं के लट् , लोट् ,लङ् , विधिलिङ्, लकारों के रूप एवं अस् और कृ धातुओं के उक्त लकारों के रूप

30

इकाई 4- प्रत्याहार,संज्ञा , सन्धि और विभक्त्यर्थ 05

इकाई 5 -हिन्दी से संस्कृत में पाँच वाक्यों का अनुवाद 05

अनुशंसित ग्रन्थ

1- रचनानुवादकौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी

2- संस्कृतस्यव्यावहारिकस्वरूपम् – डॉ. नरेन्द्र, श्री अरविन्दआश्रम

3- संस्कृतव्याकरण – श्रीधरवसिष्ठ

4- संस्कृत में अनुवाद कैसे करें – उमाकान्त मिश्र शास्त्री भारतीभवन पटना 1971

5- सहजबोधव्याकरणम् – डॉ. पुष्पा दीक्षित प्रतिभा प्रकाशन नईदिल्ली द्वारा प्रकाशितसंस्करण 2012

6- लघुसिद्धान्तकौमुदी – श्री शारदारञ्जन रॉय 1954

7- संस्कृतनिबन्धरत्नाकर – डॉ. शिवप्रसाद भारद्वाज अशोकप्रकाशन दिल्ली – 1977 द्वितीय संस्करण

8- भास द्वारा रचित नाटक स्वप्नवासवदत्तम् चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी वर्ष – 1980

बी.पी.ए. प्रथम सेमेस्टर संस्कृत-साहित्य हेतु द्वितीयप्रश्नपत्र।

कोड– पूर्णाङ्क –100 = 70+30

SLit 102

वैदिक एवं पौराणिक साहित्य ।

इकाई 1. वैदिक-साहित्य का संक्षिप्त परिचय, संहिता,ब्राह्मण आरण्यक तथा उपनिषद्-साहित्य से सम्बन्धित समीक्षात्मक प्रश्न (15)

इकाई 2. पौराणिक साहित्य का संक्षिप्त परिचय, पुराणों के लक्षण, भेद तथामहत्त्व से सम्बन्धित समीक्षात्मक प्रश्न । (15

इकाई 3. श्रीमद्भगवद्गीता– प्रथम अध्याय दो श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या (20

इकाई 4. भगवद्गीता से सम्बन्धित समीक्षात्मक प्रश्न (10 ।

इकाई 5. पुराण और उपनिषद् से सम्बन्धित कतिपय सूक्तियां (10)

अनुशंसित ग्रन्थ

1. वैदिक-साहित्य का इतिहास- आचार्य बलदेव उपाध्याय चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी
2. पुराणविमर्श लेखक आचार्य बलदेव उपाध्याय चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी
3. श्रीमद्भगवद्गीता ,गीता प्रेस गोरखपुर ।
4. सूक्तिरत्नाकर लेखक रामजी उपाध्याय चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी ।

द्वितीय सेमेस्टर

गद्य,कथा एवं साहित्येतिहास प्रथमप्रश्नपत्र (पेपरकोड0126)

कोड– पूर्णाङ्क –100 = 70+30

SLit 201

इकाई 1 -शुकनासोपदेश (व्याख्या) 20

इकाई 2- हितोपदेश (मित्रलाभ) (व्याख्या) 20

इकाई 3- शुकनासोपदेश और हितोपदेश के समीक्षात प्रश्न 10

इकाई 4– संस्कृत,नाटक एवं कथासाहित्य का इतिहास 10

इकाई 5–प्रमुख कवियों का परिचय : महाकविकालिदास,महाकवि माघ, महाकवि भारवि, श्री हर्ष ,अम्बिकादत्तव्यास 10

अनुशंसित ग्रन्थ

1 – संस्कृतसाहित्य का अभिनव इतिहास – डॉ. राधावल्लभ, वि.वि. प्रकाशन, सागर

2- संस्कृतसाहित्य का इतिहास – बलदेवउपाध्याय

3– हितोपदेश मित्रलाभ – मोतीलाल बनारसीदास काशी अथवा चौखम्बा प्रकाशन काशी

4 – शुकनासोपदेश मोतिलाल बनारसीदास (काशी)

B. P. A. द्वितीय सेमेस्टर हेतु

संस्कृत-साहित्य विषयक द्वितीय-प्रश्न पत्र पाठ्यक्रम ।

B . P. A . द्वितीय सेमेस्टर - संस्कृत-साहित्य ।

कोड– पूर्णाङ्क –100 = 70+30

SLit 202

प्रश्नपत्र गीति-काव्य की परम्परा तथा छन्द-परिचय ।

इकाई 1 – गीतिकाव्य का संक्षिप्त इतिहास 10

इकाई 2 – महाकवि कालिदास द्वारा रचित मेघदूत नामक गीति काव्य के पूर्वमेघ से 20 श्लोक मात्र

दो श्लोकों की व्याख्या 20

इकाई 3– मेघदूतम् का शास्त्रीय रागों से सम्बन्ध तथा समीक्षात्मक प्रश्न 20

इकाई 4– संस्कृत-साहित्य के कतिपय छन्दों का परिचय, लक्षण तथा उदाहरण । यथा, द्रुतविलम्बित, मन्दाक्रान्ता,त्रोटक, शिखरिणी तथा शार्दूलवीक्रीडित । 10

इकाई 5 – छन्दों का शास्त्रीय सङ्गीत से सम्बन्ध । 10

अनुशंसित ग्रन्थ ।

1 – महाकवि कालिदास कृत मेघदूत हिन्दी टीका सहित चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी ।

2 – संस्कृतसाहित्य का इतिहास आचार्य रामदेव साहू – चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी ।

3 – छन्दोमञ्जरी ,लेखक तथा सम्पादक श्री युधिष्ठिर मीमांसक – प्रकाशक गुरुबाज़ार अमृतसर ।

तृतीय सेमेस्टर

नागानन्दम् रूपक व्याकरण तथा रचना प्रथम प्रश्नपत्र

(पेपर कोड 0195)

कोड– पूर्णाङ्क –100 = 70+30

SLit 301

इकाई 1 – नागानन्द नाटक (श्रीहर्ष)

1. दो श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या 20

2. ससन्दर्भ दो सूक्तियों की व्याख्या 10

इकाई 2 – नागानन्द – समीक्षात्मक प्रश्न 10

इकाई 3 – व्याकरण – लघुसिद्धान्तकौमुदी

कर्तृवाच्य,कर्मवाच्य,भाववाच्य 10

इकाई 4 – व्याकरण – लघुसिद्धान्तकौमुदी(समासप्रकरण) 10

इकाई 5 – वाक्यरचना :-

व्याकरण के अधीत अंश पर आधारित पाँच संस्कृत शब्दों से वाक्यरचना 10

अनुशंसित ग्रन्थ

1 – शीघ्रबोधव्याकरणम् – डॉ. पुष्पा दीक्षित पाणिनीय शोधसंस्थान गोण्डपारा बिलासपुर

2 – नागानन्द नाटक – श्रीहर्ष

3- लघुसिद्धान्तकौमुदी – श्री धरानन्द शास्त्री

4 – रचनानुवादकौमुदी डॉ. कपिलदेव द्विवेदी

5 – संस्कृत में अनुवाद कैसे करें उमाकान्त मिश्र शास्त्री भारतीभवन पटना

B. P. A . तृतीय सेमेस्टर हेतु द्‌वितीय.प्रश्नपत्र

कोड– पूर्णाङ्क –100 = 70+30

SLit 302

संस्कृत-साहित्य में रस तथा सङ्गीत ।

इकाई 1 – श्रीमद्भागवत के अन्तर्गत रासपञ्चाध्यायी के प्रथम तथा द्‌वितीय अध्यायों के श्लोकों की व्याख्या 15

इकाई 2 – रासपञ्चाध्यायी के तृतीय तथा चतुर्थ अध्यायों की व्याख्या 15

इकाई 3 – रासपञ्चाध्यायी के पञ्चमाध्याय के श्लोकों की व्याख्या तथा रासपञ्चाध्यायी के श्लोकों में भाव-पक्ष एवं कला-पक्ष 15

इकाई 4 – रास पञ्चाध्यायी से सम्बन्धित समीक्षात्मक प्रश्न 15

इकाई 5- शास्त्रीय रागों में रसाभिव्यक्ति 10

अनुशंसित ग्रन्थ

1 – श्रीमद्भागवत हिन्दी टीका सहित गीताप्रेस गोरखपुर ।

2 – रासपञ्चाध्यायी पृथक् रूप से गीताप्रेस गोरखपुर ।

3 – भागवतदर्शन अखण्डानन्द जी ।

4 – नाट्‌यशास्त्र की टीका अभिनवगुप्त द्‌वारा रचित अभिनव भारती -प्रकाशक चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी ।

5 – अभिनयदर्पण नन्दिकेश्वर चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी ।

चतुर्थसेमेस्टर प्रथम-प्रश्नपत्र

पद्य तथा साहित्येतिहास

(पेपर कोड 0196

कोड– पूर्णाङ्क –100 = 70+30

SLit 401

इकाई 1 - रघुवंश महाकाव्य – द्वितीय सर्ग

1 दो श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या 10

एक श्लोक का अनुवाद 10

इकाई 2- रघुवंश महाकाव्य – समीक्षात्मक प्रश्न 10

इकाई 3- नीतिशतक आरम्भिक 50 श्लोक(भर्तृहरि)

दो श्लोकों की व्याख्या 20

इकाई 4- साहित्येतिहास 10

महाकाव्य तथा गद्यकाव्य -

रघुवंश, कुमारसम्भव, बुद्धचरित, पद्यचूडामणि, हयग्रीववध, किरातार्जुनीयम् , भट्टिकाव्य, जानकीहरण, शिशुपालवध,नैषधीयचरित, हरविजय, नवसाहसांकचरित, विक्रमाङ्कदेवचरित, राजतरङ्गिणी ,वासवदत्ता, दशकुमारचरित, कादम्बरी, हर्षचरित, तिलकमंजरी, गद्यचिन्तामणि, शिवराजविजय ।

इकाई – 5 साहित्येतिहास 10

गीतिकाव्य, मुक्तक तथा कथासाहित्य –

शतकत्रय(भर्तृहरि), ऋतुसंहार, मेघदूत,अमरूकशतक,गीतगोविन्द,भामिनीविलास, पञ्चलहरी, नलचम्पू, रामायणचम्पू, भारतचम्पू, वरदाम्बिकापरिणय, पञ्चतन्त्र, हितोपदेश, वेतालपञ्चविंशति, शुकसप्तति, कथासरित्सागर ,वृहद्कथामञ्जरी, कथामुक्तावली, इक्षुगन्धा ।

उल्लिखित कृतियों के रचयिताओं का सामान्य परिचय अपेक्षित है ।

अनुशंसित पुस्तकें

1 . संस्कृतसाहित्य का इतिहास – पण्डित बलदेव उपाध्याय

2. संस्कृतसाहित्य का अभिनव इतिहास राधावल्लभ त्रिपाठी वि.वि. प्रकाशन वाराणसी

3 गीर्वाणभारत

बी.पी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर हेतु द्वितीयप्रश्नपत्र

s

आधुनिक(उनीसवी तथा बीसवी शताब्दी के)

संस्कृत-साहित्य एवं साहित्यकारों का परिचय

कोड–
SLit 402

पूर्णाङ्क –100 = 70+30

इकाई 1 कतिपय आधुनिक प्रमुख कवियों का परिचय, यथा, आचार्य श्रीनिवास रथ, भास्कराचार्यत्रिपाठी, आचार्य रमाकान्त शुक्ल दिल्ली, डॉ. पुष्पा दीक्षित –बिलासपुर तथा आचार्य बच्चुलाल अवस्थीउक्त कवियों का सामान्य परिचय तथा उनके साहित्यिक योगदान से सम्बन्धित प्रश्न ।
(15

इकाई 2.प्रथम इकाई में पठित कवियों की सांस्कृतिक एवं कलात्मक दृष्टि से सम्बन्धित समीक्षात्मक प्रश्न
10

इकाई 3. आधुनिक गद्य तथा कथासाहित्यकारों का संक्षिप्त परिचय एवं उनका साहित्यिक योगदान यथा पण्डिता क्षमाराव, अभिराज राजेन्द्र मिश्र, आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी तथा डॉ. सुषमा कुलश्रेष्ठ इनके योगदान से सम्बन्धित
प्रश्न (15

इकाई 4. तृतीय इकाई में पठित साहित्यकारों की संस्कृतिक एवं कलात्मक दृष्टि 10

इकाई 5. आधुनिक साहित्यकारों एवं पूर्ववर्ती साहित्यकारों की चिन्तन-परम्परा प्राचीन साहित्यकारों में महाकवि कालिदास, महाकवि भारवी, महाकवि माघ श्रीहर्श तथा गद्य साहित्यकारों में बाणभट्ट, सुबन्धु, दण्डी, आचार्य विष्णु शर्मा, आधुनिक साहित्यकारों के अन्तर्गत पूरव की इकायियों में पठित रचनाकार। इन सभी साहित्यकारों से सम्बन्धित समीक्षात्मक प्रश्न
(20)

अनुशंसित ग्रन्थ

1. संस्कृतसाहित्य का अभिनव इतिहासलेखकडॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी- विश्वविद्यालय प्रकाशन दिल्ली
2. समकालीन साहित्य डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी विविश्वविद्यालय प्रकाशन दिल्ली ।
3. संस्कृतसाहित्य का इतिहास आचार्य बलदेव उपाध्याय चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी

पञ्चम सेमेस्टर प्रथम-प्रश्नपत्र

नाटक, तथा सम्बन्धित व्याकरण

कोड– पूर्णाङ्क –100 = 70+30

SLit 501

इकाई – 1 अभिज्ञानशाकुन्तलम् (कालिदास)

दो श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या 20

एक श्लोक का अनुवाद 10

(प्रथम, चतुर्थ, पञ्चम और सप्तम् अङ्क,व्याख्या हेतु, द्रुतपाठ – शेष अङ्क)

इकाई – 2 अभिज्ञानशाकुन्तलम् – समीक्षात्मक प्रश्न 10

इकाई – 3 व्याकरण – लघुसिद्धान्तकौमुदी 10

कृदन्त प्रकरण :-

तव्यत् , अनीयर् , यत् , क्यप् , ण्यत् , शतृ, शानच् , क्त्वा, ल्यप् , तुमुन् , क्त, क्तवतु , ण्वुल् , तृच् ,ल्युट् , अण् , ।

इकाई – 4 व्याकरण – लघुसिद्धान्तकौमुदी 10

1. तद्धित प्रत्यय

अण् , ढक् , ष्यञ् , त्व, तल् , ठक् , अञ् , मतुप् , इनि, इतच् , ईयसुन् , इष्ठन् , तरप् , तमप् , ण्य, यञ् , ।

इकाई 5- स्त्री प्रत्यय 10

टाप् , ङीष् , ङीप् , ङीन् , ।

अनुशंसित ग्रन्थ –

1 – शीघ्रबोधव्याकरण – डॉ. पुष्पा दीक्षित प्रतिभा प्रकाशन नईदिल्ली.

2- लघुसिद्धान्तकौमुदी – श्रीऽधरानन्द शास्त्री

3- छन्दोविंशतिका ।

बी.पी.ए. पञ्चम सेमेस्टर द्वितीय प्रश्न-पत्र प्रश्नपत्र
संस्कृत-साहित्य एवं दर्शन

कोड– पूर्णाङ्क –100 = 70+30
SLit 501

इकाई 1 दर्शन-शास्त्र का सामान्य परिचय तथा प्रमुख भारतीय दर्शन-ग्रन्थों का सामान्य ज्ञान ।आस्तिक एवं नास्तिक दर्शनों का सामान्यज्ञान । यथा तर्क-सङ्ग्रह वेदान्तसार, सांख्यकारिका तर्कभाषा एवं अर्थसङ्ग्रह सम्बन्धित प्रश्न (15) ।

(इकाई 2 महाकाव्यों में दार्शनिक परम्परा का विवेचन।इसके अन्तर्गत कालिदास, भारवि,माघ अश्वघोष तथा श्रीहर्ष के महाकाव्यों का अध्ययन अपेक्षित । सम्बन्धित प्रश्न 15

इकाई 3 नाटकों में दार्शनिकपरम्परा का विवेचन ।
इसके अन्तर्गत महाकवि भास,महाकविकालिदास,भवभूति,श्रीहर्ष, राजशेखर(नाटिका) के नाठकों का अध्ययन अपेक्षित ।सम्बन्धित प्रश्न (20

इकाई 4 आख्यानक-साहित्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि ।
इसके अन्तर्गत आख्यान एवं आख्यायिका में दार्शनिक परम्परा का विवेचन ।। सम्बन्धित प्रश्न प्रस्तुत इकाई में बाणभट्ट सुबन्धु, दण्डी,विष्णुशर्मातथा सोमदेव के आख्यानक-साहित्यका अध्ययन अपेक्षित । सम्बन्धित प्रश्न (10)

इकाई 5 अन्य साहित्यिकविधाओं में दार्शनिक परम्परा ।
इसके अन्तर्गत गीतिकाव्य,मुक्तक-काव्य, गद्यकाव्य एवं चम्पूकाव्यों में दार्शनिक परम्परा का विवेचन इसके अन्तर्गत।मेघदूत, गीतगोविन्द,नीतिशतक, नलचम्पू तथा भामिनीविलास का अध्ययन अपेक्षित है ।

सम्बन्धित प्रश्न (10)।

अनुशंसित ग्रन्थों की सूची

1 आचार्य बलदेव उपाध्याय का भारतीयदर्शन ।
2 आचार्य बलदेव उपाध्याय /रामदेव साहू द्वारा रचित संस्कृत-साहित्य का इतिहास ।
3- कादम्बरी ।
4 सर्वदर्शनसङ्ग्रह लेखक माधवाचार्य अनुवादक “उमाशङ्करऋषि”
5- संस्कृतसाहित्यविमर्श- लेखक द्विजेन्द्रनाथ

षष्ठ सेमेस्टर प्रथम-प्रश्नपत्र

काव्य, एवं काव्य-शास्त्र

कोड– पूर्णाङ्क –100 = 70+30

SLit 601

इकाई - 1 किरातार्जुनीयम् (भारवि) प्रथमसर्ग

. दो श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या 20

इकाई – 2 किरातार्जुनीयम् – आलोचनात्मक प्रश्न 10

इकाई – 3 मूलरामायणम् – वाल्मीकि

व्याख्या अथवा आलोचनात्मक प्रश्न 15

इकाई – 4 अलङ्कार – निर्धारित छन्दों के लक्षण तथा उदाहरण

अनुष्टुप् , इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थ, आर्या, मालिनी, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित, स्रग्धरा, मन्दाक्रान्ता । 15

इकाई-5 उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अर्थान्तरन्यास, स्वभावोक्ति, काव्यलिङ्ग, अतिशयोक्ति, दीपक, विभावना, विशेषोक्ति, अपह्नुति, दृष्टान्त, प्रतिवस्तूपमा, निदर्शना, यमक, शब्दश्लेष, अनुप्रास, अनन्वय, ससन्देह, भ्रान्तिमान् । 10

अनुशन्सित ग्रन्थ –

1. संस्कृतनिबन्धशतकम् – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
2. प्रस्तावरत्नाकर
3. रचनानुवादकौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
4. काव्यप्रकाश आचार्य मम्मट चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी ।

बी.पी.ए. षष्ठ सेमेस्टर में वैकल्पिक प्रश्लपत्र

शोध-प्रविधिका सामान्य ज्ञान

कोड– पूर्णाङ्क –100 = 70+30

SLit 602

इकाई 1. शोध-प्रविधि का तात्पर्य तथा शोध के प्रमुख चरण इससे सम्बन्धित समीक्षात्मक प्रश्न (20)

इकाई 2. संस्कृत-साहित्य में शोध-प्रविधि का प्रायोगिक स्वरूप, वैदिक तथापौराणिक साहित्य में शोध-प्रविधि काप्रायोगिक स्वरूप, काव्य-साहित्य में शोध-प्रविधि का प्रायोगिक स्वरूप , गद्यसाहित्य में शोध-प्रविधि का प्रायोगिक स्वरूप । सम्बन्धित समीक्षात्मक प्रश्न (15)

इकाई 3. व्याकरण तथा दर्शन-शास्त्र में शोध की सम्भावनायें, व्याक्रण के विभिन्न प्रकरणों में शोध की सम्भावनायें, यथा कृदन्त, तद्धित आदि, व्याकरण तथा साहित्य के अन्तःसम्बन्ध के आधार पर शोध की सम्भावनायें,दर्शनशास्त्र में शोध की सम्भावनायें (10

इकाई 4. साहित्य तथा ललितकलाओं के अन्तःसम्बन्ध को आधार मान कर शोध की सम्भावनायें यथा संस्कृत-साहित्य एवं सङ्गीत के अन्तःसम्बन्ध को आधार मान कर शोध की सम्भावनायें, संस्कृत-साहित्य एवं दृश्यकला के अन्तःसम्बन्ध को आधार मान कर शोध की सम्भावनायें, संस्कृत-साहित्य एवं वास्तुकला को आधार मान करशोध की सम्भावनायें ।सम्बन्धित प्रश्न 10

इकाई 5. शोध आलेख लेखन की प्रक्रिया तथा कतिपय विषयों पर आलेख-प्रस्तुती का ज्ञान यथा आलेख का तात्पर्य ेवं स्वरूप,आलेख के विभिन्न रूप, सामान्य आलेख और शोधालेख में अन्तर, शोध आलेख लेखन की प्रविधितथा आलेख लेखन हेतु 20

विषयों की सूची

1- संस्कृत-व्याकरण के वैज्ञानिक-स्वरूप का प्रामाणिक विवेचन ।

2- संस्कृत-साहित्य (महाकाव्य नाटक कथासाहित्य) में ललितकलाओं का निदर्शन ।

3- संस्कृत-शिक्षा की प्रासङ्गिकता का प्रत्यक्ष विश्लेषण ।

4- संस्कृत के ध्रुवी-करण की सम्भावनायें

5- इक्कीसवी शताब्दी में संस्कृतसाहित्य के योगदान का संक्षिप्त विवेचन ।

6- छत्तीसगढ राज्य में विद्यालयीयस्तर पर संस्कृताध्ययन की वास्तविक स्थिति का प्रत्यक्ष विश्लेषण ।

7- संस्कृत-साहित्य एवं व्याकरण में नवाचार(आधुनिक Technologyकम्प्युटर) के प्रयोग की विविध सम्भावनायें ।

8- संस्कृत-काव्यसर्जना के अभिनव प्रयोगों का अध्ययन ।

9- संस्कृत-पत्रकारिता की सम्भावनाओं का विश्लेषण ।

10- अष्टादश पुराणों में शोधदृष्टि की विवेचना ।।

11- संस्कृत-साहित्य में निहित पर्यावरणसंरक्षण तथा प्रदूषणनिवारण का तथ्यपरख अनुशीलन

12- संस्कृतवाङ्मय के आधार पर तत्कालीन शासनव्यवस्था का समीक्षात्मक अध्ययन ।

13- मेघदूत के आधार पर विश्वमानचित्र में भारत की भौगोलिक स्थिति का अध्ययन ।

14- संस्कृत गीतिकाव्यों में शास्त्रीय रागों के प्रयोग की सम्भावनायें ।

15- प्रबन्धशास्त्र के आधार पर श्रीमद्भगवद्गीता का अध्ययन ।

16- आदि काव्य रामायण में मानवीय भावनाओं की मनोवैज्ञानिक अभिव्यक्ति।

17- संस्कृत नाटकों में अर्थोपक्षेपकों(प्रवेशक आदि) की भूमिका का विश्लेषण ।

18- संस्कृत की लोकनाट्यपरम्परा का समीक्षात्मक अध्ययन

19- संस्कृतरङ्गमञ्च की वर्तमान स्थिति का विश्लेषण ।

20- संस्कृत के प्रायोगिक स्वरूप की सम्भावनायें आलेखों की प्रस्तुति तथा समीक्षात्मक प्रश्न (15

अनुशंसित ग्रन्थ ।

1. साहित्यानुसन्धानावबोधः लेखक डॉ. रहज़बिहारी द्विवेदी- प्रकाशक ग्रीनसिटी 105 माढो ताल जबलपुर म.प्र.
2. वैदिकसाहित्य और संस्कृति –लेखक आचार्य बलदेव उपाध्याय- चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी ।
3. अष्टाध्यायीसहज बोध डॉ. पुष्पा दीक्षित प्रतिभा प्रकाशन नईदिल्ली ।।

संस्कृत–विभाग
इन्दिरा कला सङ्.गीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

B.P.A. हेतु प्रस्तावित नवीन पाठ्यक्रम निर्माण से संबंधित कतिपय बिन्दु।

1. पूर्व–पाठ्यक्रम में परिवर्तन से सम्बन्धित, बी. ए. एव बी. ए. ऑनर्स के पूर्व

पाठ्यक्रम में विश्वविद्यालय की प्रकृति के अनुरूप अंशतः परिवर्तन किया गया है। यथा बी. ए. ऑनर्स प्रथम सेमेस्टर संस्कृत–भाषा के पाठ्यक्रम में अपरीक्षितकारक की सम्पूर्ण कथाओं के स्थान पर बी. पी. ए. प्रथम सेमेस्टर संस्कृत–भाषा के पाठ्यक्रम के तहत आरम्भिक 5 कथायें निर्धारित की गई हैं। जिससे विद्यार्थी बिना किसी बाधा के सुगमता से रूचिपूर्वक इन कथाओं का अध्ययन कर सके, निर्धारित क्रेडिट्स को प्राप्त करें। तथा कवि जयदेव द्वारा रचित गीतगोविन्दम् के प्रथम सर्ग को सम्मिलित किया गया है। कारण यह है कि गीतकोविन्दम् यह गीति–काव्य है, उक्त काव्य की अष्टपदियों का गायन विभिन्न रागों में किया जा सकता है। ग्रंथ में ग्रन्थकार ने प्रत्येक सर्ग के आरम्भ में निश्चित राग एवं ताल का सङ्.केत किया है।

इसके अतिरिक्त प्रथम सर्ग में विष्णु भगवान के दशावतारों का निरूपण है, जो नृत्य की दृष्टि से अभिनेय हो सकता है। इस प्रकार विश्वविद्यालय की प्रकृति के अनुरूप होने से उक्त गीतिकाव्य के प्रथम सर्ग को पाठ्यक्रम में सम्मिलित करने का निर्णय लिया जा रहा है। जिससे विद्यार्थी बिना किसी बाधा के सुगमता से रूचिपूर्वक इन कथाओं का अध्ययन कर सके, निर्धारित क्रेडिट्स को प्राप्त करें।

2. बी. ए. ऑनर्स द्वितीय सेमेस्टर संस्कृत भाषा– पाठ्यक्रम के अंतर्गत पूर्व में 10 अङ्.कों का हिन्दी से संस्कृत अनुवाद रखा गया था, किन्तु बी. पी. ए. द्वितीय सेमेस्टर संस्कृत भाषा पाठ्यक्रम में अनुवाद का अर्थ तथा उत्तम अनुवाद की विशेषतायें 5 अङ्.कों के साथ निश्चित की गई है तथा 5 अङ्.कों का हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद रखा गया है। तार्किक कारण– उत्तम अनुवाद की विशेषताओं का निरूपण करने से विद्यार्थी अनुवाद की प्रक्रिया का निर्वाह भली भॅाति कर सकते हैं।

संस्कृत भाषा के अंतर्गत ही व्याकरण बोध के तहत् कृदन्त के आधार पर वाक्यरचना को पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया था, किन्तु बी. पी. ए. द्वितीय सेमेस्टर संस्कृत भाषा के तहत् संस्कृत की भाषा वैज्ञानिक प्रविधि नामक प्रकरण को पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया है। कारण यह है कि संस्कृत सभी भाषाओं की आधार भूमि है। इस दृष्टि से भाषा–शिक्षण के अंतर्गत संस्कृत का अन्य भाषाओं की ध्वनि से किस प्रकार सम्बन्ध हो सकता है। तथ भाषा–प्रयोगशाला की दृष्टि से संस्कृत–भाषा किस प्रकार उपयोगी होगी, संस्कृत के उदात्तादि स्वरों का सङ्.गीत के षड्जादि स्वरों से कैसे सम्बन्ध स्थापित हो सकता है, इन सभी प्रश्नों पर उक्त इकाई में विचार किया

गया है। निष्कर्षतः भाषा–शिक्षण का उद्देश्य पूर्ण हो। अतः उक्त प्रकरण को संस्कृत–भाषा द्वितीय सेमेस्टर में सम्मिलित किया जा रहा है। संस्कृत भाषा के पाठ्यक्रम के तहत महाकवि कालिदास द्वारा रचित सम्पूर्ण मेघदूत रखा गया था, किन्तु विद्यार्थियों के अध्ययन की सुगमता को देखते हुए एवं क्रेडिट्स को देखते हुए पूर्वमेघ मात्र सम्मिलित किया गया है।

बी. ए. संस्कृत–साहित्य चतुर्थ सेमेस्टर में तीसरी इकाई के अंतर्गत आचार्य भर्तृहरि द्वारा रचित सम्पूर्ण नीतिशतक सम्मिलित है। किन्तु बी. पी. ए. चतुर्थ सेमेस्टर संस्कृत–साहित्य में नीतिशतक के आरम्भिक 50 श्लोक ही सम्मिलित किये गये हैं। इसका स्पष्टीकरण यह है कि उक्त सेमेस्टर में प्रथम इकाई के अंतर्गत महाकवित कालिदास द्वारा रचित रघुवंशम् नामक महाकाव्य का द्वितीय सर्ग सम्मिलित है, जिसमें 75 श्लोक हैं। तथा तृतीय इकाई में नीतिशतक हैं, जिसमें 109 श्लोक हैं। अतः पाठ्यक्रम में संतुलन रखने हेतु तथा क्रेडिट्स को देखते हुए श्लोकों की संख्या कम कर दी गई है। एक ही सेमेस्टर में दो काव्यों को सम्पूर्ण रूप से रखना औचित्यपूर्ण प्रतीत नहीं होता। अध्ययन–मण्डल की बैठक में लिये गये निर्णय के आधार पर अतिरिक्त रूप से सम्मिलित किये गए प्रश्नपत्रों का औचित्य।

बी. पी. ए. प्रथम से लेकर षष्ठ सेमेस्टर तक के वैकल्पिक प्रश्नपत्रों को सी.बीसी.एस के तहत् सम्मिलित किया गया है। इन प्रश्नपत्रों का बिन्दुवार औचित्य इस प्रकार है।

1. प्रथम सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्न–पत्र के अंतर्गत वैदिक एवं पौराणिक साहित्य का ज्ञान सम्मिलित किया गया है। उक्त प्रश्न–पत्र को सम्मिलित करने का औचित्य यही है कि सभी कलाओं एवं साहित्य के आधार ग्रंथ वेद, पुराण हैं। सामवेद तो सड़्.गीत की उत्पत्ती का प्रमुख है स्त्रोत है। नृत्य, चित्रकला एवं मूर्ति कला के प्रमाण वेदों तथा पुराणों में उपलब्ध हो सकते हैं। 2. आरम्भिक कक्षा में विद्यार्थियों का साहित्य के आधार–ग्रंथों से परिचय होना औचित्यपूर्ण प्रतीत होता है।

2. द्वितीय सेमेस्टर के अंतर्गत गीतिकाव्यों की परम्परा यह द्वितीय प्रश्न–पत्र सम्मिलित किया गया है। इसका औचित्य इस प्रकार है।

1 शास्त्रीय रागों का संस्कृत–साहित्य से अन्तः सम्बन्ध स्थापित करना। 2. काव्यों के प्रायोगिक स्वरूप को दर्शाना।

तृतीय सेमेस्टर में आधुनिक साहित्यकारों का सामान्यज्ञान यह द्वितीय प्रश्न–पत्र सम्मिलित किया गया है। इसका औचित्य इस है। सांस्कृतिक तथा कलात्मक परिप्रेक्ष्य में आधुनिक साहित्यकारों के दृष्टिकोण से विद्यार्थियों को परिचित करवाना उक्त प्रश्नपत्र को सम्मिलित करने का प्रयोजन हैं।

बी. पी. ए. चतुर्थ सेमेस्टर में रस तथा सड़्.गीत इस द्वितीय प्रश्न–पत्र के अंतर्गत रासपत्र्चाध्यायी श्रीमदभागवत को सम्मिलित किया गया है। इसका औचित्य यही है कि रस तत्व ही साहित्य और संगीत का आधार है। तथा रसों का समूह ही रास है। रासपत्र्चाध्यायी के श्लोकों की नृत्य में अभिव्यक्ति की जा सकती है। इस दृष्टि से इस प्रश्न पत्र को सम्मिलित करने का विचार किया गया है।

बी. पी. ए. पत्र्चम सेमेस्टर में दर्शन शास्त्र का सामान्य परिचय यह द्वितीय प्रश्न–पत्र सम्मिलित किया गया है। उक्त प्रश्न–पत्र का औचित्य यही है कि संगीतरत्नाकर जैसे संगीत के शास्त्रीय गंथों में वेदान्त आदि दर्शन की चिन्तन परम्परा प्राप्त होती है, इन ग्रंथों को पूर्ण रूप से समझने हेतु विद्यार्थियों के लिए भारतीय दर्शन का सामान्य ज्ञान अपेक्षित है। इसके अतिरिक्त दर्शन की परम्परा का साहित्यकारों ने किस प्रकार निर्वाह किया है इसका ज्ञान भी विद्यार्थियों के लिए अपेक्षित है। इन सभी कारणों से इस वैकल्पिक प्रश्नपत्र को सम्मिलित किया गया है।

बी. पी. ए. षठ सेमेस्टर के अंतर्गत छन्द को सम्मिलित किया गया है। (पत्र्चम के स्थान पर।) संस्कृत साहित्य में शोध प्रविधि का सामान्य ज्ञान, इस द्वितीय प्रश्न–पत्र को सम्मिलित किया गया है। उक्त प्रश्न पत्र का औचित्य यही है कि अध्ययन का अंतिम लक्ष्य शोध और अनुसंधान है, इस दृष्टि से स्नातक स्तर से ही विद्यार्थियों को शोध की ओर प्रवृत्त करना, सामान्य विषयों पर आलेख प्रस्तुति के माध्यम से विद्यार्थियों की चिन्तन परम्परा का तथा व्यक्तित्व का विकास करना ही उक्त प्रश्न–पत्र को सम्मिलित करने का प्रयोजन है।

निष्कर्षतः बी. पी. ए. के नवीन प्रस्तावित पाठ्यक्रम का स्पष्टीकरण बिन्दुवार प्रस्तुत किया गया है।

B. P. A. द्वितीयसेमेस्टर हेतु
संस्कृत-साहित्य विषयक वैकल्पिक पाठ्यक्रम ।

B . P. A . द्वितीयसेमेस्टर - संस्कृत-साहित्य ।

कोड– SLit 203	पूर्णाङ्क –100 = 70+30

प्रश्नपत्र गीति-काव्य की परम्परा तथा छन्द-परिचय ।

इकाई 1 – गीतिकाव्य का संक्षिप्त इतिहास 10

इकाई 2 – महाकवि कालिदास द्वारा रचित मेघदूत नामक गीति काव्य के पूर्वमेघ से 20 श्लोक मात्र दो श्लोकों की व्याख्या 20

इकाई 3 –मेघदूतम् का शास्त्रीय रागों से सम्बन्ध तथा सम्बन्धित समीक्षात्मक प्रश्न 20

इकाई 4 – संस्कृत-साहित्य के कतिपय छन्दों का परिचय, लक्षण तथा उदाहरण । यथा, द्रुतविलम्बित, मन्दाक्रान्ता,त्रोटक, शिखरिणी तथा शार्दूलवीक्रीडित । 10

इकाई 5 – छन्दों का शास्त्रीय सङ्गीत से सम्बन्ध । 10

अनुशंसित ग्रन्थ ।

1 –महाकवि कालिदास कृत मेघदूत हिन्दी टीका सहित चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी ।

2 – संस्कृतसाहित्य का इतिहास आचार्य रामदेव साहू – चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी ।

3 – छन्दोमञ्जरी ,लेखक तथा सम्पादक श्री युधिष्ठिर मीमांसक – प्रकाशक गुरुबाज़ार अमृतसर ।

B. P. A. चतुर्थ सेमेस्टर हेतु वैकल्पिक प्रश्नपत्र

कोड– SLit 403	पूर्णाङ्क –100 = 70+30

रस तथा सङ्गीत ।

इकाई 1 – श्रीमद्भागवत के अन्तर्गत रासपञ्चाध्यायी के प्रथम तथा द्वितीय अध्यायों के श्लोकों की व्याख्या 15

इकाई 2 – रासपञ्चाध्यायी के तृतीय तथा चतुर्थ अध्यायों की व्याख्या 15

इकाई 3 – रासपञ्चाध्यायी के पञ्चमाध्याय के श्लोकों की व्याख्या तथा रासपञ्चाध्यायी के श्लोकों में भाव-पक्ष एवं कला-पक्ष 15

इकाई 4 – रास पञ्चाध्यायी से सम्बन्धित समीक्षात्मक प्रश्न 15

इकाई 5 शास्त्रीय रागों में रसाभिव्यक्ति 10

अनुशंसित ग्रन्थ

1 – श्रीमद्भागवत हिन्दी टीका सहित गीताप्रेस गोरखपुर ।

2 – रासपञ्चाध्यायी पृथक् रूप से गीताप्रेस गोरखपुर ।

3 – भागवतदर्शन अखण्डानन्द जी ।

4 – नाट्यशास्त्र की टीका अभिनवगुप्त द्वारा रचित अभिनव भारती -प्रकाशक चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी ।

5 – अभिनयदर्पण नन्दिकेश्वर चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी ।

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

BPA I SEMESTER

ENGLISH LITERATURE

PAPER-I INDIAN WRITING IN ENGLISH (i)

Code- **(Credit - 03) M.M. 100**

ELit 101 Internal Marks: 30

External Marks: 70

Note:

1. Unit – I of annotation is compulsory. Two passages from each of the units II to IV to be set and three to be attempted.
(3 x 5 = 15)
2. 05 questions from Unit II to IV with internal choice to be set. Word limit for each answer is 300-400 words. (5 x 8 = 40)
3. 10 Multiple choice/ Objective Questions from II to IV units. (10 X 1= 10)
4. Short answer questions from Unit V. (1x 5 = 05)

UNIT- I Annotations

UNIT – II Poetry

a) Toru Dutt - Our Casurina Tree
b) Rabindranath Tagore - Songs 1 & 3, 103 from 'Gitanjali'
c) Swami Vivekananda - The Living God
d) Nissim Ezekiel - Night of the Scorpion

UNIT – III Prose

a) Munshi Premchand - The Holy Panchayat
b) Khuswant Singh - The Portrait of Lady
(On Women: Selected Writings by Khuswant Singh)

UNIT – IV Drama

Mahesh Dattani - Dance Like a Man
OR
Girish Karnad - Nagamandala

UNIT V Literary Topics

a) Plot
b) Short Story
c) Subjective Poetry
d) Hymn
e) Indian Theatre

Books Recommended

1. Indian Writing in English - K.R.Srinivasa Iyengar (Sterling Publishers Pvt. sLtd)
2. A History of Indian English Literature - M.K.Naik (Sahitya Akademi)
3. A Glossary of Literary Terms
(Cengage Learning India Private Limited) - M H Abrams
4. A History of Indian English Literature - M.K.Naik (Sahitya Akademi)
5. A Glossary of Literary Terms (Cengage Learning India Private Limited) - M H Abrams
6. Indian Writing in English: An Anthology of Prose and Poetry Selections by A N Dev
7. Modern Indian Literature: Poems and Short Stories by (Oxford University Press)
8. An Outline History of English Literature by Hudson
9. An Introduction to the History of English Literature by B Prasad

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

BPA I SEMESTER
ENGLISH LITERATURE
PAPER-I INDIAN WRITING IN ENGLISH (ii)

Code- **(Credit - 03) M.M. 100**
ELit 102 Internal Marks: 30
External Marks: 70

Note:

1. Unit – I of annotation is compulsory. Two passages from each of the units II to IV to be set and three to be attempted. (3 x 5 = 15)
2. 05 questions from Unit II to IV with internal choice to be set. Word limit for each answer is 300-400 words. (5 x 8 = 40)
3. 10 Multiple choice/ Objective Questions from II to IV units. (10 X 1= 10)
4. Short answer questions from Unit V. (1x 5 = 05)

UNIT – I Annotations

UNIT – II Poetry

a) Kamala Das - A Hot Noon in Malabar, My Grandmother's House
b) Jayanta Mahapatra - Grandfather
c) Vikram Seth - Frog and the Nightingale
d) A. K. Ramanujan - A River

UNIT – III Prose

a) Saadat Hasan Manto - Toba Tek Singh
b) R.K. Narayan - A Horse and Two Goats

UNIT – IV Fiction

Vikram Seth - An Equal Music
OR
Rohinton Mistry - Such a Long Journey

UNIT – V Literary Topics

a. Narrative
b. Hymn
c. Point of View
d. Modern Indian Poetry
e. Commonwealth Literature

Books Recommended

1. Indian Writing in English - K.R.Srinivasa Iyengar (Sterling Publishers Pvt.Ltd)
2. A History of Indian English Literature - M.K.Naik (Sahitya Akademi)
3. A Glossary of Literary Terms (Cengage Learning India Private Limited) - M H Abrams
4. Indian Writing in English: An Anthology of Prose and Poetry Selections by A N Dev
5. Modern Indian Literature: Poems and Short Stories by (Oxford University Press)
6. An Outline History of English Literature by Hudson
7. An Introduction to the History of English Literature by B Prasad

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

BPA II SEMESTER

ENGLISH LITERATURE

PAPER-II LITERATURE IN ENGLISH – 1550-1750 (i)

Code- **(Credit - 03) M.M. 100**

ELit 201 Internal Marks: 30

External Marks: 70

Note:

1. Unit – I of annotation is compulsory. Two passages from each of the units II to IV to be set and three to be attempted. (3 x 5 = 15)
2. 05 questions from Unit II to IV with internal choice to be set. Word limit for each answer is 300-400 words. (5 x 8 = 40)
3. 10 Multiple choice/ Objective Questions from II to IV units. (10 X 1= 10)
4. Short answer questions from Unit V. (1x 5 = 05)

UNIT-I Annotations

UNIT – II Poetry

a) William Shakespeare	-	Sonnet No. 8 - Music to Hear
		Sonnet No. 130 – My Mistress' Eyes
b) John Milton	-	How Soon Hath Time
c) John Donne	-	Death be not Proud
		The Canonization
		The Sun Rising

UNIT – III Prose

a) Francis Bacon	-	Of Studies, Of Truth,
b) Joseph Addison	-	Sir Roger at Home

UNIT – IV Drama

William Shakespeare	-	Twelfth Night
	Or	
Christopher Marlowe		- Doctor Faustus

UNIT – V Literary Topics

a) Sonnet
b) The Elizabethan and the Jacobean Stage
c) Cross Dressing
d) Comedy
e) Metaphysical Poets
f) Renaissance Humanism

Books Recommended

1. Andrew Sanders - The Short Oxford History of English Literature
2. M. H. Abrams - A Glossary of Literary Terms

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

BPA II SEMESTER
ENGLISH LITERATURE
PAPER-II LITERATURE IN ENGLISH – 1550-1750 (ii)

Code- **(Credit - 03) M.M. 100**
ELit 202 Internal Marks: 30
External Marks: 70

Note:

1. Unit – I of annotation is compulsory. Two passages from each of the units II to IV to be set and three to be attempted. (3 x 5 = 15)
2. 05 questions from Unit II to IV with internal choice to be set. Word limit for each answer is 300-400 words. (5 x 8 = 40)
3. 10 Multiple choice/ Objective Questions from II to IV units. (10 X 1= 10)
4. Short answer questions from Unit V. (1x 5 = 05)

UNIT-I Annotations

UNIT – II Poetry

a) John Dryden - Portrait of Shadwell
b) Alexander Pope - From an Essay on Criticism (True ease in Writing…)

UNIT – III Prose

a) Francis Bacon - Of Health, of Marriage and Single Life
b) Richard Steele - Of the Club

UNIT – IV Fiction

Jonathan Swift - Gulliver's Travels
OR
Henry Fielding Joseph Andrews

UNIT – V Literary Topics

a) The Renaissance
b) The Earlier Novel
c) Travelogue
d) Mock Epic
e) Satire

Books Recommended

1. Edward Albert - A History of English Literature
2. M. H. Abrams - A Glossary of Literary Terms

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

BPA III SEMESTER

ENGLISH LITERATURE

PAPER-III LITERATURE IN ENGLISH (1750-1900) (i)

Code- **(Credit - 03) M.M. 100**

ELit 301 Internal Marks: 30

External Marks: 70

Note:

1. Unit – I of annotation is compulsory. Two passages from each of the units II to IV to be set and three to be attempted. (3 x 5 = 15)
2. 05 questions from Unit II to IV with internal choice to be set. Word limit for each answer is 300-400 words. (5 x 8 = 40)
3. 10 Multiple choice/ Objective Questions from II to IV units. (10 X 1= 10)
4. Short answer questions from Unit V. (1x 5 = 05)

UNIT-I Annotations

UNIT – II Poetry

a) Thomas Gray - Elegy Written in a Country Churchyard
b) William Wordsworth - Tintern Abbey
c) S. T. Coleridge - Dejection: An Ode

UNIT – III Prose

Charles Lamb - Dream Children

UNIT – IV Fiction

Charles Dickens - Oliver Twist
OR
Jane Austen - Pride and Prejudice

UNIT – V Literary Topics

a) Classical and Romantic Concepts of Imagination
b) Aestheticism
c) Rise of the Novel
d) Scientific Thoughts and Discoveries
e) Bildungsroman

Books Recommended:

1. An Outline History of English Literature by Hudson
2. M. H. Abrams - A Glossary of Literary Terms

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

BPA III SEMESTER
ENGLISH LITERATURE
PAPER-III LITERATURE IN ENGLISH (1750-1900) (ii)

Code- ELit 302 — **(Credit - 03) M.M. 100**
Internal Marks: 30
External Marks: 70

Note:

1. Unit – I of annotation is compulsory. Two passages from each of the units II to IV to be set and three to be attempted. (3 x 5 = 15)
2. 05 questions from Unit II to IV with internal choice to be set. Word limit for each answer is 300-400 words. (5 x 8 = 40)
3. 10 Multiple choice/ Objective Questions from II to IV units. (10 X 1= 10)
4. Short answer questions from Unit V. (1x 5 = 05)

UNIT-I Annotation

UNIT – II Poetry

a) P. B. Shelley - Ode to Skylark
b) John Keats - Ode to Nightingale
c) Alfred Tennyson - Ulysses
d) Robert Browning - My Last Duchess

UNIT – III Prose

William Hazlitt - On Actor and Acting

UNIT – IV Fiction

Charles Dickens - Hard Times
OR
William Makepeace Thackeray - Vanity Fair

UNIT – V Literary Topics

a) The Reform Act
b) The Impact of Industrialization
c) Faith and Doubt
d) Romantic Poetry
e) Victorian Poetry

Books Recommended:

1. An Outline History of English Literature by Hudson
2. Romantic Imagination by C M Bowra

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

BPA IV SEMESTER
ENGLISH LITERATURE
PAPER-IV MODERN ENGLISH LITERATURE (i)

Code- **(Credit - 03) M.M. 100**
ELit 401 Internal Marks: 30
External Marks: 70

Note:

1. Unit – I of annotation is compulsory. Two passages from each of the units II to IV to be set and three to be attempted. (3 x 5 = 15)
2. 05 questions from Unit II to IV with internal choice to be set. Word limit for each answer is 300-400 words. (5 x 8 = 40)
3. 10 Multiple choice/ Objective Questions from II to IV units. (10 X 1= 10)
4. Short answer questions from Unit V. (1x 5 = 05)

UNIT-I Annotations

UNIT – II Poetry

a) W. B. Yeats - Among the School Children, Sailing to Byzantium
b) Philip Larkin - Church Going
c) Seamus Heaney - Digging

UNIT – III Prose

a) Bertrand Russell - Cranks
b) Guy de Maupassant - The Golden Necklace

UNIT – IV Drama

G. B. Shaw - Man and Superman

OR

John Galsworthy - Justice

UNIT – V Literary Topics

a) Myth and Fable
b) One Act Play
c) Interlude
d) Poetic Justice
e) Oxford Poets

Books Recommended:

1. An Introduction to the History of English Literature by B Prasad
2. Modernism: A Very Short Introduction (Very Short Introductions) by Christopher Butler
3. Postmodernism: A Very Short Introduction (Very Short Introductions) by Christopher Butler

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

BPA IV SEMESTER
ENGLISH LITERATURE
PAPER-IV MODERN ENGLISH LITERATURE (ii)

Code- **(Credit - 03) M.M. 100**
ELit 402 Internal Marks: 30
External Marks: 70

Note

1. Unit – I of annotation is compulsory. Two passages from each of the units II to IV to be set and three to be attempted. (3 x 5 = 15)
2. 05 questions from Unit II to IV with internal choice to be set. Word limit for each answer is 300-400 words. (5 x 8 = 40)
3. 10 Multiple choice/ Objective Questions from II to IV units. (10 X 1= 10)
4. Short answer questions from Unit V. (1x 5 = 05)

UNIT-I Annotations

UNIT – II Poetry

a) T. S. Eliot - Love Song of J. Alfred Prufrock
b) Ted Hughes - Thought Fox
c) Dylan Thomas - And Death Shall Have No Dominion

UNIT – III Prose

a) Robert Lynd - Forgetting
b) Katherine Mansfield A Cup of Tea

UNIT – IV Fiction

Rudyard Kipling - The Jungle Book

OR

William Golding - Lord of the Flies

UNIT – V Literary Topics

a) Modernism
b) Realism
c) Anachronism
d) Civilization and Savagery
e) Psychoanalysis

Books Recommended:

1. An Introduction to the History of English Literature by B Prasad
2. Modernism: A Very Short Introduction (Very Short Introductions) by Christopher Butler
3. Postmodernism: A Very Short Introduction (Very Short Introductions) by Christopher Butler

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

BPA V SEMESTER

ENGLISH LITERATUR

PAPER-V WOMEN WRITINGS (i)

Code-
ELit 501

(Credit - 03) M.M. 100
Internal Marks: 30
External Marks: 70

Note:

1. Unit – I of annotation is compulsory. Two passages from each of the units II to IV to be set and three to be attempted. (3 x 5 = 15)
2. 05 questions from Unit II to IV with internal choice to be set. Word limit for each answer is 300-400 words. (5 x 8 = 40)
3. 10 Multiple choice/ Objective Questions from II to IV units. (10 X 1= 10)
4. Short answer questions from Unit V. (1x 5 = 05)

UNIT-I Annotations

UNIT – II Poetry

a) Emily Dickinson - Because I Could Not Stop for Death
b) Margret Atwood - Spelling
c) Sylvia Plath - Lady Lazarus

UNIT – III Prose

a) Katherine Mansfeild - Bliss
b) Ama Ata Aidoo - The Girl who can

UNIT – IV Fiction

Virginia Woolf - Mrs Dalloway

OR

Alice Walker - The Colour Purple

UNIT – V Literary Topics

a) Feminism
b) Stream of Consciousness
c) Black Feminism
d) Patriarchy
e) Masculinity and Racial Identity

Books Recommended:

1. Feminism: A Very Short Introduction (Very Short Introductions) by Walters
2. Subjection of Women by J S Mill
3. Vindication of Women Rights by Mary Wollstonecraft

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

BPA V SEMESTER

ENGLISH LITERATURE

PAPER-V WOMEN WRITINGS (ii)

Code- ELit 502 | **(Credit - 03) M.M. 100**

Internal Marks: 30

External Marks: 70

Note:

1. Unit – I of annotation is compulsory. Two passages from each of the units II to IV to be set and three to be attempted . (3 x 5 = 15)
2. 05 questions from Unit II to IV with internal choice to be set. Word limit for each answer is 300-400 words. (5 x 8 = 40)
3. 10 Multiple choice/ Objective Questions from II to IV units. (10 X 1= 10)
4. Short answer questions from Unit V. (1x 5 = 05)

UNIT-I Annotations

UNIT – II Poetry

a) Kamala Das - The Old Playhouse
b) Sarojini Naidu - The Pardah Nashin
c) Mirabai - I have found my Guru

UNIT – III Prose

a) Shashi Deshpande - The Intrusion
b) Ambai - Squirrel

UNIT – IV Fiction

Mahasweta Devi - Rudali

OR

Mirza Mohammad Hadi Ruswa - U*mrao Jaan Ada* (1899), tr. David Matthews (New Delhi: Rupa, 1996).

UNIT – V Literary Topics

a) Empowerment
b) Indian Feminism
c) Asian Masculinity
d) Ecofeminism
e) Autobiography

Books Recommended:

1. Women Writing in India (Volume 1) - Edited by Susie Tharu and K Lalita
2. Indian Women Writing In English: A Feminist Study by Sunita Sinha

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

BPA VI SEMESTER

ENGLISH LITERATURE (Two Electives)

Elective - 1

PAPER-VI AMERICAN LITERATURE (i)

Code- ELit 601 — **(Credit - 03) M.M. 100**

Internal Marks: 30

External Marks: 70

Note:

1. Unit – I of annotation is compulsory. Two passages from each of the units II to IV to be set and three to be attempted. (3 x 5 = 15)
2. 05 questions from Unit II to IV with internal choice to be set. Word limit for each answer is 300-400 words. (5 x 8 = 40)
3. 10 Multiple choice/ Objective Questions from II to IV units. (10 X 1= 10)
4. Short answer questions from Unit V. (1x 5 = 05)

UNIT-I Annotations

UNIT – II Poetry

a) Walt Whitman - O Captain! My Captain,
When the Lilacs Last in the Dooryard Bloomed

b) Carl Sandberg - Who Am I?
I am the People, The Mob

c) Ralph Waldo Emerson - Give All to Love

UNIT – III Prose

a) William Faulkner - Nobel Awards Acceptance Speech

b) Henry David Thoreau - Civil Disobedience

UNIT – IV Drama

Arthur Miller - All My Sons

OR

Eugene O'Neill - The Hairy Ape

UNIT – V Literary Topics

a) World War
b) American Renaissance
c) Pacifism
d) Poetic Drama
e) Realism

Books Recommended:

1. American Literature: Studies on Emerson, Thoreau, Hawthorne, Melville and Whitman by Sujata Gurudev
2. American Literature: An Anthology Ed. Fr. Egbert S. Oliver

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

BPA VI SEMESTER

ENGLISH LITERATURE (Two Electives)

Elective - 1

PAPER-VI AMERICAN LITERATURE (ii)

Code- **(Credit - 03) M.M. 100**

ELit 602 Internal Marks: 30

External Marks: 70

Note:

1. Unit – I of annotation is compulsory. Two passages from each of the units II to IV to be set and three to be attempted. (3 x 5 = 15)
2. 05 questions from Unit II to IV with internal choice to be set. Word limit for each answer is 300-400 words. (5 x 8 = 40)
3. 10 Multiple choice/ Objective Questions from II to IV units. (10 X 1= 10)
4. Short answer questions from Unit V. (1x 5 = 05)

UNIT-I Annotations

UNIT – II Poetry

a)	Emily Dickinson	-	Hope is the thing with Feather
b)	Robert Frost	-	The Road not Taken, Stopping by Woods
c)	Henry David Thoreau	-	Conscience

UNIT – III Prose

a)	John Steinbeck	-	The Pearl
b)	Ralph Waldo Emerson	-	Self - Reliance

UNIT – IV Fiction

E.	Hemingway	-	A Farewell to Arms
		OR	
	Nathaniel Hawthorne	-	The Scarlet Letter

UNIT – V Literary Topics

a) Transcendentalism
b) American Dream
c) American Feminism
d) War poets
e) Art for art's sake

Books Recommended:

1. American Literature: Studies on Emerson, Thoreau, Hawthorne, Melville and Whitman by Sujata Gurudev
2. American Literature:An Anthology Ed. Fr. Egbert S. Oliver

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

BPA VI SEMESTER

ENGLISH LITERATURE (Two Electives)

Elective - 2

PAPER-VI 20TH CENTURY LITERATURE IN ENGLISH (i)

Code- **(Credit - 03) M.M. 100**
ELit 603 Internal Marks: 30
External Marks: 70

All questions are compulsory.

Note: The paper will be taught as an optional Paper – VI which is a paper on American Literature. The principle focus will be to probe the students a general background and cultural history of this period and also to make them aware of the literary trends of the twentieth century. The paper will comprise of six units and in all six questions are to be attempted, one from each unit.

UNIT – I The following historical and literary topics will be included in this unit.
Students are required to write short notes of not more than three hundred words on any two of the following topics.

a) Periods of English Literature
b) The Great Depression
c) Modernism
d) Existentialism
e) Feminism
f) Colonialism

UNIT – II Ten objective type questions on the life history and major poetical works of the Following poets of the twentieth century will be asked in this unit.

a) W. B. Yeats (1865-1939)
b) Siegfried Sassoon (1886 - 1967)
c) T. S. Eliot (1888 - 1965)
d) Wilfred Owen (1893 - 1918)
e) Stwart Brown (1951-)

UNIT – III POETRY

T. S. Eliot - The Waste Land

Or

Wilfred Owen - Disabled
Siegfried Sassoon - Attack, Falling Asleep
Rupert Brooke - The Hill
W. H. Auden - Miss Gee

UNIT – IV FICTION

a) Joseph Conrad - Heart of Darkness
b) Chinua Achebe - Things Fall Apart

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

BPA VI SEMESTER

ENGLISH LITERATURE (Two Electives)

Elective - 2

PAPER-VI 20TH CENTURY LITERATURE IN ENGLISH (ii)

Code- **(Credit - 03) M.M. 100**

ELit 604 Internal Marks: 30

External Marks: 70

All questions are compulsory.

Note: The paper will be taught as an optional Paper – VI which is a paper on American Literature. The principle focus will be to probe the students a general background and cultural history of this period and also to make them aware of the literary trends of the twentieth century. The paper will comprise of six units and in all six questions are to be attempted, one from each unit.

UNIT – I The following historical and literary topics will be included in this unit.

Students are required to write short notes of not more than three hundred words on any two of the following topics.

a) Periods of American Literature
b) The Two World Wars
c) Absurdism
d) Post Modernism
e) Transcendentalism
f) Realism

UNIT – II Ten objective type questions on the life history and major poetical works of the Following poets of the twentieth century will be asked in this unit.

a) W. H. Auden (1907 - 1937)
b) Dylan Thomas (1914 - 1953)
c) Philip Larkin (1922 - 1985)
d) Ted Hughes (1930 - 1998)
e) Robert Frost (1874 - 1963)
f) Henry Reed (1914 - 1986)

UNIT – III PROSE

a) Virginia Woolf - Room of One's Own
b) Graham Greene - The Lost Childhood

UNIT – IV DRAMA

a) Henrik Ibsen - A Doll's House
b) Bertolt Brecht - The Good Person of Szechwan

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

B.P.A./ BFA/ B.Voc

ENGLISH LANGUAGE AND COMMUNICATION SKILLS

Code-	**(Credit 02)**
EL 101	**M.M. 100**
	Internal Marks: 30
	External Marks: 70

All questions are compulsory.

Note: Testing and Grading

1. The assessment will be made through internal test, final test, presentations, assignments, class room observation and viva voce examination

UNIT I Communication Skills: Methods, Effective Communication and Barriers to Effective Communication, Mis- Communication

Unit II Writing skills

Report writing

Summary/Note-making

Formal and informal letter writing

CV/ Resume writing

Email Writing

UNIT III Listening and Speaking Skills: Pronunciation, Interaction, Grammar Skills (Through Language Lab)

UNIT III Group Discussion, Interview Skills

Books Recommended:

1. **Communication Skills Handbook, 4th Edition. Jane summers, Brett Smith. Communication**
2. **A Manual for English Language Communication Skills Laboratories by Sudha Rani**
3. **English at the Workplace Part I and II by Delhi University**
4. **Communication Skills: Theory and Practice by Prerna Malhotra and Deb Haldar**

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

I Semester (BPA/ BFA/ B.Voc)
FOUNDATION ENGLISH – 1

Code-
FE101

(Credit 02)
M.M. 100
Internal Marks: 30 External Marks: 70

The question paper for BPA I Semester English Language shall comprise the following units:

UNIT – I Short answer questions to be assessed by
(five short answer questions of four marks each). 20 Marks

UNIT – II **(**a) Reading comprehension of an unseen passage 05 Marks

(b) Vocabulary 05 Marks

UNIT – III Letter Writing 10 Marks

Two letters to be attempted of 5 marks each. (Formal and informal)

UNIT – IV Essay Writing 10 Marks

UNIT – V Grammar based on the prescribed text book. 20 Marks
Note: Question on all the units shall be asked from the prescribed text which will comprise the following chapters:

1. Where the Mind is Without Fear by Rabindranath Tagore
2. Death of a Clerk by Anton Chekhov
3. The Judgement Seat of Vikramaditya by Sister Nivedita
4. Sonnet – To Science by E.A. Poe
5. Science in Ancient India by Jawaharlal Nehru
6. Major Ancient Indian Scientist by Mrinal Mitra and B.G. Verma
7. The Wonder that was India by A. L. Basham
8. Srinivas Ramanujan by E. Lucia Turnbull
9. Communication in the Modern Age by Michael M.A. Mirabito

Books Recommended:

1. Essential English Grammar with Answers by Raymond Murphy/ C G Granth Academy
2. English Language and Indian Culture by M P Granth Academy/ C G Granth Academy
3. Foundation English by M P Granth Academy/ C G Granth Academy/ C G Granth Academy
4. English Language and Aspects of Development by M P Granth Academy/ C G Granth Academy

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

II Semester (BPA/ BFA)

FOUNDATION ENGLISH – 2

Code- **(Credit 02)**
FE201 **M.M. 100**
Internal Marks: 30 , External Marks: 70

The question paper for BPA II Semester English Language shall comprise the following units:

UNIT – I Short answer questions to be assessed by (five short answer questions of four marks each). 20 Marks

UNIT – II (a) Reading comprehension of an unseen passage 05 Marks
(b) Vocabulary 05 Marks

UNIT – III Report Writing 10 Marks

UNIT – IV Expansion of Idea 10 Marks

UNIT – V Grammar based on the prescribed text book. 20 Marks

Note: Question on all the units shall be asked from the prescribed text which will Comprise the following chapters:

1. Three Years She Grew by William Wordsworth
2. Rana Pratap by E.L. Turnbull
3. The Universality of Religion by Romain Rolland
4. Women and Development by Leela Dube
5. Basic Needs and Quality of Life by S.C. Dube
6. The Mouse and the Snake by Vikram Seth
7. Communication Education and Information Technology by K. Aludiapillai
8. Hiroshima by F. Rapale
9. Tree by Tina Morris

Books Recommended:

1. Advanced English Grammar with Answers by Raymond Murphy
2. English Language and Indian Culture by M P Granth Academy/ CGGranth Academy
3. Foundation English by M P Granth Academy/ CG Granth Academy
4. English Language and Aspects of Development by M P Granth Academy/ CG Granth Academy

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

B.P.A./ BFA/ B.Voc

ENGLISH LANGUAGE AND COMMUNICATION SKILLS

Code- **ELCS101**	**(Credit 02)** **M.M. 100** Internal Marks: 30 External Marks: 70

All questions are compulsory.

Note: Testing and Grading

1. The assessment will be made through internal test, final test, presentations, assignments, class room observation and viva voce examination

UNIT I Communication Skills: Methods, Effective Communication and Barriers to Effective Communication, Mis- Communication

Unit II Writing skills

Report writing

Summary/Note-making

Formal and informal letter writing

CV/ Resume writing

Email Writing

UNIT III Listening and Speaking Skills: Pronunciation, Interaction, Grammar Skills (Through Language Lab)

UNIT III Group Discussion, Interview Skills

Books Recommended:

1. Communication Skills Handbook, 4th Edition. Jane summers, Brett Smith. Communication

2. A Manual for English Language Communication Skills Laboratories by Sudha Rani

3. English at the Workplace Part I and II by Delhi University

4. Communication Skills: Theory and Practice by Prerna Malhotra and Deb Haldar

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

I Semester (BPA/ BFA/ B.Voc) FOUNDATION ENGLISH – 1

Code- FED101	**(Credit 02)** **M.M. 100** Internal Marks: 30 External Marks: 70

The question paper for BPA I Semester English Language shall comprise the following units:
UNIT – I Short answer questions to be assessed by
(five short answer questions of four marks each). 20 Marks
UNIT – II (a) Reading comprehension of an unseen passage 05 Marks
(b) Vocabulary 05 Marks
UNIT – III Letter Writing 10 Marks
Two letters to be attempted of 5 marks each. (Formal and informal)
UNIT – IV Essay Writing 10 Marks
UNIT – V Grammar based on the prescribed text book. 20 Marks
Note: Question on all the units shall be asked from the prescribed text which will comprise the following chapters:
1. Where the Mind is Without Fear by Rabindranath Tagore
2. Death of a Clerk by Anton Chekhov
3. The Judgement Seat of Vikramaditya by Sister Nivedita
4. Sonnet – To Science by E.A. Poe
5. Science in Ancient India by Jawaharlal Nehru
6. Major Ancient Indian Scientist by Mrinal Mitra and B.G. Verma
7. The Wonder that was India by A. L. Basham
8. Srinivas Ramanujan by E. Lucia Turnbull
9. Communication in the Modern Age by Michael M.A. Mirabito

Books Recommended:
1. Essential English Grammar with Answers by Raymond Murphy/ C G Granth Academy
2. English Language and Indian Culture by M P Granth Academy/ C G Granth Academy
3. Foundation English by M P Granth Academy/ C G Granth Academy/ C G Granth Academy
4. English Language and Aspects of Development by M P Granth Academy/ C G Granth Academy

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

II Semester (BPA/ BFA) FOUNDATION ENGLISH – 2

Code- **FED201**	**(Credit 02)** **M.M. 100** Internal Marks: 30 , External Marks: 70

The question paper for BPA II Semester English Language shall comprise the following units:

UNIT – I Short answer questions to be assessed by (five short answer questions

of four marks each). 20 Marks

UNIT – II (a) Reading comprehension of an unseen passage 05 Marks

(b) Vocabulary 05 Marks

UNIT – III Report Writing 10 Marks

UNIT – IV Expansion of Idea 10 Marks

UNIT – V Grammar based on the prescribed text book. 20 Marks

Note: Question on all the units shall be asked from the prescribed text which will

Comprise the following chapters:

1. Three Years She Grew by William Wordsworth
2. Rana Pratap by E.L. Turnbull
3. The Universality of Religion by Romain Rolland
4. Women and Development by Leela Dube
5. Basic Needs and Quality of Life by S.C. Dube
6. The Mouse and the Snake by Vikram Seth
7. Communication Education and Information Technology by K. Aludiapillai
8. Hiroshima by F. Raphale
9. Tree by Tina Morris

Books Recommended:

1. Advanced English Grammar with Answers by Raymond Murphy
2. English Language and Indian Culture by M P Granth Academy/ CGGranth Academy
3. Foundation English by M P Granth Academy/ CG Granth Academy
4. English Language and Aspects of Development by M P Granth Academy/ CG Granth Academy

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

BPA I SEMESTER
ENGLISH LITERATURE
PAPER-I INDIAN WRITING IN ENGLISH (i)

Code- **(Credit - 03) M.M. 100**
ELit 101 Internal Marks: 30
External Marks: 70

Note:

1. Unit – I of annotation is compulsory. Two passages from each of the units II to IV to be set and three to be attempted. (3 x 5 = 15)
2. 05 questions from Unit II to IV with internal choice to be set. Word limit for each answer is 300-400 words. (5 x 8 = 40)
3. 10 Multiple choice/ Objective Questions from II to IV units. (10 X 1= 10)
4. Short answer questions from Unit V. (1x 5 = 05)

UNIT- I Annotations

UNIT – II Poetry

a) Toru Dutt - Our Casurina Tree
b) Rabindranath Tagore - Songs 1 & 3, 103 from 'Gitanjali'
c) Swami Vivekananda - The Living God
d) Nissim Ezekiel - Night of the Scorpion

UNIT – III Prose

a) Munshi Premchand - The Holy Panchayat
b) Khuswant Singh - The Portrait of Lady
(On Women: Selected Writings by Khuswant Singh)

UNIT – IV Drama

Mahesh Dattani - Dance Like a Man
OR
Girish Karnad - Nagamandala

UNIT V Literary Topics

a) Plot
b) Short Story
c) Subjective Poetry
d) Hymn
e) Indian Theatre

Books Recommended

1. Indian Writing in English - K.R.Srinivasa Iyengar (Sterling Publishers Pvt. sLtd)
2. A History of Indian English Literature - M.K.Naik (Sahitya Akademi)
3. A Glossary of Literary Terms
(Cengage Learning India Private Limited) - M H Abrams
4. A History of Indian English Literature - M.K.Naik (Sahitya Akademi)
5. A Glossary of Literary Terms (Cengage Learning India Private Limited) - M H Abrams
6. Indian Writing in English: An Anthology of Prose and Poetry Selections by A N Dev
7. Modern Indian Literature: Poems and Short Stories by (Oxford University Press)
8. An Outline History of English Literature by Hudson
9. An Introduction to the History of English Literature by B Prasad

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

BPA I SEMESTER

ENGLISH LITERATURE

PAPER-I INDIAN WRITING IN ENGLISH (ii)

Code- **(Credit - 03) M.M. 100**

ELit 102 Internal Marks: 30

External Marks: 70

Note:

1. Unit – I of annotation is compulsory. Two passages from each of the units II to IV to be set and three to be attempted. (3 x 5 = 15)
2. 05 questions from Unit II to IV with internal choice to be set. Word limit for each answer is 300-400 words. (5 x 8 = 40)
3. 10 Multiple choice/ Objective Questions from II to IV units. (10 X 1= 10)
4. Short answer questions from Unit V. (1x 5 = 05)

UNIT – I Annotations

UNIT – II Poetry

a) Kamala Das - A Hot Noon in Malabar, My Grandmother's House
b) Jayanta Mahapatra - Grandfather
c) Vikram Seth - Frog and the Nightingale
d) A. K. Ramanujan - A River

UNIT – III Prose

a) Saadat Hasan Manto - Toba Tek Singh
b) R.K. Narayan - A Horse and Two Goats

UNIT – IV Fiction

Vikram Seth - An Equal Music

OR

Rohinton Mistry - Such a Long Journey

UNIT – V Literary Topics

a. Narrative
b. Hymn
c. Point of View
d. Modern Indian Poetry
e. Commonwealth Literature

Books Recommended

1. Indian Writing in English - K.R.Srinivasa Iyengar (Sterling Publishers Pvt.Ltd)
2. A History of Indian English Literature - M.K.Naik (Sahitya Akademi)
3. A Glossary of Literary Terms (Cengage Learning India Private Limited) - M H Abrams
4. Indian Writing in English: An Anthology of Prose and Poetry Selections by A N Dev
5. Modern Indian Literature: Poems and Short Stories by (Oxford University Press)
6. An Outline History of English Literature by Hudson
7. An Introduction to the History of English Literature by B Prasad

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

BPA II SEMESTER

ENGLISH LITERATURE

PAPER-II LITERATURE IN ENGLISH – 1550-1750 (i)

Code- **(Credit - 03) M.M. 100**

ELit 201 Internal Marks: 30

External Marks: 70

Note:

1. Unit – I of annotation is compulsory. Two passages from each of the units II to IV to be set and three to be attempted. (3 x 5 = 15)
2. 05 questions from Unit II to IV with internal choice to be set. Word limit for each answer is 300-400 words. (5 x 8 = 40)
3. 10 Multiple choice/ Objective Questions from II to IV units. (10 X 1= 10)
4. Short answer questions from Unit V. (1x 5 = 05)

UNIT-I Annotations

UNIT – II Poetry

a) William Shakespeare	-	Sonnet No. 8 - Music to Hear
		Sonnet No. 130 – My Mistress' Eyes
b) John Milton	-	How Soon Hath Time
c) John Donne	-	Death be not Proud
		The Canonization
		The Sun Rising

UNIT – III Prose

a) Francis Bacon	-	Of Studies, Of Truth,
b) Joseph Addison	-	Sir Roger at Home

UNIT – IV Drama

William Shakespeare	-	Twelfth Night
	Or	
Christopher Marlowe		- Doctor Faustus

UNIT – V Literary Topics

a) Sonnet
b) The Elizabethan and the Jacobean Stage
c) Cross Dressing
d) Comedy
e) Metaphysical Poets
f) Renaissance Humanism

Books Recommended

1. Andrew Sanders - The Short Oxford History of English Literature
2. M. H. Abrams - A Glossary of Literary Terms

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

BPA II SEMESTER

ENGLISH LITERATURE

PAPER-II LITERATURE IN ENGLISH – 1550-1750 (ii)

Code- **(Credit - 03) M.M. 100**

ELit 202 Internal Marks: 30

External Marks: 70

Note:

1. Unit – I of annotation is compulsory. Two passages from each of the units II to IV to be set and three to be attempted. (3 x 5 = 15)
2. 05 questions from Unit II to IV with internal choice to be set. Word limit for each answer is 300-400 words. (5 x 8 = 40)
3. 10 Multiple choice/ Objective Questions from II to IV units. (10 X 1= 10)
4. Short answer questions from Unit V. (1x 5 = 05)

UNIT-I Annotations

UNIT – II Poetry

a) John Dryden - Portrait of Shadwell

b) Alexander Pope - From an Essay on Criticism (True ease in Writing…)

UNIT – III Prose

a) Francis Bacon - Of Health, of Marriage and Single Life

b) Richard Steele - Of the Club

UNIT – IV Fiction

Jonathan Swift - Gulliver’s Travels

OR

Henry Fielding Joseph Andrews

UNIT – V Literary Topics

a) The Renaissance

b) The Earlier Novel

c) Travelogue

d) Mock Epic

e) Satire

Books Recommended

1. Edward Albert - A History of English Literature
2. M. H. Abrams - A Glossary of Literary Terms

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

BPA III SEMESTER

ENGLISH LITERATURE

PAPER-III LITERATURE IN ENGLISH (1750-1900) (i)

Code-	**(Credit - 03) M.M. 100**
ELit 301	Internal Marks: 30
	External Marks: 70

Note:

1. Unit – I of annotation is compulsory. Two passages from each of the units II to IV to be set and three to be attempted. (3 x 5 = 15)
2. 05 questions from Unit II to IV with internal choice to be set. Word limit for each answer is 300-400 words. (5 x 8 = 40)
3. 10 Multiple choice/ Objective Questions from II to IV units. (10 X 1= 10)
4. Short answer questions from Unit V. (1x 5 = 05)

UNIT-I Annotations

UNIT – II Poetry

a) Thomas Gray - Elegy Written in a Country Churchyard
b) William Wordsworth - Tintern Abbey
c) S. T. Coleridge - Dejection: An Ode

UNIT – III Prose

Charles Lamb - Dream Children

UNIT – IV Fiction

Charles Dickens - Oliver Twist

OR

Jane Austen - Pride and Prejudice

UNIT – V Literary Topics

a) Classical and Romantic Concepts of Imagination
b) Aestheticism
c) Rise of the Novel
d) Scientific Thoughts and Discoveries
e) Bildungsroman

Books Recommended:

1. An Outline History of English Literature by Hudson
2. M. H. Abrams - A Glossary of Literary Terms

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

BPA III SEMESTER

ENGLISH LITERATURE

PAPER-III LITERATURE IN ENGLISH (1750-1900) (ii)

Code- **(Credit - 03) M.M. 100**

ELit 302 Internal Marks: 30

External Marks: 70

Note:

1. Unit – I of annotation is compulsory. Two passages from each of the units II to IV to be set and three to be attempted. (3 x 5 = 15)
2. 05 questions from Unit II to IV with internal choice to be set. Word limit for each answer is 300-400 words. (5 x 8 = 40)
3. 10 Multiple choice/ Objective Questions from II to IV units. (10 X 1= 10)
4. Short answer questions from Unit V. (1x 5 = 05)

UNIT-I Annotation

UNIT – II Poetry

a) P. B. Shelley - Ode to Skylark
b) John Keats - Ode to Nightingale
c) Alfred Tennyson - Ulysses
d) Robert Browning - My Last Duchess

UNIT – III Prose

William Hazlitt - On Actor and Acting

UNIT – IV Fiction

Charles Dickens - Hard Times

OR

William Makepeace Thackeray - Vanity Fair

UNIT – V Literary Topics

a) The Reform Act
b) The Impact of Industrialization
c) Faith and Doubt
d) Romantic Poetry
e) Victorian Poetry

Books Recommended:

1. An Outline History of English Literature by Hudson
2. Romantic Imagination by C M Bowra

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

BPA IV SEMESTER

ENGLISH LITERATURE

PAPER-IV MODERN ENGLISH LITERATURE (i)

Code- **(Credit - 03) M.M. 100**
ELit 401 Internal Marks: 30
External Marks: 70

Note:

1. Unit – I of annotation is compulsory. Two passages from each of the units II to IV to be set and three to be attempted. (3 x 5 = 15)
2. 05 questions from Unit II to IV with internal choice to be set. Word limit for each answer is 300-400 words. (5 x 8 = 40)
3. 10 Multiple choice/ Objective Questions from II to IV units. (10 X 1= 10)
4. Short answer questions from Unit V. (1x 5 = 05)

UNIT-I Annotations

UNIT – II Poetry

a) W. B. Yeats - Among the School Children, Sailing to Byzantium
b) Philip Larkin - Church Going
c) Seamus Heaney - Digging

UNIT – III Prose

a) Bertrand Russell - Cranks
b) Guy de Maupassant - The Golden Necklace

UNIT – IV Drama

G. B. Shaw - Man and Superman

OR

John Galsworthy - Justice

UNIT – V Literary Topics

a) Myth and Fable
b) One Act Play
c) Interlude
d) Poetic Justice
e) Oxford Poets

Books Recommended:

1. An Introduction to the History of English Literature by B Prasad
2. Modernism: A Very Short Introduction (Very Short Introductions) by Christopher Butler
3. Postmodernism: A Very Short Introduction (Very Short Introductions) by Christopher Butler

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

BPA IV SEMESTER

ENGLISH LITERATURE

PAPER-IV MODERN ENGLISH LITERATURE (ii)

Code- **(Credit - 03) M.M. 100**

ELit 402 Internal Marks: 30

External Marks: 70

Note

1. Unit – I of annotation is compulsory. Two passages from each of the units II to IV to be set and three to be attempted. (3 x 5 = 15)
2. 05 questions from Unit II to IV with internal choice to be set. Word limit for each answer is 300-400 words. (5 x 8 = 40)
3. 10 Multiple choice/ Objective Questions from II to IV units. (10 X 1= 10)
4. Short answer questions from Unit V. (1x 5 = 05)

UNIT-I Annotations

UNIT – II Poetry

a) T. S. Eliot - Love Song of J. Alfred Prufrock
b) Ted Hughes - Thought Fox
c) Dylan Thomas - And Death Shall Have No Dominion

UNIT – III Prose

a) Robert Lynd - Forgetting
b) Katherine Mansfield A Cup of Tea

UNIT – IV Fiction

Rudyard Kipling - The Jungle Book

OR

William Golding - Lord of the Flies

UNIT – V Literary Topics

a) Modernism
b) Realism
c) Anachronism
d) Civilization and Savagery
e) Psychoanalysis

Books Recommended:

1. An Introduction to the History of English Literature by B Prasad
2. Modernism: A Very Short Introduction (Very Short Introductions) by Christopher Butler
3. Postmodernism: A Very Short Introduction (Very Short Introductions) by Christopher Butler

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

BPA V SEMESTER

ENGLISH LITERATUR

PAPER-V WOMEN WRITINGS (i)

Code-
ELit 501

(Credit - 03) M.M. 100
Internal Marks: 30
External Marks: 70

Note:

1. Unit – I of annotation is compulsory. Two passages from each of the units II to IV to be set and three to be attempted. (3 x 5 = 15)
2. 05 questions from Unit II to IV with internal choice to be set. Word limit for each answer is 300-400 words. (5 x 8 = 40)
3. 10 Multiple choice/ Objective Questions from II to IV units. (10 X 1= 10)
4. Short answer questions from Unit V. (1x 5 = 05)

UNIT-I Annotations

UNIT – II Poetry

a) Emily Dickinson - Because I Could Not Stop for Death
b) Margret Atwood - Spelling
c) Sylvia Plath - Lady Lazarus

UNIT – III Prose

a) Katherine Mansfeild - Bliss
b) Ama Ata Aidoo - The Girl who can

UNIT – IV Fiction

Virginia Woolf - Mrs Dalloway

OR

Alice Walker - The Colour Purple

UNIT – V Literary Topics

a) Feminism
b) Stream of Consciousness
c) Black Feminism
d) Patriarchy
e) Masculinity and Racial Identity

Books Recommended:

1. Feminism: A Very Short Introduction (Very Short Introductions) by Walters
2. Subjection of Women by J S Mill
3. Vindication of Women Rights by Mary Wollstonecraft

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

BPA V SEMESTER

ENGLISH LITERATURE

PAPER-V WOMEN WRITINGS (ii)

Code- ELit 502 **(Credit - 03) M.M. 100**

Internal Marks: 30

External Marks: 70

Note:

1. Unit – I of annotation is compulsory. Two passages from each of the units II to IV to be set and three to be attempted . (3 x 5 = 15)
2. 05 questions from Unit II to IV with internal choice to be set. Word limit for each answer is 300-400 words. (5 x 8 = 40)
3. 10 Multiple choice/ Objective Questions from II to IV units. (10 X 1= 10)
4. Short answer questions from Unit V. (1x 5 = 05)

UNIT-I Annotations

UNIT – II Poetry

a) Kamala Das - The Old Playhouse
b) Sarojini Naidu - The Pardah Nashin
c) Mirabai - I have found my Guru

UNIT – III Prose

a) Shashi Deshpande - The Intrusion
b) Ambai - Squirrel

UNIT – IV Fiction

Mahasweta Devi - Rudali

OR

Mirza Mohammad Hadi Ruswa - U*mrao Jaan Ada* (1899), tr. David Matthews (New Delhi: Rupa, 1996).

UNIT – V Literary Topics

a) Empowerment
b) Indian Feminism
c) Asian Masculinity
d) Ecofeminism
e) Autobiography

Books Recommended:

1. Women Writing in India (Volume 1) - Edited by Susie Tharu and K Lalita
2. Indian Women Writing In English: A Feminist Study by Sunita Sinha

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

BPA VI SEMESTER
ENGLISH LITERATURE (Two Electives)
Elective - 1
PAPER-VI AMERICAN LITERATURE (i)

Code- **(Credit - 03) M.M. 100**
ELit 601 Internal Marks: 30
External Marks: 70

Note:

1. Unit – I of annotation is compulsory. Two passages from each of the units II to IV to be set and three to be attempted. (3 x 5 = 15)
2. 05 questions from Unit II to IV with internal choice to be set. Word limit for each answer is 300-400 words. (5 x 8 = 40)
3. 10 Multiple choice/ Objective Questions from II to IV units. (10 X 1= 10)
4. Short answer questions from Unit V. (1x 5 = 05)

UNIT-I Annotations

UNIT – II Poetry

a) Walt Whitman - O Captain! My Captain,
When the Lilacs Last in the Dooryard Bloomed
b) Carl Sandberg - Who Am I?
I am the People, The Mob
c) Ralph Waldo Emerson - Give All to Love

UNIT – III Prose

a) William Faulkner - Nobel Awards Acceptance Speech
b) Henry David Thoreau - Civil Disobedience

UNIT – IV Drama

Arthur Miller - All My Sons

OR

Eugene O'Neill - The Hairy Ape

UNIT – V Literary Topics

a) World War
b) American Renaissance
c) Pacifism
d) Poetic Drama
e) Realism

Books Recommended:

1. American Literature: Studies on Emerson, Thoreau, Hawthorne, Melville and Whitman by Sujata Gurudev
2. American Literature: An Anthology Ed. Fr. Egbert S. Oliver

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

BPA VI SEMESTER

ENGLISH LITERATURE (Two Electives)

Elective - 1

PAPER-VI AMERICAN LITERATURE (ii)

Code- **(Credit - 03) M.M. 100**

ELit 602 Internal Marks: 30

External Marks: 70

Note:

1. Unit – I of annotation is compulsory. Two passages from each of the units II to IV to be set and three to be attempted. (3 x 5 = 15)
2. 05 questions from Unit II to IV with internal choice to be set. Word limit for each answer is 300-400 words. (5 x 8 = 40)
3. 10 Multiple choice/ Objective Questions from II to IV units. (10 X 1= 10)
4. Short answer questions from Unit V. (1x 5 = 05)

UNIT-I Annotations

UNIT – II Poetry

a)	Emily Dickinson	-	Hope is the thing with Feather
b)	Robert Frost	-	The Road not Taken, Stopping by Woods
c)	Henry David Thoreau	-	Conscience

UNIT – III Prose

a)	John Steinbeck	-	The Pearl
b)	Ralph Waldo Emerson	-	Self - Reliance

UNIT – IV Fiction

E.	Hemingway	-	A Farewell to Arms
		OR	
	Nathaniel Hawthorne	-	The Scarlet Letter

UNIT – V Literary Topics

a) Transcendentalism
b) American Dream
c) American Feminism
d) War poets
e) Art for art's sake

Books Recommended:

1. American Literature: Studies on Emerson, Thoreau, Hawthorne, Melville and Whitman by Sujata Gurudev
2. American Literature:An Anthology Ed. Fr. Egbert S. Oliver

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

BPA VI SEMESTER

ENGLISH LITERATURE (Two Electives)

Elective - 2

PAPER-VI 20TH CENTURY LITERATURE IN ENGLISH (i)

Code- **(Credit - 03) M.M. 100**

ELit 603 Internal Marks: 30

External Marks: 70

All questions are compulsory.

Note: The paper will be taught as an optional Paper – VI which is a paper on American Literature. The principle focus will be to probe the students a general background and cultural history of this period and also to make them aware of the literary trends of the twentieth century. The paper will comprise of six units and in all six questions are to be attempted, one from each unit.

UNIT – I The following historical and literary topics will be included in this unit. Students are required to write short notes of not more than three hundred words on any two of the following topics.

a) Periods of English Literature
b) The Great Depression
c) Modernism
d) Existentialism
e) Feminism
f) Colonialism

UNIT – II Ten objective type questions on the life history and major poetical works of the Following poets of the twentieth century will be asked in this unit.

a) W. B. Yeats (1865-1939)
b) Siegfried Sassoon (1886 - 1967)
c) T. S. Eliot (1888 - 1965)
d) Wilfred Owen (1893 - 1918)
e) Stwart Brown (1951-)

UNIT – III POETRY

T. S. Eliot - The Waste Land

Or

Wilfred Owen - Disabled
Siegfried Sassoon - Attack, Falling Asleep
Rupert Brooke - The Hill
W. H. Auden - Miss Gee

UNIT – IV FICTION

a) Joseph Conrad - Heart of Darkness
b) Chinua Achebe - Things Fall Apart

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

BPA VI SEMESTER

ENGLISH LITERATURE (Two Electives)

Elective - 2

PAPER-VI 20TH CENTURY LITERATURE IN ENGLISH (ii)

Code- **(Credit - 03) M.M. 100**

ELit 604 Internal Marks: 30

External Marks: 70

All questions are compulsory.

Note: The paper will be taught as an optional Paper – VI which is a paper on American Literature. The principle focus will be to probe the students a general background and cultural history of this period and also to make them aware of the literary trends of the twentieth century. The paper will comprise of six units and in all six questions are to be attempted, one from each unit.

UNIT – I The following historical and literary topics will be included in this unit. Students are required to write short notes of not more than three hundred words on any two of the following topics.

a) Periods of American Literature
b) The Two World Wars
c) Absurdism
d) Post Modernism
e) Transcendentalism
f) Realism

UNIT – II Ten objective type questions on the life history and major poetical works of the Following poets of the twentieth century will be asked in this unit.

a) W. H. Auden (1907 - 1937)
b) Dylan Thomas (1914 - 1953)
c) Philip Larkin (1922 - 1985)
d) Ted Hughes (1930 - 1998)
e) Robert Frost (1874 - 1963)
f) Henry Reed (1914 - 1986)

UNIT – III PROSE

a) Virginia Woolf - Room of One's Own
b) Graham Greene - The Lost Childhood

UNIT – IV DRAMA

a) Henrik Ibsen - A Doll's House
b) Bertolt Brecht - The Good Person of Szechwan

आजीवन शिक्षा विभाग

Department of Lifelong Learning

पर्यावरण अध्ययन

Environmental Studies

स्नातक स्तर–बी.पी.ए., बी.एफ.ए., बी.वोक., प्रथम सेमेस्टर

Graduation Level- B.P.A., B.F.A., B. Voc., First Semester

कोड–
ENV-101

पूर्णांक– 70
क्रेडिट–2 (1 क्रेडिट= 15 घंटे)
Credit-2 (1Credit=15 Hours)

इकाई–1
Unit-1

पर्यावरण अध्ययन का बहुविषयी या बहुआयामी स्वभाव एवं प्राकृतिक संसाधन–वन संसाधन, जल संसाधन, खनिज संसाधन तथा इससे सम्बन्धित समस्याएं

The Multidisciplinary nature of environmental studies & Natural resources, Forest resources, Water resources, Mineral resources & its associated problems.

1. परिभाषा, कार्य क्षेत्र एवं महत्व
   Definition, Scope and importance
2. जन जागरण/चेतना की आवश्यकता
   Need for public awareness
3. प्राकृतिक संसाधन
   Natural resources
4. नवीनीकृत एवं अनवीनीकृत संसाधन
   Renevable and non renevable resources
   प्राकृतिक संसाधन एवं उससे सम्बन्धित समस्यायें
   Natural resources and associated problems
5. वन संसाधन – उपयोग एवं अतिदोहन, वनोन्मूलन, केस स्टडी (प्रकरण अध्ययन), काष्ठ कटाई, खनन, बांध एवं वनों तथा जनजातियों पर इनका प्रभाव ।
   Forest resources : Use and over-exploitation, deforestation, case studies, Timber extraction, mining, dams and their effects on forests and tribal people.
6. जल संसाधन – सतही एवं भूमिगत जल का उपयोग एवं अति उपयोग, बाढ़, सूखा, जल के लिये संघर्ष, बांध–लाभ एवं समस्यायें ।
   Water resources : Use and over-utilization of surface and ground water, floods, Drought, conflicts over water, dams-benefits and problems.
7. खनिज संसाधन – उपयोग एवं अतिदोहन, खनिज संसाधनों के खनन एवं उपयोग का पर्यावरण पर प्रभाव, प्रकरण अध्ययन ।
   Mineral resources : Use and exploitation, environmental effects of extracting and using mineral resources, case studies.

इकाई–2
Unit-2

प्राकृतिक संसाधन–खाद्य संसाधन, ऊर्जा संसाधन, भूमि संसाधन एवं इससे सम्बन्धित समस्याएं
Natural resources- Food resources, Energy resources, Land resources and its associated problems

1. खाद्य संसाधन – विश्व की खाद्य समस्या, कृषि एवं अतिचारण के कारण होने वाले परिवर्तन, आधुनिक कृषि के प्रभाव, उर्वरक– कीटनाशी की समस्या, जलभरण, लवणता, प्रकरण अध्ययन ।
   Food resources : World food problems, changes caused by agriculture and overgrazing, effects of modern agriculture, fertilizer-pesticide problems, water logging, salinity, case studies.
2. ऊर्जा संसाधन – ऊर्जा की बढ़ती हुई आवश्यकता, नवीनीकृत एवं अनवीनीकृत ऊर्जा स्त्रोत, ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोतों का उपयोग, प्रकरण अध्ययन ।
   Energy resources : Growing energy needs, renewable and non renewable energy resources, use of alternate energy sources, case studies.
3. भूमि संसाधन – भूमि एक संसाधन के रूप में, भूमि अपक्षय, मानव प्रेरित भूस्खलन, मृदा अपरदन एवं मरूस्थलीकरण ।
   Land resources : Land as a resource, land degradation, man induced landslide, soil erosion and desertification.
4. प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में व्यक्ति की भूमिका ।
   Role of an individual in conservation of natural resources.
5. सुविधापूर्ण जीवन पद्धतियों के संरक्षण में व्यक्ति की भूमिका ।
   Equitable use of resources for sustainable lifestyles.

इकाई–3
Unit-3
पारिस्थितिक तंत्र
Ecosystems

1. पारिस्थितिक तंत्र की परिकल्पना
   Concept of an ecosystem
2. पारिस्थितिक तंत्र की संरचना एवं कार्य
   Structure and function of an ecosystem.
3. उत्पादक, उपभोक्ता एवं अपघटनकर्ता
   Producers, consumers and decomposers
4. पारिस्थितिक तंत्र में ऊर्जा प्रवाह
   Energy flow in the ecosystem
5. पारिस्थितिक अनुक्रमण
   Ecological Succession
6. खाद्य श्रृंखला, खाद्य जाल एवं पारिस्थितिक पिरामिड
   Food chains, food web and ecological pyramids.
7. पारिस्थितिक तंत्र की प्रस्तावना, प्रकार, लक्षण एवं कार्य –
   Introduction, types, characteristic feachers, structure and function of the following ecosystem :
   (a) वन का पारिस्थितिक तंत्र
       Forest ecosystem

(b) घास के मैदान का पारिस्थितिक तंत्र
Grassland ecosystem

(c) मरूस्थल का पारिस्थितिक तंत्र
Desert ecosystem

(d) जलीय पारिस्थितिक तंत्र (तालाब, जलधारा, झील, महासागर एवं दलदली भूमि का पारिस्थितिक तंत्र)
Aquatic ecosystems (ponds, streams, lakes, rivers, oceans, estuaries)

इकाई–4
Unit-4
जैव विविधता
Biodiversity

1. सामान्य परिचय – परिभाषा, अनुवांशिक प्रजाति एवं पारिस्थितिक तंत्रीय विविधता ।
Introduction- Definition : genetic, species and ecosystem diversity
2. भारत वर्ष का जैव भौगोलिक वर्गीकरण
Biogeographical classification of India
3. जैव विविधता का महत्व–क्षयशील उपयोग, उत्पादन उपयोग, सामाजिक, एथिकल, एस्थेटिक एवं ऐच्छिक महत्व ।
Value of biodiversity : consumptive use, productive use, social, ethical, aesthetic and option values.
4. विश्व, राष्ट्रीय एवं स्थानीय स्तर पर जैव विविधता
Biodiversity at global, National and Local levels.
5. भारत वर्ष एक वृहत् विविधता वाले राष्ट्र के रूप में
India as a mega-diversity nation.

इकाई–5
Unit-5
जैव विविधता के हॉट स्पॉट, जैव विविधता के कारण एवं जैव विविधता का संरक्षण
Hot-spots of biodiversity, Threats to biodiversity & Conservation of biodiversity

1. जैव विविधता के हॉट स्पॉट
Hot-spots of biodiversity.
2. खतरनाक स्थिति : जैव विविधता के लिए – आवास का नष्ट होना, वन्य जीवनों का शिकार, मानव एवं वन्य जन्तु संघर्ष ।
Threats to biodiversity : habitat loss, poaching of wildlife, man and wildlife conflicts.
3. भारतवर्ष की संकटग्रस्त एवं विशेष क्षेत्रीय जातियां
Endangeres and endemic species of India
4. जैव विविधता का संरक्षण – इन–सिटू एवं एक्स–सिटू संरक्षण
Conservation of biodiversity : In-situ and ex-situ conservation of biodiversity.

फील्ड वर्क

Field work

स्नातक स्तर–बी.पी.ए., बी.एफ.ए., बी.वोक., प्रथम सेमेस्टर

Graduation Level- B.P.A., B.F.A., B. Voc., First Semester

पूर्णांक–30

1. आसपास की नदी/वन/घास की भूमि/पहाड़ी/पर्वत आदि का भ्रमण कर उनकी पर्यावरणीय जानकारी एकत्रित करना ।
   Visit a local area to document environmental assets- river/forest/grassland/hill/mountain etc.

2. क्षेत्र में उपस्थित सामान्य पौधों, कीटों एवं पक्षियों का अध्ययन ।
   Study of common plants, Insects, birds.

3. साधारण पारिस्थितिक तंत्रों, जैसे–तालाब, नदी, पहाड़ी ढलान आदि का सरल अध्ययन ।
   Study of simple ecosystems- pond, river, hill slopes, etc.

टीप– अंक पेटर्न

Note- Number Pattern

प्रथम सेमेस्टर पूर्णांक–		100
First Semester Max. M.	-	100
बाह्य मूल्यांकन –लिखित परीक्षा –		70
External Evaluation- Written Exam.-		70
आंतरिक मूल्यांकन	–	30
Internal Evaluation-		30

(लिखित–10+प्रोजेक्ट वर्क–10+वायवा–10)

(Written-10+Project Work-10+Viva-10)

प्रस्तावित पाठ्य सामग्री :

Recommended reading material

- डॉ. के.एल. तिवारी, डॉ. एस.के. जाधव – पर्यावरण अध्ययन, अजय प्रकाशन, रायपुर
- Agrawal K.C., 2001, Environmental Biology
- World Commission on Environment and development, 1987, Our Common Future, Oxford University Press.
- Singh, J.S., Singh, S.P. and Gupta, S.R. 2014. Ecology, Environmental Science and Conservation. S. Chand Publishing, New Delhi
- Gleick, P.H. 1993. Water in Crisis, Pacific Institute for Studies in Dev., Environment & Security. Stockholm Env. Institute, Oxford Univ. Press.

आजीवन शिक्षा विभाग

Department of Lifelong Learning

पर्यावरण अध्ययन

Environmental Studies

स्नातक स्तर–बी.पी.ए., बी.एफ.ए., बी.वोक., द्वितीय सेमेस्टर

Graduation Level- B.P.A., B.F.A., B. Voc., Second Semester

कोड–
ENV-201

पूर्णांक– 70
क्रेडिट–2 (1 क्रेडिट= 15 घंटे)
Credit-2 (1Credit=15 Hours)

इकाई–1
Unit-1

पर्यावरण प्रदूषण–वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, मृदा प्रदूषण एवं समुद्री प्रदूषण

Environmental Pollution, Air Pollution, Water Pollution, Soil Pollution, Marine pollution.

निम्न की परिभाषा, कारण, प्रभाव एवं नियंत्रण के उपाय

Definition : Causes, effects and control measures of :

1. वायु प्रदूषण
   Air Pollution
2. जल प्रदूषण
   Water Pollution
3. मृदा प्रदूषण
   Soil Pollution
4. समुद्री प्रदूषण
   Marine Pollution

इकाई–2
Unit-2

पर्यावरण प्रदूषण–ध्वनि (शोर) प्रदूषण, तापीय प्रदूषण, नाभिकीय हानियां, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं प्राकृतिक आपदा प्रबंधन

Environmental Pollution, Noise pollution, Thermal pollution, Nuclear hazards, Solid waste Management & Disaster management.

1. निम्न की परिभाषा, कारण, प्रभाव एवं नियंत्रण के उपाय
   Definition : Causes, effects and control measures of :
   (a) ध्वनि (शोर) प्रदूषण
   Noise pollution
   (b) तापीय प्रदूषण
   Thermal pollution
   (c) नाभिकीय हानियां
   Nuclear hazarda
2. ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन – शहरी एवं औद्योगिक ठोस अपशिष्ट पदार्थों के कारण, प्रभाव एवं नियंत्रण के उपाय ।
   Solid waste Management : Causes, effects and control measures of urban and industrial wastes.

3. प्रदूषण रोकने में व्यक्ति विशेष की भूमिका ।
Role of an individual in prevention of pollution.
4. प्रदूषण प्रकरण अध्ययन ।
Pollution case studies.
5. प्राकृतिक आपदा प्रबन्धन – बाढ़, भूकम्प, चक्रवात एवं भूस्खलन ।
Disaster management : floods, earthquake, cyclone and landslides.

इकाई–3
Unit-3
सामाजिक निर्गम एवं पर्यावरण
Social Issues and the Environment

1. अपोषणीय से पोषणीय विकास तक
From Unsustainable to Sustainable development.
2. ऊर्जा से सम्बन्धित नगरीकरण की समस्यायें
Urban problems related to energy
3. जल संरक्षण, वर्षा जल हार्वेस्टिंग, वाटरशेड प्रबन्ध ।
Water conservation, rain water harvesting, watershed management.
4. लोगों का पुनर्स्थापन एवं पुनर्वास–इससे सम्बन्धित समस्यायें, प्रकरण अध्ययन ।
Resettlement and rehabilitation of people : its problems and concerns. Case studies.
5. पर्यावरणीय नीतियां – निर्गम एवं संभावित समाधान ।
Environmental ethics : Issues and possible solutions.
6. जलवायु परिवर्तन, विश्व–उष्णता, अम्ल वर्षा, ओजोन परत अपक्षय, नाभिकीय दुर्घटना एवं होलोकॉस्ट, प्रकरण अध्ययन ।
Climate change, global warming, acid rain, ozone layer depletion, nuclear accidents and holocaust. Case studies.

इकाई–4
Unit-4
व्यर्थ भूमि प्रबन्धन एवं पर्यावरण संरक्षण अधिनियम
Wasteland reclamation & Environment Protection Act.

1. व्यर्थ भूमि प्रबन्धन
Wastland reclamation.
2. उपभोगिता एवं अपशिष्ट पदार्थ
Consumerism and wast products.
3. पर्यावरण संरक्षण अधिनियम
Environment Protection Act.
4. वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) एक्ट
Air (Prevention & Control of Pollution) Act.
5. जल (बचाव एवं प्रदूषण नियंत्रण) एक्ट
Water (Prevention & Control of Pollution) Act.
6. वन्य जीव संरक्षण अधिनियम
Wildlife protection Act.
7. वन संरक्षण अधिनियम
Forest conservation Act.
8. पर्यावरण कानूनों को लागू करने में आने वाली दिक्कतें

Issues involved in enforcement of environmental legislation.

9. पर्यावरण एवं जन चेतना
Environment and Public awareness.

इकाई–5
Unit-5
मानव जनसंख्या एवं पर्यावरण
Human population and the Environment

1. जनसंख्या वृद्धि, विभिन्न देशों की जनसंख्या में भिन्नता
Population growth, Variation among nations.
2. जनसंख्या विस्फोट
Population explosion
3. परिवार कल्याण कार्यक्रम
Family welfare programme.
4. पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य
Environment & Human Health.

5. पर्यावरण एवं मानवाधिकार
Environment & Human Rights.
(a) मानवाधिकार का अर्थ एवं परिभाषा
Meaning and Definition of Human rights
(b) मानवाधिकार का वर्गीकरण
Classification of Human rights
(c) मानवाधिकार का प्रभाव
Impact of Human rights
6. मूल्य शिक्षा एवं पर्यावरण
Value Education and Environment
7. एच.आई.वी./एड्स
HIV/AIDS
8. महिला एवं बाल कल्याण
Woman and child welfare
9. पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य के क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका
Role of Information Technology in Environment and human health.

फील्ड वर्क
Field work
स्नातक स्तर–बी.पी.ए., बी.एफ.ए., बी.वोक., द्वितीय सेमेस्टर
Graduation Level- B.P.A., B.F.A., B. Voc., Second Semester

पूर्णांक–30

1- आसपास के प्रदूषित क्षेत्र का भ्रमण– शहरी/ग्रामीण/औद्योगिक/कृषि क्षेत्र ।
Visit a polluted local area to document- Urban/ Rural/Industrial/Agricultural Area

टीप- अंक पेटर्न

Note- Number Pattern

द्वितीय सेमेस्टर पूर्णांक- 100

Second Semester Max. M. - 100

बाह्य मूल्यांकन -लिखित परीक्षा - 70

External Evaluation- Written Exam.- 70

आंतरिक मूल्यांकन - 30

Internal Evaluation- 30

(लिखित-10+प्रोजेक्ट वर्क-10+वायवा-10)

(Written-10+Project Work-10+Viva-10)

प्रस्तावित पाठ्य सामग्री :

Recommended reading material :

- डॉ. के.एल. तिवारी, डॉ. एस.के. जाधव - पर्यावरण अध्ययन, अजय प्रकाशन, रायपुर
- World Commission on Environment and development, 1987, Our Common Future, Oxford University Press.
- Gleick, P.H. 1993. Water in Crisis, Pacific Institute for Studies in Dev., Environment & Security. Stockholm Env. Institute, Oxford Univ. Press.
- Singh, J.S., Singh, S.P. and Gupta, S.R. 2014. Ecology, Environmental Science and Conservation. S. Chand Publishing, New Delhi
- S.K. Kapoor- Human Rights under International Law and Indian Law
- एस.के. कपूर- मानवाधिकार
- एन.डी. चतुर्वेदी, भारत का संविधान
- J.N. Pande, Constitutional Law of India
- Pepper, I.L., Gerba, C.P. & Brusseau, M. L. 2011. Environmental and Pollution Science. Academic Press

FIELD WORKS

First Task ;

Every individual student needs to visit river/forest/grazing land(pasture)/mountain present in their respective city or locality and gather following information :

1. **For River :**
   (1) Name of the River :
   (2) Place of Origin :
   (3) River's Width and Depth :
   (4) Availability of Water :
   (5) Name of all creature and vegetation present in the river
   (6) Waste water canals from nearby Urban or Rural places connected to the river :
   (7) List of Industries who pass their wastage in to the river :
   (8) Level of Pollution :
2. **For Forest :**
   (1) Type of Forest
   (2) Name of Forest
   (3) Type of vegetation available in the Forest
   (4) List of the major plants

(5) List down Medicinal plants in the forest
(6) List down the plants which are source of Industrial Timber
(7) List down the plants which are source of Fire Wood
(8) List of the wild animals present in the Forest
(9) List down the important products obtained from the Forest
(10) Name of the Villages present in the Forest area
(11) List of the Tribes and their standard of living in the Forest Area

3. **Grazing land (pasture)**
(1) Type of Grazing Land
(2) Approximate Area
(3) Present condition of the Grazing Land
(4) List of Grasses and plants available in the field
(5) Number of villages and animals fully dependent on grazing land
(6) Security Measures

Second Task :

Time to time please visit nearby polluted urban, rural, industrial and farm fields present in your area and gather following information :

(1) Total Population
(2) Name of the Established Industries (please furnish details categorically)
(3) Name of the most polluting industries
  (i) Air Pollution
  (ii) Water Pollution
  (iii) Soil Pollution
(4) Measures taken by the Industries to counter Pollution
(5) Number of workers in the Industry
(6) Energy which are used in the industrial units and their source

1. Introduction about village : (ग्राम का परिचय)

   Name : (ग्राम का नाम)
   - Population : (ग्राम की जनसंख्या)
   - Area : (ग्राम का क्षेत्रफल)
   - Name of Sarpanch : (ग्राम के सरपंच का नाम)
   - Location : Name of Block and District . Short map of village : (ग्राम किस ब्लॉक और जिले में स्थित है)
   - One photograph of your village (ग्राम का फोटोग्राफ)

2. Landscape and ecology : (ग्राम की भौगोलिक स्थिति और पारिस्थितिकी का परिचय)
   - Water resources : (ग्राम में उपलब्ध पानी के संसाधन- तालाब, नदी, नहर, झरना, कुआं, हैण्ड पंप सभी की जानकारी)
   - Hilly area : (ग्राम के पास यदि कोई पहाड़ी क्षेत्र अथवा जंगल हो तो जानकारी)
   - तालाब का उपयोग यदि मछली पालन के लिये होता हो तो जानकारी

3. Crop : (ग्राम में बोई जाने वाली मुख्य फसल एवं सब्जियों की जानकारी)

4. Biodiversity of village (ग्राम की जैव विविधता का परिचय)

- Flora : different types of trees which are present or found at your village including medicinal plant, long and short trees (if you take picture this is good for your project) (सभी प्रकार के वृक्ष और औषधीय पौधों की जानकारी)
- Fauna : different animal including all invertebrates and vertebrates. (fishes types and its local name, amphibian, reptelia birds and mammals) (सभी प्रकार के प्राणियों की जानकारी जो आप देखते हैं और अपने बुजुर्गों से पूछ कर जानकारी प्राप्त कीजिये)

5. If during year 2016-17 at your village you have done any types of social work give the description and photographs. (ग्राम में यदि 2016-17 में सम्पन्न किसी भी प्रकार के सामाजिक कार्यक्रम में भाग लिया हो तो जानकारी देवें आपके योगदान की)

6. At your village any type of social program done by villager give the dwscription and photographs. (ग्राम में यदि 2016-17 में सम्पप्न किसी भी प्रकार का सामाजिक कार्यक्रम जानकारी देवें)

7. Certificate attached by you, which is attested by your sarpanch or panch or any government official that is working at your village. (इस बात की जानकारी कि यह प्रोजेक्ट आपके द्वारा किया गया है आपके सरपंच अथवा ग्राम में पदस्थ शासकीय कर्मचारी अथवा ग्राम के गणमान्य नागरिक के द्वारा आपको दिया गया प्रमाण पत्र)

8. अन्य जानकारी जो ऊपर न दी गई हो ।

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छत्तीसगढ़)

शिक्षण कौशल

TEACHING SKILLS

स्नातक स्तर–बी.पी.ए.

Under Graduate Level- B.P.A.

सेमेस्टर–अष्टम

Semester VIII

क्रेडिट–1 (1क्रेडिट =15 घंटे) पूर्णांक–100

Credit-1 (1Credit=15) Max. Marks-100

प्रस्तावना

Preamble

शिक्षण कौशल कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न विषयों में स्नातक को व्यावहारिक अभिविन्यास देना है ताकि वे उच्च माध्यमिक और तृतीयक स्तरों पर सक्षम शिक्षक बन सकें । महाविद्यालय के शिक्षकों के लिए किसी भी पेशेवर शिक्षक की तैयारी कार्यक्रम की अनुपस्थिति में, यह कोर्स आधुनिक सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों प्रकार के पर्याप्त शैक्षणिक आदानों को आधुनिक दिनों के संदर्भ में प्रभावी शिक्षण के लिए आवश्यक स्वरूप प्रदान करने में मदद करेगा । कोर्स का उपयोग प्रौद्योगिकी के उपयोग में प्रगति को ध्यान में रखते हुए उच्च कक्षा में शिक्षण और सीखने की प्रक्रियाओं के बारे में नवीनतम सोच पर किया गया है और साथ ही यह कक्षा में क्षेत्रीय वास्तविकताओं की अनदेखी नहीं कर रही है । यद्यपि, एक राय है कि उच्च शिक्षा के शिक्षकों के लिए कोई शिक्षक प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं है, तथापि इस कोर्स से स्नातकोत्तर शिक्षण के पेशे को इस पाठ्यक्रम की मदद से बेहतर बना देगा ।

The purpose of Teaching Skills programme is intended to give practical orientation to Graduates in various disciplines so as to enable them to become competent teachers at Higher Secondary and tertiary levels. In the absence of any professional teacher preparation programme for college teachers, this course will help in providing adequate pedagogic inputs, both theoretical and practical, required for effective teaching in the modern day context. The course is built on latest thinking on teaching and learning processes in Higher Education keeping in mind the advancements in use of Technology and at the same time not ignoring the field realities in the classroom. Although, there is an opinion that no teacher training is required for higher education teachers, this course will make any post graduate entering the teaching profession a better teacher than what he / She would have been without this course.

उद्देश्य :

Objectives:

पाठ्यक्रम छात्रों को सक्षम करने के लिए इंडेंट किया गया है :

The syllabus is indented to enable students to:

1. उच्च शिक्षा में अध्यापन और सीखने के संदर्भ पर प्रतिबिंबित होगा जब वे शिक्षा के क्षेत्र में प्रवेश करेंगे ।

1- Reflect on the context of teaching and learning in Higher Education when they enter teaching profession

2. छात्र सीखने की प्रक्रिया में अंतर्दृष्टि प्राप्त करेंगे, विशेष रूप से उच्च शिक्षा स्तर पर और अपेक्षित शिक्षण की सुविधा के लिए शिक्षण की प्रक्रियाओं पर प्रतिबिंबित करने में सक्षम ।

2. Gain insight in to the processes of learning, especially at Higher Education level and able to reflect on the processes of teaching to facilitate the expected learning, students.

3. उच्च शिक्षा स्तर पर प्रासंगिक विभिन्न तरीकों का पालन करने के लिए कौशल और दक्षता का विकास करना ।

3. Develop skills and competencies to teach effectively following different methodologies relevant at Higher Education level.

4. उच्चतर शिक्षा स्तर पर अध्यापन–शिक्षण में निम्न आदेश संचार माध्यम के साथ–साथ उच्च आदेश प्रौद्योगिकी आधारित मीडिया दोनों का उपयोग करना ।

4. Integrate the use of both lower order communication media as well as higher order technology based media in teaching-learning at Higher-Education level.

अंक विभाजन

Marking pattern

पूर्णांक	100
Maximum Marks	100
सैद्धांतिक– बाह्य मूल्यांकन	70
Theory- External Evaluation	70
लिखित,प्रोजेक्ट वर्क, वायवा– आन्तरिक मूल्यांकन–	30
Written, Project Work, Viva- Internal Evaluation	30

(लिखित 10 + प्रोजेक्ट वर्क 10 + वायवा 10)

(Written 10 + Project work 10+ Viva 10)

यूनिट I- शिक्षण की संकल्पना
Unit-I Concept of Teaching

- शिक्षण : एक कला या विज्ञान ?
- Teaching; An art or Science ?
- शिक्षण और शिक्षा के बीच संबंध
- Relationship between teaching and learning.
- शिक्षण की अवधारणा का विश्लेषण : जानबूझकर नियोजित प्रक्रिया के रूप में शिक्षण : शिक्षण कौशल के संदर्भ में विश्लेषण
- Analysis of the concept of teaching; Teaching as a deliberately planned process; Analysis in terms of teaching skills.
- शिक्षा का सामान्य मॉडल : प्री एक्टिव, इंटरैक्टिव और पोस्ट एक्टिव चरण और उन में शिक्षक की भूमिका
- General models of instruction : Preative, interactive and post active phases and teacher’s role in them.

यूनिट II- कक्षा कक्ष अनुदेशन में शिक्षण कौशल
Unit-II Teaching Skills in Classroom Instructions

विशिष्ट संदर्भ के साथ कक्षा शिक्षण में कौशल का उद्देश्य, घटक और उपयोग :
Purpose, components and use of skills in classroom teaching with specific reference to :

- पाठ की प्रस्तावना
- Ways of introducing a topic.
- प्रभावी प्रश्नों की प्रवाहशीलता
- Employing effective questioning.
- उदाहरणों के साथ दृष्टान्त देना
- Illustrating with examples.
- विभिन्न प्रकार की व्याख्या करना
- Making different types of explanation.
- छात्र प्रतिक्रियाओं को पुनर्बलन देना,
- Reinforcing student responses.
- उदीपन परिवर्तन
- Making variations in stimulus.
- कक्षा में शिक्षण सीखना
- Managing classroom learning.
- पाठ समाप्ति का तरीका
- Ways of closing a lesson.
- शिक्षण कौशल का मूल्यांकन ।
- Evaluation of teaching skills.

यूनिट **III-** शिक्षण रणनीतियां, विधि और शिक्षण सामग्री
Unit-III Teaching Strategies, Methods and Aids

- शिक्षण रणनीति, अर्थ, परिभाषा और इसकी विशेषताएं
- Teaching strategies, meaning, definition & its characteristics.
- शिक्षण रणनीतियों का वर्गीकरण
- Classification of teaching strategies.
- शिक्षण विधियां
- Teaching methods
- शिक्षण तकनीक और रणनीति
- Teaching techniques and tactics.
- शिक्षण कौशल में दृश्य–श्रव्य सामग्री
- Audio-Visual aids in teaching skills.

यूनिट **IV-** कला प्रदर्शन, ललित कला एवं बी. वोक.
Unit-IV Performing Arts, Fine art and B.Voc.

- शिक्षा के एक उपकरण के रूप में नाटक, नाटक के विभिन्न रूप, शैक्षणिक और सामाजिक परिवर्तन के लिए नाटक का उपयोग, सड़क के खेल, पाठ का नाटकीयकरण
- Drama as a tool of learning, different forms of art, use of drama for educational and
  social change, street play, dramatization of a lesson.
- कक्षा में नाटक तकनीकों का प्रयोग : आवाज, भाषण, माइम और हरकत, इंप्रोव, अवलोकन का कौशल, नकल और प्रस्तुति, गायन और वादन, सुर,ताल और लय, सरगम । गायन : लोक गीत, कविताएं और प्रार्थनाएं नृत्य के विविध रूप भरतनाट्यम, कथकली, लोक नृत्य, गरबा, भवाई, भांगड़ा, नृत्य नाट्य
- Use of drama techniques in the classroom: Techniques in the classroom, voice, speech, mime and movements, improve, skills of observation, imitation and presentation. Gayan and vandan, sur, taal and laya, sargam. Vocal : Folk songs, poems and prayers. Various dance forms like Bharatnatyam, Kathakali, Folk Dance, Garda, Bhavai, Bhangra, Nritya Natya.
- स्ट्रोक और स्कैचिंग : चित्रकला के विभिन्न रूपों को समझना : वर्ली कला, मधुबनी कला, ग्लास पेंटिंग, फैब्रिक पेंटिंग ड्राइंग शिक्षा के क्षेत्र में चित्रकला का प्रयोग : चार्ज मेकिंग, पोस्टर मेकिंग, मैच स्टिक ड्राइंग और अन्य रूप
- Strokes & Sketching: Understanding of various means and perspectives, different forms of Painting : Worli Art, Madhubani Art, Glass Painting,

Fabric Painting. Use of drawing and painting in education: Chart making, Poster making, Match stick drawing and other forms.

- रचनात्मक लेखन : लेखन, कविता लेखन, सजावटी कला, रंगोली, इकेबाना, दीवार पेंटिंग, शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न कला रूपों का उपयोग ।
- Creative Writing, decorative art, rangoli, ikebana, wall painting, use of different art forms in education.

यूनिट V- शिक्षण कौशल और तकनीक
Unit-V Teaching Skills and Technology

- मल्टीमीडिया
- Multimedia
- इन्टरनेट
- Internet
- डिजिटल म्यूजिक
- Digital Music
- डिजिटल एडिटिंग
- Digital Editing
- डिजिटल क्रिएटिविटी
- Digital Creativity

संदर्भित पुस्तकें :

Books recommended

- Jangira N.K. and Ajit Singh (1982) Core Teaching Skills : The Microteaching Approach, NCERT, New Delhi
- Kumar Dr. Akhilesh, Drama and Art Education, Vardhman Mahavir Open University, Kota.
- Information and communication technologies in education : A curriculum for school and programmes of teacher development : Jonathan Anderson and Tom Van Weert: UNESCO 2002
- Adam, DM, Computer and Teacher Teaining : A practical guide, The Howorth Press Inc., NYC, 1985
- Behara SC, Educational Television Programmes Deep and Deep Publication, New Delhi, 1991.
- Kumar, K L (1996) Educational Technology : New Age International (P) Ltd. Publishers, New Delhi.

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छ.ग.)

व्यक्तित्व विकास

Personality Development

स्नातक– बी.पी.ए.

Under Graduate - B.P.A.

सेमेस्टर– 6

Semester. VI

क्रेडिट –1 (1 क्रेडिट = 15 घंटे) — **पूर्णांक– 100**

Credit -1 (1 Credit = 15 Hors) — Max. Marks-100

भाग –1 योग्यता खण्ड – 70 अंक–बाह्य मूल्यांकन

Part I – ABILITY SECTION – 70 Marks - External Evaluation

इकाई–1 Unit I	व्यक्तित्व : व्यक्तित्व की प्रकृति; Personality : Nature of personality; व्यक्तित्व के जैविक गोचर, संस्कृति, लिंग, आनुवांशिकता एवं वातावरण, Biological foundations of personality; Culture; Gender; heredity and environment व्यक्तित्व पर परिस्थितियों का प्रभाव; Impact of situations on personality; व्यक्तित्व के परिप्रेक्ष्यः मनोगत्यात्मक सामाजिक अधिगम, शीलगुणात्मक एवं प्रकार उपागम। Perspectives on personality: Psychodynamic social learning, trait and type approach.	3 घंटे 3 Hrs.	विवरणात्मक प्रश्न –12 अंक Descriptive Question-12 Marks वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 02 अंक Objective Question-02 Marks कुल – 14 अंक **Total- 14 Marks**
इकाई–2 Unit II	मानव विकास के क्षेत्रः Domains of Human Development : संज्ञानात्मक विकासः Cognitive development: पियाजे का परिप्रेक्ष्य; Perspectives of Piaget; विगोत्सकी का परिप्रेक्ष्य; Perspectives of Vygotsky; भाषा का विकास; Language Development; संवेगात्मक विकास; Emotional Development; नैतिक विकासः Moral Development: कोहलबर्ग का सिद्धांत। Perspective of Kohlberg.	3 घंटे 3 Hrs.	विवरणात्मक प्रश्न –12 अंक Descriptive Question-12 Marks वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 02 अंक Objective Question-02 Marks कुल – 14 अंक **Total- 14 Marks**
इकाई–3 Unit III	विकास की अवस्थायेंः Stages of Development:	3 घंटे 3 Hrs.	विवरणात्मक प्रश्न –12 अंक Descriptive Question-12 Marks

	फ्रायड की विकास अवस्थायें; Freudian stages of development; एरिकसन की विकास अवस्थायें। Erickson's stages of development.		वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 02 अंक Objective Question-02 Marks कुल – 14 अंक **Total- 14 Marks**
इकाई–4 Unit IV	भारतीय उपागम: Indian approach: भारतीय विचार में आत्म व पहचान, Self and identity in Indian thought, आत्म उद्भव, Emergence of self, व्यक्तिगत पहचान शक्ति का विकास, Development of personal identity strength, व्यक्तित्व की शक्तियां एवं दुर्बलतायें, Strengths and weakness of personality, सेलिगमेन के दृष्टिकोण से व्यक्तित्व शक्ति बढ़ाने हेतु सकारात्मक मनोविज्ञान की भूमिका। Enhancing strength under perspective of positive psychology of Seligman. नैतिकता एवं आत्म प्रत्यय का विकास। Development of morality and self concept. लिंग भेद एवं लिंग भूमिका का विकास । Development of gender differences and gender roles.	3 घंटे 3 Hrs.	विवरणात्मक प्रश्न –12 अंक Descriptive Question-12 Marks वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 02 अंक Objective Question-02 Marks कुल – 14 अंक **Total- 14 Marks**
इकाई–5 Unit-5	व्यक्तिगत क्षमता वर्धन के उपागम: Enhancing individual's potential approach : आत्मशक्ति सिद्धांत; Self-determination theory; संज्ञानात्मक क्षमता वर्धन के उपाय, Enhancing cognitive potential, आत्म नियंत्रण एवं आत्मवर्द्धन; Self regulation and self enhancement; सृजनशीलता का निर्माण। Fostering creativity.	2 घंटे 2 Hrs.	विवरणात्मक प्रश्न –12 अंक Descriptive Question-12 Marks वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 02 अंक Objective Question-02 Marks कुल – 14 अंक **Total- 14 Marks**

भाग –2 कौशल खण्ड– 30 अंक–आंतरिक मूल्यांकन

Part II Skill section - 30 Marks - Internal Evaluation

प्रायोगिक कार्य

Practicum :

नोट– निम्न चार मनोवैज्ञानिक परीक्षणों मे से दो मनोवैज्ञानिक परीक्षण करना अनिवार्य होगा – Note- Out of the following four any two psychological tests are compulsory-	**2 घंटे** 2 Hrs.	**लिखित–10 अंक** Written-10 Marks **प्रायोगिक रिकार्ड–10 अंक** Practical Record-10 Marks **वायवा–10 अंक** Viva-10 Marks **कुल –30 अंक** **Total 30 Marks**

1. एक आत्म प्रत्यय परीक्षण।
One tests based on self concept.

2. कोई दो व्यक्तित्व परीक्षण।
Any two tests based on personality.

3. पारिवारिक वातावरण परीक्षण।
One tests based on family environment.

प्रस्तावित पाठ्य सामग्री –

Suggested readings :

1. **विकासात्मक मनोविज्ञान – हरलॉक**
2. **व्यक्तित्व सिद्धांत– अरूण कुमार सिंग**
3. Ggardner Lindzey, John B. Compbell Calvin S. Hall; Theories of Personality
4. Elizabeth Hurloc; Developemental psychology
5. Snyder; Positive Psychology: The scientific and practical explorations of human strengths

TEACHING SKILLS
U G Semester VIII

Preamble

The purpose of Teaching Skills programme is intended to give practical orientation to Graduates in various disciplines so as to enable them to become competent teachers at Higher Secondary and tertiary levels. In the absence of any professional teacher preparation programme for college teachers, this course will help in providing adequate pedagogic inputs, both theoretical and practical, required for effective teaching in the modern day context. The course is built on latest thinking on teaching and learning processes in Higher Education keeping in mind the advancements in use of Technology and at the same time not ignoring the field realities in the classroom. Although, there is an opinion that no teacher training is required for higher education teachers, this course will make any post graduate entering the teaching profession a better teacher than what he / She would have been without this course.

Objectives:

The syllabus is indented to enable students to:

2- Reflect on the context of teaching and learning in Higher Education when they enter teaching profession

3- Gain insight in to the processes of learning, especially at Higher Education level and able to reflect on the processes of teaching to facilitate the expected learning, students.

4- Develop skills and competencies to teach effectively following different methodologies relevant at Higher Education level.

5- Integrate the use of both lower order communication media as well as higher order technology based media in teaching-learning at Higher-Education level.

Marking pattern

Maximum	100
Theory External	70
Written, Practical Internal	30

(Written 10 + Project work 10+ Viva 10)

Unit-I Concept of Teaching

- Teaching; An art of Science ?
- Relationship between teaching and learning.
- Analysis of the concept of teaching; Teaching as a deliberately planned process; Analysis in terms of teaching skills.
- General models of instruction : Preative, interactive and post active phases and teacher's role in them.

Unit-II Teaching Skills in Classroom Instructions

Purpose, components and use of skills in classroom teaching with specific reference to :

- Ways of introducing a topic.
- Employing effective questioning.
- Illustrating with examples.
- Making different types of explanation.
- Reinforcing student responses.
- Making variation in stimulus.
- Managing classroom learning.
- Ways of closing a lesson.
- Evaluation of teaching skills.

Unit-III Teaching Strategies, Methods and Aids

- Teaching strategies, meaning, definition & its characteristics.
- Classification of teaching strategies.
- Teaching methods
- Teaching techniques and tactics.
- Audio-Visual aids in teaching skills.

Unit-IV Performing Arts, Fine art and B.Voc.

- Drama as a tool of learning, different forms of art, use of drama for educational and social change, street play, dramatization of a lesson.
- Use of drama techniques in the classroom: Techniques in the classroom, voice, speech, mime and movements, improve, skills of observation, imitation and presentation. Gayan and vandan, sur, taal and laya, sargam. Vocal : Folk songs, poems and prayers. Various dance forms like Bharatnatyam, Kathakali, Folk Dance, Garda, Bhavai, Bhangra, Nritya Natya.

- Strokes & Sketching: Understanding of various means and perspectives, different forms of Painting : Worli Art, Madhubani Art, Glass Painting, Fabric Painting. Use of drawing and painting in education: Chart making, making, Poster making, Match stick drawing and other forms.
- Creative Writing, decorative art, rangoli, ikebana, wall painting, use of different art forms in education.

Unit-V Teaching Skills and Technology

- Multimedia
- Internet
- Digital Music
- Digital Editing
- Digital Creativity

Books recommended

Jangira N K and Ajit Singh (1982) Core Teaching Skills: The Microteaching Approach NCERT, New Delhi.

Kumar Dr. Akhilesh, Drama and Art Education, Vardhman Mahavir Open University, Kota.

Information and communication Technologies in Schools, A handbook for teachers, Alexey Semenov, UNESCO, 2005

Information and communication Technologies in education, a curriculum for school and programmes of teacher development, Jonathan Anderson and Tom van Weert, UNESCO, 2002

Adam DM, Computer and Teacher Training: A Practical guide, The Haworth press, Inc., New York, 1985

Behara SC, Educational Television Programmes, deep and deep publication, New Delhi 1991

Kumar K L Educational Technology, New Age International Pvt. Ltd, Publishers, New Delhi, 1996

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग
इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छत्तीसगढ़)
बी.पी.ए. प्रथम सेमेस्टर

प्रश्न पत्र–प्रथम (भारतीय इतिहास का सर्वेक्षण प्रारंभ से लेकर 4थी शताब्दी ई.पू. तक)

कोड–
HD 101

क्रेडिट–3

पाठ्यक्रम–

पाठ्यक्रम पांच इकाईयों का है। परीक्षा में पांच प्रश्न पूछे जावेंगे। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना होगा। एक इकाई वस्तुनिष्ठ प्रश्न के रुप में समाहित है, जिसे हल करना अनिवार्य होगा।

इकाई–1

1. प्राचीन भारतीय इतिहास के स्त्रोत।
2. प्राग् एवं आद्य ऐतिहासिक काल

इकाई–2

1. हड़प्पा तथा सम कालीन ताम्रश्म संस्कृतियॉ।
2. वैदिक युग (राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक एवं आर्थिक अवस्था)

इकाई–3

1. महाजनपद युग
2. महात्मा बुद्ध के समय की राजनीतिक अवस्था

इकाई–4

1. मगध साम्राज्य का उत्कर्ष (नन्द वंश तक)
2. भारत पर सिकन्दर का आक्रमण और उसके प्रभाव

इकाई–5

वस्तुनिष्ठ प्रश्न जो चारों इकाईयों से सम्बन्धित होगा।

सहायक ग्रंथः–

(1)	एच. पी. राय चौधरी	–	प्राचीन भारत का राजनीतिक इतिहास
(2)	के. ए. नीलकंठ शास्त्री	–	दक्षिण भारत का इतिहास
(3)	कृष्णदत्त बाजपेयी तथा विमलचंद्र पांडेय	–	प्राचीन भारत का इतिहास
(4)	विमलचंद्र पांडेय	–	प्राचीन भारत का राजनीतिक तथा सांस्कृतिक इतिहास– भाग एक
(5)	किरण कुमार थपल्याल	–	सिन्धु सभ्यता
(6)	रामवृक्ष सिंह	–	प्राचीन भारत
(7)	गुलाम याजदानी (संपा.)	–	दकन का इतिहास
(8)	राजबली पाण्डेय	–	प्राचीन भारत

(9)	H.C. Roychoudhary	-	Political History of Ancient India
(10)	R.C. Majumdar	-	The Age of Imperial Unity
(11)	Romlia Thapar	-	History of India
(12.)	K.A.Nilkantha Shastry	-	History of South India

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग
इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छत्तीसगढ़)
बी.पी.ए. प्रथम सेमेस्टर

प्रश्न पत्र–द्वितीय (भारतीय इतिहास का सर्वेक्षण 4थी शताब्दी ई.पू.से 319 ई.तक)

कोड– HD 102 | क्रेडिट–3

पाठ्यक्रम–

पाठ्यक्रम पॉच इकाईयों का है। परीक्षा में पॉच प्रश्न पूछे जावेंगे। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना होगा। एक इकाई वस्तुनिष्ठ प्रश्न के रुप में समाहित है जिसे हल करना अनिवार्य होगा।

इकाई–1

1. मौर्य राजवंश (उत्थान और पतन)
2. चन्द्रगुप्त मौर्य का शासन प्रबन्ध
3. अशोक का धम्म

इकाई–2

1. शुंग वंश
2. सातवाहन वंश

इकाई–3

1. हिन्द–यूनानी
2. पश्चिमि भारत के शक–क्षत्रप
3. खारवेल

इकाई–4

1. कुषाणकाल
2. संगम युग

इकाई–5

वस्तुनिष्ठ प्रश्न जो चारों इकाईयों से सम्बन्धित होगा।

सहायक ग्रंथः–

(1)	एच. पी. राय चौधरी	–	प्राचीन भारत का राजनीतिक इतिहास
(2)	के. ए. नीलकंठ शास्त्री	–	दक्षिण भारत का इतिहास
(3)	कृष्णदत्त बाजपेयी तथा विमलचंद्र पांडेय	–	प्राचीन भारत का इतिहास

(4)	विमलचंद्र पांडेय	–	प्राचीन भारत का राजनीतिक तथा सांस्कृतिक इतिहास– भाग एक
(5)	किरण कुमार थपल्याल	–	सिन्धु सभ्यता
(6)	रामवृक्ष सिंह	–	प्राचीन भारत
(7)	गुलाम याजदानी (संपा.)	–	दकन का इतिहास
(8)	राजबली पाण्डेय	–	प्राचीन भारत
(9)	H.C.Roychoudhary	-	Political History of Ancient India
(10)	R.C.Majumdar	-	The Age of Imperial Unity
(11)	Romlia Thapar	-	History of India
(12.)	K.A.Nilkantha Shastry	-	History of South India
(13)	सुष्मिता पाण्डे, ओम प्रकाश एवं विवेक दत्त झा	–	राजनीतिक इतिहास एवं संस्थायें 319 ई. से 1280 ई. तक
(14)	रमेन्द्रनाथ मिश्र एवं सुभाष दत्त झा	–	प्राचीन भारत
(15)	आर. एन.पाण्डे	–	प्राचीन भारत का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग
इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छत्तीसगढ़)
बी.पी.ए. द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्न पत्र–प्रथम (प्राचीन भारतीय सामाजिक एवं आर्थिक संस्थायें, भाग– 1)

कोड–
HD 201

क्रेडिट–3

पाठ्यक्रम–

पाठ्यक्रम पॉच इकाईयों का है। परीक्षा में पॉच प्रश्न पूछे जावेंगे। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना होगा। एक इकाई वस्तुनिष्ठ प्रश्न के रुप में समाहति है जिसे हल करना अनिवार्य होगा।

इकाई–1

1. प्राचीन भारत में वर्ण ब्यवस्था
2. जाति
3. वर्ण एवं जाति में अन्तर

इकाई–2

1. प्राचीन भारत में आश्रम व्यवस्था
2. त्रि–ऋण
3. पंचमहायज्ञ

इकाई–3

1. पुरुषार्थ की अवधारणा एवं महत्व
2. पुरुषार्थ चतुष्टय

इकाई–4

1. संस्कार का अर्थ एवं महत्व
2. षोड्स संस्कार

इकाई–5

1. विवाह का अर्थ एवं उद्देश्य
2. प्राचीन भारत में प्रचलित विवाह के प्रकार
3. प्रशस्त एवं अप्रशस्त विवाह

अनुशंसित ग्रंथ :–

(1)	मनोरमा जौहरी	:	प्राचीन भारतीय वर्णाश्रम व्यवस्था।
(2)	जयशंकर मिश्र	:	भारत का सामाजिक इतिहास।
(3)	के. सी. जैन	:	प्राचीन भारतीय सामा. तथा आर्थिक संस्थाएं।
(4)	राजबली पांडेय	:	हिन्दू संस्कार।
(5)	हरिदत्त वेदालंकार	:	हिन्दू परिवार मीमांसा।
(6)	ए. एस. अल्तेकर	:	प्राचीन भारत में नारियों की स्थिति।
(7)	आर. एस. शर्मा	:	प्राचीन भारत में शुद्रों की स्थिति।
(8)	ए. एस. अल्तेकर	:	प्राचीन भारतीय शिक्षण पद्धति।
(9)	रमेशचंद्र मजूमदार	:	प्राचीन भारत में संगठित जीवन। (अनु. कृष्णदत्त बाजपेयी)
(10)	मोतीचंद्र	:	सार्थवाह ।
(11)	कृष्णदत्त बाजपेयी	:	भारतीय व्यापार का इतिहास।
(12)	कृष्णदत्त बाजपेयी	:	प्राचीन भारत का विदेशों से सम्बंध।
(13)	आर. एस. शर्मा	:	पूर्व मध्यकालीन भारत में सामाजिक परिवर्तन।
(14)	चन्द्रदेव सिंह	:	प्राचीन भारतीय समाज और चिन्तन।
(15)	सुस्मिता पाण्डेय	:	समाज, आर्थिक व्यवस्था एवम् धर्म।
(16)	P.N. Prabhu	:	Hindu Social Organization.
(17)	S.K. Maity	:	The Economic life of Northern India in the Gupta period.
(18)	L. Gopal	:	Economic life of Northern India.
(19.)	D.R.Das	:	Economic History of the Deccan
(20)	बी.एन.चोपड़ा,दास,पुरी	:	भारत का सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक इति.

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग
इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छत्तीसगढ़)
बी.पी.ए. द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र–द्वितीय (प्राचीन भारतीय सामाजिक एवं आर्थिक संस्थायें, भाग– 2)

कोड– HD 202 | क्रेडिट–3

पाठ्यक्रम–

पाठ्यक्रम पॉच इकाईयों का है। परीक्षा में पॉच प्रश्न पूछे जावेंगे। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना होगा। एक इकाई वस्तुनिष्ठ प्रश्न के रुप मे समाहित है जिसे हल करना अनिवार्य होगा।

इकाई–1

1. परिवार का अर्थ एवं महत्व
2. सयुक्त परिवार, गुण एवं दोष
3. पुत्रों के प्रकार
4. प्राचीन भारत में स्त्रियों की स्थिति

इकाई–2

1. प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली
2. शिक्षा का उद्देश्य एवं गुरु–शिष्य सम्बन्ध

इकाई–3

1. प्राचीन भारतीय प्रमुख शिक्षा केन्द्र
2. प्राचीन भारतीय शिक्षण केन्द्रों की आर्थिक व्यवस्था

इकाई–4

1. वैदिक कालीन आर्थिक स्थिति
2. मौर्य कालीन आर्थिक स्थिति
3. गुप्त कालीन आर्थिक स्थिति

इकाई–5

1. प्राचीन भारतीय व्यापारिक मार्ग एवं उनके नाम
2. थल एवं जल मार्ग
3. प्राचीन भारत में नाप एवं तौल

अनुशंसित ग्रंथ :–

(1) मनोरमा जौहरी : प्राचीन भारतीय वर्णाश्रम व्यवस्था।
(2) जयशंकर मिश्र : भारत का सामाजिक इतिहास।
(3) के. सी. जैन : प्राचीन भारतीय सामा. तथा आर्थिक संस्थाएं।
(4) राजबली पांडेय : हिन्दू संस्कार।
(5) हरिदत्त वेदालंकार : हिन्दू परिवार मीमांसा।

(6)	ए. एस. अल्तेकर	:	प्राचीन भारत में नारियों की स्थिति।
(7)	आर. एस. शर्मा	:	प्राचीन भारत में शुद्रों की स्थिति।
(8)	ए. एस. अल्तेकर	:	प्राचीन भारतीय शिक्षण पद्धति।
(9)	रमेशचंद्र मजूमदार	:	प्राचीन भारत में संगठित जीवन। (अनु. कृष्णदत्त बाजपेयी)
(10)	मोतीचंद्र	:	सार्थवाह ।
(11)	कृष्णदत्त बाजपेयी	:	भारतीय व्यापार का इतिहास।
(12)	कृष्णदत्त बाजपेयी	:	प्राचीन भारत का विदेशों से सम्बंध।
(13)	आर. एस. शर्मा	:	पूर्व मध्यकालीन भारत में सामाजिक परिवर्तन।
(14)	चन्द्रदेव सिंह	:	प्राचीन भारतीय समाज और चिन्तन।
(15)	सुस्मिता पाण्डेय	:	समाज, आर्थिक व्यवस्था एवम् धर्म।
(16)	P.N. Prabhu	:	Hindu Social Organization.
(17)	S.K. Maity	:	The Economic life of Northern India in the Gupta period.
(18)	L. Gopal	:	Economic life of Northern India.
(19.)	D.R.Das	:	Economic History of the Deccan

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग
इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छत्तीसगढ़)
बी.पी.ए. तृतीय सेमेस्टर

प्रश्न पत्र–प्रथम (भारतीय इतिहास का सर्वेक्षण 319 ई.से 1200 ई.तक, भाग–1)

कोड– HD 301 | क्रेडिट–3

पाठ्यक्रम–

पाठ्यक्रम पॉच इकाईयों का है। परीक्षा में पॉच प्रश्न पूछे जावेंगे। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना होगा। एक इकाई वस्तुनिष्ठ प्रश्न का होगा जिसे हल करना अनिवार्य होगा।

इकाई–1

1. गुप्त राजवंश
2. गुप्तों के पतन के कारण
3. गुप्त कालीन प्रशासन

इकाई–2

1. वाकाटक राजवंश
2. वाकाटक–गुप्त सम्बन्ध

इकाई–3

1. मौखरी राजवंश
2. वर्धन राजवंश
3. हर्ष का प्रशासन

इकाई–4

1. वातापी के चालुक्य
2. कॉची के पल्लव

इकाई–5

1. चोल राजवंश
2. चोल–प्रशासन

अनुशंसित ग्रंथ–

(1) एच. पी. राय चौधरी – प्राचीन भारत का राजनीतिक इतिहास

(2) के. ए. नीलकंठ शास्त्री – दक्षिण भारत का इतिहास

(3) कृष्णदत्त बाजपेयी तथा विमलचंद्र पांडेय– प्राचीन भारत का इतिहास

(4) विमलचंद्र पांडेय – प्राचीन भारत का राजनीतिक तथा – सांस्कृतिक इतिहास– भाग दो

(5) किरण कुमार थपल्याल – सिन्धु सभ्यता

(6) रामवृक्ष सिंह – प्राचीन भारत

(7) गुलाम याजदानी (संपा.) – दकन का इतिहास

(8) राजबली पाण्डेय – प्राचीन भारत

(9) H. C. Roychoudhary - Political History of Ancient India

(10) R. C. Majumdar - The Age of Imperial Unity

(11) Romlia Thapar - History of India

(12.) K.A.Nilkantha Shastry - History of South India

(13) के.के. दत्त, आर.सी.मजूमदार – भारत का वृहत् इतिहास

(14) सचिदानंद भट्टाचार्य – भारतीय इतिहास कोष

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग
इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छत्तीसगढ़)

बी.पी.ए. तृतीय सेमेस्टर

प्रश्न पत्र–द्वितीय (भारतीय इतिहास की रुपरेखा 319 ई.से 1200 ई.तक, भाग–**2**)

कोड– HD 302 | केडिट–3

पाठ्यक्रम–

पाठ्यक्रम पॉच इकाईयों का है। परीक्षा में पॉच प्रश्न पूछे जावेंगे। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना होगा। एक इकाई वस्तुनिष्ठ प्रश्न के रुप में समाहित है जिसे हल करना अनिवार्य होगा।

इकाई–1

1. राजपूतो की उत्पति
2. गुर्जर–प्रतिहार वंश

इकाई–2

1. राष्ट्रकूट वंश
2. पाल वंश

इकाई–3

1. चन्देल वंश
2. परमार राजवंश

इकाई–4

1. गहड़वाल वंश
2. त्रिपुरी के कल्चुरि

इकाई–5

1. रतनपुर के कल्चुरि
2. राजपूत युगीन शासन व्यवस्था

अनुशंसित ग्रंथ–

(1) उदयनारायण राय : गुप्त राजवंश तथा उसका इतिहास,
(2) श्रीराम गोयल : भारत का राजनैतिक इतिहास भाग– 02 व 03
(3) श्रीराम गोयल : गुप्त साम्राज्य का इतिहास।
(4) पांडे, ओमप्रकाश : राजनीतिक इतिहास और संस्थाएँ।
(5) विशुद्धानन्द पाठक : पूर्व मध्यकालीन भारत का इतिहास।

(6) अवध बिहारी लाल : राजपूत राजवंश।
(7) डी. सी. गांगुली : परमार राजवंश।
(8) भगवती प्रसाद चौधरी : राजवंश मौखरी और पुष्यभूति।
(9) विमलचंद्र पांडेय : प्राचीन भारत का राजनीतिक तथा सांस्कृतिक इतिहास– भाग दो
(10) R.C. Majumdar : The Classical Age
(11) Ray Chaudhary and Datta : An Advanced History of India-Vol.I
: The Strength for Empire.
(12) H.C. Roy Chaudhary : Dynastic History of Northern India- Voll.II
(13) A.S. Altekar : Gupta – Vakataka Age
(14) Gulam Yazdani : Early History of Deccan.
(15.) Devahuti : Harsha- A Political History
(16) K.A Neelkantha Shashtri: The History of South India.
: The Cholas.
(17.) Dasaratha Sharma : Lectures on History.
(18) रमेन्द्रनाथ : छत्तीसगढ़ का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास
(19) मंगलानन्द झा : दक्षिण कोसल के कलचुरि कालीन मंदिर

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग
इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छत्तीसगढ़)
बी.पी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्न पत्र–प्रथम (प्राचीन भारतीय धर्म)

कोड– HD 401 क्रेडिट–3

पाठ्यक्रम–

पाठ्यक्रम पॉच इकाईयों का है। परीक्षा में पॉच प्रश्न पूछे जावेंगे। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना होगा। एक इकाई वस्तुनिष्ठ प्रश्न के रुप में समाहित है जिसे हल करना अनिवार्य होगा।

इकाई–1

1. वैदिक धर्म– उद्भव एवं विकास
2. वैदिक देव मण्डल
3. भक्ति का स्वरुप

इकाई–2

1. जैन धर्म– उद्भव एवं विकास
2. त्रि–रत्न
3. दिगम्बर एवं श्वेताम्बर

इकाई–3

1. बौद्ध धर्म– उद्‌भव एवं विकास
2.. बौद्ध धर्म के सिद्धान्त
3. हीनयान एवं महायान

इकाई–4

1. शैव धर्म– उद्‌भव एवं विकास
2. शैव धर्म के विभिन्न सम्प्रदाय
3. शाक्त धर्म– उद्‌भव एवं विकास

इकाई–5

1. वैष्णव धर्म– उद्‌भव एवं विकास
2. गाणपत्य सम्प्रदाय
3. सौर सम्प्रदाय

अनुशंसित ग्रंथ–

(1)	डॉ. गोविंद चन्द्र पाण्डे	:	बौद्ध धर्म के विकास का इतिहास
(2)	आर. जी. भण्डारकर (अनुवाद)	:	वैष्णव, शैव एवं अन्य धार्मिक मत
(3)	बलदेव उपाध्याय	:	भागवत सम्प्रदाय
(4)	एस. एन. राय	:	पौराणिक धर्म एवं समाज
(5)	सुस्मिता पाण्डेय	:	समाज, आर्थिक व्यवस्था एवं धर्म
(6)	जयशंकर मिश्र	:	भारतवर्ष का सामाजिक इतिहास
(7)	Dr. G.C. Pande	:	Foundation of Indian Culture, Vol. I Spiritual Vision & Symbolic forms in Ancient India
(9)	S.R.Goyal	:	A Religious History of India Vol. I & II
(10.)	Suvira Jaiswal	:	Origin and Development of Vaisnavism
(11.)	S. Pande	:	Birth of Bhakti in Indian Religions & Art
(12)	G.C.Pandey	:	Studies in the origin of Buddhism
(13)	Lalman Joshi	:	Introduction to Indian Religions
(14)	Sudhakar, Chattopadhyaya	:	Hindu Religion’s Sect

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग
इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छत्तीसगढ़)

बी.पी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

प्रश्न पत्र–द्वितीय (प्राचीन भारतीय दर्शन)

कोड–
HD 402

क्रेडिट–3

पाठ्यक्रम–

पाठ्यक्रम पॉच इकाईयों का है। परीक्षा में पॉच प्रश्न पूछे जावेंगे। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना होगा। एक इकाई वस्तुनिष्ठ प्रश्न के रुप में समाहित है जिसे हल करना अनिवार्य होगा।

इकाई–1

1. षड़दर्शन का इतिहास
2. न्याय दर्शन

इकाई–2

1. वैशेषिक दर्शन
2. सांख्य दर्शन

इकाई–3

1. योग दर्शन
2. गीता का दर्शन

इकाई–4

1. औपनिषदिक दर्शन
2. मीमांसा दर्शन

इकाई–5

1. नास्तिक दर्शन
2. चार्वाक दर्शन

अनुशंसित ग्रंथ–

(1)	बलदेव उपाध्याय	:	भारतीय दर्शन
(2)	एस. राधाकृष्णन	:	भारतीय दर्शन भाग– 1 एवं– 2
(3)	डॉ. उमेश मिश्र	:	भारतीय दर्शन
(4)	डॉ. शोभा निगम	:	भारतीय दर्शन
(5)	बसंन्त कुमार लाल	:	भारतीय दर्शन
(6)	जयशंकर मिश्र	:	भारतवर्ष का सामाजिक इतिहास
(14)	A.B.Keith	:	Religion and Philosophy of the Vedas and the Upanishadas
(15)	Radhakrishnan.S	:	Indian Philosophy. 2 Vols

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग
इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छत्तीसगढ़)

बी.पी.ए. पंचम सेमेस्टर

प्रश्न पत्र–प्रथम (भारतीय पुरातत्त्व के मूल तत्व भाग–1)

कोड– HD 501 | क्रेडिट–3

पाठ्यक्रम–

पाठ्यक्रम पॉच इकाईयों का है। परीक्षा में पॉच प्रश्न पूछे जावेंगे। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना होगा। एक इकाई वस्तुनिष्ठ प्रश्न के रुप में समाहित है जिसे हल करना अनिवार्य होगा।

इकाई–1

पुरातत्त्व विज्ञान अर्थ, परिभाषा एवं महत्व

इकाई–2

पुरातत्त्व का अन्य शाखाओं से संबंध

इकाई–3

प्राचीन स्थलों की खोज एवं तिथि निर्धारण

इकाई–4

उत्खनन की विधियॉ एवं स्तर विन्यास

इकाई–5

विभिन्न मृद्भाण्ड एवं उनका महत्व

अनुशंसित ग्रंथ–

(1)	के. डी. बाजपेयी	:	मध्यप्रदेश का पुरातत्व
(2)	आर. ई. एम. व्हीलर	:	पृथ्वी से पुरातत्व
(3)	बी. एन. पुरी	:	पुरातत्व विज्ञान
(4)	जयनारायण पाण्डेय	:	पुरातत्व विमर्श
(5)	राकेश प्रकाश पाण्डेय	:	भारतीय पुरातत्व
(6)	विजयकांत मिश्र	:	क्षेत्र पुरातत्व
(7)	कृष्णदत्त बाजपेयी	:	मल्हार
(8)	महेशचन्द्र श्रीवास्तव	:	सिरपुर
(9)	के.के.त्रिपाठी/आर.पी.पाण्डे	:	मल्हार दर्शन।
(10)	Dr. A. K. Sharma	:	Sirpur

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग
इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छत्तीसगढ़)
बी.पी.ए. पंचम सेमेस्टर
प्रश्न पत्र–द्वितीय (भारतीय पुरातत्त्व के मूल तत्व भाग–**2**)

कोड– HD 502 | क्रेडिट–3

पाठ्यक्रम–

पाठ्यक्रम पॉच इकाईयों का है। परीक्षा में पॉच प्रश्न पूछे जावेंगे। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना होगा। एक इकाई वस्तुनिष्ठ प्रश्न के रुप में समाहित है जिसे हल करना अनिवार्य होगा।

इकाई–1

1. भारत में पुरातत्व का इतिहास
2. प्रमुख पुरास्थलों का अध्ययन –कालीबंगा

इकाई–2

1. कौशाम्बी
2. हस्तिनापुर,

इकाई–3

1. एरण
2. त्रिपुरी

इकाई–4

1. ब्रह्मपुरी
2. कायथा

इकाई–5

1. मल्हार
2. सिरपुर
3. सिलीपचराही भोरमदेव /डीपाडीह/बारसूर/

अनुशंसित ग्रंथ–

(1) के. डी. बाजपेयी : मध्यप्रदेश का पुरातत्व
(2) आर. ई. एम. व्हीलर : पृथ्वी से पुरातत्व
(3) बी. एन. पुरी : पुरातत्व विज्ञान
(4) जयनारायण पाण्डेय : पुरातत्व विमर्श

(5)	राकेश प्रकाश पाण्डेय	:	भारतीय पुरातत्व
(6)	विजयकांत मिश्र	:	क्षेत्र पुरातत्व
(7)	कृष्णदत्त बाजपेयी	:	मल्हार
(8)	महेशचन्द्र श्रीवास्तव	:	सिरपुर
(9)	के.के.त्रिपाठी / आर.पी.पाण्डे	:	मल्हार दर्शन।
(10)	Dr. A. K. Sharma	:	Sirpur
(11)	डॉ. मंगलानंद झा	:	दक्षिण कोसल के कलचुरि कालीन मंदिर

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग
इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छत्तीसगढ़)

बी.पी.ए. षष्ठ सेमेस्टर

प्रश्न पत्र–प्रथम (प्राचीन भारतीय वास्तु एवं कला के मूलतत्त्व भाग–**1**)

कोड–
HD 601

क्रेडिट–3

पाठ्यक्रम–

इकाई–1

1. हड़प्पा कालीन वास्तुकला
2. मौर्य कालीन वास्तुकला

इकाई–2

1. स्तूप–वास्तु (सॉची और भरहुत)
2. पश्चिमि भारत के चैत्यगृह (भाजा, कार्ले एवं कन्हेरी)

इकाई–3

1. पश्चिमि भारत के विहार –अजन्ता
2. एलौरा

इकाई–4

1. गुप्त कालीन मंदिर
2. चन्देल कालीन मंदिर

इकाई–5

1. चालुक्य वास्तुकला
2. पल्लव वास्तुकला

अनुशंसित ग्रंथ–

(1)	वासुदेव शरण अग्रवाल	:	भारतीय कला

(2)	रमानाथ मिश्र	:	भारतीय मूर्तिकला
(3)	कृष्णदत्त वाजपेयी	:	भारतीय वास्तु कला का इतिहास।
(4)	वासुदेव उपाध्याय	:	प्राचीन भारतीय स्तूप, गुहा एवं मंदिर
(5)	कृष्णदत्त बाजपेयी एवं संतोश कुमार बाजपेयी।	:	भारतीय कला
(6)	सच्चिदानंद सहाय	:	मंदिर स्थापत्य का इतिहास
(7)	जयनारायण पाण्डेय	:	भारतीय कला।
(8)	पृथिवी कुमार अग्रवाल	:	भारतीय कला एवं वास्तु
(9)	A.K.Coomarswami	:	History of Indian and Indonesian Art.
(10)	Percy Brown	:	Indian Architecture, Vol. I
(11)	Krishna Deo	:	Temples of North India
(12)	S. Kramrisch	:	The Hindu Temples- Part I & II
(13)	V.S. AgraWal	:	Indian Art

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग
इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छत्तीसगढ़)
बी.पी.ए. षष्ठ सेमेस्टर
प्रश्न पत्र–द्वितीय (प्राचीन भारतीय वास्तु एवं कला के मूलतत्त्व भाग–**2**)

कोड– HD 602 | क्रेडिट–3

पाठ्यक्रम–

इकाई–1

1. सिन्धुघाटी की मूर्तिकला
2. मौर्य कालीन मूर्तिकला

इकाई–2

1. शुंग कालीन मूर्तिकला
2. कुषाण कालीन मूर्तिकला

इकाई–3

1. गुप्त कालीन मूर्तिकला
2 गुप्त कालीन मृण्मूर्तियॉ

इकाई–4

1. प्रागैतिहासिक चित्रकला (विषयवस्तु एवं प्राप्ति स्थल)

इकाई–5

1. अजंता एवं बाघ की चित्रकला

अनुशंसित ग्रंथ–

(1) वासुदेव शरण अग्रवाल : भारतीय कला

(2) रमानाथ मिश्र : भारतीय मूर्तिकला

(3) जगदीश चन्द्र गुप्त : प्रागैतिहासिक चित्रकला

(4) वृजभूषण श्रीवास्तव : प्रा.भा. प्रतिमा विज्ञान एवं मूर्तिकला

(5) वासुदेव उपाध्याय : भारतीय कला का इतिहास

(6) जयनारायण पाण्डेय : भारतीय कला।

(7) पृथिवी कुमार अग्रवाल : भारतीय कला एवं वास्तु

———————

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग
इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छत्तीसगढ़)
बी.पी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर, सत्र 2017–18
अनिवार्य विषय– संग्रहालय विज्ञान

कोड– HD 403 केडिट–2

पाठ्यक्रम–

इकाई–1 विश्व स्तर पर संग्रहालय का इतिहास, भारत वर्ष में संग्रहालय का इतिहास(स्वतंत्रता के पूर्व एवं पश्चात्)

इकाई–2 संग्रहालय का महत्व एवं प्रकार एवं क्षेत्रिय (छ.ग.)संग्रहालय

इकाई–3 संग्रहालय की आवश्यकतायें

इकाई–4 संग्रहालय के कार्य

इकाई–5 विविध पुरावशेषों एवं कलावशेषों का संरक्षण

सहायक ग्रन्थ–

1. डी. पी. घोष – स्टडीज इन म्युजियम्स एण्ड म्युजियोलॉजी ।
2. स्मिता बक्शी – मार्डन म्युजियम
3. सत्य मूर्ति – म्युजियम एण्ड सोसायटी
4. जिमर – म्युजियम मैनेजमेंट
5. सत्य मूर्ति – एडमिनिस्ट्रेटिव प्रोब्लम्स इन इंडियन म्युजियम
6. ग्रेस मोर्ले – म्युजियम टुडे
7. डॉ. संतोश जैन – संग्रहालय विज्ञान
8. डॉ. गिरीश चंद्र – संग्रहालय विज्ञान
9. डॉ. शिव स्वरूप सहाय – संग्रहालय की ओर
10. जी. एच. बेडेकर – सो यू वान्ट गुड म्युजियम इक्जीविषन
11. पेमटरजर लाल – म्युजियम एण्ड गैलरीज

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग
इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छत्तीसगढ़)
बी.पी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर, सत्र 2017–18
अनिवार्य विषय– ट्रैव्हल एण्ड टूरिज़्म

कोड– HD 404 क्रेडिट–2

पाठ्यक्रम–

इकाई–1 पर्यटन की परिभाषा एवं अवधारणा, पर्यटन का महत्व

इकाई–2 पर्यटन स्थलों का वर्गीकरण (स्मारक, संग्रहालय, अभ्यारण, राष्ट्रीय स्थल, आरक्षित वन, मेले एवं उत्सव केन्द्र आदि)

इकाई–3 पर्यटन के संगठन (शासकीय, अर्धशासकीय, निजी एजेन्सीज, ट्रैव्हल एजेन्सीज आदि)

इकाई–4 यात्रा की औपचारिकतायें (यात्रा की योजना, पासपोर्ट–वीजा, विदेशी आदान प्रदान, आरक्षण एवं टिकटिंग आदि)

इकाई–5 छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थल – राजिम, सिरपुर, रतनपुर, भोरमदेव, लाफा चैतुरगढ़, डोंगरगढ़, खैरागढ़, बस्तर एवं सरगुजा आदि।

अनुशंसित ग्रंथ–

1.	भाटिया	टूरिज्म इन इंडिया
2.	बेन्द्रा	टूरिज्म इन इंडिया
3.	आनन्द	टूरिज्म एण्ड होटल मैनेजमेंट इन इंडिया
4.	टी. वी. सिंह	प्लानिंग इंडियन टूरिज्म प्रमोशन
5.	ब्राइडेन	टूरिज्म एण्ड डेव्हलपमेंट
6.	एस. एन. कौल	टूरिज्म इंडिया, द मोस्ट कम्प्रेहेन्सिव गाइड टू ट्रेवेल इन इंडिया।
7.	बी. पी. सती	टूरिज्म डेवलपमेंट इन इंडिया।
8.	अभय कुमार सेन	टूरिज्म इन इंडिया।
9.	रत्नदीप सिंह	टूरिज्म टू डे, भाग
10.	डॉ. सुरेश चन्द्र बंसल	पर्यटन सिद्धान्त एवं यात्रा प्रबन्धन
11.	मंगलानन्द झा	दक्षिण कोसलके कलचुरि कालीन मंदिर
12.	संचालनालय संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग रायपुर, पर्यटन विभाग रायपुर के द्वारा प्रकाशित पुस्तकें एवं विवरणिका	
13.	साधु राम चरण दास	भारत भ्रमण

.

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

थियेटर विभाग

पाठ्यक्रम

बी.पी.ए थियेटर (प्रथम सेमेस्टर)

सैद्धांतिक

भारतीय एवं पश्चिमी रंगमंच का परिचयात्मक अध्ययन

06 क्रेडिट(**4+2**=**6**)
(बाहरी और आंतरिक)

1. रंगमंच एवं नाटक के आधारभूत तत्व
2. अभिनय के आधारभूत तत्व
3. डिजाइन के मूल तत्व
4. भारतीय शास्त्रीय नाटक, लोक रंगमंच एवं आधुनिक नाटक का परिचय
5. पश्चिमी रंगमंच का परिचय

प्रायोगिक

प्रथम प्रश्न पत्र

04क्रेडिट (3+1)
(बाहरी और आंतरिक)

मुखसज्जा (मेकअप) विस्तार से

द्वितीय प्रश्न पत्र

04क्रेडिट (3+1)
(बाहरी और आंतरिक)

अभ्यास प्रदर्शन

1. ध्वनि एवं संभाषण आधारित
2. आशु अभिनय आधारित

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय,खैरागढ़

थियेटर विभाग

पाठ्यक्रम

बी.पी.ए.थियेटर (द्वितीय सेमेस्टर)

सैद्धांतिक

भारतीय शास्त्रीय नाटक

06क्रेडिट (4+2)
(बाहरी और आंतरिक)

नाट्यशास्त्र का अध्ययन – निम्नलिखित के विशेष सन्दर्भ में

1. प्रेक्षागृह
2. अभिनय पर केन्द्रित अध्याय
3. दशरूपक
4. वस्तु, नेता एवं रस सिद्धांत

संस्कृत नाटक का प्रारम्भ एवं विकास

1. संस्कृत नाटक की नाटकीय संरचना
2. संस्कृत नाटक और नाटककार
   (भास,कालिदास,शूद्रक)

प्रायोगिक

प्रथम प्रश्न पत्र

04क्रेडिट (3+1)
(बाहरी और आंतरिक)

वेशभूषा (कॉस्टयूम) विस्तार से

द्वितीय प्रश्न पत्र

04क्रेडिट (3+1)
(बाहरी और आंतरिक)

नाट्य प्रस्तुति – कोई एक संस्कृत नाटक

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़
थियेटर विभाग
पाठ्यक्रम
बी.पी.ए.थियेटर (तृतीय सेमेस्टर)
प्राचीन और मध्यकालीन पश्चिमी रंगमंच

06क्रेडिट(4+2)
(बाहरी और आंतरिक)

पश्चिमी रंगमंच का विस्तृत अध्ययन निम्नलिखित के सन्दर्भ में :–

1. ग्रीक रंगमंच
2. रोम का रंगमंच
3. मध्यकालीन रंगमंच
4. एलिजाबेथन रंगमंच

नाटक –

1. कोई एक ग्रीक नाटक
2. विलियम शेक्सपियर द्वारा लिखित कोई एक नाटक

प्रायोगिक
प्रथम प्रश्न पत्र

04क्रेडिट (3+1)
(बाहरी और आंतरिक)

1. मुखौटा निर्माण (मास्क मेकिंग)
2. उपकरण निर्माण (प्रापर्टी मेकिंग)

द्वितीय प्रश्न पत्र

04क्रेडिट (3+1)
(बाहरी और आंतरिक)

सीन वर्क :–

1. ग्रीक नाटक/विलियम शेक्सपियर द्वारा लिखित किसी एक नाटक पर केन्द्रित

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़
थियेटर विभाग
पाठ्यक्रम
बी.पी.ए.थियेटर (चतुर्थ सेमेस्टर)
लोक रंगमंच

05 क्रेडिट(**3+2**=**5**)
(बाहरी और आंतरिक)

1. क्षेत्रीय नाट्य इतिहास
2. भारतीय लोक नाट्य कला रूप
    1. तमाशा
    2. जात्रा
    3. भवई आदि
3. छत्तीसगढ़ का लोक रंगमंच
    1. नाचा–गम्मत
    2. रहस
    3. भतरानाट

प्रायोगिक
प्रथम प्रश्न पत्र

05 क्रेडिट(**3+2**=**5**)
(बाहरी और आंतरिक)

1. रंग संगीत
2. लोक संगीत

द्वितीय प्रश्न पत्र

05 क्रेडिट(**3+2**=**5**)
(बाहरी और आंतरिक)

प्रस्तुति/प्रदर्शन, किसी एक लोक शैली पर आधारित

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़
थियेटर विभाग
पाठ्यक्रम
बी० ए० रंगमंच (पंचम सेमेस्टर)
सिद्धांत
सिनेमा का अध्ययन

05 क्रेडिट(**3+2**=**5**)
(बाहरी और आंतरिक)

1. विश्व सिनेमा का इतिहास
2. भारतीय सिनेमा का इतिहास
3. फिल्म निर्माण प्रक्रिया
   (फिल्मांकन के पूर्व, फिल्मांकन एवं फिल्मांकन के बाद)
4. फिल्म विश्लेषण

प्रायोगिक
प्रथम प्रश्न पत्र

05 क्रेडिट(**3+2**=**5**)
(बाहरी और आंतरिक)

फिल्म लेखन –कथा, पटकथा एवं संवाद

द्वितीय प्रश्न पत्र

05 क्रेडिट(**3+2**=**5**)
(बाहरी और आंतरिक)

फिल्म निर्माण –कोई एक :
1. लघु फिल्म – (संपादित, 15 मिनट)
2. वृत्तचित्र – (संपादित, 30 मिनट)
3. डोक्यु–ड्रामा फिल्म – (संपादित, 30 मिनट)

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़
थियेटर विभाग
पाठ्यक्रम
बी० ए० रंगमंच (षष्ठ सेमेस्टर)
रंगमंच वास्तुशिल्प, नाटकीय स्वरूप एवं निर्देशन

05 क्रेडिट(**3+2**=**5**)
(बाहरी और आंतरिक)

1. थिएटर आर्किटेक्चर
    1. ग्रीक
    2. रोमन
    3. मध्यकालीन
    4. एलिजाबेथन
2. नाटकीय स्वरूप (त्रासदी, कॉमेडी, मेलोड्रामा, फार्स)
3. प्रसिद्ध रंग निर्देशक – भारतीय एवं पश्चिमी
    1. (स्टानिस्लावस्की, मेयरहोल्ड, एंटोन आर्तो, गॉर्डन क्रेग, बर्तोल्त ब्रेख्त, ग्रोटोवस्की आदि)
    2. (इब्राहिम अल्काजी, हबीब तनवीर, बी.वी.कारंत, बादल सरकार)

प्रायोगिक
प्रथम प्रश्न पत्र

05 क्रेडिट(**3+2**=**5**)
(बाहरी और आंतरिक)

मॉडल निर्माण (कोई एक)
1. ग्रीक
2. रोमन
3. एलिजाबेथन रंगमंच

द्वितीय प्रश्न पत्र

05 क्रेडिट(**3+2**=**5**)
(बाहरी और आंतरिक)

नाट्य प्रदर्शन/प्रस्तुति – पश्चिमी नाटक (कोई एक)

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़
थियेटर विभाग
पाठ्यक्रम
बी० ए० रंगमंच (सप्तम सेमेस्टर)
नाटककारों का अध्ययन

05 क्रेडिट(**4+1**=**5**)
(बाहरी और आंतरिक)

1. आधुनिक भारतीय नाटककार
    1. मोहन राकेश
    2. गिरीश कर्नाड
    3. बादल सरकार
    4. विजय तेंदुलकर

2. पारसी नाटककार
    1. आगा हश्र कश्मीरी
    2. राधेश्याम कथावाचक

प्रायोगिक
प्रथम प्रश्न पत्र

05 क्रेडिट(**4+1**=**5**)
(बाहरी और आंतरिक)

1. प्रकाश अभिकल्पन के सिद्धांत
2. दृश्य विन्यास के सिद्धांत

द्वितीय प्रश्न पत्र

05 क्रेडिट(**4+1**=**5**)
(बाहरी और आंतरिक)

1. सीन वर्क
2. प्रोजेक्ट – प्रकाश/सेट

तृतीय प्रश्न पत्र

05 क्रेडिट(**4+1**=**5**)
(बाहरी और आंतरिक)

1. मंच प्रस्तुति/नाट्य प्रदर्शन
2. यथार्थवादी/पारसी नाटक (कोई एक)

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़
थियेटर विभाग
पाठ्यक्रम
बी० ए० थियेटर (अष्ठम सेमेस्टर)
आधुनिक पश्चिमी नाटककार

05 क्रेडिट(**3+2**=**5**)
(बाहरी और आंतरिक)

1. हेनरिक इब्सन
2. अन्तोन चेखव
3. बर्तोल्त ब्रेख्त
4. सेमुअल बैकेट

प्रायोगिक
प्रथम प्रश्न पत्र

05 क्रेडिट(**3+2**=**5**)
(बाहरी और आंतरिक)

लघु शोध प्रबंध – किसी एक पढ़ाये गये नाटककार, निर्देशक अथवा अभिकल्पक पर 50 पृष्ठों का एक लघु शोध प्रबंध लेखन।

द्वितीय प्रश्न पत्र

05 क्रेडिट(**3+2**=**5**)
(बाहरी और आंतरिक)

1. सीन वर्क

तृतीय प्रश्न पत्र

05 क्रेडिट(**3+2**=**5**)
(बाहरी और आंतरिक)

1. मंच प्रदर्शन/नाट्य प्रस्तुति
   पश्चिमी नाटक पर आधारित (कोई एक)

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़
थियेटर विभाग
पाठ्यक्रम
बी.पी.ए. थियेटर सहायक
(प्रथम सेमेस्टर)
सैद्धांतिक
रंगमंच : एक परिचय

3 क्रेडिट (2+1=3)
(बाहरी और आंतरिक)
100 अंक (70+30)

1. रंगमंच के तत्व
2. भारतीय रंगमंच का परिचय
3. पाश्चात्य रंगमंच का परिचय
4. नाटक के प्रकार (त्रासदी, कामेडी, फार्स, मेलोड्रामा आदि)

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़
थियेटर विभाग, कला संकाय
पाठ्यक्रम
बी.पी.ए. थियेटर सहायक
(प्रथम सेमेस्टर)
तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग–1

3 क्रेडिट (2+1=3)
(बाहरी और आंतरिक)
100 अंक (70+30)

1. रंगमंचीय अभ्यास
2. योग
3. गति
4. आशु अभिनय

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़
थियेटर विभाग, कला संकाय
पाठ्यक्रम
बी.पी.ए. थियेटर सहायक
(तृतीय सेमेस्टर)
सैद्धांतिक
भारतीय रंगमंच

3 क्रेडिट (2+1=3)
(बाहरी और आंतरिक)
100 अंक (70+30)

1. नाट्यशास्त्र का संक्षिप्त अध्ययन
2. किसी एक संस्कृत नाटक का अध्ययन
3. वस्तु, नेता एवं रस सिद्धांत का संक्षिप्त अध्ययन
4. अभिनय के प्रकार – आचार्य भरत प्रणीत नाट्यशास्त्र के अनुसार

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़
थियेटर विभाग, कला संकाय
पाठ्यक्रम
बी.पी.ए. थियेटर सहायक
(तृतीय सेमेस्टर)
तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग–3

3 क्रेडिट (2+1=3)
(बाहरी और आंतरिक)
100 अंक (70+30)

1. रंगमंचीय खेल
2. स्वर एवं संभाषण
3. आशु अभिनय
4. सीन वर्क – संस्कृत नाटक पर आधारित

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़
थियेटर विभाग, कला संकाय
पाठ्यक्रम
बी.पी.ए. थियेटर सहायक
(चतुर्थ सेमेस्टर)
सैद्धांतिक
पाश्चात्य रंगमंच

3 क्रेडिट (2+1=3)
(बाहरी और आंतरिक)
100 अंक (70+30)

पाश्चात्य रंगमंच का संक्षिप्त अध्ययन निम्नलिखित के विशेष सन्दर्भ में :

1. ग्रीक रंगमंच
2. रोमन रंगमंच
3. मध्यकालीन रंगमंच
4. एलिजाबेथन रंगमंच

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़
थियेटर विभाग, कला संकाय
पाठ्यक्रम
बी.पी.ए. थियेटर सहायक
(चतुर्थ सेमेस्टर)
तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग – 4

3 क्रेडिट (2+1=3)
(बाहरी और आंतरिक)
100 अंक (70+30)

1. आशु अभिनय
2. अभिनय
3. स्वर एवं संभाषण
4. सीन वर्क (किसी एक पाश्चात्य नाटक पर आधारित)

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़
थियेटर विभाग, कला संकाय
पाठ्यक्रम
बी.पी.ए. थियेटर सहायक
(द्वितीय सेमेस्टर)
सैद्धांतिक
छत्तीसगढ़ का लोक रंगमंच

3 क्रेडिट (2+1=3)
(बाहरी और आंतरिक)
100 अंक (70+30)

1. भारतीय लोक रंगमंच का संक्षिप्त अध्ययन
2. छत्तीसगढ़ की प्रमुख लोक विधायें
    1. नाचा–गम्मत
    2. पंडवानी

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़
थियेटर विभाग, कला संकाय
पाठ्यक्रम
बी.पी.ए. थियेटर सहायक
(द्वितीय सेमेस्टर)
तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग–2

3 क्रेडिट (2+1=3)
(बाहरी और आंतरिक)
100 अंक (70+30)

1. आशु अभिनय
2. लोक संगीत
3. (सीन वर्क) छत्तीसगढ़ की किसी एक लोक विधा पर आधारित

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़
थियेटर विभाग, कला संकाय
पाठ्यक्रम
बी.पी.ए. थियेटर सहायक
(पंचम सेमेस्टर)
सैद्धांतिक
रंगमंच के तकनीकी तत्व

3 क्रेडिट (2+1=3)
(बाहरी और आंतरिक)
100 अंक (70+30)

1. प्रकाश
2. दृश्य बन्ध
3. वेशभूषा
4. मुखसज्जा

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़
थियेटर विभाग, कला संकाय
पाठ्यक्रम
बी.पी.ए. थियेटर सहायक
(पंचम सेमेस्टर)
तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग – 5

3 क्रेडिट (2+1=3)
(बाहरी और आंतरिक)
100 अंक (70+30)

1. प्रकाश अभिकल्पन
2. दृश्य बन्ध एवं वेशभूषा अभिकल्पन
3. मुखसज्जा
4. प्रोजेक्ट :– वेशभूषा / दृश्य–बन्ध / प्रकाश

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़
थियेटर विभाग, कला संकाय
पाठ्यक्रम
बी.पी.ए. थियेटर सहायक
(षष्ठ सेमेस्टर)
सैद्धांतिक
नाटककार, निर्देशक एवं नाट्य संस्थानों का अध्ययन

3 क्रेडिट (2+1=3)
(बाहरी और आंतरिक)
100 अंक (70+30)

1. नाटककारों का अध्ययन
   (कोई एक नाटककार और उनका लिखा हुआ कोई एक नाटक)
   1. मोहन राकेश
   2. गिरीश कार्नाड
   3. बादल सरकार
   4. विजय तेंदुलकर
2. निर्देशकों का अध्ययन (कोई एक निर्देशक)
   1. इब्राहिम अल्काजी
   2. बी. वी. कारन्त
   3. हबीब तनवीर
   4. देवेन्द्र राज अंकुर
3. प्रशिक्षण संस्थानों का अध्ययन
   1. राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय
   2. फिल्म एण्ड टेलीविजन इंस्टिट्यूट ऑफ इण्डिया
   3. भारतेन्दु नाट्य अकादमी
   4. मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़
थियेटर विभाग, कला संकाय
पाठ्यक्रम
बी.पी.ए. थियेटर सहायक
(षष्ठ सेमेस्टर)
तकनीकी ज्ञान एवं प्रयोग – 6

3 क्रेडिट (2+1=3)
(बाहरी और आंतरिक)
100 अंक (70+30)

1. आशु अभिनय
2. सीन वर्क
3. प्रोजेक्ट – नाटककारों पर
4. प्रोजेक्ट – निर्देशकों पर

बी.पी.ए. सेमेस्टर पद्धति

हिन्दी भाषा – अनिवार्य (आधार) विषय

प्रति सेमेस्टर एक प्रश्नपत्र के हिसाब से दो सेमेस्टरों के दो प्रश्नपत्रों का पाठ्यक्रम

विशेष : प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का होगा। 70 अंक बाह्य परीक्षक एवं

30 अंक कक्षा–शिक्षक द्वारा देय होंगे।

आधार पाठ्यक्रम – हिन्दी भाषा

कोड–
LNGH-101

पूर्णांक – 100=70+30
(बाह्य+आन्तरिक)

बी.पी.ए. प्रथम सेमेस्टर

वर्तमान में हिन्दी भाषा आधे से अधिक भारतीयों की सम्पर्क भाषा है। वह हिन्दी–भाषी राज्यों में मातृभाषा है तो समग्र भारत की राजभाषा भी है। यदि वह राष्ट्रभाषा के रूप में भारतीय जन–मन का सच्चा प्रतिबिम्ब प्रस्तुत करती है, तो विदेशों में वह भारतीय संस्कृति की सच्ची प्रसारिका भी है। उसे जानना–समझना, बोलना–लिखना, उसके प्रयोग में पारंगत होना विद्यार्थी के लिए न केवल व्यक्तित्त्व विकास के स्तर पर उपयोगी है, वरन् उसे कार्यक्षेत्र में स्थापित होने के लिए एक मजबूत आधार देने वाला भी है। इन्हीं तथ्यों को ध्यान में रखते हुए हिन्दी भाषा की पाठ्यसामग्री और उसके व्याकरणिक रूप तथा जीवन के शासकीय, औद्योगिक, व्यावसायिक आदि क्षेत्रों में उसके व्यावहारिक प्रयोग को पाठ्यक्रम में रखा गया है। यह ज्ञान निश्चय ही विद्यार्थी को सही समझ और दिशा प्रदान करेगा।

इकाई – एक   पाठ्य–सामग्री

1.	पुष्प की अभिलाषा (कविता)	–	माखनलाल चतुर्वेदी
2.	शिरीष के फूल (निबन्ध)	–	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3.	एक टोकरी भर मिट्टी (कहानी)	–	माधवराव सप्रे
4.	चीनी भाई (संस्मरण)	–	महादेवी वर्मा
5.	हिमालय में पहली बार (यात्रा संस्मरण)	–	राहुल सांकृत्यायन

इकाई –दो   भाषा : संप्रेषण कौशल

- भाषा की परिभाषा, प्रकृति, विविध रूप।
- संप्रेषण की अवधारणा और महत्व, संप्रेषण के प्रकार, संप्रेषण के माध्यम, संप्रेषण की तकनीक, अध्ययन, वाचन एवं चर्चा : प्रक्रिया एवं बोध, साक्षात्कार, भाषण कला एवं इनका रचनात्मक लेखन।

इकाई – तीन   संभाषण कौशल

- संभाषण का अर्थ, उपादान विविध रूप तथा उपयोगिता। प्रयोगगत उदाहरण के तहत उद्घोषणा कला, आँखों देखा हाल, संचालन, समाचार वाचन, वाद–विवाद गतिविधि।
- प्रयोगगत उदाहरण के तहत साक्षात्कार, भाषण (वक्तृत्त्व कला) एवं इनका रचनात्मक लेखन।

इकाई– चार हिन्दी भाषा : वर्ण व्यवस्था, व्याकरण, मानक रूप, शब्द रचना, देवनागरी लिपि आदि प्रयोगगत प्रमुख रूप–

- वर्ण व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन वर्णों का उच्चारण एवं लेखनगत सामान्य परिचय।
- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं अवयय का सोदाहरण भेद सहित परिचय।
- उपसर्ग, प्रत्यय, सन्धि, समास और संक्षिप्ति का सोदाहरण सहित परिचय।
- मानक भाषा, मानक हिन्दी भाषा के लक्षण एवं उदाहरण वर्तनी से आशय, शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि।
- पर्यायवाची, विलोम, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, समश्रुत शब्द सोदाहरण परिचय। मुहावरे, लोकोक्ति, संक्षेपण, पल्लवन का परिचय उदाहरण सहित।
- लिपि का अर्थ, स्वरूप, देवनागरी लिपि का परिचय, नामकरण सम्बन्धी विविध मत विशेषताएँ।

अंक विभाजन :

आलोचनात्मक प्रश्न –

इकाई– 1 = 10

इकाई– 2 = 10

इकाई– 3 = 10

इकाई– 4 = 10

लघु उत्तरीय प्रश्न/टिप्पणी

(प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न अनिवार्य है)

05 X 04 = 20

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

10 X 01 = 10

कुल अंक 70

पुस्तकें :
1– हिन्दी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरु, लोकभारती प्रकाशन– इलाहाबाद, द्वितीय सं. 2009, मू. 125/–
2– हिन्दी व्याकरण के नवीन क्षितिज– डॉ. रवीन्द्र कुमार पाठक, भारतीय ज्ञानपीठ– नई दिल्ली, सं. 2000, मू. 450/–
3– हिन्दी व्याकरण (रस, छन्द, अलंकार सहित)– डॉ. उमेशचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2011, मू. 95/–
4– बोलने की कला– डॉ. भानुशंकर मेहता– विश्वविद्यालय प्रकाशन– वाराणसी
5– साक्षात्कार : कैसे हों तैयार – शहरोज, राजकमल पेपर बैक्स– नई दिल्ली, दूसरा सं. 2016, मू. 80/–
6– अच्छा वक्ता कैसे बनें – शिवप्रसाद बागड़ी, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा.लि.– नई दिल्ली, आठवाँ सं. 2016, मू. 80/–
7– हिन्दी भाषा संरचना – प्रधान सं. त्रिभुवन नाथ शुक्ल, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी– भोपाल, प्रथम सं. 2008, मू. 30/

बी.पी.ए. द्वितीय सेमेस्टर

आधार पाठ्यक्रम

हिन्दी भाषा

कोड–
LNGH-201

पूर्णांक – 100=70+30
(बाह्य+आन्तरिक)

इकाई – एक
1. नौका विहार (कविता) – सुमित्रानंदन पंत
2. दो गजलें – दुष्यन्त कुमार
3. पिता (कहानी) – ज्ञानरंजन
4. जीवन और साहित्य (निबन्ध)– सम्पूर्णानन्द
5. देश–दर्शन(निबन्ध) – पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

इकाई – दो भाषागत अभिव्यक्ति कौशल : कथन की शैलियाँ : आशय, स्वरूप, उपयोगिता एवं उदाहरण। विभिन्न संरचनाएँ : आशय, स्वरूप, उपयोगिता एवं उदाहरण।

- अनुवाद व्यवहार : अनुवाद से आशय, स्रोतभाषा–लक्ष्यभाषा, अच्छे अनुवाद एवं अनुवादक की विशेषताएँ, कुछ उदाहरण।

इकाई –तीन हिन्दी भाषा के प्रमुख रूप : राष्ट्रभाषा, राजभाषा, जनभाषा, शिक्षण माध्यम में प्रयोगगत रूप संचारभाषा,
सर्जनात्मक भाषा, यांत्रिक भाषा–

- राजभाषा हिन्दी का विशेष परिचय : संविधान में राजभाषा सम्बन्धी परिनियमावली का परिचय,
राजभाषा रूप में हिन्दी के समक्ष उपस्थित व्यवहारिक कठिनाइयाँ एवं सम्भावित समाधान।

इकाई– चार : (क) हिन्दी भाषा का शब्द संसार, वाक्य संरचना, पारिभाषिक एवं शासकीय शब्दावली तथा पत्राचार
हिन्दी का शब्दभण्डार : तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी

- हिन्दी वाक्य रचना : वाक्य, उपवाक्य, भेद एवं रूपान्तरण
- हिन्दी शब्दावली : पारिभाषिक, पदनाम
- शासकीय–अशासकीय एवं अनौपचारिक पत्राचार : आदेश, परिपत्र, ज्ञापन, स्मरणपत्र, प्रतिवेदन। विभिन्न निमन्त्रण पत्र। व्यावसायिक उद्देश्य से लिखे गये पत्र।

(ख) कार्यालयी, प्रशासनिक एवं प्रौद्योगिकीगत प्रयोग में हिन्दी :

- कार्यालयी भाषागत प्रयोग के तहत टिप्पण (नोटिंग), प्रारूपण अथवा आलेखन (ड्राफ्टिंग)।
- कार्यालयी प्रयोजनों में यांत्रिक उपकरण का अनुप्रयोग : कम्प्यूटर, लैपटॉप, टैबलेट–टेलीप्रिंटर,
टैलेक्स, वीडियो कान्फ्रेसिंग का सामान्य परिचय।

- सूचना प्रौद्योगिकी का परिचय, सूचना प्रोद्यौगिकी की प्रयोजनीय शब्दावली, इस रूप में हिन्दी की उपलब्धियाँ।

अंक विभाजन :

आलोचनात्मक प्रश्न –

इकाई– 1 = 10

इकाई– 2 = 10

इकाई– 3 = 10

इकाई– 4 = 10

लघु उत्तरीय प्रश्न/टिप्पणी

(प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न अनिवार्य है)

07 X 04 = 20

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

12 X 01 = 10

कुल अंक 70

पुस्तकें :

1– राजभाषा हिन्दी : चिन्तन और चेतना – सं. डॉ. किरणपाल सिंह, भारतीय राजभाषा विकास देहरादून, प्रथम सं. 2007, मू. 300/–

2– भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा – डॉ. नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन– दिल्ली, सं. 2014, मू. 152/–

3– सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ. बाबूराम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मेलन– प्रयाग, सं. 1995

4– प्रयोजनमूलक हिन्दी – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन– नई दिल्ली, सं. 2016, मू. 135/–

बी. पी. ए.2017 -18 C.B.C.S. (सेमेस्टर सिस्टम)

प्रथम सेमेस्टर संस्कृत-भाषा आधार

कोड– पूर्णाङ्क –100 = 70+30

SI 101

1 (क) पञ्चतन्त्र (अपरीक्षितकारक की आरम्भिक पाँच कथायें – दो श्लोकों की व्याख्या 6 तथा समीक्षात्मक प्रश्न 06 (12

(ख) जयदेव कृत गीतगोविन्द-महाकाव्य प्रथम सर्ग (12) दो श्लोकों की व्याख्या (06 तथा समीक्षात्मक प्रश्न 06 12

2- व्याकरण:-

(क) संज्ञा परिचय (स्वर, पद , वर्णोच्चारणस्थान) - (10)

(ख) सन्धि का सामान्य ज्ञान(स्वर , व्यञ्जन तथा विसर्ग) (10)

(ग) संस्कृत सम्भाषण की प्रक्रिया का सामान्यज्ञान (10)

(घ) रूप बोध - (16)

1- शब्दरूप- बालक, रमा ,कवि, पितृ, फल, मति, स्त्री, अस्मद् , युष्मद् तथा तद् (तीनों लिङ्गों में)

2- धातुरूप – भू, गै, नृत् , पठ् , श्रु, वद् , अस् , एवं दा (लट् , लोट् , लङ् , लिङ् , लृट्)

(व्याकरण - लघुसिद्धान्तकौमुदी से निर्धारित किया गया है ।)

बी. पी. ए . द्वितीय सेमेस्टर संस्कृत-भाषा

कोड– पूर्णाङ्क –100 = 70+30

SI 201

1 (क)मूलरामायण 12

(ख) महाकवि कालिदास द्वारा रचित मेघदूत(पूर्वमेघ) 12

2- व्याकरण:-

(क) संस्कृत की भाषावैज्ञानिक प्रविधि 10

(ख) प्रत्यय परिचय 10

(ग) उपसर्ग परिचय) 10

3- (क) अनुवाद का स्वरूप एवं विशेषतायें 05

(ख) हिन्दी के वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद 05

(ग) हिन्दी शब्दों के संस्कृत पर्याय - 06

सहायक ग्रन्थ सूची

1- आचार्य कपिलदेव द्विवेदी द्वारा रचित रचनानुवादकौमुदी
2- आचार्य मोहनवल्लभ पन्त द्वारा रचित कारकदीपिका
3- आचार्य बलदेव उपाध्याय द्वारा रचित संस्कृतसाहित्य का इतिहास

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

I Semester (BPA/ BFA/ B.Voc)
FOUNDATION ENGLISH – 1

Code-
FE101

(Credit 02)
M.M. 100
Internal Marks: 30 External Marks: 70

The question paper for BPA I Semester English Language shall comprise the following units:

UNIT – I Short answer questions to be assessed by
(five short answer questions of four marks each). 20 Marks

UNIT – II **(**a) Reading comprehension of an unseen passage 05 Marks

(b) Vocabulary 05 Marks

UNIT – III Letter Writing 10 Marks

Two letters to be attempted of 5 marks each. (Formal and informal)

UNIT – IV Essay Writing 10 Marks

UNIT – V Grammar based on the prescribed text book. 20 Marks

Note: Question on all the units shall be asked from the prescribed text which will comprise the following chapters:

1. Where the Mind is Without Fear by Rabindranath Tagore
2. Death of a Clerk by Anton Chekhov
3. The Judgement Seat of Vikramaditya by Sister Nivedita
4. Sonnet – To Science by E.A. Poe
5. Science in Ancient India by Jawaharlal Nehru
6. Major Ancient Indian Scientist by Mrinal Mitra and B.G. Verma
7. The Wonder that was India by A. L. Basham
8. Srinivas Ramanujan by E. Lucia Turnbull
9. Communication in the Modern Age by Michael M.A. Mirabito

Books Recommended:

1. Essential English Grammar with Answers by Raymond Murphy/ C G Granth Academy
2. English Language and Indian Culture by M P Granth Academy/ C G Granth Academy
3. Foundation English by M P Granth Academy/ C G Granth Academy/ C G Granth Academy
4. English Language and Aspects of Development by M P Granth Academy/ C G Granth Academy

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

II Semester (BPA/ BFA)

FOUNDATION ENGLISH – 2

Code-	**(Credit 02)**
FE201	**M.M. 100**
	Internal Marks: 30 , External Marks: 70

The question paper for BPA II Semester English Language shall comprise the following units:

UNIT – I Short answer questions to be assessed by (five short answer questions of four marks each). 20 Marks

UNIT – II **(**a) Reading comprehension of an unseen passage 05 Marks
(b) Vocabulary 05 Marks

UNIT – III Report Writing 10 Marks

UNIT – IV Expansion of Idea 10 Marks

UNIT – V Grammar based on the prescribed text book. 20 Marks

Note: Question on all the units shall be asked from the prescribed text which will Comprise the following chapters:

1. Three Years She Grew by William Wordsworth
2. Rana Pratap by E.L. Turnbull
3. The Universality of Religion by Romain Rolland
4. Women and Development by Leela Dube
5. Basic Needs and Quality of Life by S.C. Dube
6. The Mouse and the Snake by Vikram Seth
7. Communication Education and Information Technology by K. Aludiapillai
8. Hiroshima by F. Rapale
9. Tree by Tina Morris

Books Recommended:

1. Advanced English Grammar with Answers by Raymond Murphy
2. English Language and Indian Culture by M P Granth Academy/ CGGranth Academy
3. Foundation English by M P Granth Academy/ CG Granth Academy
4. English Language and Aspects of Development by M P Granth Academy/ CG Granth Academy

आजीवन शिक्षा विभाग

Department of Lifelong Learning

पर्यावरण अध्ययन

Environmental Studies

स्नातक स्तर–बी.पी.ए., बी.एफ.ए., बी.वोक., प्रथम सेमेस्टर

Graduation Level- B.P.A., B.F.A., B. Voc., First Semester

कोड–
ENV-101

पूर्णांक– 70
क्रेडिट–2 (1 क्रेडिट= 15 घंटे)
Credit-2 (1Credit=15 Hours)

इकाई–1
Unit-1

पर्यावरण अध्ययन का बहुविषयी या बहुआयामी स्वभाव एवं प्राकृतिक संसाधन–वन संसाधन, जल संसाधन, खनिज संसाधन तथा इससे सम्बन्धित समस्याएं

The Multidisciplinary nature of environmental studies & Natural resources, Forest resources, Water resources, Mineral resources & its associated problems.

1. परिभाषा, कार्य क्षेत्र एवं महत्व
   Definition, Scope and importance
2. जन जागरण/चेतना की आवश्यकता
   Need for public awareness
3. प्राकृतिक संसाधन
   Natural resources
4. नवीनीकृत एवं अनवीनीकृत संसाधन
   Renewable and non renewable resources
   प्राकृतिक संसाधन एवं उससे सम्बन्धित समस्यायें
   Natural resources and associated problems
5. वन संसाधन – उपयोग एवं अतिदोहन, वनोन्मूलन, केस स्टडी (प्रकरण अध्ययन), काष्ठ कटाई, खनन, बांध एवं वनों तथा जनजातियों पर इनका प्रभाव ।
   Forest resources : Use and over-exploitation, deforestation, case studies, Timber extraction, mining, dams and their effects on forests and tribal people.
6. जल संसाधन – सतही एवं भूमिगत जल का उपयोग एवं अति उपयोग, बाढ़, सूखा, जल के लिये संघर्ष, बांध–लाभ एवं समस्यायें ।
   Water resources : Use and over-utilization of surface and ground water, floods, Drought, conflicts over water, dams-benefits and problems.
7. खनिज संसाधन – उपयोग एवं अतिदोहन, खनिज संसाधनों के खनन एवं उपयोग का पर्यावरण पर प्रभाव, प्रकरण अध्ययन ।
   Mineral resources : Use and exploitation, environmental effects of extracting and using mineral resources, case studies.

इकाई–2

Unit-2

प्राकृतिक संसाधन–खाद्य संसाधन, ऊर्जा संसाधन, भूमि संसाधन एवं इससे सम्बन्धित समस्याएं
Natural resources- Food resources, Energy resources, Land resources and its associated problems

1. खाद्य संसाधन – विश्व की खाद्य समस्या, कृषि एवं अतिचारण के कारण होने वाले परिवर्तन, आधुनिक कृषि के प्रभाव, उर्वरक– कीटनाशी की समस्या, जलभरण, लवणता, प्रकरण अध्ययन ।

   Food resources : World food problems, changes caused by agriculture and overgrazing, effects of modern agriculture, fertilizer-pesticide problems, water logging, salinity, case studies.

2. ऊर्जा संसाधन – ऊर्जा की बढ़ती हुई आवश्यकता, नवीनीकृत एवं अनवीनीकृत ऊर्जा स्त्रोत, ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोतों का उपयोग, प्रकरण अध्ययन ।

   Energy resources : Growing energy needs, renewable and non renewable energy resources, use of alternate energy sources, case studies.

3. भूमि संसाधन – भूमि एक संसाधन के रूप में, भूमि अपक्षय, मानव प्रेरित भूस्खलन, मृदा अपरदन एवं मरूस्थलीकरण ।

   Land resources : Land as a resource, land degradation, man induced landslide, soil erosion and desertification.

4. प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में व्यक्ति की भूमिका ।

   Role of an individual in conservation of natural resources.

5. सुविधापूर्ण जीवन पद्धतियों के संरक्षण में व्यक्ति की भूमिका ।

   Equitable use of resources for sustainable lifestyles.

इकाई–3

Unit-3

पारिस्थितिक तंत्र

Ecosystems

1. पारिस्थितिक तंत्र की परिकल्पना

   Concept of an ecosystem

2. पारिस्थितिक तंत्र की संरचना एवं कार्य

   Structure and function of an ecosystem.

3. उत्पादक, उपभोक्ता एवं अपघटनकर्ता

   Producers, consumers and decomposers

4. पारिस्थितिक तंत्र में ऊर्जा प्रवाह

   Energy flow in the ecosystem

5. पारिस्थितिक अनुक्रमण

   Ecological Succession

6. खाद्य श्रृंखला, खाद्य जाल एवं पारिस्थितिक पिरामिड

   Food chains, food web and ecological pyramids.

7. पारिस्थितिक तंत्र की प्रस्तावना, प्रकार, लक्षण एवं कार्य –
Introduction, types, characteristic feachers, structure and function of the following ecosystem :

(a) वन का पारिस्थितिक तंत्र
Forest ecosystem

(b) घास के मैदान का पारिस्थितिक तंत्र
Grassland ecosystem

(c) मरूस्थल का पारिस्थितिक तंत्र
Desert ecosystem

(d) जलीय पारिस्थितिक तंत्र (तालाब, जलधारा, झील, महासागर एवं दलदली भूमि का पारिस्थितिक तंत्र)
Aquatic ecosystems (ponds, streams, lakes, rivers, oceans, estuaries)

इकाई–4
Unit-4
जैव विविधता
Biodiversity

1. सामान्य परिचय – परिभाषा, अनुवांशिक प्रजाति एवं पारिस्थितिक तंत्रीय विविधता ।
Introduction- Definition : genetic, species and ecosystem diversity

2. भारत वर्ष का जैव भौगोलिक वर्गीकरण
Biogeographical classification of India

3. जैव विविधता का महत्व–क्षयशील उपयोग, उत्पादन उपयोग, सामाजिक, एथिकल, एस्थेटिक एवं ऐच्छिक महत्व ।
Value of biodiversity : consumptive use, productive use, social, ethical, aesthetic and option values.

4. विश्व राष्ट्रीय एवं स्थानीय स्तर पर जैव विविधता
Biodiversity at global, National and Local levels.

5. भारत वर्ष एक वृहत् विविधता वाले राष्ट्र के रूप में
India as a mega-diversity nation.

इकाई–5
Unit-5
जैव विविधता के हॉट स्पॉट, जैव विविधता के कारण एवं जैव विविधता का संरक्षण
Hot-spots of biodiversity, Threats to biodiversity & Conservation of biodiversity

1. जैव विविधता के हॉट स्पॉट
Hot-spots of biodiversity.

2. खतरनाक स्थिति : जैव विविधता के लिए – आवास का नष्ट होना, वन्य जीवनों का शिकार, मानव एवं वन्य जन्तु संघर्ष ।
Threats to biodiversity : habitat loss, poaching of wildlife, man and wildlife conflicts.

3. भारतवर्ष की संकटग्रस्त एवं विशेष क्षेत्रीय जातियां
Endangeres and endemic species of India

4. जैव विविधता का संरक्षण – इन–सिटू एवं एक्स–सिटू संरक्षण
Conservation of biodiversity : In-situ and ex-situ conservation of biodiversity.

फील्ड वर्क

Field work

स्नातक स्तर–बी.पी.ए., बी.एफ.ए., बी.वोक., प्रथम सेमेस्टर

Graduation Level- B.P.A., B.F.A., B. Voc., First Semester

पूर्णांक–30

1. आसपास की नदी/वन/घास की भूमि/पहाड़ी/पर्वत आदि का भ्रमण कर उनकी पर्यावरणीय जानकारी एकत्रित करना ।

Visit a local area to document environmental assets river/ forest/ grassland/ hill/ mountain etc.

2. क्षेत्र में उपस्थित सामान्य पौधों, कीटों एवं पक्षियों का अध्ययन ।

Study of common plants, Insects, birds.

3. साधारण पारिस्थितिक तंत्रों, जैसे–तालाब, नदी, पहाड़ी ढलान आदि का सरल अध्ययन ।

Study of simple ecosystems- pond, river, hill slopes, etc.

टीप– अंक पेटर्न

Note- Number Pattern

प्रथम सेमेस्टर पूर्णांक– 100

First Semester Max. M. - 100

बाह्य मूल्यांकन –लिखित परीक्षा – 70

External Evaluation- Written Exam.- 70

आंतरिक मूल्यांकन – 30

Internal Evaluation- 30

(लिखित–10+प्रोजेक्ट वर्क–10+वायवा–10)

(Written-10+Project Work-10+Viva-10)

प्रस्तावित पाठ्य सामग्री :

Recommended reading material

- डॉ. के.एल. तिवारी, डॉ. एस.के. जाधव – पर्यावरण अध्ययन, अजय प्रकाशन, रायपुर
- Agrawal K.C., 2001, Environmental Biology
- World Commission on Environment and development, 1987, Our Common Future, Oxford University Press.
- Singh, J.S., Singh, S.P. and Gupta, S.R. 2014. Ecology, Environmental Science and Conservation. S. Chand Publishing, New Delhi
- Gleick, P.H. 1993. Water in Crisis, Pacific Institute for Studies in Dev., Environment & Security. Stockholm Env. Institute, Oxford Univ. Press.

आजीवन शिक्षा विभाग

Department of Lifelong Learning

पर्यावरण अध्ययन

Environmental Studies

स्नातक स्तर–बी.पी.ए., बी.एफ.ए., बी.वोक., द्वितीय सेमेस्टर

Graduation Level- B.P.A., B.F.A., B. Voc., Second Semester

कोड–
ENV-201

पूर्णांक– 70
क्रेडिट–2 (1 क्रेडिट= 15 घंटे)
Credit-2 (1Credit=15 Hours)

इकाई–1
Unit-1

पर्यावरण प्रदूषण–वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, मृदा प्रदूषण एवं समुद्री प्रदूषण

Environmental Pollution, Air Pollution, Water Pollution, Soil Pollution, Marine pollution.

निम्न की परिभाषा, कारण, प्रभाव एवं नियंत्रण के उपाय

Definition : Causes, effects and control measures of :

1. वायु प्रदूषण
   Air Pollution
2. जल प्रदूषण
   Water Pollution
3. मृदा प्रदूषण
   Soil Pollution
4. समुद्री प्रदूषण
   Marine Pollution

इकाई–2
Unit-2

पर्यावरण प्रदूषण–ध्वनि (शोर) प्रदूषण, तापीय प्रदूषण, नाभिकीय हानियां, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं प्राकृतिक आपदा प्रबंधन

Environmental Pollution, Noise pollution, Thermal pollution, Nuclear hazards, Solid waste Management & Disaster management.

1. निम्न की परिभाषा, कारण, प्रभाव एवं नियंत्रण के उपाय
   Definition : Causes, effects and control measures of :
   (a) ध्वनि (शोर) प्रदूषण
       Noise pollution
   (b) तापीय प्रदूषण
       Thermal pollution

(c) नाभिकीय हानियां

Nuclear hazarda

2. ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन – शहरी एवं औद्योगिक ठोस अपशिष्ट पदार्थों के कारण, प्रभाव एवं नियंत्रण के उपाय ।

Solid waste Management : Causes, effects and control measures of urban and industrial wastes.

3. प्रदूषण रोकने में व्यक्ति विशेष की भूमिका ।

Role of an individual in prevention of pollution.

4. प्रदूषण प्रकरण अध्ययन ।

Pollution case studies.

5. प्राकृतिक आपदा प्रबन्धन – बाढ़, भूकम्प, चक्रवात एवं भूस्खलन ।

Disaster management : floods, earthquake, cyclone and landslides.

इकाई–3
Unit-3

सामाजिक निर्गम एवं पर्यावरण
Social Issues and the Environment

1. अपोषणीय से पोषणीय विकास तक

From Unsustainable to Sustainable development.

2. ऊर्जा से सम्बन्धित नगरीकरण की समस्यायें

Urban problems related to energy

3. जल संरक्षण, वर्षा जल हार्वेस्टिंग, वाटरशेड प्रबन्ध ।

Water conservation, rain water harvesting, watershed management.

4. लोगों का पुनर्स्थापन एवं पुनर्वास–इससे सम्बन्धित समस्यायें, प्रकरण अध्ययन ।

Resettlement and rehabilitation of people : its problems and concerns. Case studies.

5. पर्यावरणीय नीतियां – निर्गम एवं संभावित समाधान ।

Environmental ethics : Issues and possible solutions.

6. जलवायु परिवर्तन, विश्व–उष्णता, अम्ल वर्षा, ओजोन परत अपक्षय, नाभिकीय दुर्घटना एवं होलोकॉस्ट, प्रकरण अध्ययन ।

Climate change, global warming, acid rain, ozone layer depletion, nuclear accidents and holocaust. Case studies.

इकाई–4
Unit-4

व्यर्थ भूमि प्रबन्धन एवं पर्यावरण संरक्षण अधिनियम
Wasteland reclamation & Environment Protection Act.

1. व्यर्थ भूमि प्रबन्धन
   Wastland reclamation.
2. उपभोगिता एवं अपशिष्ट पदार्थ
   Consumerism and wast products.
3. पर्यावरण संरक्षण अधिनियम
   Environment Protection Act.
4. वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) एक्ट
   Air (Prevention & Control of Pollution) Act.
5. जल (बचाव एवं प्रदूषण नियंत्रण) एक्ट
   Water (Prevention & Control of Pollution) Act.
6. वन्य जीव संरक्षण अधिनियम
   Wildlife protection Act.
7. वन संरक्षण अधिनियम
   Forest conservation Act.
8. पर्यावरण कानूनों को लागू करने में आने वाली दिक्कतें
   Issues involved in enforcement of environmental legislation.
9. पर्यावरण एवं जन चेतना
   Environment and Public awareness.

इकाई–5
Unit-5

मानव जनसंख्या एवं पर्यावरण
Human population and the Environment

1. जनसंख्या वृद्धि, विभिन्न देशों की जनसंख्या में भिन्नता
   Population growth, Variation among nations.
2. जनसंख्या विस्फोट
   Population explosion
3. परिवार कल्याण कार्यक्रम
   Family welfare programme.
4. पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य
   Environment & Human Health.
5. पर्यावरण एवं मानवाधिकार
   Environment & Human Rights.

(a) मानवाधिकार का अर्थ एवं परिभाषा

Meaning and Definition of Human rights

(b) मानवाधिकार का वर्गीकरण

Classification of Human rights

(c) मानवाधिकार का प्रभाव

Impact of Human rights

6. मूल्य शिक्षा एवं पर्यावरण

Value Education and Environment

7. एच.आई.वी./एड्स

HIV/AIDS

8. महिला एवं बाल कल्याण

Woman and child welfare

9. पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य के क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका

Role of Information Technology in Environment and human health.

फील्ड वर्क

Field work

स्नातक स्तर–बी.पी.ए., बी.एफ.ए., बी.वोक., द्वितीय सेमेस्टर

Graduation Level- B.P.A., B.F.A., B. Voc., Second Semester

पूर्णांक–30

1– आसपास के प्रदूषित क्षेत्र का भ्रमण– शहरी/ग्रामीण/औद्योगिक/कृषि क्षेत्र ।

Visit a polluted local area to document- Urban/ Rural/Industrial/Agricultural Area

टीप– अंक पेटर्न

Note- Number Pattern

द्वितीय सेमेस्टर पूर्णांक– 100

Second Semester Max. M. - 100

बाह्य मूल्यांकन –लिखित परीक्षा – 70

External Evaluation- Written Exam.- 70

आंतरिक मूल्यांकन – 30

Internal Evaluation- 30

(लिखित–10+प्रोजेक्ट वर्क–10+वायवा–10)

(Written-10+Project Work-10+Viva-10)

प्रस्तावित पाठ्य सामग्री :

Recommended reading material :

- डॉ. के.एल. तिवारी, डॉ. एस.के. जाधव – पर्यावरण अध्ययन, अजय प्रकाशन, रायपुर
- World Commission on Environment and development, 1987, Our Common Future, Oxford University Press.
- Gleick, P.H. 1993. Water in Crisis, Pacific Institute for Studies in Dev., Environment & Security. Stockholm Env. Institute, Oxford Univ. Press.

- Singh, J.S., Singh, S.P. and Gupta, S.R. 2014. Ecology, Environmental Science and Conservation. S. Chand Publishing, New Delhi
- S.K. Kapoor- Human Rights under International Law and Indian Law
- एस.के. कपूर– मानवाधिकार
- एन.डी. चतुर्वेदी, भारत का संविधान
- J.N. Pande, Constitutional Law of India
- Pepper, I.L., Gerba, C.P. & Brusseau, M. L. 2011. Environmental and Pollution Science. Academic Press

FIELD WORKS

First Task ;

Every individual student needs to visit river/forest/grazing land(pasture)/mountain present in their respective city or locality and gather following information :

4. **For River :**
   (1) Name of the River :
   (2) Place of Origin :
   (3) River's Width and Depth :
   (4) Availability of Water :
   (5) Name of all creature and vegetation present in the river
   (6) Waste water canals from nearby Urban or Rural places connected to the river :
   (7) List of Industries who pass their wastage in to the river :
   (8) Level of Pollution :
5. **For Forest :**
   (1) Type of Forest
   (2) Name of Forest
   (3) Type of vegetation available in the Forest
   (4) List of the major plants
   (5) List down Medicinal plants in the forest
   (6) List down the plants which are source of Industrial Timber
   (7) List down the plants which are source of Fire Wood
   (8) List of the wild animals present in the Forest
   (9) List down the important products obtained from the Forest
   (10) Name of the Villages present in the Forest area
   (11) List of the Tribes and their standard of living in the Forest Area
6. **Grazing land (pasture)**
   (1) Type of Grazing Land
   (2) Approximate Area
   (3) Present condition of the Grazing Land
   (4) List of Grasses and plants available in the field
   (5) Number of villages and animals fully dependent on grazing land

(6) Security Measures

Second Task :

Time to time please visit nearby polluted urban, rural, industrial and farm fields present in your area and gather following information :

(1) Total Population

(2) Name of the Established Industries (please furnish details categorically)

(3) Name of the most polluting industries

(i) Air Pollution

(ii) Water Pollution

(iv) Soil Pollution

(4) Measures taken by the Industries to counter Pollution

(5) Number of workers in the Industry

(6) Energy which are used in the industrial units and their source

1. Introduction about village : (ग्राम का परिचय)

Name : (ग्राम का नाम)

- Population : (ग्राम की जनसंख्या)
- Area : (ग्राम का क्षेत्रफल)
- Name of Sarpanch : (ग्राम के सरपंच का नाम)
- Location : Name of Block and District . Short map of village : (ग्राम किस ब्लॉक और जिले में स्थित है)
- One photograph of your village (ग्राम का फोटोग्राफ)

2. Landscape and ecology : (ग्राम की भौगोलिक स्थिति और पारिस्थितिकी का परिचय)

- Water resources : (ग्राम में उपलब्ध पानी के संसाधन- तालाब, नदी, नहर, झरना, कुआं, हैण्ड पंप सभी की जानकारी)
- Hilly area : (ग्राम के पास यदि कोई पहाड़ी क्षेत्र अथवा जंगल हो तो जानकारी)
- तालाब का उपयोग यदि मछली पालन के लिये होता हो तो जानकारी।

3. Crop : (ग्राम में बोई जाने वाली मुख्य फसल एवं सब्जियों की जानकारी)

4. Biodiversity of village (ग्राम की जैव विविधता का परिचय)

- Flora : different types of trees which are present or found at your village including medicinal plant, long and short trees (if you take picture this is good for your project) (सभी प्रकार के वृक्ष और औषधीय पौधों की जानकारी)
- Fauna : different animal including all invertebrates and vertebrates. (fishes types and its local name, amphibian, reptelia birds and mammals) (सभी प्रकार के प्राणियों की जानकारी जो आप देखते हैं और अपने बुजुर्गों से पूछ कर जानकारी प्राप्त कीजिये)

5. If during year 2016-17 at your village you have done any types of social work give the description and photographs. (ग्राम में यदि 2016-17 में सम्पन्न किसी भी प्रकार के सामाजिक कार्यक्रम में भाग लिया हो तो जानकारी देवें आपके योगदान की)

6. At your village any type of social program done by villager give the dwscription and photographs. (ग्राम में यदि 2016-17 में सम्पप्न किसी भी प्रकार का सामाजिक कार्यक्रम जानकारी देवें)

7. Certificate attached by you, which is attested by your sarpanch or panch or any government official that is working at your village. (इस बात की जानकारी कि यह प्रोजेक्ट आपके द्वारा किया गया है आपके सरपंच अथवा ग्राम में पदस्थ शासकीय कर्मचारी अथवा ग्राम के गणमान्य नागरिक के द्वारा आपको दिया गया प्रमाण पत्र)

8. अन्य जानकारी जो ऊपर न दी गई हो ।

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya

Khairagarh, Chhattisgarh

आपदा प्रबन्धन

Disaster Management

स्नातक स्तर – बीपीए

Graduation Level – BPA

सेमेस्टर – 3

Semester - III

Credit – 2 (1 Credit = 15 Hours)
Maximum Marks - 100

इकाई – 1 Unit – I — **आपदाओं का अर्थ**
Understanding Disasters

आपदा – अवधारणा एवं परिभाषा, खतरे, भेद्यता, जोखिम

Understanding the Concepts and definitions of Disaster, Hazard, Vulnerability and Risk

क्षमता – आपदा तथा विकास एवं आपदा प्रबन्धन

Capacity – Disaster and Development and disaster management

इकाई – 2 Unit - II — प्राकृतिक आपदायें
Natural Disasters

भौगोलिक आपदाऐं (भूकम्प, भूस्खलन, सुनामी, उत्खनन)

Geological Disasters (earthquakes, landslides, tsunami, mining)

जलीय तथा मौसमी आपदायें (बाढ़, चक्रवात, तड़ित विद्युत, तड़ित झंझावात,

ओलावृष्टि, हिमस्खलन, सूखा, सर्द तथा गर्म हवायें)

Hydro-Meteorological Disasters (floods, cyclones, lightning, thunder-storms, hail storms, avalanches, droughts, cold and heat waves)

जैवीय आपदायें (महामारी, कीट प्रकोप, दावानल)

Biological Disasters (epidemics, pest attacks, forest fire)

इकाई – 3 Unit - III

मानव जनित आपदायें

Man-made Disasters

भवन का ढहना, ग्रामीण तथा शहरी आग, सड़क तथा रेल दुर्घटना, नाभिकीय, विकिरणीय, रासायनिक तथा जैविक आपदायें

Building collapse, rural and urban fire, road and rail accidents, nuclear, radiological, chemicals and biological disasters

तकनीकी अपादायें (रासायनिक, औद्योगिक, नाभिकीय, विकिरणीय)

Technological Disasters (chemical, industrial, radiological, nuclear)

वैष्विक आपदाओं की प्रवृत्ति, आपदा जनित चुनौतियाँ, जलवायु परिवर्तन तथा नगरीय आपदायें

Global Disaster Trends – Emerging Risks of Disasters – Climate Change and Urban Disasters

इकाई – 4 Unit – IV

आपदा प्रबन्धन चक्र तथा ढाँचा

Disaster Management Cycle and Framework

आपदा प्रबन्धन चक्र, जोखिम मूल्यांकन तथा विश्लेषण, जोखिम मानचित्रीकरण

Disaster Management Cycle, Risk Assessment and Analysis, Risk Mapping

पूर्व चेतावनी तन्त्र, तैयारियाँ, आपदा के समय जागरूकता

Early Warning System; Preparedness, Awareness During Disaster

आपदा सहायता केन्द्र, सहायता तथा पुनर्वास

Emergency Operation Centre, Relief and Rehabilitation

आपदा पष्चात हानि तथा आवष्यकताओं का मूल्यांकन, पुनर्निमाण तथा पुनर्विकास

Post-disaster – Damage and Needs Assessment, Reconstruction and Redevelopment

इकाई – 5 Unit - V

भारत में आपदा प्रबन्धन तथा विज्ञान एवं तकनीक की समप्रयोज्यता

Disaster Management in India and Application of Science and Technology

भारत में आपदाओं का विवरण, आपदा प्रबन्धन अधिनियम, 2005 – संस्थागत तथा वित्तीय प्रक्रियायें

Disaster Profile of India, Disaster Management Act 2005 – Institutional and Financial Mechanism

राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन नीति

National Policy on Disaster Management

शासकीय, अषासकीय तथा अन्तर्षासकीय संस्थाओं की भूमिका

Role of Government, Non-Government and Inter-Governmental Agencies

रिमोट सेन्सिग, ग्लोबल पोजिषनिंग सिस्टम (जीपीएस)

Remote Sensing, Global Positioning System (GPS)

आपदा संचार तन्त्र (पूर्व चेतावनी तथा उनका प्रचार–प्रसार)

Disaster Communication System (Early Warning and its dissemination)

भारत में आपदा प्रबन्धन के वैज्ञानिक तथा तकनीकी संस्थान

Science and Technological Institutions for Disaster Management in India

Number Pattern

अंक पैटर्न

External Evaluation (Written Examination) - 70

बाह्य मूल्यांकन (लिखित परीक्षा)

Internal Evaluation - 30

आन्तरिक मूल्यांकन

(Written – 10 + Project Work – 10 + Viva - 10)

(लिखित – 10 + प्रोजेक्ट वर्क – 10 + मौखिकी – 10)

Suggested readings

1. Urban Development Management and Disaster Management
2. By S. L. Goel, S. S. Dhaliwal, S. Chand Publications.
3. Disaster Management, By S. R. Singh,
4. Disaster Management- Future challenges and opportunities
5. By Jagbir Singh, I. K. International Publishing House Pvt Ltd.
6. Disaster Management, By Dr. S. Arulsamy, J. Jayadevi, Neelkamal Publications.
7. Disaster Management and Preparedness, By Nidhi Gaubha Dhawan, Ambrina Sardar Khan, CBS Publishers and Distributors Pvt. Ltd.
8. Disaster Management, By Kapoor Mahesh
9. Disaster Management, By Dr. Harsh K. Gupta, Universities Press Pvt. Ltd.

<u>मानवाधिकार</u>

Semester – III

Human Rights

क्रेडिट – 2 (1 क्रेडिट =15 घंटे)

Credit – 2 (1 Credit = 15 Hors) Maximum Marks = 100

Unit – 1 Human Rights in General

मानव अधिकार – सामान्य

Human rights its meaning and Nature

मानवाधिकार का अर्थ एवं प्रकृति

Human Rights – definitions and classification

मानवाधिकार – परिभाषा एवं वर्गीकरण

Evolution of the concepts of Human Rights

मानवाधिकार की अवधारणा का विकास

Basic concepts of liberty, equality, justice and fraternity

मूल अवधारणा – स्वतन्त्रता, समानता, न्याय एवं बन्धुत्व

Human rights its meaning and Nature

Unit – II Human Rights in International Perspective

अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में मानवाधिकार

Human Rights its development and emerging trends in universal sphere & role of NGO's

मानवाधिकार का विकास एवं सार्वभौमिक परिप्रेक्ष्य में नये आयाम एवं गैर सरकारी संगठनों की भूमिका

International Bill of Rights and Universal Declaration of Human Rights 1948

अन्तर्राष्ट्रीय अधिकार विधेयक एवं मानवाधिकार की सार्वभौमिक घोषणा 1948

The conventions on the rights of child and the conventions on the elimination of discrimination against woman.

बाल अधिकार एवं महिलाओं से भेदभाव के उन्मूलन पर अभिसमय

International convention on economic social and cultural rights 1966

आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकार प्रसंविदा 1966 पर अन्तर्राष्ट्रीय अभिसमय

Unit – III Human Rights in Regional and National Perspective

क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में मानवाधिकार

Constitutional protection of Human Rights in India

भारत में मानवाधिकार का संवैधानिक अधिकार

Protection of Human Rights Act 1993

मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम 1993

Human Rights protection framework of India- National Human Rights Commission its constitutional powers and duties.

भारत में मानवाधिकार संरक्षण संरचना – राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग एवं उसकी संवैधानिक शक्तियां एवं कर्तव्य

The convention on the elimination of all forms of racial discrimination and struggle against Apartheid.

सभी प्रकार की नस्लीय भेदभाव एवं रंगभेद के विरूद्ध संघर्ष का उन्मूलन पर अधिसमय

Unit – IV Vulnerable groups and Human Rights

दुर्बल समूह एवं मानवाधिकार

Whomen Rights

महिलाओं के अधिकार

Rights of the child

बाल अधिकार

Indigenous People

देशी लोग

Older persons

वयोवृद्ध व्यक्ति

Disabled persons

असमर्थ व्यक्ति

Rights of persons belonging to national or Ethnic, religious and linguistic minorities

राष्ट्रीय अथवा जातीय धार्मिक एवं भाषायी अल्पसंख्यकों से सम्बन्धित व्यक्तियों के अधिकार

Unit – V

International Humanitarian law and terrorism

अन्तर्राष्ट्रीय मानवीय विधि एवं आतंकवाद

Application of humanitarian law

मानवीय विधि का प्रयोग

Historical development of Humanitarian law

मानवीय विधि का ऐतिहासिक विकास

Character of Humanitarian law

मानवीय विधि की प्रकृति

Human Rights and Terrorism

मानवाधिकार एवं आतंकवाद

Status of Refugees

शरणार्थियों की स्थिति

Marks Distribution

3rd Semester – Total marks 100

External Evaluation	-	Written Examination	70
Internal Evaluation	-		30
		Project Work – 10	
		Viva – 10	
		Written – 10	

Recommended reading material

- डॉ. एच. ओ. अग्रवाल मानव अधिकार , सेन्ट्रल लॉ पब्लिकेशन, इलाहाबाद (Available in English & Hindi both)
- डॉ. एस. के कपूर, मानव अधिकार, सेन्ट्ल लॉ एजेन्सी, इलाहाबाद (Available in English & Hindi both)

- Dr. S.R. Myneni, Human rights, Asia Law House, Hyderabad.
- Ashwin N. Karia, Human Rgghts, C. Jamnadas & Co. Mumbai
- Paras Diwan & Piyushi Diwan, Human Rights & The Law – Universal & Indian.

Art Appreciation (Visual Art)
BPA-IIIrd Semester

Code- Art App.101

Credit- 02

Painting-

- Nature Study (Practical)
  Flower and Foliage study in Pencil and Brush

- Object Drawing:
  Study of Objects in pencil and water colour

Sculpture -

- Clay Modeling (Practical)
  Sculpture exercise based on the clay modelling method in "Round" and "Relief" and casting in Plaster of Paris.
  (Minimum two works will be submitted in exhibition)

Graphic-

- **Relief Printmaking**
  Rubbing, Potato Print, Mono Print, Lino-Cut Print and Wood-Cut Print
  Or
- **Serigraphy**
  Preparing the screen, Stencil process, gum method, Photo exposing process. Printing in Colour and Black and White.

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छ.ग.)

विषय – योग

बी. पी. ए. सेमेस्टर – III

क्रेडिट – 02 | इकाई – 1 | Max. Marks- 70

घंटे – 30 | Unit – 1

योग की दार्शनिक पृष्ठभूमि

(Philosophical background of Yoga)

– भारतीय दर्शन की सामान्य विशेषताएं
– General Characteristics of Indian Philosophy
– षड्दर्शन
– Shad darshan
– योग की परिभाषा और महत्व
– Definition and Importance of yoga
– योग का इतिहास : भारतीय दर्शन के परिप्रेक्ष्य में
– History of yoga : In the light of Indian Philosophy

इकाई – 2

Unit – 1

राजयोग एवं हठयोग का परिचय : योगसूत्र तथा हठयोग प्रदीपिका के संदर्भ में

Introducation to Raj yoga and hath yoga : With reference of yoga sutra and hath yoga pradipika

– चित्त, चित्तवृत्ति, चित्त भूमि
– Chitta, Chitta vritti, Chitta Bhoomi

– अभ्यास और वैराग्य, क्रियायोग, अष्टांग योग

– Practice and detachment, Kriya yoga, Ashtanga yoga

– हठयोग की परिभाषा

– Definition of Hath yoga

षट्कर्म, कुण्डलिनी का स्वरूप, जागरण के सैद्धांतिक उपाय

Shatkarm, Nature of Kundalini, Theoretical technique of enlightenment

इकाई – 3

Unit – 3

मानव शरीर रचना और क्रिय विज्ञान

Human Anatomy and Physiology

– मानव शरीर – अर्थ और योग में महत्व

– Human body – Meaning and its Importance in Yoga

– पाचन तंत्र एवं उस पर यौगिक अभ्यास का प्रभाव – सामान्य ज्ञान

– Digestive system and effect of yogic practice upon it- General Knowledge

– तंत्रिका तंत्र एवं अंतःस्त्रावी ग्रंथिया तथा उन पर यौगिक अभ्यास का प्रभाव– सामान्य ज्ञान

– Nervous system and Endocrine Glands and offect of yogic practice upon them General Knowledge.

– परिसंचरण तंत्र एवं श्वसन तंत्र तथा उन पर यौगिक अभ्यास का प्रभाव–सामान्य ज्ञान

– Circulatoriy system and Respiratory system and effect of yogic practice upon them- General Knowledge.

इकाई – 4

Unit – 4

आसन और प्राणायाम का वैज्ञानिक अध्ययन

Scientific study of Aasan and pranayam

– आसन की परिभाष एवं उद्देश्य, आसन और व्यायाम में अंतर

– Definition and objective of Aasana difference between execrcise and Aasana

– प्राणायाम की परिभाष और प्रकार

– Definition and types of Pranayama

इकाई – 5

Unit – 5

योग और स्वास्थ्य

Yoga and Health

– प्रमुख रोगो के लक्षण, कारण और यौगिक उपचार

– Symptoms and causes of major diseases and yogic treatment

– आधुनिक जीवन शैली में योग का महत्व

– Importance of yoga in modern life style

अंक विभाजन :

Distriblution

3rd Semester - Total Marks 100

External Assessment Written Examination 70

Intrnal Assessment

(Written – 10, Practical and Viva - 20)

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya

Khairagarh, Chhattisgarh

National Service Scheme

U.G. Level – BPA

Semester - 4

Credit - 2

Teaching Hours - 30

इकाई – 1 रासेयो का परिचय

Unit – I Introduction to NSS,

रासेयो का इतिहास, दर्शन एवं उद्‌देश्य

History, Philosophy and Objective of NSS

रासेयो सम्बन्धी बोध एवं शिक्षा में रासेयो की भूमिका

Perception about NSS and its role in Education

रासेयो के दार्शनिक आधार एवं क्रमिक विकास

Philosophical base of NSS and chronology of its development

लक्ष्य एवं उद्‌देश्य

Aims and objectives

रासेयो का सिद्धान्त

Principals of NSS

आदर्श वाक्य, प्रतीक चिन्ह, बैज

Motto, Symbol & Badge

इकाई – 2 राज्य का रासेयो अधिकारी, कार्यक्रम समन्वयक, जिला संगठक एवं कार्यक्रम अधिकारी तथा स्वयंसेवकों की भूमिका एवं उत्तरदायित्व

Unit – II

Role and responsibilities of State NSS officer, Programme Coordinator, District Organçer & Programme Officer and Volunteer

कार्यक्रम अधिकारियों का चयन, प्रषिक्षण एवं कार्यकाल

Selection Training and tenure of Programme officers

एक शिक्षक समन्वयक, मॉनीटर, प्रशासक एवं सार्वजनिक व्यक्ति के रूप में कार्यक्रम अधिकारियों का उत्तरदायित्व

Role (as an educator, as a coordinator. as a monitor, an administrator and as a public relation person) and responsibilities of Programme officer

कार्यक्रम अधिकारियों के कार्य

Function of Programme Officer

इकाई – 3 नियमित गतिविधियां

Unit – III Regular Activities

अर्थ एवं उद्देश्य

Meaning and object

विशेषताएँ एवं सीमाएं

Characteristics and limitation

विभिन्न क्रियाकलाप–सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम, ऑरियेन्टेषन (अनुस्थापन), योग, खेल, आर्थिक विकास, स्वच्छता, डिजिटल इंडिया, स्वास्थ्य, रक्तदान, सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक गतिविधियाँ एवं नैतिक मूल्य

Various activities - Social Awareness Programme, Orientation, Yoga, Sport, Economic Development, Sanitation, Digital India, Health, Blood Donation, Social Justices, Cultural Activities and Values

एन.जी.ओ एवं जी.ओ.एस के साथ समन्व

Coordination with NGO and GOS

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय रासेयो पुरस्कार

Indira Gandhi National NSS Award

इकाई – 4 विशेष कैम्प

Unit – IV Special Camp

अर्थ एवं उद्देश्य

Meaning and object

विशेषताएं एवं सीमाएं

Characteristics and limitation

विभिन्न क्रियाकलाप—आदर्ष ग्राम योजना, आर्थिक सामाजिक सर्वेक्षण, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण एवं ऊर्जा संरक्षण, उद्यमिता विकास

Various activities- Ideal Village plan, Socio-economic survey, Disaster Management, Environment & Energy Conservation, Entrepreneurship development

इकाई – 5 नेतृत्व एवं व्यक्तित्त्व विकास
Unit – V

Leadership and Personality Development

अच्छे नेता के गुण एवं कौशल

Qualities and Skills of Good Leader

समय प्रबंधन

Time management

निर्णयन

Decision Making

सम्प्रेषण कला

Communication skills

योजना और समीक्षा

Planning and review

Note Number Pattern

टीप अंक पैटर्न

Fourth Semester	–	पूर्णांक 100
चतुर्थ सेमेस्टर		
Written Exam External Evaluation	–	70
लिखित परीक्षा बाह्य मूल्यांकन		
Practical Exam Internal Evaluation	–	30
प्रायोगिक परीक्षा आंतरिक मूल्यांकन		

लिखित – 10 Written - 10

प्रोजेक्ट वर्क – 10 Project Work - 10

वायवा – 10 Viva - 10

पाठ्य सामग्री :

डॉ. आर. सी. अग्रवाल, व्यवसाय प्रबन्ध

पुरस्कार मार्गदर्शिका 2016, छ.ग. शासन

राष्ट्रीय सेवा योजना संहिता, छ.ग. षासन

Ggardner Lindzey, John B. Campbell Calvin S. Hall; Theories of Personality

डॉ. एस. के. कपूर, मानव अधिकार, सेन्ट्रल लॉ एजेन्सी, इलाहाबाद (हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों में उपलब्ध)

डॉ. के. एल. तिवारी, डॉ. एस. के. जाधव – पर्यावरण अध्ययन, अजय प्रकाषन, रायपुर

———————

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छत्तीसगढ़)

बी.पी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर, सत्र 2017–18

अनिवार्य विषय– संग्रहालय विज्ञान

कोड– HD 403   केडिट–2

पाठ्यक्रम–

इकाई–1	विश्व स्तर पर संग्रहालय का इतिहास, भारत वर्ष में संग्रहालय का इतिहास(स्वतंत्रता के पूर्व एवं पश्चात्)
इकाई–2	संग्रहालय का महत्व एवं प्रकार एवं क्षेत्रिय (छ.ग.)संग्रहालय
इकाई–3	संग्रहालय की आवश्यकतायें
इकाई–4	संग्रहालय के कार्य
इकाई–5	विविध पुरावशेषों एवं कलावशेषों का संरक्षण

सहायक ग्रन्थ–

1. डी. पी. घोष – स्टडीज इन म्युजियम्स एण्ड म्युजियोलॉजी ।
2. स्मिता बक्शी – मार्डन म्युजियम
3. सत्य मूर्ति – म्युजियम एण्ड सोसायटी
4. जिमर – म्युजियम मैनेजमेंट
5. सत्य मूर्ति – एडमिनिस्ट्रेटिव प्रोब्लम्स इन इंडियन म्युजियम
6. ग्रेस मोर्ले – म्युजियम टुडे
7. डॉ. संतोश जैन – संग्रहालय विज्ञान
8. डॉ. गिरीश चंद्र – संग्रहालय विज्ञान
9. डॉ. शिव स्वरूप सहाय – संग्रहालय की ओर
10. जी. एच. बेडेकर – सो यू वान्ट गुड म्युजियम इक्जीविषन
11. पेमटरजर लाल – म्युजियम एण्ड गैलरीज

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग
इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छत्तीसगढ़)
बी.पी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर, सत्र 2017–18
अनिवार्य विषय– ट्रैव्हल एण्ड टूरिज़्म

कोड– HD 404   क्रेडिट–2

पाठ्यक्रम–

इकाई–1 पर्यटन की परिभाषा एवं अवधारणा, पर्यटन का महत्व

इकाई–2 पर्यटन स्थलों का वर्गीकरण (स्मारक, संग्रहालय, अभ्यारण, राष्ट्रीय स्थल, आरक्षित वन, मेले एवं उत्सव केन्द्र आदि)

इकाई–3 पर्यटन के संगठन (शासकीय, अर्धशासकीय, नीजि एजेन्सीज, ट्रैव्हल एजेन्सीज आदि)

इकाई–4 यात्रा की औपचारिकतायें (यात्राा की योजना, पासपोर्ट–वीजा, विदेशी आदान प्रदान, आरक्षण एवं टिकटिंग आदि)

इकाई–5 छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थल – राजिम, सिरपुर, रतनपुर, भोरमदेव, लाफा चैतुरगढ़, डोंगरगढ़, खैरागढ़, बस्तर एवं सरगुजा आदि।

अनुशंसित ग्रंथ–

1.	भाटिया	टूरिज्म इन इंडिया
2.	बेन्द्रा	टूरिज्म इन इंडिया
3.	आनन्द	टूरिज्म एण्ड होटल मैनेजमेंट इन इंडिया
4.	टी. वी. सिंह	प्लानिंग इंडियन टूरिज्म प्रमोशन
5.	ब्राइडेन	टूरिज्म एण्ड डेव्हलपमेंट
6.	एस. एन. कौल	टूरिज्म इंडिया, द मोस्ट कम्प्रेहेन्सिव गाइड टू ट्रेवेल इन इंडिया।
7.	बी. पी. सती	टूरिज्म डेवलपमेंट इन इंडिया।
8.	अभय कुमार सेन	टूरिज्म इन इंडिया।
9.	रत्नदीप सिंह	टूरिज्म टू डे, भाग
10.	डॉ. सुरेश चन्द्र बंसल	पर्यटन सिद्धान्त एवं यात्रा प्रबन्धन
11.	मंगलानन्द झा	दक्षिण कोसलके कलचुरि कालीन मंदिर
12.	संचालनालय संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग रायपुर, पर्यटन विभाग रायपुर के द्वारा प्रकाशित पुस्तकें एवं विवरणिका	
13.	साधु राम चरण दास	भारत भ्रमण

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh

B.P.A./ BFA/ B.Voc

ENGLISH LANGUAGE AND COMMUNICATION SKILLS

Code-	**(Credit 02)**
EL 101	**M.M. 100**
	Internal Marks: 30
	External Marks: 70

All questions are compulsory.

Note: Testing and Grading

1. The assessment will be made through internal test, final test, presentations, assignments, class room observation and viva voce examination

UNIT I Communication Skills: Methods, Effective Communication and Barriers to Effective Communication, Mis- Communication

Unit II Writing skills

Report writing

Summary/Note-making

Formal and informal letter writing

CV/ Resume writing

Email Writing

UNIT III Listening and Speaking Skills: Pronunciation, Interaction, Grammar Skills (Through Language Lab)

UNIT III Group Discussion, Interview Skills

Books Recommended:

1. **Communication Skills Handbook, 4th Edition. Jane summers, Brett Smith. Communication**
2. **A Manual for English Language Communication Skills Laboratories by Sudha Rani**
3. **English at the Workplace Part I and II by Delhi University**
4. **Communication Skills: Theory and Practice by Prerna Malhotra and Deb Haldar**

बी.पी.ए., सेमेस्टर पद्धति

प्रयोजनमूलक हिन्दी – वैकल्पिक विषय

चतुर्थ सेमेस्टर के वैकल्पिक एकल प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम

विशेष : प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का होगा। 70 अंक बाह्य परीक्षक एवं

30 अंक कक्षा–शिक्षक द्वारा देय होंगे।

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रयोजन मूलक हिन्दी

(वैकल्पिक विषय)

(एकल प्रश्नपत्र)

कोड–
HP 401

पूर्णांक–100 = 70+30
(बाह्य + आन्तरिक)

प्रस्तावना :

वर्तमान में रोजगारोन्मुख पाठ्यविषय एवं पाठ्यक्रम को प्रमुखता दी जा रही है। विद्यार्थी अध्ययन उपरान्त यथाशीघ्र आत्मनिर्भर बने, यही उद्देश्य प्रधान हो गया है। 'प्रयोजन मूलक हिन्दी' विषय के तो नाम में ही अन्तर्निहत है प्रयोजन अर्थात उद्देश्यपरकता। इसके अन्तर्गत पाठ्यक्रम हिन्दी भाषा और उसके व्याकरण तक सीमित न होकर प्रत्यक्ष विविध कर्मक्षेत्रों जैसे व्यावसायिक, प्रौद्योगिक, पत्रकारिता, विज्ञापन–लेखन आदि में सक्षम बनाने वाला होता है। एक वैकल्पिक प्रश्नपत्र के रूप में इसका अध्ययन विद्यार्थी की कर्मक्षेत्र सम्बन्धी कार्यक्षमता को निश्चय ही बढ़ायेगा। इस पाठ्यक्रम में आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत क्षेत्रीय भ्रमण एवं प्रायोगिक कार्य को सम्मिलित किया जायेगा।

इकाई– 1 राजभाषा हिन्दी : संवैधानिक स्थिति और गति

इकाई– 2 अनुवाद : सामान्य सिद्धान्त और समस्या

इकाई– 3 प्रशासकीय पत्राचार के विविध रूप

इकाई– 4 जनसंचार का माध्यम : मीडिया और हिन्दी / विज्ञापन और हिन्दी

इकाई– 1

(क) पृष्ठभूमि : सामान्य हिन्दी का स्वरूप और उसकी संवैधानिक स्थिति : अनुच्छेद 343 से 351– संविधान
स्वीकृत भाषा–नीति, एक राजभाषा आयोग (सन 1955, संसदीय राजभाषा समिति सन् 1957, राजभाषा अधिनियम 1963, अधिनियम के प्रमुख उपबंध, राजभाषा (संशोधन) अधिनियम 1967, 1976

(ख) प्रयोजन मूलक हिन्दी : आशय एवं महत्ता

(ग) प्रयोजन मूलक हिन्दी : स्वरूप और व्यवहार क्षेत्र– कार्यालयी, शासकीय, अनुवाद, व्यावसायिक और जनसंचार

इकाई– 2

अनुवाद की प्रक्रिया, अनुवाद के प्रकार, साहित्यिक अनुवाद, साहित्येतर अनुवाद, अनुवाद की समस्याएँ एवं समाधान, सूचना प्रधान साहित्य अथवा कार्यालयी अनुवाद, कम्प्यूटर एवं राजभाषा हिन्दी, अनुवाद का महत्व।

इकाई– 3

सामान्य कार्यालयी पत्र, कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, परिपत्र, अर्द्ध सरकारी/अर्द्ध शासकीय पत्र, अनौपचारिक निर्देश, टिप्पणी, अनुस्मारक पत्र, पृष्ठांकन, शासकीय संकल्प/प्रस्ताव, अधिसूचना, प्रेस विज्ञप्ति/प्रेस टिप्पणी, तार।

इकाई– 4

(क) जनसंचार – स्वरूप व महत्त्व और विभिन्न माध्यमों का परिचय

(ख) श्रव्यमाध्यम लेखन – स्वरूप और विशेषताएँ, समाचार लेखन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा, फीचर लेखन

(ग) दृश्यमाध्यम लेखन – स्वरूप और विशेषताएँ, पटकथा लेखन, टेली ड्रामा, डाक्यू ड्रामा, संवाद लेखन, साहित्यिक विधाओं का रूपांतरण

(घ) विज्ञापन में शब्द की भूमिका, विज्ञापन कला और साहित्य, शब्द और भावबोध, माध्यम परिवर्तन :
शब्द और भावबोध, दृश्य–श्रव्य माध्यम की सामान्य विशेषताएँ और विज्ञापन, विज्ञापन की भाषा के रूप में हिन्दी : समस्या और समाधान

अंक विभाजन :

आलोचनात्मक प्रश्न –

इकाई– 1 = 10

इकाई– 2 = 10

इकाई– 3 = 10

इकाई– 4 = 10

लघु उत्तरीय प्रश्न/टिप्पणी

(प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न अनिवार्य है)

05 X 04 = 20

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

10 X 01 = 10

कुल अंक 70

पुस्तकें : 1– प्रयोजनमूलक हिन्दी – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2016, मू. 135

2– राजभाषा हिन्दी : चिन्तन और चेतना – सं. डॉ. किरणपाल सिंह, भारतीय राजभाषा विकास संस्थान, देहरादून, प्रथम सं. 2007, मू. 300

व्यावसायिक हिन्दी / कार्यालयीन अथवा प्रयोजनमूलक

इकाई– 1 हिन्दी भाषा और उसके प्रयोजनमूलक रूप

इकाई– 2 कार्यालय, वाणिज्य, व्यवसाय की हिन्दी

(क) राजभाषा हिन्दी – संवैधानिक प्रावधान, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

(ख) कार्यालयी हिन्दी – स्वरूप और विशेषताएँ

(ग) कार्यालयी हिन्दी–लेखन – स्वरूप व विभिन्न प्रकार, टिप्पण, प्रारूपण, संक्षेपण, पल्लवन, प्रतिवेदन, शिक्षण एवं अभ्यास

(घ) सरकारी पत्राचार – स्वरूप व प्रकार, प्रारूप : परिपत्र, ज्ञापन, कार्यालय आदेश, अर्द्धसरकारी पत्र।

(ड.) व्यावसायिक पत्र लेखन – स्वरूप व प्रकार, प्रारूप : आवेदन पत्र, नियुक्ति पत्र, माँगपत्र, साखपत्र, शिकायत पत्र

इकाई– 3 मीडिया लेखन

(क) जनसंचार – स्वरूप व महत्त्व और विभिन्न माध्यमों का परिचय

(ख) श्रव्यमाध्यम लेखन – स्वरूप और विशेषताएँ, समाचार लेखन, रेडियो नाटक, उद्‌घोषणा, फीचर लेखन

(ग) श्रव्यमाध्यम लेखन – स्वरूप और विशेषताएँ, पटकथा लेखन, टेली ड्रामा, डाक्यू ड्रामा, संवाद लेखन, साहित्यिक विधाओं का रूपांतरण

(घ) विज्ञापन लेखन – विज्ञापन का स्वरूप और महत्त्व, भाषिक विशेषताएँ, लेखनप्रक्रिया

इकाई– 4 कम्प्यूटर, इन्टरनेट और हिन्दी लेखन

(क) कम्प्यूटर – परिचय, रूपरेखा, हार्डवेयर सॉफ्टवेयर का सामान्य परिचय

(ख) वेब पब्लिशिंग – स्वरूप व प्रक्रिया का परिचय

(ग) इन्टरनेट का सामान्य परिचय

(घ) हिन्दी में इन सुविधाओं की उपलब्धता और प्रयोगविधि

(ड.) इन्टरनेट पोटल, डाउन लेडिंग – अपलोडिंग, लिंक, ब्राऊजिंग, हिन्दी सॉफ्टवेयर पैकेज

इकाई– 5 अनुवाद : सिद्धान्त और व्यवहार

(क) सिद्धान्त पक्ष : अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि। कार्यालयी हिन्दी और अनुवाद।
वैज्ञनिक, तकनीकी तथा प्रोद्योगिकी क्षेत्र में अनुवाद।

(ख) व्यावहारिक पक्ष : कार्यालयी अनुवाद, कार्यालयी एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियाँ,
पदनाम, विभाग–नाम, विभिन्न भाषाओं के पत्रों का अनुवाद, बैंक में लिखा पढ़ी सम्बन्धी प्रपत्रों के अनुवाद

(ग) हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका पुस्तकें– (प) प्रयोजनमूलक हिन्दी–डॉ. दंगल झाटे (2) बैंकिंग हिन्दी पाठ्यक्रम–सं. कृष्णकुमार गोस्वामी (3) भारतीय मीडिया : अंतरंग पहचान–सं. स्मिता मिश्र

B.P.A.

Fifth Semester

Computer Application

(Computer Fundamental)

Note: Objective of this paper is to provide basic fundamental knowledge of Computer.

Scheme of Marks:

Total Credits - 2		Total Hours - 30		External		Internal		Total	
				Max Marks	Min. Marks	Max Marks	Min Marks	Max Marks	Min. Marks
Computer Application	(Computer Fundamental)	Theory	Credit – 1 Hours - 15	35	13	15	5	50	18
		Practical	Credit – 1 Hours - 15	35	13	15	5	50	18

Computer Fundamentals

(कम्प्यूटर के आधारभूत)

THEORY (सैद्धांतिक)

Unit – I Introduction to Computer
कम्प्यूटर का परिचय
Type of Computers
कम्प्यूटर के प्रकार
Computer System Characteristic and Capabilities
कम्प्यूटर सिस्टम की विशेषता और क्षमता
Components of Digital Computers
डिजिटल कम्प्यूटर्स के घटक
Classification of Computer
कम्प्यूटर का वर्गीकरण

Unit – II Memory
मेमोरी
Storage Fundamentals
आधारभूत संग्रहण
Primary and Secondary Memory
प्राथमिक और द्वितीयक मेमोरी

RAM, ROM and other types of Memory
रैम, रोम और अन्य प्रकार की मेमोरी
Various Storage Devices – Fixed and Removable
विभिन्न संग्रहण उपकरण – फिक्स्ड और हटाने योग्य

Unit – III Number System
नंबर सिस्टम
Binary, Octet, Decimal and Hexadecimal
बाइनरी , ऑक्टेल, दशमलव और हेक्साडेसिमल
Utility and conversion of number system
नंबर सिस्टम की उपयोगिता और रूपान्तर

Unit – IV Software and its need
सॉफ्टवेयर और इसकी आवश्यकता
Types of Software
सॉफ्टवेयर के प्रकार
System Software
सिस्टम साफ्टवेयर
Application Software
अनुप्रयोग सॉफ्टवेयर
Operating System
ऑपरेटिंग सिस्टम
Algorithm, Flowchart and Program for finding the greatest number out of given three nembers
एल्गोरिथ्म, फ्लोचार्ट और प्रोग्राम–दिए गए तीन नंबरों में से सबसे बड़ी संख्या प्राप्त करने के लिए।

Unit – V MS-WORD
एमएस–वर्ड
Creating and Editing MS- Word Documents
एमएस–वर्ड दस्तावेज बनाना और संपादित करना
Formatting Documents- Aligning Documents
फॉर्मेटिंग दस्तावेज– संरेखण दस्तावेज
Indenting Paragraphs
पैराग्राफ को इंडेंट करना
Changing Margin
मार्जिन बदलना
Formatting – Pages, Paragraphs
प्रारूपण – पृष्ठ, पैराग्राफ

File Printing
फाइल प्रिंटिंग

Recommended reading materials (अनुशंसित पठन सामग्री)

1. Computer Fundamentals – B. Ram – New Age International Publications
2. Computers Today – S.K. Basandra, Galgotia Publications
3. Digital Computer fundamentals- BARTEE- TMH Publications
4. Fundamental of Computer – V. Rajaraman
5. Microsoft Office – Complete Reference – BPB Publications
6. Computer Fundamental – P. K. Sinha – BPB Publications

Practical (व्यावहारिक)

Practical baed on introductory commands :

- DOS – Directory, Copy, Type, Label, Date, etc.
- Windows – Creation of File and Directory. Use of Recycle Bin, etc.
- MS-WORD – Creation of document, adjusting font, size, subscript, superscript, etc.

कौशल विकास

Syllabus for Skill Development courses from the Department of Craft & Design

S. No.	Course Name	Credit Hours	Syllabus
1	Tie & Dye	1	INTRODUCTION: (PPT & Video Presentations) - Definition, classification, different styles of Tie & Dye techniques - Apparel and home textile products made using Tie & dye techniques . - Types of Dyes & Fabrics - Videos of tie & dye techniques , processes. MATERIALS & TOOLS: (Market visit and procurement) - Various Cotton Fabrics - Voile, Poplin, Sheeting, Satin & Twill. - Textile Dyes – Dye poweders & Salt - Tyeing materials- Threads, Cords, twines, ropes, rubber bands, clips etc. - Protective materials – Plastic covers, polythene sheets, Gloves, TECHNIQUES & PATTERNS: (Demos and practice) - Tying techniques of Twisting, Pleating & Folding, Pulling, Scrambling, Sewing, Rolling, Clamping, Gathering, Filling etc.

			- Patterns to explore Dots, Stripes, Sun bursts, Spirals, Ombre effect, Abstract textures, Geometric patterns etc. In Single & Multi colors. - Review presentation student explorations for selection of 1-2 patterns. APPLICATION PROJECT: (Assignment) - Design a product for the selected pattern and technique. The product can be a Cushion Cover / Purse/ Bag/ T-Shirt etc. -
2	Lamp shade Making (paper / fabric)	1	INTRODUCTION: (PPT & Video Presentations) - Introduction to Handmade lamp shades made of paper and fabric. Traditional and contemporary. MATERIAL & TOOLS: (Market visit and procurement) - Various types of Papers and fabrics, threads - Geometry box (scale, divider, rounder, protractor, set squares), Fevicol glue, Paper cutter, Scissors etc. BASIC SHAPES AND CONSTRUCTIONS: (Demos & practice) - Geometry of making basic shapes such as Triangle, Cube, Rectangular, Pentagons etc. - Constructing 3D shapes in paper. PATTERN DEVELOPMENT: - Inspiration selection - Motif & pattern development APPLICATION PROJECT: - Concept and design development for Lamp shade using shapes and pattern developed. - Making actual lamp shade product .
3	Embroidery & Appliqué	1	INTRODUCTION: (PPT & Video Presentations) - Classification of Indian Traditional and contemporary emboroideries & appliques - Apparel and home textile products made using these techniques - Videos of techniques & processes. TOOLS & MATERIALS (Market visit and procurement) - Tools – Needles, Embroidery frames, - Materials – Fabrics such as cotton Poplin, Organdy, Sheeting, Twill etc. Foam sheets, Threads, beads & un conventional material HANDMADE TECHNIQUES (Demos and practice) - Running stitch, chain stitch, satin stitch, cross stitch, blanket stitch, back stitch, rice stitch etc. - Appliqués' regular and reverse appliqué APPLICATION PROJECT: - Inspiration to Motif , pattern and layout development - Material selection & surface development - Product application layout or actual product development such as a scarf/ purse/ bag/ cushion cover.
4	Stencil Printing	1	INTRODUCTION (PPT & Audio and visual presentations) - Historic back ground, usage as art and design. - Characteristics of stencil print. - Application of technique in art, design and decor. TOOLS & MATERIALS:

			- Tools include cutters, Screens & frames, brushes , sponges etc. - Materials – Papers, plastic sheets, colors and pigments. STENCIL CUTTING TECHNIQUES: (Demos & practice) - Motifs, all over patterns, - positive and negative stencils APPLICATION PROJECT: - Selection of product for application such as Bag/ T-shirt/ Scarf / Cushion cover etc. - Inspiration – motif & pattern development - Paper selection & stencil cutting - Print on product or Making the product using the printed material.

Any two courses of the above can be offered per session and maximum 30 students per course can be accommodated. Only one course can be run at a time at the department of Craft & design. Other skill courses can be added and offered from other departments of the University to make it practically feasible to accommodate 250 – 300 students of 5th sem B.P.A students every year.

B.P.A.
Sixth Semester
Computer Application (Introduction to Multimedia)
(Multimedia and Internet)

Note: Objective of this paper is to provide basic knowledge of Multimedia and Internet.

Scheme of Marks:

Total Credits - 2		Total Hours - 30		External		Internal		Total	
				Max Marks	Min. Marks	Max Marks	Min Marks	Max Marks	Min. Marks
Computer Application (Introduction to Multimedia)	(Multimedia and Internet)	Theory	Credit – 1 Hours - 15	35	13	15	5	50	18
		Practical	Credit – 1 Hours - 15	35	13	15	5	50	18

Multimedia and Internet

(मल्टीमीडिया और इंटरनेट)

THEORY (सैद्वांतिक)

Unit – I

Need and use of Multimedia
मल्टीमीडिया की आवश्यकता और उपयोग

Development platform for multimedia
मल्टीमीडिया के लिये विकास मंच

Identifying Multimedia elements
मल्टीमीडिया तत्वों की पहचान

Text, Images, Sound, Animation and Video
पाठ, छवियां, ध्वनि, एनिमेशन और वीडियो

Concept of Plain and formatted Text
सादे और प्रारूपित पाठ की अवधारणा

Common Text Preparation
सामान्य पाठ की तैयारी

Conversion to and from Various Text Formats
विविध पाठ प्रारूपों में और इसके लिए रूपांतरण

Font Size and Various Text Effects
फॉन्ट आकार और विभिन्न पाठ प्रभाव

Unit – II

Images, Sound and Video
छवि, ध्वनि और वीडियो

Importance of Images in Multimedia
मल्टीमीडिया में छवि का महत्व

Image Capturing Methods – Scanner, Digital Camera, etd.
छवि कैप्चरिंग विधियां – स्कैनर, डिजिटल कैमरा, इत्यादि

Various Image File Formats – BMP, JPG, GIF, TIF, PNG, etc and their features
विभिन्न छवि फाइल प्रारूप – BMP, JPG, GIF, TIF, PNG, इत्यादि और उनकी विशेषताएं

Sound and Video with their attributes
ध्वनि और वीडियों के गुण

Anolog vs digital sound & Video
एनालॉग बनाम डिजिटल ध्वनि और वीडियो

Various sound file Formats – WAV, MP3, MP4, etc.
विभिन्न ध्वनि फाइल स्वरूप – WAV, MP3, MP4, इत्यादि

Various Video File Formats – AVI, MPEG, etc.
विभिन्न वीडियो फाइल स्वरूप – AVI, MPEG, इत्यादि

Unit – III	Information Technology सूचना प्रौद्योगिकी Data डेटा Information जानकारी Knowledge ज्ञान Web Page वेब पृष्ठ Website वेबसाइट
Unit – IV	Microsoft Power Point माइक्रोसॉफ्ट पावरप्वाइंट Creating Slides स्लाइड्स बनाना Adding Animation in the Slides स्लाइड्स बनाना Adding Animation in the Slides स्लाइड्स में एनीमेशन जोड़ना Sliding Number, footer, etc. स्लाइडिंग नंबर, पादलेख, आदि।
Unit – V	Introduction to Internet इंटरनेट का परिचय Web Portal वेब पोर्टल E-mail Composing and Sending, giving reply of E-mail, Working with E-mails ई–मेल लिखना और भेजना, ई–मेल का उत्तर देना, ई–मेल के साथ काम करना Multimedia on the Web वेब पर मल्टीमीडिया

Recommended reading materials (अनुशंसित पठन सामग्री)

- Multimedia: Making it Work (4th Edition) – by Tay Vaughan, Tata Mcgraw Hills
- Multimedia in Action – James E Shuman – Vikas Publishing House
- Multimedia Basics – Volume – 1 Technology, Andreas Holzinger, Firewall Media (Laxmi Publication Pvt. Ltd.) New Delhi.

Practical (व्यावहारिक)

Practical based on Ms – Power Point
Composing, Sending and Deleting E-mail
Using Search Engines
Scanning of Images as JPG, PDF, etc.
Recording and Playing Audio and video files.

व्यक्तित्व विकास

Personality Development

स्नातक– बी.पी.ए.

Under Graduate - B.P.A.

सेमेस्टर– 6

Semester. VI

क्रेडिट –1 (1 क्रेडिट = 15 घंटे) — **पूर्णांक– 100**

Credit -1 (1 Credit = 15 Hors) — Max. Marks-100

भाग –1 योग्यता खण्ड – 70 अंक–बाह्य मूल्यांकन

Part I – ABILITY SECTION – 70 Marks - External Evaluation

इकाई–1 Unit I	व्यक्तित्व : व्यक्तित्व की प्रकृति; Personality : Nature of personality; व्यक्तित्व के जैविक गोचर, संस्कृति, लिंग, आनुवांशिकता एवं वातावरण, Biological foundations of personality; Culture; Gender; heredity and environment व्यक्तित्व पर परिस्थितियों का प्रभाव; Impact of situations on personality; व्यक्तित्व के परिप्रेक्ष्यः मनोगत्यात्मक सामाजिक अधिगम, शीलगुणात्मक एवं प्रकार उपागम। Perspectives on personality: Psychodynamic social learning, trait and type approach.	3 घंटे 3 Hrs.	विवरणात्मक प्रश्न –12 अंक Descriptive Question-12 Marks वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 02 अंक Objective Question-02 Marks कुल – 14 अंक **Total- 14 Marks**
इकाई–2 Unit II	मानव विकास के क्षेत्र: Domains of Human Development : संज्ञानात्मक विकास: Cognitive development: पियाजे का परिप्रेक्ष्य; Perspectives of Piaget; विगोत्सकी का परिप्रेक्ष्य; Perspectives of Vygotsky; भाषा का विकास; Language Development;	3 घंटे 3 Hrs.	विवरणात्मक प्रश्न –12 अंक Descriptive Question-12 Marks वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 02 अंक Objective Question-02 Marks कुल – 14 अंक **Total- 14 Marks**

	संवेगात्मक विकास; Emotional Development; नैतिक विकास: Moral Development: कोहलबर्ग का सिद्धांत। Perspective of Kohlberg.		
इकाई–3 Unit III	विकास की अवस्थायें: Stages of Development: फ्रायड की विकास अवस्थायें; Freudian stages of development; एरिकसन की विकास अवस्थायें। Erickson's stages of development.	3 घंटे 3 Hrs.	विवरणात्मक प्रश्न –12 अंक Descriptive Question-12 Marks वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 02 अंक Objective Question-02 Marks कुल – 14 अंक **Total- 14 Marks**
इकाई–4 Unit IV	भारतीय उपागम: Indian approach: भारतीय विचार में आत्म व पहचान, Self and identity in Indian thought, आत्म उद्भव, Emergence of self, व्यक्तिगत पहचान शक्ति का विकास, Development of personal identity strength, व्यक्तित्व की शक्तियां एवं दुर्बलतायें, Strengths and weakness of personality, सेलिगमेन के दृष्टिकोण से व्यक्तित्व शक्ति बढ़ाने हेतु सकारात्मक मनोविज्ञान की भूमिका। Enhancing strength under perspective of positive psychology of Seligman. नैतिकता एवं आत्म प्रत्यय का विकास। Development of morality and self concept. लिंग भेद एवं लिंग भूमिका का विकास । Development of gender differences and gender roles.	3 घंटे 3 Hrs.	विवरणात्मक प्रश्न –12 अंक Descriptive Question-12 Marks वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 02 अंक Objective Question-02 Marks कुल – 14 अंक **Total- 14 Marks**
इकाई–5 Unit-5	व्यक्तिगत क्षमता वर्धन के उपागम: Enhancing individual's potential approach : आत्मशक्ति सिद्धांत; Self-determination theory; संज्ञानात्मक क्षमता वर्धन के उपाय, Enhancing cognitive potential, आत्म नियंत्रण एवं आत्मवर्द्धन; Self regulation and self enhancement; सृजनशीलता का निर्माण। Fostering creativity.	2 घंटे 2 Hrs.	विवरणात्मक प्रश्न –12 अंक Descriptive Question-12 Marks वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 02 अंक Objective Question-02 Marks कुल – 14 अंक **Total- 14 Marks**

भाग –2 कौशल खण्ड– 30 अंक–आंतरिक मूल्यांकन

Part II Skill section - 30 Marks - Internal Evaluation

प्रायोगिक कार्य

Practicum :

नोट– निम्न चार मनोवैज्ञानिक परीक्षणों मे से दो मनोवैज्ञानिक परीक्षण करना अनिवार्य होगा –

Note- Out of the following four any two psychological tests are compulsory-

2 घंटे

2 Hrs.

लिखित–10 अंक

Written-10 Marks

प्रायोगिक रिकार्ड–10 अंक

Practical Record-10 Marks

वायवा–10 अंक

Viva-10 Marks

कुल –30 अंक

Total 30 Marks

1. एक आत्म प्रत्यय परीक्षण।

One tests based on self concept.

2. कोई दो व्यक्तित्व परीक्षण।

Any two tests based on personality.

3. पारिवारिक वातावरण परीक्षण।

One tests based on family environment.

प्रस्तावित पाठ्य सामग्री –

Suggested readings :

1. **विकासात्मक मनोविज्ञान – हरलॉक**
2. **व्यक्तित्व सिद्धांत– अरूण कुमार सिंग**
3. Ggardner Lindzey, John B. Compbell Calvin S. Hall; Theories of Personality
4. Elizabeth Hurloc; Developemental psychology
5. Snyder; Positive Psychology: The scientific and practical explorations of human strengths

बी.पी.ए. सप्तम सेमेस्टर (अनिवार्य विषय)
कला समीक्षा (**Porforming Art**)
(नाट्य, नृत्य व संगीत)

पूर्णांक – 100
आंतरिक – 30
बाह्य – 70
क्रेडिट– 01

1. प्रयोगात्मक प्रदर्शनात्मक कलाओं के श्रव्य और दृश्य आयामों का अध्ययन ।
2. ध्वनि के दो रूप नादात्मक और वर्णनात्मक का विस्तार क्षेत्र ।
3. नाट्य नृत्य व संगीत के सामान्य स्वरूप का अध्ययन ।
4. किसी एक कार्यक्रम को देखकर उसकी समीक्षा करना ।

बी.पी.ए.– सेमेस्टर – 7
लोकसंगीत (अनिवार्य विषय)
प्रायोगिक

BELS 701 **पूर्णांक** –100
Credit – 1 **बाह्य मूल्यांकन** – 70/25
समय – **आंतरिक मूल्यांकन** – 30/11

1. लोकसंगीत की परिभाषा।
2. लोकसंगीत का इतिहास।
3. लोकसंगीत का महत्व और उपादेयता।
4. लोकसंगीत और आधुनिकता।
5. लोकसंगीत के वाद्यों की जानकारी। (कोई तीन स्वर वाद्य, कोई तीन अवनद्ध वाद्य एवं कोई तीन घन वाद्य)
6. लोकनृत्य की विशेषताएं।
7. विभिन्न लोकनृत्यों में प्रयुक्त पहनावा, आभूषण, वेशभूषा तथा रंगभूषा का सामान्य अध्ययन।
8. चैती, कजरी, ददरिया, भोजली, लांगुरिया, बुन्देली, दादरा, बसदेवा गीत, घूमरगीत, ढाणा गीत, बाउल, बनरा गीत प्रकारों की जानकारी एवं प्रस्तुति

9. गेड़ी, सुआ नृत्य, पंथी, करमा (देवार–मंडला) इन पारम्परिक नृत्यों की प्रस्तुति।

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

पाठ्यक्रम

उद्देश्य - यह सुगम संगीत का प्रारम्भिक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को सुगम संगीत के विभिन्न लोकप्रिय स्वरूपों की संतुलित रूप से समझ पैदा करने की दिशा में सहायता करने के लिए बनाया गया है |

बी.पी.ए.– सुगम संगीत

क्रेडिट – 1

कुल अंक – 100 (बाह्य मूल्याँकन – 70 आंतरिक मूल्याँकन – 30)

प्रायोगिक –

1- आकाशवाणी द्वारा अनुमोदित रचाकारों के गीत, ग़ज़ल और भजन की एक एक रचना (कुल तीन) के गायन का अभ्यास |

2- प्रारम्भिक स्वर ज्ञान का अभ्यास |

3– भारत के किसी क्षेत्र का एक लोकगीत अथवा एक देशभक्ति गीत

4- राष्ट्रगान, विश्वविद्यालय कुलगीत और आकशवाणी द्वारा देस राग पर आधारित राष्ट्रगीत की स्वर रचना के गायन का अभ्यास |

5- निम्नलिखित तालों का प्रारम्भिक अध्ययन – त्रिताल, दादरा और कहरवा |

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छ.ग.)

गायन/तन्त्रीवाद्य विभाग, संगीत संकाय

शैक्षणिक सत्र 2017–18

स्नातक पाठ्यक्रम बी. पी. ए.

सहायक विषय – शोध प्रविधि क्रेडिट 03

पूर्णांक 100

सेमेस्टर 7 (बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन – 30)

उद्देश्य –

- अनुसंधान के महत्व की जानकारी ।
- शोध प्रविधि से परिचय ।
- ग्रंथालय एवं इन्टरनेट आर्काइव्ज का प्रयोग।

इकाई – 1 (अ) अनुसंधान की परिभाषा एवं व्याख्या, शोध के सोपान।

(ब) शोधकर्ता के आवश्यक गुण।

इकाई – 2 समस्या का चयन, शोध प्रस्ताव बनाना।

इकाई – 3 (अ) दत्त संकलन के स्रोत, संग्रहण और पुनर्पाप्ति।

(ब) दत्त संकलन के उपकरण।

(स) ग्रन्थालय तथा इंटरनेट आर्काइव्ज का उपयोग।

इकाई – 4 (अ) शोध प्रतिवेदन लेखन पद्धति।

(ब) प्रामाणिक संदर्भ पद्धतियों का अध्ययन।

संदर्भ ग्रंथ

1 सांगीतिक की अनुसंधान प्रक्रिया – डॉ. मनोरमा शर्मा

2 शोध प्रविधि – डॉ. गणेश पाण्डेय और अरूणा पाण्डेय ।

3 अनुसंधान प्रविधि सिद्धांत और प्रक्रिया – श्री एस. एन. गणेशन

4 Research Methodology – C.R. Kothari

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छ.ग.)

गायन/तन्त्रीवाद्य विभाग, संगीत संकाय

शैक्षणिक सत्र 2017–18

स्नातक पाठ्यक्रम बी. पी. ए.

विषय – क्रेडिट 01

सेमेस्टर 8 सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रबन्धन पूर्णांक 100

(बाह्य मूल्यांकन – 70)

(आन्तरिक मूल्यांकन–30)

उद्देश्य –
- कार्यक्रम के प्रबन्धन और नियोजन की जानकारी ।
- वित्तीय संसाधन एवं लेखा सम्बन्धी सामान्य ज्ञान ।
- संप्रेषण कला का विकास ।

इकाई – 1 (अ) सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रबन्धन का सामान्य परिचय और सिद्धान्त।

(ब) सांस्कृतिक कार्यक्रम नियोजन का प्रस्ताव तैयार करना।

इकाई – 2 (अ) वित्तीय संसाधन व्यवस्था के उपाय।

(ब) लेखा सम्बंधी प्रारम्भिक ज्ञान।

इकाई – 3 प्रस्तावित परियोजना का प्रस्तुति कौशल। संप्रेषण क्षमता (लिखित तथा मौखिक) का विकास।

इकाई – 4 (अ) कार्यक्रमों के प्रचार–प्रसार की योजना।

(ब) बौद्धिक सम्पदा अधिकार का सामान्य अध्ययन।

संदर्भ ग्रंथ

1 Event Markting by C.A. Preston

2 Evene Manager's By D.G. Conway

3 Event Planning: The Ultimate Guide to Succesful Meetings, Corporate Events, Fundraising Galas, Conferences,

Corporate Events, Fundraising Galas, Conferences,

Conventions, Incentives and othe Special Events By Judy Allen.

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छत्तीसगढ़)

शिक्षण कौशल

TEACHING SKILLS

स्नातक स्तर–बी.पी.ए.

Under Graduate Level- B.P.A.

सेमेस्टर–अष्टम

Semester VIII

क्रेडिट–1 (1क्रेडिट =15 घंटे) पूर्णांक–100

Credit-1 (1Credit=15) Max. Marks-100

प्रस्तावना

Preamble

शिक्षण कौशल कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न विषयों में स्नातक को व्यावहारिक अभिविन्यास देना है ताकि वे उच्च माध्यमिक और तृतीयक स्तरों पर सक्षम शिक्षक बन सकें । महाविद्यालय के शिक्षकों के लिए किसी भी पेशेवर शिक्षक की तैयारी कार्यक्रम की अनुपस्थिति में, यह कोर्स आधुनिक सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों प्रकार के पर्याप्त शैक्षणिक आदानों को आधुनिक दिनों के संदर्भ में प्रभावी शिक्षण के लिए आवश्यक स्वरूप प्रदान करने में मदद करेगा । कोर्स का उपयोग प्रौद्योगिकी के उपयोग में प्रगति को ध्यान में रखते हुए उच्च कक्षा में शिक्षण और सीखने की प्रक्रियाओं के बारे में नवीनतम सोच पर किया गया है और साथ ही यह कक्षा में क्षेत्रीय वास्तविकताओं की अनदेखी नहीं कर रही है । यद्यपि, एक राय है कि उच्च शिक्षा के शिक्षकों के लिए कोई शिक्षक प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं है, तथापि इस कोर्स से स्नातकोत्तर शिक्षण के पेशे को इस पाठ्यक्रम की मदद से बेहतर बना देगा ।

The purpose of Teaching Skills programme is intended to give practical orientation to Graduates in various disciplines so as to enable them to become competent teachers at Higher Secondary and tertiary levels. In the absence of any professional teacher preparation programme for college teachers, this course will help in providing adequate pedagogic inputs, both theoretical and practical, required for effective teaching in the modern day context. The course is built on latest thinking on teaching and learning processes in Higher Education keeping in mind the advancements in use of Technology and at the same time not ignoring the field realities in the classroom. Although, there is an opinion that no teacher training is required for higher education teachers, this course will make any post graduate entering the teaching profession a better teacher than what he / She would have been without this course.

उद्देश्य :

Objectives:

पाठ्यक्रम छात्रों को सक्षम करने के लिए इंडेंट किया गया है :

The syllabus is indented to enable students to:

1. उच्च शिक्षा में अध्यापन और सीखने के संदर्भ पर प्रतिबिंबित होगा जब वे शिक्षा के क्षेत्र में प्रवेश करेंगे ।

2- Reflect on the context of teaching and learning in Higher Education when they enter teaching profession

3. छात्र सीखने की प्रक्रिया में अंतर्दृष्टि प्राप्त करेंगे, विशेष रूप से उच्च शिक्षा स्तर पर और अपेक्षित शिक्षण की सुविधा के लिए शिक्षण की प्रक्रियाओं पर प्रतिबिंबित करने में सक्षम ।

4- Gain insight in to the processes of learning, especially at Higher Education level and able to reflect on the processes of teaching to facilitate the expected learning, students.

5- उच्च शिक्षा स्तर पर प्रासंगिक विभिन्न तरीकों का पालन करने के लिए कौशल और दक्षता का विकास करना ।

6- Develop skills and competencies to teach effectively following different methodologies relevant at Higher Education level.

7- उच्चतर शिक्षा स्तर पर अध्यापन-शिक्षण में निम्न आदेश संचार माध्यम के साथ-साथ उच्च आदेश प्रौद्योगिकी आधारित मीडिया दोनों का उपयोग करना ।

8- Integrate the use of both lower order communication media as well as higher order technology based media in teaching-learning at Higher-Education level.

अंक विभाजन

Marking pattern

पूर्णांक	100
Maximum Marks	100
सैद्धांतिक- बाह्य मूल्यांकन	70
Theory- External Evaluation	70
लिखित,प्रोजेक्ट वर्क, वायवा- आन्तरिक मूल्यांकन-	30
Written, Project Work, Viva- Internal Evaluation	30

(लिखित 10 + प्रोजेक्ट वर्क 10 + वायवा 10)

(Written 10 + Project work 10+ Viva 10)

यूनिट I- शिक्षण की संकल्पना

Unit-I Concept of Teaching

- शिक्षण : एक कला या विज्ञान ?
- Teaching; An art or Science ?
- शिक्षण और शिक्षा के बीच संबंध
- Relationship between teaching and learning.
- शिक्षण की अवधारणा का विश्लेषण : जानबूझकर नियोजित प्रक्रिया के रूप में शिक्षण : शिक्षण कौशल के संदर्भ में विश्लेषण
- Analysis of the concept of teaching; Teaching as a deliberately planned process; Analysis in terms of teaching skills.
- शिक्षा का सामान्य मॉडल : प्री एक्टिव, इंटरैक्टिव और पोस्ट एक्टिव चरण और उन में शिक्षक की भूमिका
- General models of instruction : Preative, interactive and post active phases and teacher’s role in them.

यूनिट II- कक्षा कक्ष अनुदेशन में शिक्षण कौशल

Unit-II Teaching Skills in Classroom Instructions

विशिष्ट संदर्भ के साथ कक्षा शिक्षण में कौशल का उद्देश्य, घटक और उपयोग :

Purpose, components and use of skills in classroom teaching with specific reference to :

- पाठ की प्रस्तावना
- Ways of introducing a topic.
- प्रभावी प्रश्नों की प्रवाहशीलता
- Employing effective questioning.
- उदाहरणों के साथ दृष्टान्त देना
- Illustrating with examples.
- विभिन्न प्रकार की व्याख्या करना
- Making different types of explanation.
- छात्र प्रतिक्रियाओं को पुनर्बलन देना,
- Reinforcing student responses.
- उदीपन परिवर्तन
- Making variations in stimulus.
- कक्षा में शिक्षण सीखना
- Managing classroom learning.
- पाठ समाप्ति का तरीका
- Ways of closing a lesson.
- शिक्षण कौशल का मूल्यांकन ।
- Evaluation of teaching skills.

यूनिट **III-** शिक्षण रणनीतियां, विधि और शिक्षण सामग्री
Unit-III Teaching Strategies, Methods and Aids

- शिक्षण रणनीति, अर्थ, परिभाषा और इसकी विशेषताएं
- Teaching strategies, meaning, definition & its characteristics.
- शिक्षण रणनीतियों का वर्गीकरण
- Classification of teaching strategies.
- शिक्षण विधियां
- Teaching methods
- शिक्षण तकनीक और रणनीति
- Teaching techniques and tactics.
- शिक्षण कौशल में दृश्य–श्रव्य सामग्री
- Audio-Visual aids in teaching skills.

यूनिट **IV**- कला प्रदर्शन, ललित कला एवं बी. वोक.

Unit-IV Performing Arts, Fine art and B.Voc.

- शिक्षा के एक उपकरण के रूप में नाटक, नाटक के विभिन्न रूप, शैक्षणिक और सामाजिक परिवर्तन के लिए नाटक का उपयोग, सड़क के खेल, पाठ का नाटकीयकरण
- Drama as a tool of learning, different forms of art, use of drama for educational and
  social change, street play, dramatization of a lesson.
- कक्षा में नाटक तकनीकों का प्रयोग : आवाज, भाषण, माइम और हरकत, इंप्रोव, अवलोकन का कौशल, नकल और प्रस्तुति, गायन और वादन, सुर,ताल और लय, सरगम । गायन : लोक गीत, कविताएं और प्रार्थनाएं नृत्य के विविध रूप भरतनाट्यम, कथकली, लोक नृत्य, गरबा, भवाई, भांगड़ा, नृत्य नाट्य
- Use of drama techniques in the classroom: Techniques in the classroom, voice, speech, mime and movements, improve, skills of observation, imitation and presentation. Gayan and vandan, sur, taal and laya, sargam. Vocal : Folk songs, poems and prayers. Various dance forms like Bharatnatyam, Kathakali, Folk Dance, Garda, Bhavai, Bhangra, Nritya Natya.
- स्ट्रोक और स्कैचिंग : चित्रकला के विभिन्न रूपों को समझना : वर्ली कला, मधुबनी कला, ग्लास पेंटिंग, फैब्रिक पेंटिंग ड्राइंग शिक्षा के क्षेत्र में चित्रकला का प्रयोग : चार्ज मेकिंग, पोस्टर मेकिंग, मैच स्टिक ड्राइंग और अन्य रूप
- Strokes & Sketching: Understanding of various means and perspectives, different forms of Painting : Worli Art, Madhubani Art, Glass Painting, Fabric Painting. Use of drawing and painting in education: Chart making, Poster making, Match stick drawing and other forms.
- रचनात्मक लेखन : लेखन, कविता लेखन, सजावटी कला, रंगोली, इकेबाना, दीवार पेंटिंग, शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न कला रूपों का उपयोग ।
- Creative Writing, decorative art, rangoli, ikebana, wall painting, use of different art forms in education.

यूनिट **V-** शिक्षण कौशल और तकनीक

Unit-V Teaching Skills and Technology

- मल्टीमीडिया
- Multimedia
- इन्टरनेट
- Internet
- डिजिटल म्यूजिक
- Digital Music
- डिजिटल एडिटिंग
- Digital Editing
- डिजिटल क्रिएटिविटी
- Digital Creativity

संदर्भित पुस्तकें :

Books recommended

- Jangira N.K. and Ajit Singh (1982) Core Teaching Skills : The Microteaching Approach, NCERT, New Delhi
- Kumar Dr. Akhilesh, Drama and Art Education, Vardhman Mahavir Open University, Kota.
- Information and communication technologies in education : A curriculum for school and programmes of teacher development : Jonathan Anderson and Tom Van Weert: UNESCO 2002
- Adam, DM, Computer and Teacher Teaining : A practical guide, The Howorth Press Inc., NYC, 1985
- Behara SC, Educational Television Programmes Deep and Deep Publication, New Delhi, 1991.
- Kumar, K L (1996) Educational Technology : New Age International (P) Ltd. Publishers, New Delhi.